CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ12/5

राग-बोध

भाग-3-4

72

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, कचौड़ी
वाराणसी-5

लय
णसी-५
/53

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुद्रक :
प्रिंटींग प्रेस,
म्हणपुरी,
महाराष्ट्र.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-बोध

(तृतीय भाग)

आ:2/53
आम्नाय-ग्रन्थालय,
परसनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

लेखक

प्रो. बा. र. देवधर,

प्रिन्सिपॉल

देवधर्स स्कूल ऑफ इंडियन म्युझिक,

गायनाचार्य, पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर चौक,

बम्बई–४.

* * *

पुनर्मुद्रण

सन १९७१

पुस्तक मिलने का पता:
संगीत कार्यालय
हाथरस

★

मूल्य रु. ५=००

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रस्तावना

'राग बोध' पुस्तक माला के तिसरे भाग का यह पूनर मुद्रण आज प्रकाशित हो रहा है। इसका उद्देश्य व्यवहार के चालीस पचास रागों की बाकायदा शिक्षा देने का ही रहा है। इसमें गांधर्व महाविद्यालय मंडल के बनाये हुये तीसरे वर्ष के सभी पाठ्य क्रम का समावेश किया गया है। यहाँ एक राग की कम से कम तीन प्रसिद्ध चीजों के साथ ही एक चीज पर बीस पच्चीस अलाप तानें नमूने के तौर पर दी गई हैं। इस पुस्तक के लिये करीब करीब सभी पुरानी खानदानी चीजों को चुना गया है।

तिसरे वष से ख्याल गायकी की शुरुआत हो जाती है। आरम्भ में विद्यालयों में निश्चित समय में विद्यार्थियों को ख्याल गायकी का पूर्ण अभ्यास कष्ट साध्य है। इसी कारण इस पुस्तक में बडे ख्यालों के कुछ आलाप और तान उदाहरणार्थ दिये गये हैं। जिनके अभ्यास से विद्यार्थी अपने बुद्धिका विकास कर सकते है। इसी के आधार पर आगे ख्याल गायकी बढ़ाने का अभ्यास किया जाय तो विद्यार्थियों को अवश्य लाभ होगा।

इस पुस्तक में आई हुई अधिकतर चीजें मुझे मेरे गुरु पुज्यपाद प. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर जी से प्राप्त हुई है। मरहूम खाँ साहब फैयाज खाँ की बनाई हुई बहार की एक चीज और खाँ साहब बडे गुलाम अली खाँ की बनाई हुई शंकरा की चीज इस पुस्तक में सुन्दर रचना के उदाहरण स्वरुप दी गई हैं। वारणसी के गायनाचार्य स्व. पं. शिवप्रसाद त्रिपाठी जी ने दो पुराने धृपद देकर हमें उपकृत किया है।

मुझ आशा है कि इस पुस्तक से विद्यार्थी जगतको अवश्य लाभ होगा।

वा. र. देवधर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

अनुक्रम

विषय		पृष्ठ
शास्त्रीय-विवरण	...	५-१६
राग केदार		१७
(१) चोरी चोरी मारत हो—धमार	...	१९
(२) जो जो बूंद पडे—तीनताल	...	२०
(३) सुघर चतुर वैया—एकताल	...	२२
(४) कंगनुवा मोरा—तीनताल	...	२४
(५) 'कंगनुवा मोरा'—गीत के आलाप तान	...	२६-३१
राग अल्हैया बिलावल		३२
(१) कवन बटरिया—तीनताल	...	३४
(२) मोरि अरज सुनो—तीनताल	...	३५
(३) प्रवल ही शाम अव दुर्बलहि—झपताल	...	३६
(४) गोपियन आज खेले—धमार	...	३७
(५) 'मोरि अरज सुनो' गीत के आलापतान	...	३८-४६
राग शंकरा		४७
(१) वारू री मृग दृगन को—झपताप	...	४८
(२) तोंतननन नन. तन—तराना—तीनताल	...	५०
(३) एरि सजनी—तीनताल	...	५२
(४) 'एरि सजनी' गीत के आलाप तान	...	५३-५७
राग बहार		५९
(१) अंबुवा बोली रे डार डार—तीनताल	...	६०
(२) तु तो बाहु देसवा—तीनताल	...	६१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) तनों तनन दिरदिर—तराना—तीनताल ... ६३
(४) बालमुवा माई री—तीनताल ... ६४
(५) 'बालमुवा माई री' गीत के आलाप तान ... ६५–७२

राग तिलंग ७३
(१) कान मुरलि वाले - तीनताल ... ७४
(२) ले चल गोकुल गाम—तीनताल ... ७५
(३) चलत चाल गोपि ग्वाल—एकताल ... ७६
(४) 'ले चल गोकुल गाम' गीत के आलाप तान ... ७७–८३

राग पिलू ८४
(१) मन की मन में रही—कहरवा ... ८५
(२) पपिहा रे पीकि बोलि न बोल–तीनताल ... ८६
(३) रघुविर तुमको मेरि लाज—तीनताल ... ८८
(४) कदर प्यारे लागे तुम्से नैन—तीनताल ... ८९
(५) 'रघुविर तुमको मेरिलाज' गीत के तान आलाप ... ९१–९३

राग जौनपुरी ९४
(१) ना दिर दिर दानि–तराना - तीनताल ... ९६
(२) पिया मोरा गइलो बिदेसंवा – तीनताल ... ९८
(३) अब पायल बाजन लागी—तीनताल ... ९९
(४) आइ ये जु आई ये मोरे मेहेल - चौताल–धृपद ... १००
(५) 'अब पायल बाजन लागी'
गीत के आलापतान ... १०२–१०८

राग मालकौंस १०९
(१) कोयलिया बोले अंबुवा—तीनताल ... ११०
(२) मुख मोर मोर मुसकात जात–तीनताल ... ११२
(३) सा सुन्दर बदन के—झपताल ... ११३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) आद शब्द आदि जोति—धृपद-चौताल ... ११५
(५) 'सा सुन्दर बदन' गीत के आलापतान ... ११७-१२३
ख्याल गायकी—विवरण ... १२४-१२६

राग भूप—बडा ख्याल—गायकी १२७
(१) एरिआज भइलजा—एकताल बिलंम्बित ... १२८-१३७

राग यमन—बडा ख्याल—गायकी १३७
(१) 'सलोनारे बालम मोरा' - ताल-झुमरा — बिलंम्बित ... १३७-१४९

राग भीमपलासी—वडा ख्याल-गायकी १४९
(१) अखियाँ मोरि लाग रही - तिलवाडा ... १४९-१६२

राग बागेश्री—वडा ख्याल-गायकी १६३
(१) मोहे मनावन आये हो एकताल बिलंम्बित ... १६३-१७७

राग बिहाग—बडा ख्याल-गायकी १७८
(१) डरिये वा मानस सो—एकताल— बिलंम्बित ... १७८-१८९

राग मालकौंस—बडा ख्याल गायकी १९०
(१) कब हो कपि राघो आवेंगे—एकताल बिलंम्बित ... १९०-२०३

राग भैरव—वडा ख्याल-गायकी २०४
(१) बालमुवा मोरे सैंया—एकताल बिलंम्बित ... २०४-२१७

राग हमीर—वडा ख्याल-गायकी २१८
(१) चमेली फूली चंपा—एकताल-बिलंम्बित ... २१८-२२८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वर-लेखन पद्धति

शुद्ध स्वर के लिये कोई निशान नहीं हैं, ... सा, ग म
कोमल स्वर, स्वर के नीचे–ऐसी पाई देकर दिखाया है, ग॒, ध॒, नी॒
तीव्र स्वर के लिये खडी रेखा दी गई हैं, ... मं
मंद्र सप्तक के स्वर के नीचे ऐसा बिंदु है, ... म़, प़ नी़
मध्य सप्तक के स्वर के लिये कोई निशान नहीं है, ... ग, म, प
तार सप्तक के ऊपर, ऐसा बिंदु है, ... सां, रें, गं
चंद्र ‿ के अंदर आनेवाले सभी स्वर एक मात्रा में गाने चाहिये, ... सारे, सारेगम
जिस स्वर से जिस स्वर तक मींड़ होगी, वे दोनों स्वर चंद्र से दिखाये जाते हैं, ... म रे
जिस स्वर के आगे ऐसी – रेखा होगी, उसके पीछे का स्वर एक मात्रा बढ़ाना चाहिये, .. सा–
गीत के जिस शब्द के आगे ऽ अवग्रह हो उस शब्द का अंतिम स्वर (अकार, आकार इ) बढ़ाना चाहिये, ... ऽ
स्वर के अगलबगल ऐसा ( ) चंद्र होने पर, उसके आगे का स्वर, वह स्वर और उसके पीछे का स्वर और पुनः वह एक मात्रा में बोलना चाहिये, जैसे–(प) = धपमप
स्वर पर के बारीक स्वरोंको, अलंकारिक स्वर (Grace-note) कहते हैं उस स्वर से खास स्वर पर जाना चाहिए, जैसे .... }प म
सम × इस निशान से दिखाया है, ... ×
और खाली अथवा काल ० इस निशान से दिखाया गया है, ... ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ. भा. गान्धर्व महाविद्यालय मंडलके

मध्यमा, तृतीय वर्ष का अभ्यासक्रम

गायन शास्त्र

निम्नलिखित विषयोंका यथोचित ज्ञान।

(स) सात स्वरों में २२ श्रुतियों का आधुनिक पद्धती से विभाजन, वादी स्वर का राग के समय से संबंध, आंदोलन की चौडाई उसके नाद के छोटे और बडेपन से संबंध, खींचे हुए तार की लम्बाई का नाद और उसके ऊँचे-नीचेपन से संबंध, मेल और राग के विशेष नियम, गणितानुसार उत्तर भारतीय ३२ ठाठों की रचना, संधिप्रकाश राग।

(रे) तानों के प्रकार:— सरल तान, कूट तान, मिश्र तान, सपाट तान, जमजमा, गमक, थिरक तान आदि; आडी, उठाव, चलन तथा नाद, श्रुति स्वर सप्तक आदि शब्दों की अधिक विस्तृत परिभाषाएँ।

(ग) अब तक सीखे हुए सभी रागों का पूर्ण विस्तृत वर्णन। उनका स्वर विस्तार तथा तानें लिखने की क्षमता।

(म) ध्रुपद धमार की दुगुन, चौगुन लिखना। कठिन स्वर समूहों द्वारा, राग पहचानना।

(प) सम प्रकृतिक रागों की तुलना एवं उनके अंतर का ज्ञान।

(ध) अब तक सीखे हुए सभी तालोंका पूर्ण वर्णन, उनकी दुगुन, तिगुन, चैगुन लिखना।

(नी) प. विष्णू दिगंबर तथा पं. भातखंडेजी की स्वर-लिपियों का पूर्ण ज्ञान।

(सा) पं. विष्णु दिगंबर, पं. भातखन्डे जी तथा तानसेन की संक्षिप्त जीवनियाँ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मध्यमा तृतीय वर्ष

गायन-क्रियात्मक

संगीत मध्यमा के पाठ्यक्रम से विलंबित गायकी का प्रारंभ होता है। अतः यह आवश्यक होगा कि विद्यार्थी ताल के अंतर्गत अपनी कल्पना द्वारा साधारण स्वर विस्तार करके मुखडा या सम पकड सके।

(स) स्वर ज्ञान में विशेषता। प्रत्येक सप्तक के शुद्ध एवं विकृत स्वरों की समुचित पहचान। पांच स्वरों के समूहों को, जो अब तब सीखे हुए किसी राग से लिए हो एवं मध्यलय में बोले गए हो, पहचानना तथा लिखे हुए स्वरों को पढना।

(रे) तान पूरा मिलाने का साधारण अभ्यास।

(ग) गले से कण, खटके मुरकीयों के निकालने का अभ्यास। विभिन्न रागों में अब तक के सीखे हुए विभिन्न तालों में अलंकार बनाने तथा गाने का अभ्यास।

(म) इस वर्ष के लिये आठ नये राग रखे गये हैं। (१) केदार (२) अल्हैयाविलावल (३) शंकरा (४) बहार (५) तिलंग (६) पिलु (७) जौनपुरी (८) मालकंस।

इन रागों की पढाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा—

(अ) उपरोक्त तथा पहले सभी वर्षों के सभी रागों का स्पष्ट ज्ञान।

(ब) उपरोक्त सभी रागों में छोटा ख्याल।

(क) केदार, शंकरा, मालकंस, बहार, जौनपुरी, अल्हैयाविलावल तथा भैरव में से किन्हीं दो रागों में दो ध्रुपद तथा दो धमार (हाथ से ताली देकर) दुगुन और चौगुन के साथ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(ड) पिलु तथा तिलंग में धून तथा भजन ।

(ई) अवतक के २४ रागों में से किन्हीं दो रागों के दो तराने ।

विलंवित गायकी :- अव तक के २४ रागों में से—निम्नांकित ८ रागों में प्रत्येक में एक–एक वडा ख्याल । उनमें भूपाली तथा यमन के बडे ख्याल अलाप, तान, वोलतान के साथ पूरी गायकी के लिये तथा शेष राग केवल स्थायी अंतरा तथा प्रारम्भिक अलाप के लिये ।

(१) यमन, (२) भूपाली, (३) भीमपलासी, (४) वागेश्री (५) विहाग, (६) मालकंस, (७) भैरव, (८) हमीर ।

इस तरह इस वर्ष ८ छोटे ख्याल, ८ बडे ख्याल, २ ध्रुपद, २ धमार, २ भजन तथा २ तराने कुल मिलाकर २४ गीत होंगे ।

(प) राग पहचान ने में निपुणता ।

(ध) लय संवंधी विशेष स्पष्ट ज्ञान ।

(नी) ताल :– झुमरा, सूल, तिलवाडा, दीपचन्दी तथा पिछले सभी तालोंके ठेकों को मात्राओं के द्वारा हाथ से ताल देते हुए दुगुन, तिगुन और चौगुन में कहना ।

(सां) त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, धमार, कहरवा, दादरा इन तालों के ठेके तवले पर वजाना । तथा अव तक के सीखे हुए ताल किस गायन शैली के लिए हैं, जानना चाहिए ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शास्त्री-विवरण

सात स्वरों का २२ श्रुतियों में आधुनिक पद्धति से विभाजन

२२ श्रुतियों का विभाजन प्राचीन काल से ही मिम्न प्रकार से किया गया है। "सा" की श्रुतियाँ चार, "रे" की तीन, "ग" की दो, "म" की चार, "प" की चार, "ध" की तीन एवं "नी" की दो। कुल श्रुतियों की संख्या २२ होती है जिनमें " सा म प " में चार-चार, इसप्र कार "रेध" में प्रत्येक की तीन तथा "गनी" में दो-दो, श्रुतियों का विभाजन किया गया है। प्राचिन काल में स्वर आखिरी श्रुति में माना गया था। इसलिए चौथी श्रुति में "सा", ७ वी श्रुति पर "रे", ९ वी पर "ग", १३ वीं पर "म", १७ वीं पर "प", २० वीं पर "ध" तथा २२ वी पर "नी" यह स्वरोंका क्रम होता है। किन्तु इस प्रकार के गायन से गांधार, ऋषभ के करीब आता है तथा निषाद भी धैवत के पास आ-जाता है। अर्थात् गांधार एवं निषाद कोमल बन जाते है। निदान यह स्वर काफी राग की तरह गाये जायेंगे। परन्तु यह "स्वर-सप्तक" वर्तमान कालीन प्रचार में नही है। आज जिन शुद्ध स्वरों का प्रचार है उस आधार से गांधार एवं निषाद का उपयोग भिन्न है। अर्थात् आधुनिक याने वर्तमान प्रकार में स्वरों की श्रुति संख्या पुरातन कालीन ही है, किन्तु पहले श्रुति पर स्वर लेने से ही आधुनिक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सप्तक प्राप्त होता है। यदि पहले श्रुति पर स्वर लिए जाँग तो वे निम्न प्रकार से प्रतीत होंगे। "सा" प्रथम श्रुति पर, "रे" पाँचवीं पर, "ग" आठवीं पर, "म" दसवीं पर, "प" चौदहवीं पर, "ध" अठारहवीं पर तथा "नी" इक्कीसवीं पर।

प्राचीन :—				सा			रे		ग			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
आधुनिक :—	सा				रे				ग		म	

प्राचीन :—	म				प				ध	नी
	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२
आधुनिक :—		प				ध			नी	

वादी स्वर का राग के समय से संबंध

किसी भी राग के वादी स्वरों से राग का समय निश्चित किया जा सकता हैं। प्राचीन पंडितों ने दिन को दो भागों में बाँटा है। पहला भाग दिन के १२ बजे से रात्रि के १२ बजे तक होता हैं। जिसे पूर्वार्ध या पूर्वांग कहते हैं। दूसरा भाग अर्थात् जो भाग रात्रि १२ से दिन के १२ तक होता है जिसे " उत्तरांग " या " उतरार्ध " कहते हैं। जिन रागों का वादी स्वर सप्तक के पूर्वार्ध में होता है वे दिन के १२ बजे से लेकर रात्रि के १२ तक गाये जाते हैं, एवं जिन रागों का वादी स्वर सप्तक के अपरार्ध मे होता हे वे रात्री के १२ वजे से दिन के १२ बजे तक गाये जाते हैं। म तथा प यह दोनों स्वर पूर्वांग एवं उत्तरांग दोनो ही में आ सकते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आन्दोलन की चौड़ाई और उसका नाद के छोटे और बड़ेपन से संबंध

तार जोर से छेड़ीजाने पर, उसके आंदोलन की चौड़ाई वढ जाती है। साथ ही साथ आवाज भी वडा हो जाता है। वही तार धीरे से छेडे जाने पर आंदोलन की चौड़ाई कम होती है, अर्थात् आवाज धीमा होता है। मतलव यह, कि वडे आवाज के लिये अधिक जोर का आघात करना पड़ता है। याने आंदोलन की चौड़ाई वढ जाती है।

खिंचे हुए तार की लम्बाई का नाद के ऊंचे नीचे पन से संबंध

यदि किसी लम्वे तार को एवं उससे छोटे तार की वरावरी का तनाव दिया जाय तो लम्बा तार नीचे के स्वर में आवाज करेगा। छोटा तार इस लम्बे तार की अपेक्षा बहुत ऊँचे स्वर में वजेगा। लम्वे तथा छोटे तारों को समान रूप से तनाव दिये जाने पर लम्बे तार के आंदोलन छोटे तार से कम होंगे अतः उसका स्वर नीचे का होगा। छोटे तार में अधिक आंदोलन होनें की वजह से वह ऊँचे स्वर में वजता है। इसीलिए पुरुषों के तानपूरों में लम्वाई अधिक होती है। स्त्रियों के लियें वनाये जाने वाले तानपूरों में जो कि ऊँचे स्वर में वजते हैं, लम्वाई कम होती है। अर्थात् पुरुषों के तानपूरों की अपेक्षा इनमे कम लम्वाई के तार रहते हैं।

मेल या ठाट

'मेल या ठाट' का अर्थ है–स्वरों की कोमल तीव्रता को लेकर की हुई एक निश्चित स्वर–रचना। इसी स्वर–रचना मे वादी–संवादी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वर, रागों में रही हुई स्वर संख्या, स्वरों कीं प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग–अलग प्रकार के परिवर्तन करने पर कई प्रकार के राग निर्मित होते हैं।

उदाहरणार्थ हम एक ऐसा स्वर–समुदाय लें, जिसके पूरे सप्तक में सारे स्वर शुद्ध हैं। यह एक निश्चत प्रकार की स्वर–रचना हुई। इस प्रकार की स्वर–रचना को बिलावल ठाट कहते हैं। अब यदि इस मेल या ठाट के साथ शुद्ध स्वरों में से सिर्फ सा, रे, म, प. ध, इतने ही पाँच स्वर लेकर 'म' को वादी स्वर बनाया जाय तो वह दुर्गा राग होता है। इसी तरह सिर्फ 'म' को वर्ज्य कर गंधार और निषाद को वादी संवादी माना जाय तो शंकरा राग बन जाता है।

प्रचलित दस मेल या ठाट

इस तरह के प्रचलित मेल या ठाट दस हैं, जिनके नाम नीचे दिये जाते हैं :–

१. विलावल मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी
सभी स्वर शुद्ध।

२. कल्याण मेल—सा, रे, ग, मं, प, ध, नी
मध्यतीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

३. खमाज मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी̱
निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

४. भैरव मेल—सा, रे̱, ग, म, प, ध̱, नी
ऋषभ और धैवत कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

५. पूर्वी मेल—सा, रे̱, ग, मं, प, ध̱, नी
ऋषम और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६. मारवा मेल—सा, रे, ग मं, प, ध, नी

ऋषभ कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध ।

७. काफी मेल—सा, रे, ग, म, प, ध नी,

गंधार और निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध ।

८. आसावरी मेल--सा, रे, ग, म, प ध नी,

गंधार, धैवत और निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध ।

९. भैरवी मेल--सा, रे, ग, म, प, ध, नी

ऋषभ, गंधार धैवत और निषाद कोमल, मध्यम शुद्ध ।

१०. तोडी मेल—सा, रे ग, मं, प, ध नी

ऋषभ, गंधार और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध ।

मेल या ठाट—संबंधी नियम

१. सप्तक के बारह स्वरों में से ही मेल या ठाट का निर्माण होता है ।

२. मेल या ठाट का संपूर्ण होना जरूरी है, यानी उसमें सातों स्वर क्रम से होने चाहिए ।

३. मेल या ठाट के लिये आरोह-आवरोह या रंजकता संवंधी कोई आवश्यकता नही है ।

४. मेल या ठाट को उसमें रही हुई स्वरमाला से निर्माण होने वाले और उपर्युक्त नियम अधिक–से–अधिक मात्रा में पाये जाते है, ऐसे किसी एक प्रख्यात राग का नाम दिया जाता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मेल या ठाट को राग नहीं कहा जा सकता, यह बात अच्छी तरह ध्यान में रखनी चाहिये; इसलिये नीचे बताये हुये राग सम्बन्धी नियम मेल या ठाट के नियमों से अच्छी तरह मिलाकर देख लिये जांय।

राग—संबंधी नियम

१. राग मेल या ठाटों से निर्मित होता है।

२. राग में कम से कम पाँच स्वर होने चाहिये।

३. राग में आरोह-अवरोह और रंजकता होनी चाहिये।

४. 'म' और 'प' इनमें से एक–न एक स्वर राग में होना जरूरीं है।

५. एक ही स्वर के दो प्रकार यानी 'कोमल' तथा 'शुद्ध' या 'शुद्ध' तथा 'तीव्र' एक दूसरे के बाद राग में आमतौर से नहीं आते है।

आश्रय राग या जनक राग

जिस प्रसिद्ध राग का नाम किसी मेल या ठाट को दिया जाता है, उसे आश्रय राग या जनक मेल कहते है और उस मेल या ठाट से निर्मित होने वाले अन्य रागों को जन्य राग कहते हैं।

गणितानुसार उत्तर भारतीय ३२ ठाटों की रचना

प्रत्येक मेल या ठाट में लगातार सात स्वर होने चाहिये। अर्थात हर ठाट के स्वर एक दूसरे से भिन्न हो। यह मेल या ठाट के बारे में एक आवश्यक नियम है। गणितानुसार उत्तर हिंदुस्थानी संगीत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

में एक दूसरे से सर्वथा अलग सिर्फ ३२ ही ठाट हो सकते हैं। उनकी रीति निम्न प्रकार की है :—

सप्तक में पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध दो विभाग होते हैं। प्रथम हम देखें कि पूर्वार्ध में कितने प्रकार बन सकते हैं। अर्थात उत्तरार्ध के "प ध नी सां" स्वर उसमें उसी तरह से रखे जायेंगे।

प्रथम हम पूर्वाङ्ग के सब कोमल शुद्ध स्वरों को एक साथ देखें कि उसमें से उपरोक्त; कितने प्रकार हो सकते हैं। फिलहाल हम तीव्र 'मं' को अलग रखेंगे एवं केवल शुद्ध मध्यम का ही उपयोग करेंगे।

सा रे रे ग ग म प ध नि सां

१ सा रे ग म प ध नि सां
२ सा रे ग म प ध नि सां
३ सा रे ग म प ध नि सां
४ सा रे ग म प ध नि सां

हमें पूर्वांग के स्वरों से सिर्फ चार स्वतंत्र प्रकार उपलब्ध होते हैं तथा उन्हें अंकों द्वारा दिखाया गया है। किन्तु यदि पूर्वार्ध के "सा रे ग म" मात्र ज्यों के त्यो रखें और उत्तरार्ध के कोमल शुद्ध स्वर लिये जाँय तो हमें निम्न प्रकार मिलते हैं :—

सा रे ग म प ध ध नी नी सां

१ सा रे ग म प ध नी सां
२ सा रे ग म प ध नी सां
३ सा रे ग म प ध नी सां
४ सा रे ग म प ध नी सां

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उत्तरार्ध से यही अलग अलग चार प्रकार उत्पन्न हुए हैं। किन्तु इनमें से पूर्वांग का प्रत्येक प्रकार बारी बारी से उत्तरार्ध के प्रत्येक प्रकार के साथ लिया जाय तो ४ × ४ = १६ प्रकार के ठाट या मेल हमें मिलते हैं। यह १६ प्रकार केवल शुद्ध मध्यम से मिले। किन्तु शुद्ध मध्यम के स्थान पर तीव्र 'म' लेने से और सोलह प्रकार तयार हो जायेंगे।

जैसे :—

सा रे रे ग ग मं प ध नी सां

१ सा रे ग मं " " " "

२ सा रे ग मं " " " "

३ सा रे ग मं " " " "

४ सा रे ग मं " " " "

अब पूर्वार्ध वैसाही रखते हुये उत्तरार्ध में कोमल तथा तीव्र स्वर बदलने से निम्नलिखित प्रकार प्राप्त होगा।

सा रे ग मं प ध ध नी नी सां

१ सा रे ग मं प ध नी सां

२ सा रे ग मं प ध नी सां

३ सा रे ग मं प ध नी सां

४ सा रे ग मं प ध नी सां

इस प्रकार उत्तरार्ध से हमें चार अलग अलग प्रकार प्राप्त हुये। अगर हम पूर्वांग के प्रत्येक प्रकार को क्रम से उत्तरार्ध के प्रत्येक प्रकार के साथ, क्रमसे रखें तो हमे ४ × ४ = १६ प्रकार के 'थाट'

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

या 'मेल' प्राप्त होंगे। सिर्फ शुद्ध मध्यम लेकर १६ प्रकार तथा तीव्र मध्यम के १६ प्रकार १६+१६=३२। कुल ३२ प्रकार के 'थाट' या 'मेल' हमें हिंदुस्तानी संगीत में प्राप्त हो सकते हैं।

संधि प्रकाश राग

संधिप्रकाश हमें दिन में दो बार देखने को मिलता है। पौ फटते समय अर्थात उष:काल और सूर्यास्त के समय। इसी समय गाये जानेवाले राग "संधिप्रकाश राग" कहलाये जाते हैं। संधिकाश रागों में ऋषभ एवं धैवत कोमल तथा गांधार शुद्ध रहते हैं। साधारणतया सबेरे के संधिप्रकाश रागों में मध्यम शुद्ध रहता है। संध्या के संधिप्रकाश रागों में मध्यम तीव्र रहता है। भैरव, कलिंगडा एवं जोगिया सुबह के संधिप्रकाश राग हैं तथा पूर्वी, पूरिया धनाश्री तथा मारवा संध्या समय के संधिप्रकाश राग होते हैं। संध्या समय के संधिप्रकाश रागों में पूर्वी तथा मारवा ठाट के रागोंका अन्तर्भाव है।

तानों के प्रकार

जलद लय में रागों का जो विस्तार किया जाता है, उसे तान कहते हैं।

(१) सरल तान :— जिस तानमें लय का प्रमाण एक समान हो और वह सीधे आरोहवरोह की हो उसे 'सरल तान' कहते है जैसे। सा रे ग म प ध नी सां। सां नी ध प म ग रे सा।

(२) कूट तान :— कूट का वास्तविक अर्थ है पहेली (Puzzle) जिस तान में स्वरों का क्रम सीधा न हो कर उलटा सीधा होता है उसे 'कूट तान' कहते हैं। इसके स्वरों के क्रम का अंदाज लगाना बहुत कठिन है। जैसे :— सारे गरे पम धप नीध मनी धध रेसां। धनी धप गम गरे गरे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(३) मिश्र तान :— इस तान का कुछ भाग सीधा होता है तथा कुछ भाग क्रमहीन। यों कह सकते हैं, कि यही कूट तान एवं सरल तान का मिश्र प्रकार है। जैसे :— ग म प ध नी सां। गं रें नी सां ध नि म प ध प म ग रे सा।

(४) सपाट तान :— यह सरल तान का ही एक प्रकार है। किन्तु यह कुछ जल्द गाई जाती है तथा इसमें किन्हीं स्वरों पर विशेष जोर दिया जाता है।

(५) ज़मज़मा :— यह प्रकार सितार पर बजाया जाता है ; किन्तु गायक उसी तरह तान भी गा लेते हैं। इनमें दो–दो स्वर बार बार दोहराना तथा उनका क्रम बदलते रहना, यह मुख्य सूत्र है। इसी को ज़मज़मा तान कहते हैं। जैसे :— सारे सारे। रेग रेग गरे गरे। सारे सा। सारे सा सारे सा रेसा। रेसा।

(६) गमक तान :— स्वरों के कम्पन से गमक तान उत्पन्न होती है ऐसी इसकी व्याख्या पाई जाती है। किन्तु इस शब्द की उचित रूप से व्याख्या अभी तक नहीं बनी है। स्वरों में विशेष जोर लाना, आवाज में कंप उत्पन्न करके उसकी माधुरी बढाना यह इसकी विशेषता है। आजकल ध्रुपद के गायक प्रायः इसका उपयोग करते हैं।

(७) आडी :— इस शब्द के दो अर्थ प्रचलित है। कहीं कहीं "तिगुण" को ही आडी कहते हैं। किन्तु असल में आडी याने ड्योढा। अर्थात् दो मात्राओं में तीन का सामना। लेकिन " तिगुण " में तीन एक मात्रा स्वर समाते है।

(८) अक्षिप्तिका :— शब्द, स्वर एवं ताल इनकी सहायता से तयार की हुई रचना " अक्षिप्तिका " कही जाती है।

(९) उठाव :— कम से कम रागवाचक स्वरों से जब राग की शुरुवात की जाने पर राग तात्काल पहचाना जा सके तो उसे राग का " उठाव " कहते हैं। कुशल गायक शुरु के दो–तीन स्वरों में ही राग का स्वरूप सामने खडा कर देते है जैसे :— नी़ सा ग म ग, केवल इन्हीं सुरों की अच्छी तरह गाने पर श्रोतागण, तात्काल पहचान सकते हैं, कि यह 'विहाग' है। इन उपरोक्त स्वर-समुच्चय को राग का उठाव कहते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१०) चलन :— प्रत्येक राग के अरोहावरोह में कुछ विशेषता होती है। कुछ सीधे सादे गाये जाते हैं तो अन्य कुछ वक्र गति से। प्रत्येक राग के विशेष नियमों से बद्ध उसके आलाप को उस राग का 'चलन' कहते हैं।

तानसेन

इ. स. १५०० के लगभग की बात है। ग्वालियर से सात मील की दूरी पर स्थित "बेहट" नामक गाँव में मकरंद पांडे नामक एक सदाचारी ब्राह्मण रहते थे। वैसे तो वे सुखवस्तु थे किन्तु उन्हें पुत्र न होने से वे बहुत दुखी थे। सभी उपायों से हारने के बाद वे ग्वालियर के महंमद घौस नामक एक सिद्ध फकीर के दर्शन करने गये। फकीर ने आशीर्वाद दिया कि उन्हें पुत्र होगा। मकरंद पांडे बहुत खुश हुये और उन्होंने भी वचन दिया कि यदि पुत्र हुआ तो वह फकीर के हेतु उन्हें चरणार्पित करेंगे। संयोगवशात इ. स. १५३०–३२ में उन्हें एक पुत्र हुआ। उसका नामकरण 'तन्नामिश्र' हुआ। मकरंदजी के खुशी का क्या ठिकाना, उनके हाथ तो मानो आसमान छू रहे थे। बच्चे के लाड प्यार से उनका आनन्द प्रतिदिन द्विगुणित हो जाता था। तन्नामिश्र की बुद्धि बहुत तेज थी, एवं कुछ चंट भी था। बचपन में ही उसने कई पशुपक्षियों के एवं जानवरों के आवाज की हुवहू नकल करना सीख लिया था। इसमें उसे फसल की रक्षा करने में बहुत मदत मिलती थीं।

एक दिन मथुराके सन्त एवं गायक हरिदास स्वामी अपने शिष्यों के साथ यहाँ से गुजरे। इतने ही में उन्होंने शेर की भयानक दहाड सुनी : उनके शिष्यों का तो बुरा हाल था। लेकिन स्वामी जी ने सबको धीरज बँधाया और कहा कि इस बस्ती में जंगली जानवरों का होना नितांत असम्भव है। अतः हम लोग भीतर बगीचे में चल कर स्वयं देखें कि वह कौन है जो शेर के आवाज की भी नकल कर सकता है। तन्नामिश्र को देखकर हरिदास स्वामी बहुत प्रसन्न हुये, एवं उन्होंने ठीक ही जान लिया कि यह लडका अद्वितीय संगीतज्ञ हो सकेगा। उसके पिता को समझा बुझाने के बाद स्वामीजी तन्नामिश्र को साथ में लिये मथुरा की ओर चल पडे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तन्नामिश्र ने स्वामीजी की मनोभाव से सेवा की एवं संगीत की पूरीपूरी जानकारी थोडे ही समय में प्राप्त कर ली। कुशल गायक युवा तन्नामिश्र को देखकर उसके पिता वहुत आनंदित हुए। लेकिन उन्हें महंमद घौस को दिये वचन का स्मरण था। वे तन्नामिश्र को साथ लिये ग्वालियर गये। तन्नामिश्र का गायन सुनकर बुढे फकीर बहुत प्रसन्न हुये एवं कुछ प्रसाद देने के हेतू अपने मूंह में चबाते हुए पान का रस तन्नामिश्र के मूंह में डाल दिया। मुसलमान का झूठा खाने के अपराध स्वरूप तन्नामिश्र को जवरन् मुसलमान वनना पडा।

तानसेन कई वर्ष तक ग्वालियर के राजा के साथ रहने के पश्चात् रीवां नरेश राजाराम के साथ रीवाँ गये एवं वहाँ के दरबारी गायक वन गये। धीरे धीरे तानसेन का कीर्तिसुगंध हिन्दुस्तान के कोने कोने में फैल गया। यह बात अकवर बादशाह ने भी सुनी। अकवर बहुत रसिक था, अतः उसने रीवाँ नरेश से प्रार्थना की कि उनके दरवार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ का गायन उन्हें सुनने को मिले। रीवाँ नरेश ने बहुत सम्मान के साथ तानसेन को भेजा। जैसा कि अपेक्षित ही था, अकवर वादशाह गायक पर "बहोत खुष हुये" और रीवां दरबार का गायक दिल्लीपती को भेट किया गया। इस प्रकार इ. स. १५५६ से तानसेन दिल्ली का दरवारी गायक वना। इसी समय से उसका तानसेन नाम मशहूर हुवा। अकवर ने उसे दरवार में "प्रथम स्थान" दिया। उसकी गणना अकबर के 'नवरत्नों' में होने लगी।

तानसेन जैसा गायक था वैसे ही कवि भी था। उसने कतिपय गीत लिखे जिसका रसास्वाद आज भी वडे चाव से लिया जाता है। उसने कई नये रागों की भी रचाना की। उनमें से "मिया-मल्हार" "दरवारी-कानडा", "मियाँ की तोडी" आदि आज भी प्रधान राग बने हुए हैं। कृष्णलिला पर लिखी उसकी पद्य-रचना प्रचलित है। वैष्णव पंथियों के घरघर में हमें वह सुनाई देती है।

इ. सन १५८५ में उसकी मृत्यू हुई। गवालियर में महंमद घौस की कवर के पास ही उसकी भी कवर बनवाई गई। साल में एक दिन वहाँ बडा भारी मेला लगता है दूरदूर देशों से गायक वादक वहाँ आते हैं और संगीतस्वरूप तानसेन के कवर के पास बडे ही भक्तिभाव से गायन वादन करते हैं एवं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग केदार

इस राग में दोनों 'मध्यम' रहते हैं। तीव्र 'मध्यम' प्राय:आरोह में आता है। फिर भी कभी कभी अवरोह में तीव्र और शुद्ध दोनों मध्यम एक के वाद एक गाये जाते हैं जिससे राग में रंजकता आती है। वीच वींच में धैवत के साथ कोमल निषाद भी धनि धप इस ढंग से अवरोह में लिया जाता है। 'गंधार' स्वर इस राग में 'गुप्त' यानी मध्यम स्वर से ढका हुआ रहता है। आरोह में रे, ग, वर्ज्य होते हैं। वाकी सारे स्वर शुद्ध रहते हैं। यह राग संपूर्ण है। वादी शुद्ध 'मध्यम' और सम्वादी षड्ज है। गाने का समय रात का पहला पहर।

आरोह अवरोह स्वरूप

साम, मप, पध पप, सां। सां धप, मंपधप, म रेसा।

पकड़

साम, मप, धपम, रेसा।

आलाप

(१) सा, धप, धपम, मप, पसा, सारे--सा.,
(२) सा, रेसा, मरेसा, साधप, पसा, सारे--सा.,
(३) सा, रेसा, साम, मरेसा, साम, मप, धपम, रेसा.,
(४) साम, मंधपम, मंपधनीधप, म, पम, रेसा.,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) सा म, पधपम, मंपधनी़धप, धपम, सां, धपम. रेसा.,

(६) साममप, मंपधनी़धप, मंपधपम, पसां रेंसां, नीधप

धपम, रेसा,

(७) पपसां, सांरेंसां, सांमं, मंरेंसां, नीधपम, पमरेसा.,

(८) सासाम, मप, धपधपम, धमपसां, पपसां, रेंसां.,
सांमं, रेंसां, नीधप, मंपधनी़धप, धपम, रेसा.,

(९) सारेसासाम, मंपधपम, धनी़धपधपम, रेंसांनीधप,

धपम, मं, रेंसां, नीधप, धपम, रेसा.,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गीत १ राग केदार ताल—धमार

चोरी चोरी मारत हो कुम कुम ।
सनमुख हो क्यों न खेलत होरी ॥
देखो कहत हूं गुलाल परत ।
बार बार आंखन ओरी ॥

स्थायी

- - प प
ऽ ऽ चो री
३

ध म - प सां	सां नी	ध प म	- प म -
चो ऽ ऽ री ऽ	मा ऽ	र त हो	ऽ कु म ऽ
×	२	०	३

ग		ग	
रे सा - सा सा	म -	म म प	प प - प
कु म ऽ स न	सु ऽ	ख हो ऽ	क्यों न ऽ खे
×	२	०	३

नी ध सां नी रें	सां -	नी - ध	प - प प
लो ऽ ऽ ऽ ऽ	हो ऽ	ऽ ऽ ऽ	री ऽ चो री
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

अंतरा

प - - सां -	सां -	सां रें सां	सां - सां -
दे ऽ ऽ खो ऽ	क ऽ	ह त ऽ	हूं ऽ गु ऽ
×	२	०	३
ध - नी सां रें	सांनी ध	प म म	प म रे सा
ला ऽ ऽ ल प	र ऽ त	वा ऽ र	वा ऽ ऽ र
×	२	०	३
सां मं - रें सां	सां -	नी - ध	प - प प
आ ऽ ऽ ख न	मो ऽ	ऽ ऽ ऽ	री ऽ चो री
×	२	०	३

गीत २ **राग केदार** ताल–तीनताल

जो जो बूंद पडे जिया लरजे। छतिया मोरी थरथर करे ॥
चहूं ओर बादल घन छाये। प्यारा घर नहिं डर मोहे आवे।
प्यारा आवे गले हूं लगावे। छतिया मोरी थर थर करे ॥

म - प -	प - ध प	म - रे सा	(नी)सा रे सा -
जो ऽ जो ऽ	बूं ऽ द प	ड़े ऽ जि या	ल र जे ऽ
०	३	×	२
सा (सा)सा म म	(म)प - प -	मंप धनी सां ध	पमं प म -
छ ति या ऽ	मो ऽ री ऽ	थऽ रऽ ऽ थ	रऽ क रे ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

प			नी
प प – सां	– सां सां –	सां सां सां सां	सां रें सां –
च ढ़ूं ऽ ओ	ऽ र वा ऽ	दु ल घ न	छा ऽ ये ऽ
०	३	×	२

नी̱ नी̱		सां	सां
ध – ध –	सां सां सां सां	सां रें नी सां	ध – प –
प्या ऽ रा ऽ	घ र न हिं	ड र मो हे	आ ऽ वे ऽ
०	३	×	२

प			नी̱
मं – प –	(धनी) सां ध प	म म रे सा	सा रे सा –
प्या ऽ रा ऽ	आऽ ऽ वे ऽ	ग ले हुं ल	गा ऽ वे ऽ
०	३	×	२

सा	म		ध
सा सा म म	प – प –	(मंप) (धनी) सां ध	(पमं) प म –
छ ति या ऽ	मो ऽ री ऽ	थऽ रऽ ऽ थ	रऽ क रे ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गीत २ राग केदार ताल–एकताल (मध्यलय)

सुधर चतुर बैयां पकरत हो बलमा । वे तो नवलि नार का जाने हित कि सार गंवार ॥ तुम तो महा-ग्यान अति प्रवीन सबविध जानत हो पैंछानत हो । वेतो अपने घरकि लाडलडात लाडलि को लिजो मना । कर प्यार सरस गरवा । लाये लाये ॥

	सा	म			
सा सा	म ग	प प	मंप धप	म –	रे सा
सु ध	र च	तु र	बैंऽ ऽऽ	या ऽ	तु म
×	०	२	०	३	४

	सा				सा
सा सा	म ग	प प	मंप धप	म –	नी़ रे
सु ध	र च	तु र	बैंऽ ऽऽ	यां ऽ	प क
×	०	२	०	३	४

	सा				
सा सा	म मग	प –	मंप धप	म –	मं प
र त	हो ऽऽ	ऽ ऽ	बऽ ऽऽ	लमा ऽ	वे तो
×	०	२	०	३	४

प	सां				
प सां	सां ध	प प	मंप धप	म म	म मग
न व	लि ना	ऽ र	काऽ ऽऽ	जा ने	ही तऽ
×	०	२	०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प मं	ध्रुप म	- रे	सा रे	सा -सा	सा सा
की ऽ	ऽऽ सा	ऽ र	गं ऽ	वा ऽर	तु म
×	०	२	०	३	४

अन्तरा

म ग	प -	प सां	- सां	- सां	सां सां
तु म	तो ऽ	म हा	ऽ ग्या	ऽ न	अ त
×	०	२	०	३	४

				नी	
रें सां	- सां	ध नी	सां रें	सां -	सां सां
प्र वी	ऽ ण	स व	वि ध	जा ऽ	न त
×	०	२	०	३	४

सां	मं				
ध -	प -	ध नी॰	ध प	प -	ध प
हो ऽ	पै ऽ	छा ऽ	न त	हो ऽ	वे तो
×	०	२	०	३	४

म म	मग प	प ध	म म	मग प	- ध
अ प	नेऽ घ	र कि	ला ड	लऽ डा	ऽ त
×	०	२	०	३	४

प प	प सां	सां सां	- रें	सां सां	सां रें
ला ड	लि को	लि जो	ऽ म	ना ऽ	क र
×	०	२	०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां नी	ध प	प ध	म म	पधमंप –	– –
प्या ऽ	र स	र स	ग र	वाऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

म –	पधमंप –	– –	म –	– रे	सा सा
ला ऽ	येऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ	ला ऽ	ऽ ये	तु म
×	०	२	०	३	४

गीत ४ राग केदार ताल–तीन ताल

कंगनवा मोरा अतहि अमोला मीने करीये ।
राखिलोलुगा अब मैं कैसे घरवा जाउरे ।।
जो तूम देओरी तो गूण माने ।
ना तो कढंया तोरा नाम रे ।।

मं प ध प म	– म प –	मं प ध ध प	मं प प –
कं ग न वा	ऽ मो रा ऽ	अ त हि अ	मो ऽ ला ऽ
०	३	×	२

प – धमं प	म – – –	ग म – मप –	ग ग मम – रे –
मी ऽ ऽऽ ऽ	ने ऽ ऽ ऽ	क ऽ ऽऽ ऽ	ऽऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

	सा	सा	नी
सा - - सा	ध़ सा - सा	प - म -	सा रे सा -
ये ऽ ऽ रा	खी लो ऽ लु	गा ऽ ऽ ऽ	अ व मैं ऽ
०	३	×	२

			मं
सा - म ग	प ध प -	मंप धनी सां धनी	सां ध प -
कै ऽ से ऽ	घ र वा ऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऊ रे ऽ
०	३	×	२

अंतरा

प	- सां - सां
जो	ऽ तू ऽ म
	२

	सां	सां	
सां - - -	- - ध -	सां - - ध	- सां - सां
दे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हो ऽ	री ऽ ऽ तो	ऽ गू ऽ न
०	३	×	२

सां - - -	सांरें नीसां ध -	प - - ध	प म - म
मा ऽ ऽ ऽ	नेऽ ऽऽ हो ऽ	ऽ ऽ ऽ ना	ध तो ऽ क
०	३	×	२

प - प -	मंप धनी सां -	- ध - मं	- प धनी सां
ढै ऽ या ऽ	तोऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ रा ऽ ना	ऽ म रेऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग केदार

'कंगनुवा मोरा' इस गीत के आलाप और तानें

(१) कं ग नु वा | ऽ मो रा ऽ | सा – – – | सा रे – सा |
° ३ × २

(२) ,, ,, | सा म – – | रे – सा – |
× २

(३) ,, ,, | मं प ध प | म – रे सा |
× २

आगे के दो आलाप खाली से शुरू होते हैं।

(४) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | सा म – प | ध प सां – |
× २ ° ३
नी ध – प | म – रे सा |
× २

(५) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | प – सां – | रें – सां – |
× २ ° ३
सां – ध प | म – रे सा |

(६) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | पध पप सां – | रें – सां – |
× २ ° ३
मं रें – सां | ध प म – |
× २

(७) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | सा म – रे | सा – पध पप |
× २ ३ ४
सां – ध प | रेंसां धप म – |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) अ तु हि अ | मो ऽ ला ऽ | साम मप पसां रें | – रें सां – |
× २ ०। ३
मं रें – सां | सांनी धप म – |
× २

अन्तरे के आलाप

(१) जो | ऽ तूं ऽ म | सां – – – | रें – सां – | पध पप सां,
२ ० ३ ×

(२) जो | ऽ तूं ऽ म | सां रें – सां | मं – रें – | सां – –,
२ ० ३ ×

(३) जो | ऽ तूं ऽ म | पध पप सां – | मं रें – सां | ध प सां,
२ ० ३ ×

स्थाई की बोलतानें

(१)	कं ग नु वा	सा सा म म	प प मं प	ध प धमंप, म
	०	कं ग नु वा	मो रा अ त	ही अ मोऽऽ ला
		३	×	२

(२)	प प सां सां	– रें सां –	सां सां – ध	पमं धप म –
	कं ग नु वा	ऽ मो रा ऽ	अ त ऽ हि	अऽमोऽलाऽ
	०	३	×	२

(३)	प प म रे	– सा रे सा	रें सां – ध	मं धप म –
	कं ग नु वा	ऽ मो ऽ रा	अ त ऽ हि	अ मोऽ ला ऽ
	०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४)

म ग प प	सां रें सां –	मं रें – सां	सांसां धप मम रेंसा
कं ग नु वा	मो ऽ रा ऽ	अ त ऽ ही	अ ऽ मोऽ लाऽ ऽऽ
०	३	×	२

(५)

सा सा म म	प प ध नी	ध प पप सां सां	धप धप मम रेंसा
कं ग नु वा	मो रा अ त	ही अ मोऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ लाऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

(६)

प सां रें सां	– धप म –	मंमं –रें –सां रेंसां	–ध –प मम रेंसा
कं ग नु वा	ऽ मोऽ राऽ	अऽ ऽत ऽहि अऽ	ऽमो ऽला ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

(७)

साम –म प धप	म साम मप पसां	–सां रें सां सांमं	मंरें – सांसां धप
कंऽ गऽ ऽ नुऽ	वा मोऽ राऽ अऽ	ऽत ऽ हिऽ अऽ	मोऽ ऽ ऽलाऽ ऽऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) मम रेसा पप मम | रे सा धध पप | पप सांसां रेंरें सांसां |
कंऽ गऽ नुऽ वाऽ | मो रा अऽ तऽ | हीऽ ऽ ऽ ऽऽ अ ऽ |
० ३ ×

धप मंप धप म |
मोऽ ऽ ऽ ऽऽ ला |
२

स्थाई की तानें

(१) कं ग नु वा | ऽ मो रा ऽ | सारे सासा मम रेसा |
० ३ ×

| मम पप मम रेसा |
२

(२) ,, | ,, | मप मम रेसा, मम |
×

| पप धप मम रेसा |
२

(३) ,, | ,, | मंमं पप धनी धप |
×

| मंप धप मम रेसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(४) ,, | ,, | सासा मम पप सांसां |
×

| रेंरें सांनी धप मंप |
२

(५) ,, | ,, | मप पसां सांमं मंरें |
×

| सांनी धप मम रेसा |
२

(६) ० ,, | मप मम रेसा, मंप | धप मम रेसा, सांरें |
३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
२

(७) ० ,, | मम पप सांसां, रेंरें | सांसां, मंमं रेंसां रेंरें |
३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
×

(८) मम पप धप मम, | धनी धप मंप धप | पम, सांरें सांनी धप |
० ३ ×

| मंप धप मम रेसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) सारे सासा रेसा पध | प,प धप सारें सांसां | रेंसां, मंमं रेंसां रेंरें |
० ३ ×

| सांसां धप मम रेसा |
२

(१०) साम गप मंध पप | पप सांसां धप मंप | मंप धनी धप मंप |
० ३ ×

| मंप धप मम रेसा |
२

(११) पध पध मंप मंप | मम रेसा धनी धनी | धप मंप सांरें सांरें |
० ३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग अल्हैया बिलावल

राग अल्हैया विलावल, विलावल ठाट से उत्पन्न होता है। इस राग में सभी स्वर शुद्ध होते हैं किन्तु अवरोह में धनी धप इस प्रकार के स्वर वाक्य में कोमल निषाद लेने की प्रथा है। आरोह में मध्यम वर्ज है, और अवरोह में गंधार वक्र है। इसकी जाती सम्पूर्ण है। आरोह में निषाद के वाद धैवत कण स्वरूप से लेकर फिर निषाद गाकर षड्ज को जाना इस राग की निशानी है जैसे नी ध ध नी सां। इसका वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर गंधार है। अल्हैया विलावल सुवह का एक महत्त्वपूर्ण राग है, और इस राग का अच्छी तरह अभ्यास करने के पश्चात् विलावल अंग के किसी भी प्रकार को समझने में असानी होती है। इसके गाने का समय दिन का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, गरे, गप, धनी, सां | सां, नीध, प, मग, मरे, सा.

पकड़

सां, गरे, गप, ध, नीसां, नीधप, मग, मरेसा.

आलाप

ध
(१) सा, नीधप; धनी, नी सा, सा रे, सा।

(२) सारे, सा, रेग, गम, रेसा, नी, नी, सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) सा, गरे, गप, मग, गप, धध, प, मग, मरे, सा।

(४) सा, गरे, गप, धनीधप, पमग, गपधप, मग, मरेसा।

(५) गरे, गप, पधध, प, धनी, नीसां, नीधप, मग, मरेसा।

(६) गरे, गप, धनी, ध नीसां, सांरें, सां, नी ध नीसां, सांनीधप, मग, मरे, सा।

(७) सारेसा, गरेगपमग, मरेसा, सांनीधप, रेंसांनीधप मग, मरेसा।

(८) गपधनी, ध नीसां, सारें सां, गंमंरेंसां, नीधप, मग, मरेसा।

(९) गपधनीसां, गंरें, गंपंमंगं मंरें, सां, नीधप, मग, मरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

नं. १ **राग–अल्हैया बिलावल** ताल–तीनताल

क्वन बटरिया गैलो माई दे हो बता
मै घरवा गत माई चुरवा गईलवा।
लेन गई सौदा अरे हाटवारे
इतनी गली मे गैलो का माई॥

ग ग म (म)ध	ध प प –	(प) – म –	ग रे ग म
क व न ब	ट रि या ऽ	गै ऽ लो ऽ	ऽ ऽ मा ई
०	३	×	२

ध – प –	म ग प म	ग – म रे	सा – नी –
दे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हो ब	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मै ऽ
०	३	×	२

सां सां गं रें	सां नी ध नी	सां सां ध प	(प)ग म ग –
घ र वा ऽ	ग त मा ई	चु र वा ग	ई ल वा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

प	– नी ध नी
ले	ऽ न ऽ ग
	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां – – –	नीसां – – सां	सां – – नी	ध सां – सां
ई ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ सौ	दा ऽ ऽ अ	रे हा ऽ ट
०	३	×	२

सां ध – – नी	प – प –	ध पध नी ध	प म ग म
धा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	ऽ ऽऽ ऽ ई	त नी ऽ ग
०	३	×	२

प – प –	ध नी सां –	ध नी सां नी	ध प म ग
ली ऽ से ऽ	गै ऽ लो ऽ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मा ई
०	३	×	२

नं० २ राग अल्हैया बिलावल तीन ताल

मोरी अरज सुनो गिरिधारी आज । तुम दीन दुनीके सरताज ।
आइ हूं अब मैं शरण ते हारि । किरपा करो महाराज ॥

म	ग
मो	रि

म नी ध प	म ग प म	ग – रे सा	– सा म ग
अ र ज सु	नो ऽ गि रि	धा ऽ रि आ	ऽ ज तु म
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

प - प प	ध नी सां रें	सांरें सांनी धप धनी	धप मग
दी ऽ न दु	नी के स र	ताऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽऽ जऽ
०	३	×	२

अन्तरा

प - ध नी	सां सां सां -	सांरें गंरें गं मं	गं -रें सां -
आ ऽ इ हुं	अ व मैं ऽ	शऽ रऽ ण ते	हा ऽऽ री ऽ
०	३	×	२

सां रें सां नी	ध प म ग	गप धनी सांरें सांनी	धप मग म ग
की र पा क	रो ऽ मा हा	राऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	जऽ ऽऽ मो री
०	३	×	२

नं० ३ **राग अल्हैया बिलावल** ताल—झपताल

प्रबलही श्याम अब दुर्बलहि देखं जन झटहिपट झपट करे गज गज बचायो। गोपही ग्वाल को राख लियो गिरीधर इंद्रको मान छिनमें घटायो।।

ध ध	रें सां -	ध नी	प म ग
प्र ब	ल ही ऽ	श्या ऽ	म अ ब
×	२	०	३

रे ग	प म ग	रे रे	सा सा सा
दु ऽ	र्ब ल ही	दे ऽ	ख ज न
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

	०	नी	नी	नी					
० सा	सा	ध	ध	ध	नी	प	ध	नी	सां
झ	ट	ही	प	ट	झ	प	ट	क	रे
×		२			०		३		
गं	गं	रें	सां	–	प	प	ध	नी	सां
ग	ज	ब	चा	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

अन्तरा

प	–	प	ध	नी	सां	–	सां	सां	–
गो	ऽ	प	ही	ऽ	ग्वा	ऽ	ल	को	ऽ
×		२			०		३		
सां	–	गं	गं	मं	गं	रें	ध	नी	प
रा	ऽ	ख	लि	यो	गि	रि	ध	ऽ	र
×		२			०		३		
			प		नी				
प	–	ध	ग	प	ध	सां	सां	सां	सां
इं	ऽ	द्र	को	ऽ	मा	ऽ	न	छि	न
×		२			०		३		
							नी		
रें	गं	रें	सां	–	प	प	ध	नी	सां
मे	ऽ	घ	टा	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नं. ४ **राग अल्हैया विलावल** ताल–धमार

गोपियन आज खेले मोसे होरी
नन्द महर घर फाग रचोरी।
डफ बाजत ब्रिज में गावत नाचत कृष्ण मुरारी॥

स्थायी

	रे		
ग प नीध नी	सां – धप म ग	प म	ग –रे सा
गो पि यऽ न	आऽ जऽ खे ले	मो से	हो ऽऽ री
३	×	२	०

			ग रे
सा ग रे ग	प प धनी सां ध	नी ग	ध म ग
नं द ऽ म	ह र घऽ र फा	ऽ ग	र चो री
३	×	२	०

अन्तरा

प प नीध नी	सां – सां रें गं	मं रें	– सां ग
ड फ बाऽ ऽ	ज ऽ त ब्रि ऽ	ऽ ज	ऽ में गा
३	×	२	०

प	नी	सां	प म रे
म रे ग प	धनी सां रें सां सां	ध नीप	ध म ग
व त ना ऽ	चऽ ऽ त कृ ऽ	ष्ण ऽऽ	मु रा री
३	×	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग अल्हैया विलावल

' मोरी अरज सुनो ' इस गीत के आलाप व तान ।

ध ध
(१) मोरी | सा – – – | नी – – ध | नी – सा – |
० ३ ×
| सा रे – सा |
२

(२) मोरी | सा – – – | रे – सा – | म ग – म |
० ३ ×
| रे – सा – |
२

(३) मोरी | सा रे ग रे | ग – प – | म – ग – |
० ३ ×
| म रे सा – |
२

(४) मोरी | सा – ग रे | ग – प – | ध नी ध प |
० ३ ×
| म – ग – |
२

(५) मोरी | ग – प – | ध नी ध प | म – ग – |
० ३ ×
| म रे – सा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | ग प ध – | नी सां – – |
० ३ × २

| नी ध – प | ध नी ध प | म – ग – | म रे – सा |
० ३ × २

(७) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | ग रे ग – | प – ध नी |
० ३ × २

| – ध नी – | सां – सां रें | – – सां – | धनी धप म ग |
० ३ × २

(८) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | गरे ग प ध | नी – ध नी |
० ३ × २

| – सां – सां | रें – सां गं | मं रें – सां | सांनी धप म ग |
० ३ × २

(९) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | गप धनी सां – | रें – सां – |
० ३ × २

| गं पं मं गं | मं रें – सां | ध नी ध प | मग म रे सा |
० ३ × २

अन्तरे के आलाप

(१) आ ऽ इ हुं | अ ब मै ऽ | सांरें सांनी ध प | धनी – नी सां |
० ३ × २

(२) आ ऽ इ हुँ | अ ब मैं ऽ | सां – रें सां | गं मं रें सां |
० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

(३) आ ऽ इ हुं | अ ब मैं ऽ | सांरें गंमं गं – | मं रें – सां |
० ३ × २

(४) आ ऽ इ हुं | अ ब मैं ऽ | सां रें – सां | गं मं रें सां |
० ३ × २

सांरें सांनी ध प | म ग म रे | ग प ध – | नी सां – – |
० ३ × २

स्थायी की बोलतानें

(१) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग रे | सा – ग रे | ग प म ग |
| × | २ मो ऽ | री ऽ अ र | ज ऽ सु नो |
० ३

| – – म रे | सा – मो रि | अ र ज
| ऽ ऽ आ ऽ | ज ऽ | ०
× २

(२) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग रे | ग प ध नी | ध प म ग |
| × | २ मो ऽ | री ऽ अ र | ज ऽ सु ऽ |
० ३

| म रे पम ग | रे सा, मो रि | अ र ज
| ऽ नो आऽ ऽ | ऽ ज | ०
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग रे | स्रा ग प म | ग म रे, ग |
| × | २ मो ऽ | रि अ र ज | ऽ सु नी गि |
० ३

| प धनी सां – | धप मग सो रि | अ र ज |
| रि धाऽ ऽ ऽ | रीऽ ऽऽ | ० |
× २

नी ध

(४) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग प | ध नी – नी |
| × | २ मो रि | अ र ऽ ज |
०

| सां सां सांरें गं | –रें सां सांसां धप |
| सु नो गिऽ ऽ | ऽऽ री धाऽ ऽऽ |
३ ×

| मग मरे सोरि | अ र ज |
| रीऽ ऽऽ | ० |
२

ध

(५) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, धग मरे | गप धनी धप धनी |
| × | २ मोऽ ऽऽ | रीऽ अ र जऽ सुऽ |
०

| सांसां गंरें सां रेंगं | मंगं मंरें सां सांनी |
| ऽनो गिऽ री धाऽ | ऽऽ ऽऽ री आऽ |
३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| धप॰ मग मो री | अ र ज
| ऽऽ जऽ | ०
२

(६) मग मरे —सा गरे | गप धनी,सां सांगं रें सां |
मोरि अर ऽज सुनो | गिरि धाऽऽ रिआ ऽ ज़ |
० ३

धनी रेंनी सांध प | पम पग मरे मग | अरज
दीन दुनि केस र | ताऽ ऽऽ ऽज मोरी | ०
+ २

(७) पप धनी सांरें सां | सांरें गंपं मंगं रेंसां |
मोरि अर जसु नो | गिरि धाऽ रितू ऽम |
० ३

सांरें नीसां धप धनी | धप मग मरे मग | अरज
रीन दुनि केऽ सर | ताऽ ऽऽ ऽज मोरि | ०
× २

–

अस्थायी की तानें

(१) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | सारे गप मग मरे |
० ३ +

| सारे सासा, मो री |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(२) ,, ,, | ,, ,, | सारे गप धनी धप |
° ३ ×

| मग रेसा, मो री |
२

(३) ,, ,, | ,, ,, | गप धनी सांनी धप |
° ३ ×

| मग रेसा, मो री |
२

(४) अ र ज सु | नो ऽ, गरे गप | धनी सांरें सांनी धप |
° ३ ×

| मग रेसा, मो री |
२

(५) अ र ज सु | नो ऽ, सांरें सांनी | धप धनी धप मग |
° ३ ४

| पम गरे, मो री |
२

(६) गिरि | धा ऽरि आ | ऽज, गरे गप | नीध नीसां गंगं मरें |
\+ २ °

सांरें सांसां सांनी धप | धनी धप मग मरे | सारे सासा, मोरी |
३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गग रेसा |
× ° २

| पप मग रेसा धनी | धप मग रेसा सांरें |
० ३

| सांनी धप धनी धप | मग रेसा, मो री |
× २

(८) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गप ग,प |
× २

| धप धनी धप मग | धनी ध,नी सांनी सांरें |
० ३

| सांनी धप, धनी धप | मग रेसा, मो री |
× २

(९) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गम ग,ध |
× २

| नीध पम गरे सा,ध | नीध सांरें सांनी धप |
० ३

| गमं गरें सांरें सांनी | धप मग, मो री |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१०) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, सारे गप |
× २

| गप धनी धनी सांरें | गंरें सांनी ध,ध पम |
० ३

| ग,ग रेसा धनी धप | मग रेसा, सो री |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग शंकरा

यह राग बिलावल से उत्पन्न होता है। इसमें 'मध्यम' वर्ज है। आरोह में 'रिषभ' वर्ज और धैवत वक्र है यानी 'प नी ध सां नी' इस तरह गाया जाता है। सब स्वर शुद्ध हैं वादी 'गंधार' और संवादी 'निषाद' है। यह राग 'उत्तरांग प्रधान' है यानी सप्तक के उत्तरार्ध में विशेष रूप में शोभा देता है। गाने का समय रात्रि का दूसरा प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

रे
सा, गप, नीध, सांनी, प, गप, ग रेसा ।

पकड़

रे
सा, गप, नीध, सांनी, पग, प, ग, रेसा ।

आलाप

(१) सा, प़, ऩीध़, सानी़ साग, रेसा ।

रे रे
(२) सा, गप, ग, रेसा, पग, प ग, रेसा ।

रे
(३) सा गप, नीप, गपनी, ध सांनी, प गप, ग, रेसा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

                                                                              रे
(४) पग, नीध सांनी, पग, सागपग, नीप, ग, प ग, रेसा |

(५) पग सा सारेसा, पग, नीप ग, गपनी, धसां,
                        रे
सांरेंसां नीप, गप, ग, रेसा |

                                                                              रे
(६) प़, नी़साग, रेसा, सागपनी, पग, प ग, रेसा,

गपनीसां गं, रेंसां नीप गप, ग, रेसा |

(७) गपनी, धसां, पनी ध सांनी रेंसां, गं, रेंसां, नीसां
                        रे
रेंसांनी, पग, प ग, रेसा ।

(८) सारेसासा, पग, पधपप, ग, नीध सांनी रेंसां, नी, पग,
                        रे
पधपप, ग, प ग, रेसा ।

                                                  रे
(९) गपनीसांगं, रेंसां, पंगं, पं गं, रेंसां, नीसां रें सांनी,

                                                  रे   रे
सांनीप, गपनी, पग, पधपप, ग, प ग, रेसा.

नं. १ राग शंकरा ताल—झपताल

वारु री मृग दृगन को तेरे नैनन पर भव पे कमान
वान वारु पलकन पे। शोभा देत भाल बिंदी जुगनु
हजार वारु बिजरी वार डारु दशन झलकन पे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

प	नीध	नी
वा	ऽऽ	रु
३		

			ध						
सां	-	नी	नी	प	प	नी	ध	सां	नी
री	ऽ	सु	ग	ह	य	न	को	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

प	ग	प	ग	गरे	सा	रे	सा	सा	सा
ते	रे	नै	न	नऽ	प	ऽ	र	भ	व
×		२			०		३		

प		प							
ग	प	ग	प	प	प	नीध	नी	सां	-
पे	ऽ	क	मा	न	वा	ऽऽ	न	वा	ऽ
×		२			०		३		

गं	नी	सां	नीध	नी	प	धग
रु	प	ल	कऽ	न	पे	ऽऽ
×		२			०	

अंतरा

							नि		
प	प	नी	सां	सां	सां	सां	ध	सां	नी
शो	भा	दे	ऽ	त	भा	ल	वि	ऽ	न्दि
×		२			०		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

गग			प						
पप	नी	प	ग	प	ग	गरे	सा	सा	.सा
जुग	नु	ह	जा	र	बा	ऽऽ	रु	बि	ज
×		२			०		३		

प									
ग	प	ग	-	प	प	नीध	नी	सां	सां
री	ऽ	बा	ऽ	र	डा	ऽऽ	रु	द्र	स
×		२			०		३		

गं	नी	सां	नीध	नी	प	धग
न	झ	ल	कऽ	न	पे	ऽऽ
×		२			०	

नं० २ राग शंकरा तराना (मध्यलय)

तों तनतन ननतन देरे ना तारेदानी तनतदानी उदानित तदरेदानी तादानि । तन देरे नादीं तननन देरे ना तदारे दानी तनतदानी उदनित तदरे दानी तादानी तों ॥

स्थायी

							नी		
सा	-	सा	सां	सां	सां	नी	सां	नी	नी
तों	ऽ	त	न	न	न	न	न	न	त
		०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

			प प
०प प प नी	ध सां नी –	सां – नी प	– प ग ग
दे रे ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ता ऽ रे दा	ऽ नि त न
×	२	०	३
प रे ग	प प		रे
ग ग प –	– – ग ग	प प ध प	गप ग – सा
त दा नी ऽ	ऽ ऽ उ द	नि त त दा	रेंऽ दा ऽ नि
×	२	०	३
रे रे रे			
ग ग प ग	– रे सा –		
ता ऽ ऽ दा	ऽ नि तों ऽ		
×	२		

अंतरा

प प सां सां	सां – सां –	सां सां सां सां	सां सां सां –
त न दे रे	ना ऽ दीं ऽ	त न न न	दे रे ना ऽ
×	२	०	३
	गं प	गं रें	
गं रें गं –	पं – गं –	पं – गं –	सां – सां –
ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	दा ऽ नी ऽ
×	२	०	३
	प प		
नी सां नी प	– प ग ग	प प नी सां	नी प – प
त न त दा	ऽ नि उ द	नि त त दा	रे दा ऽ नि
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे रे रे	
ग ग प ग	- रे सा -
ता ऽ ऽ दा	ऽ नि तों ऽ
×	२

नं. ३   राग शंकरा   तीनताल (मध्यलय)

एरि सजनी काहु सोतन बिरमाये। अजहु न आये सब रंग पिया उन बिन घबराये जिया मोरा।

स्थायी

	प	रे	
सां	नी प ग प	ग - - -	सा - - -
ए	रि स ऽ ज	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
	३	×	२

	प	रे	
प - - सां	नी प ग प	ग - - -	सा - - -
ऽ ऽ ऽ ए	रि स ऽ ज	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

प			
सा - प ग	प प नी सां	पप नीसां गरें सांसां	पप नीसां पप ग
का ऽ हु सो	त न बि र	माऽ ऽऽ ऽऽ येऽ	मोऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ
०	३	×	२

पप गरे सा
ऽऽ पिऽ या
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प ग प सां –	सां सां – सां	सांरें सां नीप	नी ध सां नी	
अ ज हूं ऽ	न आ ऽ ये	सऽ व रं ग	पी ऽ ऽ या	
०	३	×	२	
सा सा प ग	प प नी सां	पप नीसां गंरें सांसां	पप नीसां पप गग	
उ न बि न	घ ब रा ये	मोऽ ऽऽ ऽऽ राऽ	जीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	
०	३	×	२	
पप गरे सा				
ऽऽ ऽऽ या				
०				

'एरि सजनी' इस गीत पर आलाप तान

(१) प | रि स ऽ ज | सा – नी – | प ग – प | ग –रे सा
३ × २ ०

(२) प | रि स ऽ ज | सा ग प – | नी – प – | ग –रे सा
३ × २ ०

(३) प | रि स ऽ ज | ग प नी ध | सां – नी – | प ग प
३ × २ ०

(४) प | रि स ऽ ज | नी ध सां नी | प ग – प | ग –रे सा
३ × २ ०

(५) प | रि स ऽ ज | गं –रें सां | नी ध सां नी | प ग प
३ × २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ग प नी – | ध सां – – | नीसां रेंसां नी – | प ग – प |
ग –रे सा, प | रि स ऽ ज | नी

(७) गप नीसां गं –रें | सां – – – | नी ध सां नी | प – ग प
ग –रे सा, प | रि स ऽ ज | नी

(८) सा ग प – | प नीध सां नी | गं –रें सां – | नी ध सां नी |
प ग प, प | रि स ऽज | नी

(९) ग प नी सां | गं –रें सां, पं | गं –रें सां – | सांरें सांसां पध पप |
गप गरे सा, प | रि स ऽ ज | नी

अंतरे के आलाप

(१) अ ज हूं ऽ | न आ ऽ ये | सां – – – | नी ध सां नी |

(२) अ ज हूं ऽ | न आ ऽ ये | सां गं – पं | गं –रें सां – |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) सां – नी ध | सां नी – प | ग प नी ध | सां नी रें सां |
० ३ × २

(४) सांरें सांसां गं –रें | सां – पं गं | –रें सां नीध सां | नी पध पप सां |
० ३ × २

(५) प ग –रे सा | नीध सांनी प ग | प ग –रे सा | साग गप पनी नीसां |
० ३ × २

स्थायी की बोलताने

(१) प | रि स ऽ ज | नी – – – | सा प ग प | सा ग प
३ ×
प रि स ज | नी ऽ ऽ
२ ०

(२) प | रि स ऽ ज | नी – – – | नी प ग सा | साग प –
३ ×
प रि स ज | नीऽ ऽ ऽ
२ ०

(३) प | रि स ऽ ज | नी – – – | गप ग,प सां – | पध पप गप,
३ ×
पऽ ऽरी ऽ ऽ | सऽजऽनीऽ
२ ०

(४) प | रि स ऽ ज | सा प ग प | नी सां नी –सां | – नी प
३
का हूँ ऽ सो | त न. बि ऽर | ऽ मा ये
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) प | रि स ऽ ज | पध पप नीसां नी | – सां ग प | ग(रे) –रे सा
३ | का हूँऽ सोऽ त | ऽ न वि र | मा ऽऽ ये
× | २ | ०

(६) सा प ग प | ग सा पध पप | – ग प नी | सांरें सांनी प ग |
प रि स ज | नीऽ काऽ हूँ ऽ | ऽ सो त न | बिऽ रऽ मा ऽ |
० | ३ | × | २

प सागप, प | रि स ऽ ज | नी
ये आऽ ऽ | ३ | ×
०

(७) सा ग प ग(रे) | –रे सा प नी | धसां नी –ध प | गप पनी धसां –नी |
प रि स ज | ऽऽ नी का हूँ | सोऽ त ऽऽ न | बिऽ रऽ मा ये |
० | ३ | × | २

पप गरे सा, प | रि स ऽ ज |
बिर माऽ ये | ३ |
०

स्थायी की ताने

(१) ज | नी – – – | गरे सासा गग रेसा | पप गरे सासा
× | २ | ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

(२) ज | नी - - - | पप गरे सासा, नीनी | धप गरे सासा
× २ ०

(३) ज | नी - - - | गप नीसां नीध पप | गप गरे सासा
× २ ०

(४) ज | नी - - - | गप नीसां गंरें सांनी | धप पग रेसा
× २ ०

(५) ए | री स ऽ ज | गप नीसां गंरें सांनी | रेंसां, नीध पध पप |
३ × २

| गप गरे सासा
०

(६) ए | री स ऽ ज | नीसां नीध पप गप | गरे सासा, गंरें सांनी |
३ × २

| धप पग रेसा
०

(७) ए | री स ऽ ज | सारे सासा, पध पप | नीनी धसां नीध पप |
३ × २

| गप गरे सा
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(८) ज | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | सासा गप पप गप |
× २ ० ३

| गरे सासा, गग पप | नीनी नीसां नीध पप | गप गरे सासा
× २ ०

(९) ज | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ । गप नीसां गंरें सांनी |
× २ ० ३

| पप, गप नीसां नीध | पप गप गरे सासा | गप नीध सां
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बहार

'बहार' एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय राग है। यह काफी ठाट से उत्पन्न होता है। इस राग में 'ग' कोमल और निषाद दोनों यानी शुद्ध और कोमल लगते हैं। आरोह में 'रे' व 'प' वर्ज और अवरोह में 'ध' वर्ज है। गंधार अवरोह में वक्र यानी 'म गम रेसा' इस तरह लिया जाता है। वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज् है। यह राग रात्री के दूसरे प्रहर में गाया जाता है किन्तु बसंत ऋतु में किसी भी समय गाया जा सकता है। इस राग के गीतों में अधिकतर बसंत ऋतु का ही वर्णन रहता है।

आरोह अवरोह स्वरूप

नी

नी सा, गम, पगम, ध, नीसां, | सां, नीप, मप, गम, रे, सा.

पकड़

साम, पगम, नीध नीसां.

आलाप

(१) सा, नीसा, नीध नीसा, म, पगम, रेसा।

(२) सा, म, पगम, नीध, नीप, मपगम, रे, सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) ग, गम, रे, सा, मपगम, रे, सा, नीप, मपगम, रेसा ।

(४) साम, पगम, नीधनीसां, नीप, मपगम, रेसा ।

(५) साम, पगम, गमधनीसां, रें, सां नीप, मपगम, रेसा ।

(६) गम, रेसा, पगमरेसा, नीपमपगमरेसा, धनीसां, नीपमप, गमरेसा ।

(७) धनीसां, नीप, मप, गमरे, सा, म, पगम, नीधनीसां ।

(८) गमधनीसां, रें, सां, गंमं, रें, सां, रेंनीसां नी, प, मप गम, रेसा ।

(९) साममपगम, रेसा, गममध, धनीनीसां रेंसांनीसां, गंमंपं, गंमंरेंसां, नीप, मपगमरेसा ।

नं. १ — राग बहार — तीनताल—मध्यलय

अंबुवा बोली रे डार डार, सरसों फूली बन बन बहार ।
प्रेम पिया सों गरवा ले आई एक से एक नवेलि नार ॥

स्थायी

										म	
ध	नी	सां	–	नी	प	मप	नीप	ग	म		
अं	बु	वा	ऽ	वो	ऽ	लिऽ	ऽऽ	रे	ऽ		
		०				३					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

						म			प						
नी̱	ध	नी	सां	नी	सां	ग̱	म	नी̱	ध	नी	सां	सां	-	नी	सां
डा	ऽ	र	डा	ऽ	र	स	र	सों	ऽ	फू	ऽ	ली	ऽ	ब	न
×				३				०				३			

सां				सां	
रें	रें	सां	सां	नी	सां
ब	न	ब	हा	ऽ	र
×				३	

अंतरा

म	नी	ध	नी	सां	-	सां	-
प्रे	ऽ	म	पिं	या	ऽ	सों	ऽ
०				३			

												मं			
नी	सां	रें	सा	नीसां	रेंसां	नी̱	ध	ध	नी	सां	रें	ग̱	मं	रें	सां
ग	र	वा	ले	आऽ	ऽऽ	ई	ऽ	प	ऽ	क	से	ए	ऽ	क	न
×				२				०				३			

नी̱	ध	नी	सां	नी	सां
वे	ऽ	लि	ना	ऽ	र
×				२	

नं० २ **राग बहार** तीनताल—मध्यलय

तुतो वाहुदेस वा जहाँ मोरा कंथू लिनो लुभा ।
चलो सखी मिल होरी खेलो गारी दूँगी ना डरोगी
डफ बजा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

				मम
नी	नी प - प	म - - म	पप मग म -	
तु	तो वा ऽ हु	के ऽ ऽ स	वाऽ ऽऽ ऽ -	
	३	×	२	

		रे रे	
नी - ध ध	नी सां - नी	रेंनी सां नी	ध - - नी
जा ऽ ऽ ज	हाँ सो ऽ रा	कंऽ ऽ थू-	ऽ ऽ ऽ लि
०	३	×	२

		रे रे	
सां - - नी	रें - - सां	गंमं रेंसां रेंसां	ध - नी -
नो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽलु	भा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

धनी सांरें नीसां
ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०

अंतरा

म नी ध नी	सां - सां सां	नी - सां नी	रेंनी सां नी ध
च लो ऽ स	खी ऽ मि ल	हो ऽ रि ऽ	खेऽ ऽ लो ऽ
×	२	०	३

मं			
नी सां गं मं	रें - सां -	- नी सां नी	रेंनी सां नी ध
गा ऽ री ऽ	ढूँ ऽ गी ऽ	ऽ ना ऽ ड	हूँऽ ऽ गी ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	सां		
– सां रें सां	ध – नी –	धनी सांरें नीसां	
ऽ ड फ ब	जा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ	
+	२	०	

गीत ३ राग बहार तीताल मध्यलय

तनों तनन दिरदिर तों तदरे दानी तारदानी।
तन तदानी तारे दानी। ना दिर दिर तूं दिर दिर
दिर, दिर दिर तन देरेना, तन तदारे तन तदारे तदियन रे॥

स्थायी

रे सा – रे	नी सा ग म	नी ध नी प	म प ग म
ता नों ऽ त	न न दिर दिर	तों ऽ ऽ श्त	द रे दा नी
०	३	×	२
म नी ध नी	सां सां नीनी पम	ग म – प	ग म रे सा
ता ऽ द् दा	ऽ नि तऽ नऽ	त दा ऽ नी	ता रे दा नी
०	३	×	२

अन्तरा

म नी ध नी	सां नी सां सां	रें गं रें सां	नी सां नी ध
सा दिर दिर तू	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर त न	दे रे ना ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गं मं रें रें	सां नी सां रें	नी सां ध नी	म प ग म
त न दे रे	ना त न त	दा रे त दि	य न रे ऽ
०	३	×	२

नं. ४ **राग बहार** तीनताल–मध्यलय

बालमुवा माइरी बरन बरन की कलियाँ खिलियाँ
लेहे रानी बन बेलरियाँ सखि अजहूँ नहि आये ।
हौं बिरहन बोरानी जो जो लेहेरानी हरियाँ डरियाँ
ऋतु बसंत में अजिजउ दिन पिया सोतन के घर भूल रहे ॥

प	म म	प	ध
सां – नी प	ग ग म प	सां – – –	नी ध नी सां
बा ऽ ल मु	वा ऽ मा ई	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
		म म म	
सां रें सां रें	नी सां नी प	ग ग ग म	रे रे सा –
ब र न ब	र न की ऽ	क लि याँ ऽ	खि लि याँ ऽ
०	३	×	२
सा सा म –	म – म म	म – नी प	ग – म –
ले हे रा ऽ	नी ऽ ब न	बे ऽ ल रि	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म नी		सां	
ग म ध नी	सां – सां सां	नी सां नीसां रेंसां	नी ध धनी सां
स खि अ ज	हूँ ऽ न हि	आ ऽ ऽऽ ऽऽ	ये ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म नी		सां	
ग म ध नी	सां नी सां -	नी - सां -	सां - सां -
हौं ऽ बि र	ह न वो ऽ	श ऽ नी ऽ	जो ऽ जो ऽ
०	३	×	२

सां			
नी नी सां -	सां - सां सां	नीसां रें रें सां	नी ध नी प
ले हे रा ऽ	नी ऽ ह रि	याऽ ऽ ड रि	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

	म		
म म म प	- प ग म	म नी ध नी	सां नी सां सां
ऋ तु व सं	ऽ त में ऽ	अ जि ज उ	दि न पि या
०	३	×	२

सां सा			
नी सां मं मं	रें - सां सां	ध नी सां रें	नी सां धनी सां
सो ऽ त न	के ऽ घ र	भू ऽ ल र	हे ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

राग वहार

"वालमुवा माइ री" इस गीत पर आलाप तान

स्थायी के आलाप

(१)	बा ऽ म मु	बा ऽ मा इ	सा - - -	नी ध नी सा
	०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ,, ,, | ,, ,, | सा म – प | ग॒ म रे सा |
 ० ३ × २

(३) सा म – – | प – ग॒ म | नी॒ प म प | ग॒ म रे सा |
 ० ३ × २

(४) वा ऽ मा ई | री ऽ ऽ ऽ | ग॒ ग॒ म रे | – सा प म॒ |
 ३ × २ ०

म रे – सा | नी॒ प म प | ग॒ म रे सा | बा ऽ ल मु |
 ३ × २ ०

(५) वा ऽ मा ई | री ऽ ऽ ऽ | ग॒ म ध नी | सां – – – |
 ३ × २ ०

रें – सां – | नी॒ ध नी॒ प | म प ग॒ म | बा ऽ ल मु |
 ३ × २ ०

(६) वा ऽ मा ई | ग॒म धनी सां – | रें – सां – | नी सां गं॒ मं |
 ३ × २ ०

रें सां धनी सां | – नी॒प मप ग॒ | म रे सा – | बा ऽ ल मु |
 ३ × २ ०

(७) वा ऽ मा ई | ग॒ ग॒ म रे | – सा नी॒प मप | ग॒ ग॒ म रे |
 ३ × २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

– सा रेंनी सां | धनी सां नीप मप | ग म धनी सां | वा ऽ ल मु |
३ × २ ०

(८) वा ऽ मा ई ऽ | साम मप ग म | धनी सां – – | नीसां रें सांरें गं |
३ × २ ०

रेंसां नी ध, सांमं | गंमं रें सां नीनी | पम प मग म | वा ऽ ल मु |
३ × २ ०

(९) वा ऽ मा ई | सांनी नी प – | मप ग म रेंसां | सांनी नी प – |
३ × २ ०

गंमं रेंसां रें सांनी | सां नीप म पग | म रेसा रे सा | वा ऽ ल मु |
३ × २ ०

अंतरे के आलाप

(१) हौं ऽ वि र | ह न वो ऽ | सां – – – | नी ध नी सां |
० ३ × २

(२) हौं ऽ वि र | ह न वो ऽ | सां – – – | रें – सां – |
० ३ × २

नीं सां गं मं | – रें सां – | रें सां नी सां | ध – नी धनी सां |
० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) हो ऽ वि र | ह न बो ऽ | नीनी पम प ग | – म रे – |
० ३ २

सा,नी सा म | – प ग म | नी –ध नी सां | गंमं रें – सां |
० ३

स्थायी की बोलतानें

(१) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | सा म म प | ग म गम रेसा |
० ३
| वा ऽ ल मु | वा ऽ माऽ ईऽ |
× २

(२) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | नी प मग ग | म मनी ध नीसां |
० ३
| बा ल मुऽ वा | ऽ माऽ ऽ इऽ |
× २

(३) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | सां नीध नीप मप | गम प,ग मरे सा |
० ३
| बा लऽ मुऽ वा | माऽ ऽऽ ऽइ री |
× २

(४) गम नी ध नी | सां – नीसां रेंसां | धनी सांनी प – |
वा ल ऽ मु | बा ऽ ऽऽ ऽऽ | माऽ ऽऽ इ ऽ |
० ३ ×

| मप –म ग म
| ऽऽ ऽऽ री ऽ
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) स,रे सासा म म | मप -म गम म | गम धनी सां - |
बाऽ ऽ ऽ ऽ ल | मऽ ऽऽ ऽऽ वा | माऽ ऽऽ ऽ ऽ |
०   ३   ×

| नी -ध नी सां |
| ई ऽऽ री ऽ |
२

(६) नीनी पम प मग | म रेसा रे सा | नी -ध नी सा |
बा ऽ ऽऽ ऽ लऽ | ऽ मुऽ ऽ वा | सा ऽऽ इ री |
०   ३   ×

| सा म - म | म प - प | ग म म नी |
| ब र ऽ न | ब र ऽ न | की ऽ क लि |
२   ०   ३

| ध नी सां सां | धनी ध,नी सांनी सां |
| यँा खि लि याँ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ |
×   २

(७) मम रेसा मम पप | मग मम रेसा नीनी | पम पम गम म |
बाऽ ऽऽ लऽ मुऽ | वाऽ ऽऽ ऽऽ माऽ | ऽऽ ऽऽ इऽ री |
०   ३   ×

| मनी -ध नीसां सां | धनी सांमं गंमं रेंसां |
| बऽ ऽऽ रऽ न | बऽ ऽऽ रऽ नऽ |
०   ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनी	सांरें	नीसां	नीध	नीप	मप	मग	मरे
कीऽ	ऽऽ	कऽ	लीऽ	ऽऽ	यांऽ	खिऽ	लिऽ
३				×			

सा	गम	धनी	सां
याँ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
२			

अस्थायी की तानें

(१) मु | वा ऽ मा इ | नीसा रेसा नीसा गम | रेसा पप गम रेसा
३ × २

(२) मु | वा ऽ मा इ | नीसा गम पप गम | नीनी पम गम रेसा
३ × २

(३) मु | वा ऽ मा इ | नीसा गम धनी सांसां | नीप मप गम रेसा
३ × २

(४) मु | वा ऽ मा ई | गम धनी सांरें सांसां | नीप मप गम रेसा
३ × २

(५) मु | वा ऽ मा ई | धनी सांमं गंमं रेंसां | नीनी पम गम रेसा
३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) बा ऽ ल मु | ऩीसा गम पम गम | नीनी पम धनी सांसां |
० ३ ×

| नीप मप गम रेसा |
२

(७) बा ऽ ल मु | ऩीसा गम पम गम | धनी सांनी धनी सांरें |
० ३ ×

| नीसां नीप मप गम |
२

(८) बा ऽ ल मु | गम धनी सांनी धनी | सांमं गंमं रेंसां नीसां |
० ३ ×

| नीप पम गम रेसा |
२

(९) बा ऽ ल मु | गम रेसा मप गम | रेसा नीनी पम गम |
० ३ ×

| रेसा गम धनी सां |
२

(१०) बा ऽ ल मु | नीसां नीप मप गम | रेसा गंमं रेंसां नीसां |
० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| नीप मप गम रेसा |
२

(११) सासा रेरे सासा गम | रेसा पप मग मम |
× ३

रेसा नीनी पम पप | मग मम रेसा नीसा |
× २

(१२) गम गम रेसा मप | मप गम गम रेसा |
० ३

| नीसां नीसां नीप मप | मप गम गम रेसा |
× २

(१३) मग पम नीप मप | गम रेसा मग पम |
० ३

| नीध सानी रेंसां नीसां | नीप मप गम रेसा |
× २

(१४) साम मग मनी नीध | नीसां सांनी सांरें रेंसां |
० ३

| नीसां धनी नीप मप | पम गम मरे सासा |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग तिलङ्ग

यह राग खमाज ठाट से उत्पन्न हुआ है। इसमें ऋषभ और धैवत स्वर वर्ज्य है, पर आजकल अवरोह में ऋषभ स्वर लेने की ओर अधिक झुकाव होता चला रहा है, विशेष कर तार सप्तक में यह किया जाता है। 'नी' दोनों लगते हैं, आरोह में शुद्ध और अवरोह में कोमल। इस राग में वड़ा ख्याल गाने की प्रथा नहीं हैं। इसका वादी गंधार है और संवादी निषाद है। गाने का समय रात का दूसरा पहर है।

आरोह- ऩी सा, ग म प नी सां।

अवरोह- सां नी प, मग, सा।

पकड़

गमपनी, सां नी प, गमग, सा.

आलाप.

(१) ऩी, सा नी प ऩी सा ग सा.

(२) ऩी सा, ग म ग, गमप, गमग, सा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) ऩी सा, गमप, नीप, गमप, प, गमग, सा.

(४) गमप, नीप, नीसां, नीप, गमप, गमग, सा.

(५) गमपनी, सां, गं, सां, नीप मप नीसां, पनीप, गमग, सा.

(६) ऩीसागम, पनीसां, गंसां, गंमंगं, सां, नीप, गमग, सा.

(८) सागमप, सामग, मप, नीप, सानी नीप गमपनीसां गंसां नीप, गमग, सा.

गीत नं. १ राग तिलंग तीनताल (मध्यलय)

कान मुरलिवाले नंदकेलाल, बासरि बजाइ मन हरलीनो जात।
टेर सुनादे मोहनिमूरत, कदर पियाके अरजले मान ॥

सां - नी रेंसां	नी प (प) ग म	ग - ग म	प (प) ग म ग
का ऽ न मुऽ	र लि वा ऽ	ले ऽ नं द	के ला ऽ ल
०	३	×	२
सा सा ग म	प प नी सां	गं सां (रें) सां नी	सां नी म प
बा स री ब	जा इ म न	ह र ली ऽ	नो जा ऽ त
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

नी̱

ग म प नी	सां – सां –	प नी सां रें	नी सां नी̱ प
टे ऽ र सु	ना ऽ दे ऽ	मो ऽ ह नी	मु ऽ र त
०	३	×	२

प

सां गं गं मं	गं – सां –	प नी सां (सां)	– नी̱ म प
क द् र पि	या ऽ के ऽ	अ र ज ले	ऽ मा ऽ न
०	३	×	२

गीत नं० २ राग तिलंग तीनताल (मध्यलय)

लेचल गोकुल गाम्म शाम कन्हैया ॥

ब्रिंद्रावनकी कुंजगलिनमो कित छुप है श्याम कन्हैया रे।

ग म प सां	नी̱प –नी̱ ग म	ग – – –	गम पम ग सा
ले ऽ च ल	गोऽ ऽऽ कु ल	गा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ म
०	३	×	२

ग म प नी	सां – सां रें	नी सां प नी̱	पम प म ग
शा ऽ म क	न्है ऽ या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ रे ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

ग म प नी	सां सां सां –	प नी सां रें	सांनी सां नी̱ प
ब्रिं ऽ द्रा ऽ	व न की ऽ	कुं ऽ ज ग	लिऽ न मो ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा म ग म	प - प नी	सां रें सांनी सां	प नी पम गम
कि त छु प	है ऽ शा ऽ	म क न्हैऽ ऽ	या ऽ रेऽ ऽऽ

गीत नं. ३ राग तिलंग ताल एकताल (मध्यलय)

चलत चाल गोपि ग्वाल गज गामिनी डुलत डुलत।
वृंदावन में सुहात गोकुल मथुरा को भात।
ऐसी वह ब्रिजवासिनी जमुना जल भरन जात।

			नी		
प सां	नी सां	- सां	प नी	प म	ग म
च ल	त चा	ऽ ल	गो ऽ	पि ग्वा	ऽ ल
×	०	२	०	३	४
ग सा	गम प	ग म	प नी	सां नी	प म
ग ज	गाऽ ऽ	मि नि	डु ल	त डु	ल त
×	०	२	०	३	४

अन्तरा

ग -	म -	पनी प	नी सां	नी सां	- सां
वृं ऽ	दा ऽ	वऽ न	मे ऽ	सु हा	ऽ त
×	०	२	०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प नी	सां सां	गं मं	गं सां	रेंसां नी	प प	
गो ऽ	कु ल	म थु	रा ऽ	कोऽ आ	ऽ त	
×	०	२	०	३	४	

नी प	नीसां रें	रें रें	सां नी	सांरें सांनी	प प	
पे ऽ	सीऽ ऽ	च ह	ब्रि ज	वाऽ ऽऽ	सि नि	
×	०	२	०	३	४	

ग म	प नी	सां सां	पनी सांनी	प म	ग म	
ज मु	ना ऽ	ज ल	भऽ र ऽ	न जा	ऽ त	
×	०	२	०	३	४	

राग तिलंग

"ले चल गोकुल गाम" गीत के तान आलाप

स्थायी के आलाप

(१)	ले ऽ च ल	गो ऽ कु ल	सा – – –	नी प़ नी सा
	०	३	×	२
(२)	ले ऽ च ल	गो ऽ कु ल	नी सा ग –	– सा – –
	०	३	×	२
(३)	ले ऽ च ल	गो ऽ कु ल	नी सा गम प	ग म ग सा
	०	३	×	२
(४)	गा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ म	नी सा ग म	प नी – –
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| प – म ग | म ग – सा |
× ३

(५) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | नी सा ग म | प नी सां – |
× २ ० ३

| गं – सां – | नी पम ग म |
× २

(६) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | गम पनी सां गं | – सां नी प |
× २ ० ३

| – म ग सा | गम पम ग सा |
× २

(७) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | ग म ग सा | नीप मप ग म |
× २ ० ३

| ग – गं सां | नीप म गम ग |
× २

(८) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | गम पनी पम गम | पनी सां – गंमं |
× २ ० ३

पंमं गं सां नीप | म प गम ग |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरे के आलाप

(१) विं द रा ऽ | ब न की ऽ | सां - - - | नीप मप ग म |
० ३ × २

(२) विं द रा ऽ | ब न की ऽ | सां गं - सां | पनी पम ग म |
० ३ × २

(३) कूं ऽ ज न | लि ऽ न मो | गम पनी सां - | गं मं गं सां |
× २ ० ३

नीसां - नीप - | म प गम ग |
× २

(४) कूं ऽ ज ग | लि ऽ न मो | गम पनी मप नी | - सां - नीसां |
× २ ० ३

गं - सां - | नीप मप नी सां |
× २

स्थाई की बोलताने

(१) ले ऽ च ल | ग म प म | ग म प नी | पनी सांरें नीसां नीप |
० ३ × २

| ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | गा ऽ ऽऽ ऽऽ मऽ |
० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ले ऽ च ल | गम पग प म | ग सा नी सा | गम पनी मप गम |
०

| लेऽ ऽच ऽल | गो ऽ कु ल | गाऽ ऽऽ ऽऽ मऽ |
३ × २

(३) ले ऽ च ल | गम पनी पम गम | पनी सां पनी सांरें |
०

| लेऽ ऽऽ चऽ लऽ | ऽऽ ऽ गोऽ ऽऽ |
३ ×

| नीसां पनी सांनी प |

| कुल गाऽ ऽऽ म |
२

(४) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ म | गसा नीसा गम पनी |
× २

| लेऽ चल गोऽ कुल |
०

पसां नीप गम | गम पनी सां रेंनी | सांनी पम गम गसा |
गाऽ ऽऽ मऽ | शाऽ ऽऽ म कऽ | न्हैऽ ऽऽ याऽ ऽऽ |
३ × २

(५) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम गम पनी |
० ३

| लेऽ चल गोऽ कुल |
×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पनी सांरें नीसां नीप | गम पसां नीप गम | गम पसां नीप गम |

गाऽ मक न्हैऽ याऽ | लेऽ चल गोऽ कुल | लेऽ चल गोऽ कुल |

२ ० ३

(६) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीनी नीनी पनी सांरें |

० ३

| ले ऽ चल गो ऽ कुल |

×

नीसां नीप मप मग | गम पसां गम पसां | गम पसां नीप गम |

गाऽ मक न्हैऽ याऽ | लेऽ चल लेऽ चल | लेऽ चल गोऽ कुल |

० ० ३

स्थायी की तानें

(१) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पम गसा |

० ३ ×

| पनी पम गम गसा |

२

(२) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांनी |

० ३ ×

| पनी पम गम गसा |

२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांरें |
ले (०), गो (३), नीसा (×)

| सांनी पम गम गसा |
सांनी (२)

(४) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांगं |
ले (०), गो (३), नीसा (×)

| संगं सांनी पम गम
संगं (२)

(५) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | गम पम मप नीप
ले (०), गो (३), गम (×)

| पनी नांनी पम गम
पनी (२)

(६) ले ऽ च ल | गम गसा पप मग | सासा नीनी पम गम
ले (०), गम (३), सासा (×)

| गसा गम पनी सां
गसा (२)

(७) ले ऽ च ल | नीसा गम पम गम | पनी सांनी पनी सांरें
ले (०), नीसा (३), पनी (×)

| सांनी पम गम गसा
सांनी (२)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) नीसा गसा नीप नीसा | गम पनी पनी मप | मप गम गसा गम |
० ३ ×

| पनी सांनी पम गम |
२

(९) गम पनी पनी सांगं | सांगं मंपं गंमं गंसां | मंगं सांनी पम सांनी |
० ३ ×

| पम गम पम गसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पीलू

पीलू राग काफी ठाट का एक संमिश्र राग माना जाता है, जो धुन की तरह होने से हलका माना जाता है। इस राग में विशेष ठुमरी, दादरे, टप्पे, जैसे गीत पाये जाते हैं। इस राग में सप्तक बारह स्वरों का प्रयोग बडी खूबसुरती से किया जाता है। म आम तौरपर इस राग में जो स्वर आते हैं, वे यों हैं। दोनों गांधार दोनों ऋषभ, कोमल धैवत, निषाद व मध्यम शुद्ध, और पंचम। इ आरोह में शुद्ध स्वर लिये जाते हैं, और अवरोह में कोमल लिये ज हैं। वादी गांधार व संवादी निषाद है।

यह राग दो प्रकार से गाया जाता है। (१) और रागों की त मध्य षड्ज को 'सा' मानकर (२) मध्यम को 'सा' मानकर। इ दूसरे प्रकार के गीत ज्यादातर पाये जाते हैं। इस पुस्तक के सभी दूसरे प्रकार के ही हैं।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, नीधप, धम, पधनी, सा; नीसागरेसा, नीसाग

गमधप, गरेसा।

पकड़

नीसागमप गमधप, गरेसानी, धप धनी, सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) नीसाग, रेसा, नीधप, मपधनी, सा।

(२) नीसाग, मगरेसा, नीमानीधपधनी, सा।

(३) पधनीसा गरेसा, साग, मग, पमग रेसा, धपधनी, सा।

(४) नीसाग, मग, मपधप, ग, रेसानी, सागरेगसारेनीसा,

धपधनी, सा।

(५) नीसागमप, गमप, गमपनीधप, मपधप, मधप, गरेसानी,

सागरेग, सानीधपधनी, सा।

गीत नं. १ राग पीलू ताल—केहरवा

मनकी मनमें रही ना आये घनश्याम।
देखोरी मोरा बालासा जोबना, बीत गये सारी रैन॥

स्थायी

गम	धप	-ग	गसा	-नी	सा	-	-	गम	धप	-ग	गसा	-नी
मन	कीऽ	ऽम	नमें	ऽर	ही	ऽ	ऽ	मन	कीऽ	ऽम	नमें	ऽर
	×		०		×		०		×		०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

सा -प	-प पध	ग प	मग, गम	धप -ग	गसा -नी
ही ऽज्ञा	ऽये धन	शा ऽ	मऽ, मन	कीऽ ऽम	नखे अ
×	०	×	०	×	०

सा -	-
ही ऽ	ऽ .
×	

अन्तरा

ऽसा गम	प प	गम धप	ग नीसा	प पप	-प प
ऽदे खोरि	मो रा	वाऽ लासा	जो बना	रै नबी	ऽत गं
×	०	×	०	×	०

ग प	मग गम	धप -ग	गसा -नी	सा -	-
सा ऽ	रीऽ मन	कीऽ ऽम	नखे ऽर	ही ऽ	ऽ
×	०	×	०	×	०

गीत नं. २ राग पीलू ताल—तीनता

पपीहा रे पीकी बोलि न बोल। सुन पावे कोई बिरहाकि
माती, देगी पंख मरोर॥

स्थायी

ग - रे ग	सा - ग म	ग - सा नी	सा - सा रे
पी ऽ हा ऽ	रे ऽ पी की	बो ऽ लि न	बो ऽ ल प
२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग॒ सा - रे	ऩी सा ग म	ग - सा ऩी	सा - सा सा
पी हा ऽ ऽ	रे ऽ पी की	वो ऽ लि न	वो ऽ ल प
२	०	३	×

ग ग॒म ध॒प ग॒	-रे सारे ग म	ग - सा ऩी	सा - सा
पी हाऽ ऽऽ रे	ऽऽ ऽऽ पी की	वो ऽ लि न	वो ऽ ल
२	०	३	×

अंतरा

सा सा ग म	प - ध प	ग म ध॒ प
सु न पा ऽ	वे ऽ को ई	वि र हा कि
०	३	×

ग॒ -रे ऩी सा	प - प -	पध नी॒ ध प	ग प म ग॒
मा ऽऽ ती ऽ	दे ऽ गी ऽ	पंऽ ऽ ख म	रो ऽ र प
२	०	३	×

ग॒ - रे ग॒	सा - ग म	ग - सा ऩी	सा - सा
पी ऽ हा ऽ	रे ऽ पी की	वो ऽ लि न	वो ऽ ल
२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गीत ३ **राग पीलू** ताल तीनताल (मध्यलय)

भजन

रघुविर तुमको मेरि लाज।

सदा सदा मैं शरण तिहारो तुम बडे. गरीब निवाज ॥
पतित उधारन बिरद तिहारो श्रवण न सुनी आवाज ॥
हौं तो पतित पुरातन कहिये, पार उतारो जहाज ॥
अघ खंडन दुख भंजन जनके, यही तिहारो काज ॥
तुलसीदास पर किरपा करिये, भक्ति दान देहु आज ॥

स्थायी

सा

ऩी सा ग॒ रे	प प – ग॒	–रे सा – ऩी	सा – – सा
र घु वि र	तु म ऽ को	ऽऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

– ध॒ प़ ध॒	ऩी – सा –	सा ग॒ रे ग॒	सा रे ऩी सा
ऽ स दा स	दा ऽ मै ऽ	श र ण ति	हा ऽ रो ऽ
२	०	३	×

– – ग ग	ग ग – सा	ग म ध॒ प	ग॒ रे ग॒ रे
ऽ ऽ तु म	ब ड़े ऽ ग	री ऽ ब नि	वा ऽ ऽ ज
२	०	३	×

सा रे ऩी सा	प प – ग॒	–रे सा – ऩी	सा – – सा
र घु वी र	तु म ऽ को	ऽऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

	नी़ सा ग म	प – प प	ग म ध़ प
	प ति त उ	धा ऽ र न	श र ण ति
	०	३	×
ग़ –रे नी़ सा	ग ग ग ग	ग ग – ग	म – – म
हा ऽऽ रो ऽ	अ व ण न	सु नी ऽ आ	वा ऽ ऽ ज
२	०	३	×
रे ग़ सा रे	ध़ प – ग़	–रे सा – नी़	सा – – सा
र घु वि र	तु म ऽ को	ऽऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

गीत ४ | राग पीलू | तीनताल मध्यलय

कदर प्यारे लागे तुम्से नैन ।
जबसे गये मोरि सुधहुन लीनी ।
बिन देखे नहि चैन ।

			ग़
			क
ग़ ग़ ग़ –	(रे) नी़ सा – ग़	रे नी़ सा नी़	सा – सा ग
द र प्या ऽ	रे ऽ ऽ ला	गे तु ऽ म्से	नै ऽ न क
२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे रे

म म ग॒ ग॒रे | ऩी सा - ग॒ | रे ऩी सा ऩी | सा - सा प |

द र प्या ऽऽ | रे ऽ ऽ ला | गे तु ऽ म्हे | नै ऽ न क |

२ ० ३ ×

ध म रे रे

म प ग॒ - | ऩी सा - ग॒ | रे ऩी सा ऩी | सा - सा प़ |

द र प्या ऽ | रे ऽ ऽ ला | गे तु ऽ म्हे | नै ऽ न क |

२ ० ३ ×

ध॒ ऩी - सा | ग॒ ऩी सा ग | रे ऩी सा ऩी | सा - नी सा |

द र ऽ प्या | ऽ रे ऽ ला | गे तु ऽ म्हे | नै ऽ न क |

२ ० ३ ×

अन्तरा

म नी॒

ऽ नीसा ग म | प - ध प | ग म ध प | ग॒ - ऩी सा |

ऽ जब से ऽ | थे ऽ मो रि | सु ध हु न | ली ऽ नी ज |

० ३ × २

म म

ऽ ऩीसा ग -म | गमपध नी॒ ध प | - गम ध प | - ग॒ ऩी सा |

ऽ ज ब से आ | थेऽऽऽ ऽ मो रि | ऽ सुध हु न | ऽ ली नी ऽ |

० ३ × २

प प प - | सांसां नी॒ध पध गम | म - ग॒ ग॒ | ग॒ ग॒ - ग॒रे |

बि न दे ऽ | खेऽ ऽऽ ऽऽ नहि | चै ऽ न क | द र ऽ प्या |

० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पीलू

"रघुविर तुमको" गीत के तान आलाप

स्थायी के आलाप

(१) सा - - नी | - ध - प | ध नी - सा | -, मे ऽ रि | ला - - ज |
× | २ | ० | ३ | × |

(२) नी सा ग - | - - रे ग | सा - - नी | सा, मे ऽ रि | ला - - ज |
× | | ० | ३ | × |

(३) नी सा ग म | म ग - - | रे म रे सा | नी, मे ऽ रि | ला - - ज |
× | २ | ० | ३ | × |

(४) नी सा ग - | म ग - - | प म ग - | रे सा - नी | तू म ऽ को |
० | ३ | × | २ | ० |

(५) नी सा ग म | प - - - | ग म ध प | ग - रे सा | तू म ऽ को |
० | ३ | × | २ | ० |

अन्तरे के आलाप

(१) सा ग म प | ग - रे सा | प ति त उ | धा ऽ र न |
× | २ | ० | ३ |

(२) ग म ध प | ग - रे सा नी | प ति त उ | धा ऽ र न |
× | २ | ० | ३ |

(३) नीसा गम प - | - ध प - | नी ध म प | ग - रे सा | प ति त उ |
| ३ | × | २ | ० |

(४) गम पनी - ध | प - म ध | प ग रे नी | सा ग रे सा | प ति त उ |
० | ३ | × | २ | ० |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

स्थायी की बोलतानें

ध

(१)	प़ ध म प	ध नी़ नी़ –	– सा – नी़	सा ग रे ग
	र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ से ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
	२	०	३	×
(२)	नी सा ग म	रे ग सा रे	– ग – म	ग रे ग सा
	र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ से ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
	२	०	३	×
(३)	ग ग ग ग	रे ग सा रे	– गम ध प	ग रे ग सा
	र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ सेऽ ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
	२	०	३	×
(४)	नी सा ग म	प प प –	– मप ध प	ग प म ग
	र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ सेऽ ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
	२	०	३	×
	– ग रे ग	सा रे नी सा	तू म – को	
	ऽ से ऽ रि	ला ऽ ऽ ज		
	×	२	०	

स्थायी की तानें

(१)	सानी सारे गरे सानी	धप मप धनी सा	तू म को
	×	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) नीसा गरे सानी धप | पध मप धनी सा | तू म ऽ को |
× २ ०

(३) सानी धप मप नीध | सानी रेसा गरे सानी | तू म ऽ को |
× २ ०

(४) नीसा गम पम गरे | सानी साग रेग सारे | तू म ऽ को |
× २ ०

(५) नीसा गम पध मप | गम धप मग रेसा | तू म ऽ को |
× २ ०

(६) नीसा ग,सा गम गम | प,म पध प,म गम | प,ग मरे ग,सा रेनी |
० ३ ×

सा,ध पध नीनी सा | तू म ऽ को |
२ ०

(७) नीसा गम साग मप | गम पध पध मप | मप गम गम रेग |
२ ३ ×

ग,सा रेरे नीसा सा | तू म ऽ को |
२ ०

(८) रेग रेसा नीसा पध | पम गरे सानी सा | नीनी धप धप मग |
० ३ ×

मग रेसा नीसा गम | तू म ऽ को |
२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग जौनपुरी

यह राग आसावरी ठाट से उत्पन्न होता है। इसके आरोह में गंधार वर्ज है और अवरोह संपूर्ण है। इसका वादी स्वर धैवत और संवादी गंधार है। इस राग में गंधार, धैवत व निषाद कोमल प्रयोग किये जाते हैं।

जौनपुरी और आसावरी में अधिक समानता होने के कारण संगीत जगत में ये दोनों राग भ्रम डाल देते हैं। इसलिये कई विद्वानों का मत है कि आसावरी कोमल ऋषभ से ही गायी जाय। किन्तु इन दोनों रागों को पृथक करने के लिये, जौनपुरी में सारेमपनीधप और मप ग – रें – म – प, ये दो स्वर वाक्य बार बार प्रयोग में लाना चाहिये। जौनपुरी के आरोह में निषाद स्पष्ट रूप से आता है किन्तु आसावरी के आरोह में निषाद वर्ज है। आसावरी गाते समय सारेमप धधप यह स्वर वाक्य लेने से धैवत अपनी कोमल अवस्था ठीक लेगा। जौनपुरी में सारे मप नीधप करते समय धैवत अपनी कोमल अवस्था थोडी चढी रखेगा। इतने ही नियम का पालन करने पर जौनपुरी, शुद्ध ऋषभ की आसावरी से पृथक रहेगी। इस राग का गान समव दिन का द्वितीय प्रहर है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रेम, प, ध, नी सां | सां, नीधप, मग, रेसा

पकड़

सारेमप, नीधप, मप, ग, रेसा

आलाप

(१) सारेमप, ग, रे, म प, ग, रेसा.

(२) सारेमप, नीधप, मपधप, ग, रे, सा.

(३) सारेमप, नीधप, मपग, रे, मप, ग, रे, सा.

(४) सा, रेनीधप, मपधनीसा, रेमग, रे, सा.

(५) मपधनीसा, धनीसा, रे, सा रेमपनीधप, मपग, रे, सा,

(६) सारेमप, धसां, रें, सां, नीधप, मपनीधप, धमप, ग, रे सा

(७) सारेमपध, सां, रेंगं, रें, सां, रेंनीधप, मपनीधप, पग, रे, सा

(८) मगरेसा, मपनीधप, ग, रे, सा, रेंनीधप, मपग, रे, सा.

(९) सारेमपध, सां, रेंमंपंगं, रें, सां, सांनीधप, मपधनीसां
रेंनीधप, मप, ग, रेसा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गीत नं. १ राग जौनपुरी तराना तीनताल (मध्यलय)

ना दिर दिर दानी तदानी दीं तननन देरेना तन देरेना
तन देरेना दानी उदन दीं तनन नित्रों तों तनन देरेना ॥
ना दिर दिर दिर तुंदिर दिर दिर दिर दिर तन देरेना,
नादिर दिर दिर तुंदिर दिर दिर दिर दिर तन देरेना,
तन देरेना तन देरेना तन देरेना ॥

स्थायी

			म म
प सांसां नीनी सां	नी ध म प	नी – ध प	ग ग सा रे
ना दिर दिर दा	नी त दा नी	दीं ऽ त न	न न दे ऽ
०	३	×	२
म – प –	– – ध म	प नी ध –	प – ध प
रे ऽ ना ऽ	ऽ ऽ त न	दे रे ना ऽ	ऽ ऽ त न
०	३	×	२
म प ग –	सारे – सा –	सा सा सा सारे	म म प प
दे रे ना ऽ	दाऽ ऽ नी ऽ	उ द न दीं	ऽ त न न
०	३	×	२
नी नी			
ध ध – सां	– सां सां रें	सांरें ग रें सां	नी ध प म
नि त्रों ऽ तों	ऽ त न न	देऽ ऽ रे ऽ	ना ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	मम	मम	मम	प	पप	धध	धध	धध	धध	सां	सां
ना	दिर	दिर	दिर	तुं	दिर	दिर	दिर	दिर	दिर	त	न
०				३				×			
सां	सां	सां	–	ध	धध	धध	धध	सां	सांसां	रेंरें	रेंरें
दे	रे	ना	ऽ	ना	दिर	दिर	दिर	तुं	दिर	दिर	दिर
२				०				३			
रेंरें	गंगं	रें	सां	नीसां	रेंसां	ध	प	पं	–	मंगं	–
दिर	दिर	त	न	देऽ	रेऽ	ना	ऽ	त	ऽ	नऽ	ऽ
×				२				०			

रें	–	सां	–	सां	रें	मं	–	गं	–	रें	–	सां	नी	नी	सां
दे	ऽ	रे	ऽ	ना	ऽ	त	ऽ	न	ऽ	दे	ऽ	रे	ऽ	ना	ऽ
३				×				२				०			
रें	–	सां	–	नी	–	ध	–	प	–	ध	म				
त	ऽ	न	ऽ	दे	ऽ	रे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ				
३				×				२							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गीत नं० २   राग जौनपुरी   तीनताल (मध्यलय)

पिया मोरा गइलो बिदेसवा ।
कैसे करूँ सजनी कल नहिं परे पल छिनवा ।।
हमरे पितम को जो कोइ लावे,
मोतियन कि थाल भर भर देऊं,
और पेहेनाऊ करको कंगनवा ।।

स्थायी

		म	सा सा
प म प सां	ध प ध म	पध मप ग -	रे - रे रे
पि या मो रा	ग इ लो वि	देऽ सऽ वा ऽ	ऽ ऽ कै से
०	३	×	२
रे	सा		
प - ग -	रे - सा -	नी सा रे -	नी ध प -
क ऽ रूँ ऽ	स ऽ ज ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म म म म	प प म प	रें - सां रें	नी ध प म
क ल न हिं	प रे प ल	छी ऽ न ऽ	वा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

	नी	सां	
म म म म	प प ध -	नी - सां नी	सां - सां -
ह म रे पि	त म को ऽ	जो ऽ को इ	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी नी नी नी ध

ध ध ध ध	सां सां – रें	सांरें गं रें सां	नीसां रेंसां ध प
मो ति य न	कि था ऽ ल	भऽ र भ र	दे ऽ ऽ ऽ ऊ ऽ
०	३	×	२

प गं – रेंसां	रें - सां –	सां नी सां प	ध प ध म
औ र ऽ पेह	ना ऽ ऊ ऽ	क र को कं	ग न वा ऽ
०	३	×	२

गीत नं. ३ जौनपुरी तीनताल (मध्यलय)

अब पायल बाजन लागी रे कैसे कर आऊ तुमरे पास।
सास ननंद मोरि जनम कि बैरन सब रंग पिया
हूं तोरी दास ॥

स्थायी

ध म	पध नीसां नी सां	नीध – प ध
अ ब	पाऽ ऽ ऽ य ल	बाऽ ऽ ज न
	०	३

म प धम प	ग – रे –	म ग रे सा	रे म प प
ला ऽ गिऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	कै से क र	आ ऽ ऊ ऽ
×	२	०	३

ध सां सां सांरें	– नी
तु म रे पाऽ	ऽ स
×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

							नी	नी
	प	- ध	म		प	प	ध	ध
	सा	ऽ स	न		नं	द	मो	री
	०				३			

सां	सां							नी	नी						
नी	नी	सां	सां	सां	-	सां	सां	ध	ध	सां	सां	सां	रें	सांरें	गं
ज	न	म	कि	वै	ऽ	र	न	स	व	रं	ग	पि	या	हूँऽ	ऽ
×				२				०				३			

रें	सां	सां	सांरें	-	नी
तो	ऽ	रि	दाऽ	ऽ	स
×				२	

गीत ४ **राग जौनपुरी** धृपद—चौता

आई ये जु आई ये मोरे मेहल।
तन मन नौछावर कर हौं जोई रों रों तोही सहल॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

प
नी̲
आ

		म	सा	रे			नी̲				
ध̲	प	ग̲	रे	म	प	–	ध̲	सां	सां	–	रें
ऽ	ई	ऐ	जु	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऐ	ऽ	मो
३		४		×		०		२		०	

				म	म		सा				
–	नी̲	ध̲	प	प	ग̲	–	रे	ग̲	सा	–	नी̲
ऽ	रे	ऽ	ऽ	मे	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

अंतरा

			नी̲								
म	प	–	ध̲	–	नी̲	सां	सां	–	नी̲	सां	सां
त	न	ऽ	म	ऽ	न	ध	न	ऽ	ऽ	ऽ	नौ
×		०		२		०		३		४	

नी̲				मं							
ध̲	सां	–	रें	गं̲	–	रें	सां	रें	सां	ध̲	प
छा	ऽ	ऽ	व	र	ऽ	क	र	ऽ	हौं	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

प	ग॒ (प)	–	रें	सां	सां	रें (सां)	नी॒	सां	ध॒	–	प
जो	ई	ऽ	रों	ऽ	रों	सो	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

प (म)	ग॒	–	रे	ग॒	सा	–
स	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ
×		०		२		०

'अव पायल वाजन लागि रे' इस गीत पर, आलाप तान

स्थायी के आलाप

(१) पा ऽ ऽ ऽ य ल | वा ऽ ज न | ग॒ – – रे | – – सा – | पायल
० ३ × २ ०

(२) पा ऽ ऽ ऽ य ल | वा ऽ ज न | सा रे मप | ग॒ – रे सा | पायल
० ३ × २ ०

(३) पा ऽऽ य ल | सा रे म प | नी॒ ध॒ प – | ध॒म प ग॒ रे | पायल
० ३ × २ ०

(४) अव | रे म प – | ध॒म प ग॒ – | – रे म प | ग॒ रे – सा | पायल
० ३ × २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) अब | म प ध - | सां - - - | रें - नी ध |
०　　　　３　　　　×

| प - धप प | पा य ल
२　　　　०

(६) अब | मप धनी सां - | रें - सां - | रें नी ध प |
०　　　　３　　　　×

| मप ग रे सा | पा य ल |
२　　　　०

(७) अब | सारे मप नी ध | मप धनी सां - | गं रें नीध प |
०　　　　３　　　　×

| धम प रे म | पा य ल
२　　　　०

(८) अब | मप ध सां - | रें सं गं - | रें - सां - |
०　　　　３　　　　×

| रेंनी सां नीध प | पा य ल
२　　　　०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) अब | मप धनी सां – | रेंमं पंमं गं – | रें – सां - |
० ३ ×

| रें नी ध प | पा य ल
२ ०

अन्तरे पर आलाप

(१) सा ऽ स न | नं द मो रि | सां – – – | नी ध सां – |
० ३ × २

(२) सा ऽ स न | नं द मो रि | सां रें – सां | रें नी ध प |
० ३ × २

(३) सा ऽ स न | मप धनी सां – | रें – सां – | रें गं रें सां |
० ३ × २

(४) सा ऽ स न | मप ध सां – | रेंमं गं रें सां | मप धनी सां – |
० ३ × २

(५) सां रें मं – | गं – रें सां | रें नी ध प | मप ध सां – |
० ३ × २

(६) सांरें – नी ध प | धम प रेंम प | मप ध नी सां |
० ३ ×

| रेंनी सां नीध सां |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी पर बोलताने

(१)	पा ऽ ऽऽ यल	ध - प प	धम प रे म	प -
		बा ऽ ज न	लाऽ ऽ गी ऽ	रे ऽ
	०	३	×	२

(२)	पा ऽ ऽऽ यल	ध म प प	ग रे मग रेसा	रे स
		बा ऽ ज न	ला ऽ गीऽ ऽऽ	रे ऽ
	०	३	×	२

(३)	अ व	मप नी ध प	रेम -रे म प	धम धप नीध ध	म प
		पाऽ ऽ य ल	बाऽ ऽऽ जन	लाऽ ऽऽ ऽऽ गी	रे ऽ
		०	३	×	२

(४)	अ व	मप धसां सां सां	सांरें -नी रें सां	रें नी ध प	रेम प
		पाऽ ऽ य ल	बाऽ ऽऽ जन	ला ऽ गी ऽ	रेऽ ऽ
		०	३	×	२

(५)	अ ब	मप नीध -प धम	-प रे म मप	मप धप धनी सां	सांनी धप
		पाऽ ऽय ऽल बाऽ	ऽऽ ज न लाऽ	ऽगी ऽऽ रेऽ ऽ	लागि रे ऽ
		०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) अ व | धम सांनी सांध –प | मप गरे गम प |
| अब पाऽ ऽय ऽल | वाऽ जन लागि रे |
० ३

| पगं रेंसां रेंनि नीसां | रेंनी धप
| कैसे कर आऊ तुम | रेपा ऽस
× २

(७) अ ब | मप धनी सां नीसां | रेंमं गंरें सांरें नीसां |
| अब पाऽ ऽ यल | बाऽ जऽ नला ऽगि |
० ३

| पगं रेंसां रेंनी नीध | धध मम
| कैसे कर आऊ तुम | रेपा ऽस
× २

(८) अ ब | मरे पम धप सांनी | रेंसां संग रेंसां नीसां |
| अव पाऽ बल वाऽ | जन लागि रेऽ कैसे |
० ३

गंरें नीध पम मप | धनी सांसां
कर आऽ ऊऽ तुम | रेपा ऽस
× २

स्थायी की तानें

(१) वाऽ ज न | सारे मप नीध पम | गरे सा
३ × ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) वा ऽ ज न | मप धनी सांनी धप | मग रेसा।
३ × २

(३) वा ऽ ज न | सारे मग रेसा नीध | पम गरे
३ × २

(४) वा ऽ ज न | मप धनी सारें सांनी | धप मप
३ × २

(५) वा ऽ ज न | धनी सारें गेंरें सांनी | धप मग
३ × २

(६) पा ऽ ऽऽ यल | सारे मप धप मग | रेसा रेम पनी धप |
० ३ ×

| मग रेसा
२

(७) पा ऽ ऽऽ यल | मप धनी सारें सांनी | धप मप नीध पम |
० ३ ×

| गरे सा
२

(८) अ ब | मप धनी सारें सारें | नीसां नीसां नीध पध |
० ३

पध मप मग रेसा | रेम पध
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) अ व | सारे मप रेम पध | मप धसां धसां रेंगं |
० ३

| रेंसां नीसां नीध पम | गरे सा |
× २

(१०) अव | सग रेसा रेम पनी | धप धप धनी सांरें |
० ३

| मंगं रेंसां नीध पम | गरे सा |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—मालकंस

यह राग भैरवी ठाठ से उत्पन्न होता है। इस राग में ऋषभ और पंचम ये दोनों स्वर वर्ज्य हैं। अतः यह ओडव जाति का राग है। इसमें गंधार, निषाद और धैवत ये तीन स्वर कोमल और मध्यम शुद्ध प्रयोग किये जाते हैं। इस राग की प्रकृति गंभीर है। वादी 'मध्यम' और संवादी 'षड्ज' है। इस राग का विस्तार तीनों सप्तकों में अच्छी तरह किया जा सकता है। यह बहुत प्रख्यात राग है, जिसका ज्ञान बहुतेरों में पाया जाता है। गाने का समय राग का तीसरा प्रहर है।

आरोह- नीसा, गम, धनी सां.

अवरोह- सां, नीधम, गसा.

पकड़

मधनी, धम, गसा.

आलाप.

(१) सा, धनीसा, नीसा, मग, मग सा.

(२) नीसा, धनीध, सा, गसा, धनीसाम, गसा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) सा, मग मधमग, नीधमग, मगसा.

(४) साम, गमधमग, मधनीधममग, धम, गम, गसा.

(५) सागमध, धमगसा, मधनी, धसां, गंसां, नीधमगसा.

(६) सामगमध, नीसां, गंसां, नीगंसां, धनीसां, नीधमग,

मगसा.

(७) नीसा, गम, धनीसां, नीसां, धनीसां, मंगंसां, नीधम,

गमगसा.

(८) सागमधनीसां, नीधमग, धम, नीधसां, मंगंसां, नीधमग,

मगसा.

गीत नं. १ राग मालकंस ताल–तीनताल

कोयलीया बोले अंबुवा डार पर । ऋतु बसंत की देत संदेसवा
नयों कलियन पर गूंजत भवरा । उनके संग करत रंगरलीया
यहि बसंत की देत संदेसवा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां नी	नी सां	नी	
सां गं सां सां	ध म ध नी	सां - - ध	नी ध म म
को य लि या	बो ले अं बु	वा ऽ ऽ डा	ऽ र प र
०	३	×	२

म म म		म म	
ग ग ग मध	नीसां नी सां -	ग - म ध	म ग सा -
ऋ तु व सऽ	ऽ ऽ त की ऽ	दे ऽ त सं	दे स वा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

म म म म	नी		सां
ग ग ग ग	म म ध नी	सां - सां सां	नी सां सां -
न यो क लि	य न प र	गूं ऽ ज त	भ व रा ऽ
०	३	×	२

	नी	नी	
नी नी नी -	सां - सां सां	ध म ध नी	ध म म -
उ न के ऽ	सं ऽ ग क	र त रं ग	र ली या ऽ
०	३	×	२

म म म		म म	
ग ग ग मध	नीसां नी सां -	ग - म ध	म ग सा -
य हि व संऽ	ऽ ऽ त की ऽ	दे ऽ त सं	दे स बा ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

गीत नं. २ | राग मालकंस | ताल-तीनताल

सुख मोर मोर मुसकात जात। अत छबिलि नार कर कर सिंगार ।। काहुकि अखियाँ रसिली मन भाई। या विध सुंदरवा उखलाई। चली जात सब सखियाँ साथ ।।

म	
ग	सा
मु	ख

म	सा		म म
ग म ग सा	- सा ध नी	सा - म म	- म ग ग
मो ऽ र मो	ऽ र मु स	का ऽ त जा	ऽ त अ त
०	३	×	२

नी सां		सां	
म ध नी सां	- सां सां सां	ध नी ध म	- म
छ बी ली ना	ऽ र क र	क र सिं गा	ऽ र
०	३	×	२

अन्तरा

म म म			नी
ग ग ग ग	म म ध नी	सां - सां सां	गं नी सां सां -
का हु कि अ	खि या र सि	ली ऽ म न	भा ऽ ऽ ई ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	नी		
नी - नी नी	सां - सां सां	ध म ध नी	ध म म -
या ऽ वि धं	सुं ऽ द र	वा ऽ उ ख	ला ऽ ई ऽ
०	३	×	२

मं मं		नी	
गं गं मं गं	सां सां सां सां	ध नी ध म	- म
च ली ऽ जा	ऽ त स ब	स खि या सा	ऽ थ
०	३	×	२

गीत नं० ३   राग मालकंस   ताल–झपताल

सा सून्दर बदन के मन्दन दीपन।
मन रंजन काहे जात छिपेरे॥
निकसी के सुन्दरता के लाजत।
इब्राहीम मुख चन्द्र चकेरे॥

				नी नी
नीसा	गम	धनी सां, धनी सां	सां सां	ध ध म
साऽ	ऽऽ	ऽऽ ऽऽऽ सूं	द र	ब द न
×		२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म	नी	नी	
नी –	ध सां –	ध म	गम गसा सा
के ऽ	ऽ मं ऽ	द न	दीऽ पऽ न
×	२	०	३

	मं		
ध नी	सां गं सांगं	मंगं, मं गंसां	नीसां–नी ध म
म न	रं ऽ ऽऽ	जऽ ऽ नऽ	काऽऽऽ हे ऽ
×	२	०	३

ध	नी		
नी ध	सां – सां	नीसां–नी धनी–ध	मध– म गम–ग सा
जा ऽ	त ऽ छि	पेऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ रे
×	२	०	३

अन्तरा

म	नी	नी	
ग म	ध नी ध	सां –	नीसां सां सां
नी क	सी ऽ के	सूं ऽ	ऽऽ द र
×	२	०	३

नी			
सां नी	सां ध म	ध नी	ध म –
ता ऽ	के ऽ ऽ	ला ऽ	ज त ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा									
नी	सां	मंगं	सांगं	मं	गं	सां	सां	ध	म
इ	आ	ऽऽ	हीऽ	ऽ	म	ऽ	मु	ख	ऽ
×		२			०		३		

ध		नी								
नी	ध	सां	-	गं	नीसां नी	धनी-ध	मध-म	गम-ग	सा	
चं	ऽ	द्र	ऽ	च	केऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	रे	
×		२			०		३			

नं० ४ **राग मालकौंस** ध्रुपद-चारताल

आदि शब्द आदि ज्योति, आदि रूप आदि शक्ति
पूरण परमानन्द महासुख कारिणी।
निरविकार निरगुण ज्यों सगुण त्योंहि
गुणतीत जयति जय निरूपमा अनेक रूप धारिणी॥

सा	नी	गसा	नी	नीध	नी
आ	ऽ	दिऽ	श	ऽऽ	ब्द
०		३		४	

सा	म	म	म	-	म	म	ग	म	म	ध	ध
आ	ऽ	दि	ज्यो	ऽ	ति	आ	ऽ	दि	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म॒ग	म	म॒ग	सा	-	सा	सा	सां	-	सां	-	सां
आ	ऽ	दिऽ	श	ऽ	क्ति	पू	ऽ	ऽ	र	ऽ	ण
×		०		२		०		३		४	

नी॒	ध॒	नी॒	ध॒	-	म	म	ग॒	म	म	ध॒	ध॒
प	र	मा	न	ऽ	न्द	म	हा	ऽ	सु	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	

म॒ग	म	ग॒	सा	-	-
काऽ	ऽ	रि	णी	ऽ	ऽ
×		०		२	

अन्तरा

म	ग॒	म	ध॒	-	नी॒
नि	र	वि	का	ऽ	र
०		३		४	

सां	सां	सां	सां	सां	-	सां	मं	मं	गं॒	मं	सां
नि	र	गु	ण	ज्यों	ऽ	स	गु	ण	त्यों	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	

नी॒	ध॒	नी॒	ध॒	म	म	सा	सां	सां	सां	सां	सां
गु	ण	ऽ	ती	ऽ	त	ज	य	ति	ज	य	ति
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी	ध	नी	ध	म	म	म	ग	म	म	ध	ध
रू	ऽ	प	मा	ऽ	अ	ने	ऽ	क	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	

ग	म	ग	सा	–	–
धा	ऽ	रि	णी	ऽ	ऽ
×		०		२	

राग–मालकंस

'सा सुंदर वदन' गीत के आलाप और तानें

स्थायी के आलाप

सारे आलाप सम से शुरू होते हैं। अतः हर एक आलाप के बाद फिर से 'सा सुंदर बदन' इतना गीत का हिस्सा गाया जाये।

(१) सा - | - - - | नी ध | नी सा - |
× २ ० ३

(२) ध नी | सा - - | ग - | साग मग सा |
× २

(३) ध नी | सा म - | ग - | म ग सा |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) म - | - ग - | साग म | गसा नी सा |
× २ ० ३

(५) साग मध | - नी ध | म ग | मध मग सा |
× २ ० ३

(६) गम धनी | सां - - | ध नी | ध म - |
× २ ० ३

ग म | - ग - | सा ग | मग नी सा |
× २ ० ३

(७) साम गम | ध - नी | सां - | - गं सां |
× २ ० ३

सां - | नीध नी -ध | म - | मग मग -सा |
× २ ० ३

(८) मध नीसां | धनी सां - | धनी सां | गंमं गं सां |
× २ ० ३

ध नी | ध म - | ग साग | मग - सा |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) साग मध | – नी सां | – धनी | –ध नी सां |
× २ ३ ३

सांगं मं | –गं सां नीध | –ध म | मग –ग सा |
× २ ० ३

अंतरे के आलाप

(१) सां – | – ध नी | ध म | नी ध सां |
× २ ० ३

(२) धनी सांगं | – सां – | मध –नी | धनी –ध नीसां |
× २ ० ३

(३) सां – | धनीसांगं मंगं,सां– | मध नीसां | –नी –ध सां |

स्थायी की बोलताने

(१) धनी साम	–म –म धग	–ग गसा	नी गग सासा
साऽ ऽसूं	ऽद ऽर बद	ऽन केऽ	मैं ऽद ऽ न
×	२	०	३

(२) मग सा	धध गम गसा	नीध मग	गम –ग सासा
साऽ ऽ	सूंऽ ऽऽ द्र	बद नऽ	केमैं ऽद ऽन
×	×	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) साग मध | -नी धम मध | नीध सांनी | नीध मग...
साऽ ऽऽ | ऽसूं दऽ वद | नऽ ऽके | मौंऽ दऽ
× | २ | ० | ३

(४) मग धम | नीध सां सांसां | -सां धम | नीध -,मग मग,...
साऽ सूंऽ | द ऽ र वद | ऽन केऽ | मौंऽ ऽऽदऽ ऽऽनऽ
× | २ | ० | ३

(५) गसा साग | गसा सा धनी | -नी -नी | सांनी धम गस
साऽ सूंऽ | दऽ र वद | ऽन ऽके | मौं ऽ दऽ नऽ
× | २ | ० | ३

(६) मध नीसां | गंसां सांनी,नी- धम | मनीधनी सांसां |
साऽ ऽऽ | सूंद रऽबऽ दन | केऽऽमऽ द |
× | २ | ० |

| गमगध मधमग सा |
| नऽदि ऽऽपऽ न |
| ३ |

(७) धनीसांगं मंगंसांनी | धनी ध,नी सांनी,गम ग,धमग |
साऽऽऽ ऽऽसूंऽ | दऽऽर ऽऽबऽ ऽदऽऽ |
× | २ |

सा | नीसागम | धनीसां- नीसागम धनी,सां-
न | सा ऽऽऽ | साऽऽऽ साऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽ
० | | ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) म–नीध सां | – – – | धम नीधसां– | – – सां |
साऽऽऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सुंऽ दऽऽऽ | ऽ ऽ र |
× २ ० ३

नीगं सां | ध म – | मधनीसां नी,धनीध |
बद न | के ऽ ऽ | आऽऽऽ ऽऽऽऽ |
× २ ०

| मधम,ग मगसानी सा |
| ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ |
३

स्थायी की तानें

(१) साऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ,ऽ सुंदर | गमधनी सांनीधम गमगसा |
× २ ० ३

(२) ,, | ,, | ,, | धनीसांगं मंगंसांनी धमगसा |
३

(३) साऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ,ऽ ऽ नीसागम | धमगम धनीसांनी |
× २ ०

धनीसांनी धनीधम गमगसा |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ,, | ,, ,, नीसागम | धनीसांगं मंगंसांनी |

× २ ०

धनीसांनी धनीधम गमगसा |

३

(५) ,, | ,, ,, सागमम | गमधध मधनीनी |

× २ ०

धनीसांसां धनीधम गमगसा |

३

(६) गमधनी धमगम | गसा,गम धनीसांनी धमगम |

× २

गसा गम | धनीसांगं | मंगंसांनी धनीधम गमगसा |

० ३

(७) सागमग गमधम | मधनीध धनीसांनी मधनीध |

× २

धनीसांनी गमधम | मधनीध सागमग गमगसा |

० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) सागमध मधमग । गमधनी धनीधम मधनीसां ।
×　　　　　　२

नीसांनीध धनीसागं । सांगंसांनी धनीधम गमगसा ।
०　　　　　　३

(९) धनीसाग मधमध । मगसानी सागमध नीधमग ।
×　　　　　　२

सा-नीसां नीसां,धनी । धनी,मध मध,गम गमगसा ।
०　　　　　　३.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल गायकी

अ० भा० गांधर्व महा विद्यालय के पाठच क्रमानुसार ख्याल गायकी तीसरे वर्ष से शुरू होती है। वैसे देखा जाय तो मुक्त या स्वतंत्र गायकी की शुरुवात प्रथम वर्ष से ही होनी चाहिये। किन्तु जब विद्यार्थियों को थोडे ही समय में निश्चित किये गये रागों पर अभ्यास करके परीक्षा देना पड़ता है तब उपरोक्त उद्देश्य को सामने रख कर ही शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये प्रथम दो वर्षों में ८–८ रागों में छोटे ख्याल और उनमें बँधे हुये आलाप, बोलतान और तान आदि सिखाना पड़ता है। दूसरे वर्ष तक राग ज्ञान, ताल ज्ञान व गले का चलन इत्यादि का विकास हो जाने पर वडे ख्याल को सिखाने में आसानी होती है। बड़े ख्याल की गायकी मुक्त या स्वतंत्र होनी चाहिये तथा कल्पनायुक्त होनी चाहिये। किन्तु यह प्रारम्भ में कठिन सा प्रतीत होता है। इस लिये इस पुस्तक में दिये हुये वडे ख्याल पर उदाहरण स्वरूप कुछ बँधे हुये आलाप, बोलतान, तान दिये जा रहे हैं। किन्तु विद्यार्थी यह न समझ बैठें कि ख्याल गायकी केवल इतनी ही है। पुस्तक में दिये हुये आलाप, बोलतान, तान केवल मार्ग दर्शन की दृष्टि से दिये गये हैं।

बड़ा ख्याल

ख्याल गायकी के अन्तर्गत दो प्रकार के ख्याल होते हैं जिन्हें छोटा ख्याल तथा बड़ा ख्याल कहते हैं। छोटा ख्याल मध्य तथा द्रुत लय में गाया जाता है। इसकी गति सहज समझ में आ सकती है और इसका ताल, गीत के साथ विद्यार्थी आसानी से दे सकता है। सामान्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रूप से त्रिताल, झपताल, एकताल इन तालों में छोटे ख्याल गाये जाते हैं। बड़ा ख्याल बहुत धीमे यानी विलंबित लय में गाया जाता है और यह प्रायः तिलवाड़ा, झूमरा, एकताल और आड़ा चौताल तालों में गाया जाता है। बडे ख्याल की गायकी स्वतंत्र एवं स्वकल्पना युक्त होती है। इसमें राग का स्वरूप उसके नियमानुसार, क्रमशः एक एक स्वर लेकर विलंबित आलाप द्वारा विकसित किया जाता है। आलाप करते समय इस बात का प्रतिबंध नहीं रहता कि अमुक स्वर इतनी ही मात्रा में आना चाहिये, किन्तु निश्चित काल तक आलाप करके चीज का मुखड़ा कुशलता से पकड़ कर सम पर आना चाहिये। आलाप क्रमशः मध्य सप्तक के षड्ज से तार सप्तक तक गाकर अंतरा शुरू करना चाहिये। अंतरे पर आलाप चारी करने के बाद पूरा अंतरा गाकर तत्पश्चात स्थाई का 'बोल अंग' से विकास करना चाहिये। बोल आलाप, उसके बाद लयकारी युक्त बोलतान और अंत में तान और उसके विविध प्रकार द्वारा बड़ा ख्याल गाये जाने की परंपरा है।

सर्व प्रथमपुस्तक में लिखे हुये ख्याल गीत के पूर्ण शब्दों को बिना ताल व सुर के, विद्यार्थियों को याद करवा देना चाहिये। तत्पश्चात शब्द स्वर रचना के साथ सिखाना चाहिये। और सबसे अंत में बन्दिश ताल में बिठा लेनी चाहिये। मेरा अनुभव है कि इस तरह सिखलाये हुये ख्याल विद्यार्थी जल्दी सीखता है और जल्दी भूलता नहीं।

प्रत्येक राग के शुरुवात में कुछ मुक्त आलाप दिये गये हैं। उसमें राग का पूरा स्वरूप और राग का खास वातावरण प्रतीत हो ऐसी दृष्टि से मुक्त आलाप की रचना की गयी है। विद्यार्थियों से वे आलाप अच्छी तरह रटवा लेना चाहिये, और रटे हुये आलाप के अनुरूप स्वबुद्धि से आलाप विद्यार्थियों से करवाने का प्रोत्साहन उनको देना चाहिये। पुस्तक में दिये हुये बोलतान सिखाने के पश्चात उसी उदाहरण पर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि से अलग बोलतान बनाने का प्रयत्न करवाना चाहिये। वैसे ही पुस्तक में दी हुई तानों के समान दूसरी तानें बनाकर विद्यार्थियों को गवाना चाहिये। इस तरह से बड़ा ख्याल सिखाया जाय तो ख्याल गांयकी जल्दी समझ में आयेगी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भूप

यह राग कल्याण ठाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में म और नी यह दोनों स्वर वर्जित है। वादी स्वर गांधार और संवादी धैवत है। इसका गान समय रात का पहला प्रहर और इसकी जाति औड़व-औड़व है।

आरोह :- सा, रे, ग, प, ध सां।

अवरोह :- सां, ध, प, ग, रे, सा।

मुक्त आलाप–सा, ध़प़, ध़सा, सारे, ध़सा, साध़प़, सारेसा। सारेग, रेग, सारेसाग, गरेसा ध़प़, ध़सारेग, सारेगरेसा। सारेग, साध़सा रेग, सारेसाग, ध़साध़रेग, पग, पग, रेसा। सारेग, रेगप, ग, गपध, पग, रेगरेगपध, गधप, ग, रेगरेसा। सारेग, पध धग गरे, ग, प, ध, सागरे, गप, धगधप, गरेसा। सारेगप, ध, सां, सांधप, पधसां, सांध, पग, रेगपध, पग, रेग, रेसा। सारेगप, धसां, सांरें, सांरेंगं, गंरेंसां, ध गंरेंसां, धसांरें, सांध, पग, गपध, पग रेग, रेसा। सारे गप धसां, सांरेंगं, पंगं, रेंगंरेंसां, सांध, पधप सांध, धपग, रेगपध, पग, गरे, रेसा, ध़सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुक्त ताने--सारेगप गरेसा, सारे गपधपगरेसा, सारेगप धसां, धपगरेसा, सारे गपध सांरेंसां धपगरेसा। सारेगप धसां रेंगंरेंसां धप गरेसा, सारे गपध सांरें गंपं गंरेंसां धपगरेसा।

सारे गपगरे गपधप गरेसा। सारे गप गरे, गपधप, धसांधप गरेसा। सारेगरे, गपधपगरे गपधसां धसांरें गंरेंसां धपगरेसा। सागरेपगधपसांधरें सांगेंरें सांधप, रेंसांधपगरे, धपगरेसा। सारेगप, गपधसां धसांरेंगं, गंरेंसांध, सांधपग, पगरेसा। सारेगप, धप धपगरे, गपध सांरेंसांरें सां धप, धसांरेंगंरेंगं सांरेंसांरें धसांधसां धप, गपधपधप गपगप रेगरेग सारेसा। सारेगरे, गपधप, धसांरेंसां. सांरेंगंरें, धसांरेंसां, पधसांध, गपधप, रेगपग, सारेगरे साधसा।

गीत नं. १ राग भूप ख्याल, ताल एकताल (विलम्बित)

एरि आज भइलवा सुखवा मोरे, सुन सुन पिया कि बात मोरे मन बस गई, सावरे कि सुरतीया, देखवे को मन ललचात॥

स्थायी

रे ग	रे	साध	सारे
ए	ऽ	रीऽ	ऽऽ
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प	प प	पप रे			
(प) ग	ग ग	गग ग	रे गरे	(प) ग	रे सा
आ ऽ	ज भ	इल वा	ऽ सुख	वा मो	ऽ रे
×	०	२	०	३	४

			ग
सारे गरे	साध़ प़	पग धप	ग रेसा
सुन सुन	पीऽ या	कीऽ ऽऽ	बा ऽत
×	०	२	०

अंतरा

प सां	
गप धसां	सांसां -रें
मोरे मन	बस ऽग
३	४

	सां				
सां –	धध सांरें	सांसां (सां)	धप गरे	सारेगप धप	–ग रे
ई ऽ	साव रेकी	सुर ती	याऽ ऽऽ	देऽऽऽ ऽखो	वे ऽ
×	०	२	०	३	४

सा सागं	रेंसां सांध	सांपधप सांध	पग रेसा
को मन	लल चाऽ	ऽऽऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽत
×	०	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई पर आलाप

(१)	ऽ ऽ	सा -	साध -प	ध सा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×		२	०	३	४
(२)	ऽ ऽ	सा -	सारे -	साध -सा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×	०	२	०	३	४
(३)	ऽ ऽ	सारे -ग	-प ग	-रे -सा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×	०	२	०	३	४
(४)	ऽ ऽ	सारे ग	प -ध	पग रेसा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×	०	२	०	३	४
(५)	ऽ ऽ	ऽ ऽ	सा रे	ग प	- ग	पध -
	×	०	२	०	३	४
	प ग	गप ध	-प ग	रे सा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×	०	२	०	३	४
(६)	ऽ ऽ	ऽ ऽ	सारे ग	प ध	- सां	- -
	×	०	२	०	३	४
	सां -	ध -प	ग पग	-रें -सा	प ऽ	रीऽ ऽऽ
	×	०	२	०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सारे गप | ध – | सां – | सां रें |
× ० २ ० ३ ४

– सां | सांध सां | धप –ग | –रे सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
× ० २ ० ३ ४

(८) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सारे गप | ध सां | – सां | रें – |
× ० २ ० ३ ४

गं – | रेंसां रेंसां | धप धप | ग रेसा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
× ० २ ० ३ ४

अन्तरे के आलाप

(१) ऽ ऽ | सां – | धप ग | पध सां | मोरे मन ई–
× ० २ ० ३

(२) ऽ ऽ | सांरें –सां | ध सां | गप धसां | मोरे मन ई–
× ० २ ३

(३) ऽ ऽ | सां – | सांरें – | सां धप | गप ध | सां –
× ० २ ० ३ ४

सां रें | गं – | रेंसां धप | गप ध | मोरे मन ई–
× ० २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ऽ ऽ | सां – | रें गं | – गंरें | सांध –सां | सांरें गंसां |
× ० २ ० ३ ४

पध सां | धसां रें | गंपं गंरें | –सां धसां | मोरे मन इ-
× २ ३ ० ३

स्थायी की बोलताने

(१) ऽऽ | सा –ध | –सा –सा | साध –रे | सा सारेग– | एऽ रीऽऽऽ |
| ए ऽरी | ऽआ ऽज | भई ऽल | वा ऽऽऽऽ | |
× ० २ ० ३ ४

(२) ऽऽ | सारे –ग | –प –प | गपध– –प | गरे –सा | एऽ रीऽऽ |
| एऽ ऽरी | ऽआ ऽज | भऽऽऽ ऽइ | ऽल ऽवा | |
× ० २ ० ३ ४

(३) ऽऽ | गपध– सां | – धप | –ग गपधप | गरे सा | एऽ रीऽऽऽ |
| एऽऽऽ री | ऽ आऽ | ऽज भऽऽऽ | इल वा | |
× ० २ ० ३ ४

(४) ऽऽ | सारेगप धसां | सां सांध | रेंसां सांधपग |
| एऽऽऽ ऽऽ | री आऽ | ऽज भऽऽऽ |
× ० २ ०

रेग–रे सा | एऽ रीऽऽऽ |
इऽऽ ल वा | |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ऽऽ | गरेपग धपसांध | रेंसांगंरें सां |

| एऽरीऽ आऽ जऽ | भऽइल वा |

× ० २

रेंसांध,सां धप,धप | ग,गरेसा सांसांधपगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |

सुखवा मो ऽरे सुऽ | न सुऽन एऽरीऽऽऽऽऽ |

० ३ ४

(६) ऽऽ | गरेरे,ग रेरेगप | धसांसां– गंरेंरें,गं |

| एऽरिआ ऽजभई | लऽवाऽ सुखवामो |

× ० २

सांसां,सांध धपधप | गपग,ध पगरेसा | एऽ रीऽऽऽ |

ऽ रे सु ऽ नऽ सु न | पियाऽकि ऽ वा ऽत |

० ३ ४

(७) ऽऽ | गरेसा,प गरे,सांध | प,सांधरें सांगंरेंसां |

| एऽ ऽरी ऽ ऽआ ऽ | ऽज ऽभ ऽइ ल वा |

× ० २

सांगंगंरेंरें––– गंरेंसां– | सांसांधप,धधपग पपगरे,गगरेसा |

सुऽखवा ऽऽऽ मोऽरेऽ | सु ऽ नऽ सुऽनऽ पियाऽकिवाऽऽत |

० ३

एऽ रीऽऽऽ |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ऽऽ | सांसांधपगरेगप धसां-- सांरेंगं-रें--- गंरेंसां- |
| एऽरी ऽआऽऽऽ जऽ ऽऽ भऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ इलवाऽ |
× ० २

गंरेंसांरें सांधसांध | पधपग गपधधपगरेसा | एऽ रीऽऽ
सुऽनसु ऽ न पिया | कियाऽत आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |
० ३ ४

स्थायी की तानें

(१) ऽ ऽ | सारेगगरेसा,सारे गपपगरेसा,सारे | गपधधपपगरे
\+ ० २

सा-सारेगपधसां | सांधपपगरेसा- सारेगपधसांरेंरें |
०

सांसांधपगरे,गंगं रेंसांसांधपगरेसा | एऽ रीऽऽऽ |
३ ४

(२) ऽ ऽ | सारेगगरेसा,गग रेसा सारेगपपग | रेसा,पपगरेसा-
× ० २

सारेगपधधपप | गरेसा-धधपप गरेसा-सारेगप |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धसांसांधपगरे सांसांधपगरेसा– | ए ऽ रीऽऽऽ |
३ ४

(३) ऽ ऽ | सारेगपधधपप गरे,गपधधपप | गरे,गपधसांसांध
× ० २

पपगरे,सांसांधप | गरेसा–सारेगप धसांरेंगंगंरेंसांध |
०

रेंरेंसाधप–सांसां धपगरे,गरेसासा ए ऽ रीऽऽऽ |
३ ४

(४) ऽ ऽ | सारेगरेगपगप धपगरेगपधप | धसांधसांरेंसांधप
× ० २

धसांरेंसांरेंगंसांरें | गंरेंसांध,पधसांध पग,रेगपगरेसा |
०

गंगंरेंसांधप,रेंरें सांसांधपगरेसा– | ए ऽ रीऽऽऽ |
३ ४

(५) ऽ ऽ | सारेगपग,रेगप धप,गपधसांध,प | धसांरेंसां,धसांरेंगं
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेंसांधपगरेसा– | पगधपगरे,सांध रेंसांधप,रेंसांगंरें |

०

सांध,रेंसांधपगरे सांधपगगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(६) ऽ ऽ | सारेगरे,सारेगप गरे,गपधपगरे | सा–,सारेगरेगप

× ० २

धपगरे, गपधसां | धपगरेसा–,सारे गरेगपधपगरे |

०

गपधसां,धसांरेंगं रेंगंरेंसांधपगरे | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(७) ऽ ऽ | सारेसागरेसा,रेग रेपगरे,गपगध | पग,पधपसांधप

× ० २

गपगधपग,रेग | रेपगरे,सारेसाग रेसा, सारेगप,गप |

०

धसां,धसांरेंगंरेंसां रेंसांधपगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ऽ ऽ | गपगपगरेसासा पधपधगपगप | गरेसासा,धसांधसां
X ० २

पधपधगपगप | गरेसासा,गपपग रेसा,धसांसांधपप |
०

गरेसा–रेंगंगंरें सांसांधपगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |
३ ४

राग यमन

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम तीव्र और बाकी के सब स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है। इस राग का गान समय रात्री का प्रथम प्रहर है। इस राग में जब शुद्ध मध्यम का अल्प प्रयोग किया जाता है तब इसे 'यमन कल्याण' राग कहते हैं। इसकी जाती संपूर्ण है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आरोह :— नी रे ग मं ध नी सां ।

अवरोह:— सां नी ध प मं ग रे सा

मुक्त आलाप :— नीरे, सा, नीधनी, धप, मंधनी, सा | नीरे, नीध, नी, सा, नीरेग, रेग, गरेनीधनीरेग, रे, सा | नीरेग, रेग, रेगमं, ग, गमं, गरे ग, नीरे, धनीरे, सा | नीरेगमं, ग, गमंप, मंप, पमंग, रेग, रेमंग, ग, रेसा | नीरेगमंप, गमंगप, गमंध, प, धमंप, मं, ग, रेग, नीरे, सा | नीरेगमंप, गमंध, प, गमधनी, नीधप, धमं, पग, मंरेग, रेमंग, मंधप, पमंग, गरे, रेसा | नीरेगमंप, गमंधनी, धनी सां, सांनीधप, मंधनीसांनी, नीधप, धपमंपमंग, रेग, रेमंग, गरे, नीरे, सा | नीरेगमं धनीसां, नीरें, सां, नीरेंगं, गरें, सां, नी, धप, मंधनीरेंगं, मं गरें सां, नीधप, मंधनीमंध, प, पमंग, गरे, नीरे, सा |

मुक्त तानें :— नीरेगगरेसा, नीरेगमंमंगरेसा, नीरेगमंधपमंगरेसा, नीरेगमंधनीनीधपमंगरेसा, नीरेगमंधनीसांनीधपमंगरेसा, नीरेगमंधनीरें सांनीधपमंगरेसा, नीरेगमंधनीरेंगंरेंसांनीधपमंगरेसा |

नीरेगग, रेगगरेसानीधनीरेगमंगरेसा | नीरेगग, रेगमंमं, गमंगरे सानी धनीरेगमंधपमंगरेसा | नीरेगग, रेगमंमं, गमंधधपमंगमंधनीनीधपमं गमंधपमंगरेसा | नीरेगग, रेगमंमं, गमंधध, मंधनीनीधपमंगमंधनीसां

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीधपमं, गमंधपमंगरेसा | ऩीरेगग, रेगमंमं, गमंधध, मंधनीनीं, धनीरेंरें सांनीधपमं, गमंधनीरेंगंगंरेंसांनी, धनीरेंसांनीधपमं, गमंधपमंगरेसा |

ऩीरेगरे, गमंधप, मंगरेसाऩीरेगरेगमंधप, मंधनीधपमंगरेसा | ऩीरेगरे, गमंधप, मंधनीध, धनीरेंसांनीधपमंगरेसा | ऩीरेगरे, गमंधप, मंधनीध, धनीरेंसां, नीरेंगंरेंसांनींधपमंगरेसा |

मंमंगरेसासा, नीनीधपमंगरेसा, गंगंरेंसांनीधपमंगरेसा | ऩीरेऩीगरेमं गधमंनीधसांनीरेंनीगंगंरेंसांनी, धनीनीधपमं, गधधपमंगरेसा |

ख्याल

राग यमन ताल—झूमरा

सलोना रे बालम मोरा अत सूंदर नभीनो घात।
सोहा चोला अतरंग भीनो आज सोहाग कि रात ॥

स्थायी

–धृ ऩीरे ग |
ऽस लोना रे |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

			मं						
प	–	मंप	ग	–म	गग–रे	नी़	गग–रे	सा	–
ऽ	ऽ	ऽ ऽ	बा	ऽऽ	ऽऽ ऽ ऽ	ऽ	लऽऽ ऽ	म	ऽ
×			२				०		

नी़सानी़ध़नी़–	–ध़	प़	नी़ध़
मो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ	रा	अत
३			

सा	सा	सा	सा	सारेनी़सा	नी़सा	नी़ध़
सुं	द	र	न	भी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	नोऽ
×			२			

सा	नी़रे	–नी़	गग–रे	साध़	नी़रे ग
धा	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽऽऽऽ	तस	लोना रे
०			३		

अन्तरा

मंग	प	प–मंध	प
सोऽ	हा	चोऽऽऽ	ला
३			

	मं						ध		
पधपप	मंप	ग	मंध	नी	सां	–	नी	–ध	प
अ ऽऽऽ	ऽऽ	त	रंग	भी	ऽ	ऽ	नो	ऽऽ	ऽ
×			२				०		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

| पधपमं मंप ग –म |
| आऽऽऽ ऽऽ ज ऽऽ |
३

ग रे रेग,मं– | –मं प – मंप | मंग–म गग–रे ऩी |
सोऽ हाऽऽऽ | ऽग की ऽ ऽऽ | राऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ |
× २ ०

गग–रे सा,ध़ ऩीरे ग |
ऽऽऽऽ तस लोना रे |
३

स्थायी पर आलाप

(१) ऽऽऽ | सा – ऩी – | ध़प़ – ऩीध़ | ऩी सा,स लोना रे |
× २ ० ३

(२) ऽऽऽ | सा – ऩीरे – | सा ध़ऩी रे | ऩीध़ सा,स लोना रे |
× २ ० ३

(३) ऽऽऽ | ऩीरे ग – मं | ग रेग –रे | सा –,स लोना रे |
× २ ० ३

(४) ऽऽऽ | ऩीरे गमं –ग मं | प पमं ग | –रे सा,स लोना रे |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ऽ नीरे गमं | प - मंध -प | मंध नी धप |

× २ ०

| मंगरे- सा,स लोना रे |

३

(६) नीरेगमं धनी-ध | नी सां नीधनी- -सां |

× २

नी धप मंगरे- | -सा -स लोना रे |

० ३

(७) ऽ गमंधनी सां | नीरें सां नीरें गं | -रें सां नीधनी- |

× २ ०

धपसंग रेसा,स लोना रे |

×

(८) ऽ गमंधनी सां | नीरें गं मं गं -रें | सां नीधपमं गरे |

× २ ०

गरे सा,स लोना रे |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) ऽ गमंधग मंधनीमं | धनीसां- -मं गंरेंगं -रेंसां-
×　　　　　　　　　२

धनीरेंगं नीरेंधनी मंनीधप | मंगरेसा -स लोना रे |
०　　　　　　　　　　　३

स्थायी पर बोलताने

(१) ऽऽऽ| धनी सा सा नीध | नीध प धनी | रे सा,स लोना रे |
　　　| सलो ना रे बाऽ | ऽल भ मोऽ | ऽ रा |
×　　 २　　　　　　　 ०　　　　　 ३

(२) ऽऽऽ| धनी रेग ग मंग | -ग -ग गरे | सा -,स लोना रे |
　　　| सलो नाऽ रे बाऽ | ऽल ऽभ मोऽ | रा ऽ |
×　　 २　　　　　　　 ०　　　　　 ३

(३) ऽऽऽ| गमं ग-रेसा सा गमंप- | -प -प धमंगरे |
　　　| सलो नाऽऽऽ रे बाऽऽऽ | ऽल ऽभ मोऽऽऽ |
×　　 २　　　　　　　　　　 ०

गरे सा,स लोना रे |
ऽऽ रा
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ऽऽऽ | मंमंगरे गमंप– –प –प | गमंध– ध–पमं मंग––– |
| सऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽलो ऽना | रे ऽऽऽ बा ल ऽ मऽःऽऽ |
× २ ०

गरेसा– सा,स लोना रे
मोऽ ऽ ऽ रा
३

(५) ऽऽऽ | गमंधनी नीसां सां धनी––| ––नीध पप धपमंग |
| सऽ ऽ ऽ लोना रे बाऽ ऽऽ | ऽऽ ल ऽ ऽम मो ऽऽऽ |
× २ ०

| रेगपरे –सा,स– लोना रे |
| ऽ ऽ ऽऽ ऽरा |
३

(६) ऽऽऽ | गमंधनी सांनीसां– सां धनीरेंसां |
| सऽ ऽ ऽ लोःनाऽ रे बाऽ ऽ ऽ |
× २

नीधप––– मंधनीध नीसां,नीध | पमं,रेग रेसा,स– लोना रे |
लऽ मऽ मोऽऽरा ऽ ऽ अ ऽ | तऽ सूंऽ दर
० ३

(७) ऽऽऽ | धपमग,मंधनीसां सांसांसां– रेंसांनीधनी– रें –गंरेंसां– |
| सऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ लोनारेंऽ बाऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽछःमऽ |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गरेंसां- नीरेंगरें,धनीसांनी नीनीधपमंगरेसा |
मोराऽऽ अऽऽऽतऽऽऽ सूंऽदरऽऽऽ |
०
नीरेनीरेगरेगमं धपमंमंगरेसा- धनी रेग |
नऽऽभीऽऽनो ऽऽघाऽऽतऽ सलो नारे |
३
(८) ऽऽऽ | मंमंगरेसासा-- गमंधनीसांनीधनी धपमंग,मंमंगरे
× | सऽलोऽनाऽऽऽ रेऽऽऽऽ ऽआऽ ऽऽऽऽलऽऽऽ
२

सा---,मंमंगध | धमंनीनीधरेंरेंनी गंगंरेंसांनीधप
मऽऽऽमोऽऽरा | ऽऽअऽऽतऽऽऽ सूंऽऽदऽऽऽऽ
०

मंगरेसानी-रे- | ग-मं-ध--- धमंधनीसांरेंगंरें
रऽऽऽनऽभीऽ | नोऽघाऽऽऽऽ तऽऽऽऽऽऽऽ
३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |
ऽऽऽऽऽऽऽऽ सलोनारे |

स्थायी पर ताने

(१) ऽऽऽ | नीरेगरेसासानीरे गमंमंगरेसानी- गमंपमंगरेसा-
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीरेगमंधनीनीध|पमंग`सा--- नीरेगमंधनीसांनी

०

धपमंगरेसानीरे | गमंधनीरेंगरेंसां नीधपमंगमंधनी

३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |

सलोनारे

(२) ऽऽऽ | नीरेगरेनीरेगमं गरेनीरेगमंपमं गरेसा-नीरेगमं |
×

२

धपमंगरेनीरेग | मंधनीधपमंगरे नीरेगमंधनीरेंसां

०

नीधपमंगरेसा- | नीसांनीसांधनीधनी धपमंपगमं

३

गमरेगरेगरेसा धनीरेग |

सलोनारे

(३) ऽऽऽ | नीरेगमंपमंगरे गमंधपमंगरेसा नीरेगमंपमंगरे
×

२

गमंधपमंधनीसां | नीधपमंगरेसा- नीरेगमंपमंगमं

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनीसांनीधनीरेंगं | रेंसांनीधपमंगरे सा- - -धमंधनी

३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |

सलोनारे

(४) ऽऽऽ | गगरेसामंमंगरे साऽऽधधपमंगरे सानीनीधपमंगरे

×

२

सागंगंगंरेंसांनीध | पमंगरेसा- - - संमंगधधमंनीनी

०

धरेंरेंनीगंगंरेंसां | नीधरेंरेंसांनीधप नीनीधपमंगधध

३

पमंगरेगरेसा - धनीरेग |

सलोनारे

(५) ऽऽऽ | नीरेगरेरेगमंग गमंपमंगरेसासा नीरेगरेरेगमंग

×

२

गमंधपमंधनीध | नीधपमंगरेसा- नीरेगरेरेगमंग

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमंधपमंधनीध | धनीसांनीनीरेंगंरें नीरेंसांनीधपमंध

३

पमंगरेगरेसा- धनीरेग |

सलोनारे

(६) ऽऽऽ | नीरेगगरेगमंमं गमंधधमंधनीनी धपधपमंगरेसा
×

२

नीरेगगरेगमंमं | गमंधधमंधनीनी धनीरेंरेंनीरेंगंगं

०

नीरेंगंरेंसांनीधप | धपमंगरेसा- - मंमंमंगरेसानीनी

३

नीधपमंरेसा-- धनीरेग |

सलोनारे

(७) ऽऽऽ | नीरेगमंगमंधनी धपमंगरेसा- - नीरेगमंगमंधनी
×

२

धनीसांरेंसांनीधप | मंगरेसानीरेगमं गमंधनीधनीरेंगं

०

रेंसांनीधपमंगरे | सानीरेगमंधनीध नीसांरेंसांरेंसांनीध

३

नीधपमंगरेसा- धनीरेग |

सलोनारे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ऽऽऽ | नीरेनीगरेमंगप मंधपमंगरेसा- नीरेनीगरेमंगप
× २

मंधमंनीधपमंग | रेसा--नीरेनीग रेमंगपमंधमंनी
०

धसांनीरेंनीगंगरें | सांनीधपमंगरेसा धमंधनीसांनीगंरें
३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |
सलोनारे

राग भीमपलासी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न होता है। इस राग में गंधार और निषाद कोमल लगते हैं, बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। आरोह में रिषभ और धवत वर्जित है। जाति ओड़व-संपूर्ण है। इसका गान समय दिन का तीसरा प्रहर माना गया है। वादी मध्यम और संवादी षड्ज।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आरोह—नी सा ग म प नी सां।

अवरोह—सां नी ध प म ग रे सा।

मुक्त आलाप :—सा नीधप, मपनी–सां | नीसाग–रे–सा |

नीसागम, पगम, ग–रे–सा | नीसा, प नी सा, प नी सागरेसा, गम, मपगम, ग–रेसा | नी सागम प, मप, गम, ध प ग प ग म, ग–रे-सा | नी सा ग म प, म प नी – ध – प, ध प म, प ग म, ग–रे–सा | नी सा ग म प नी–सां–, ग म प नी–सां, रें–सां–, नीसां–गं–रें–सां–, नी–सां–, नी ध प, म प ध ध प म प – ग म, म प ग – रे – सा | नी सा ग म प नी – सां –, नी सां गं – रें – सां, नी सां गं मं, पं गं मं, गं - रें - सां, नी - सां -, रें सां नी - ध - प, म प ग म, ग - रे - सा | सा म ग प म प, ग म, म ध प नी - ध - प, म प ग म, प नी सां, नी ध प, ग म ग – रे – सा |

मुक्त ताने:— नी सा ग ग रे सा, नी सा ग म ग रे सा, नी सा ग म प म ग रे सा, नी सा ग म प नी ध प म ग रे सा,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी सा ग म प, नी सां नी ध प म ग रें सा, नी सा ग म प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग ग रे सा, ग ग रे सा, नी सा ग म म ग रे सा। नी सा ग म प प म ग रे सा, प प म ग रे सा, नी सा ग म प ध ध प म ग रे सा, ध ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी नी ध प म ग रे सा, नी नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, सां सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी सां गं रें सां नी ध म ग रे सा, गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग म प म, ग म प नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी ध प, म प नी सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी ध प, म प नी सां। नी प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, प नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल | राग भीमपलासी | ताल तिलवाड़ा

अखियाँ मोरि लाग रही पिया के मिलने की आस।
रंगीले पिया परदेस बिलम रहे,
याही जिया बिच फास॥

स्थायी

			सा
म॒प॒ नी॒	सा	रेरेसानी॒	सा--नी॒ साम
अखि यां	ऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽऽ ऽ मोरि
	३		

म म	म	सा	नी॒
म - ग॒ साग॒	मप ग॒ - रेसा	रे - सा -	सा नी॒ ध॒ -
ला ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽ ग र	ही ऽ ऽ ऽ	पि या के ऽ
×	२	०	३

प॒		प	
प॒ - म॒प॒ सा	-नी॒ साम - मप	-म ग॒ म प	नी॒ ध - प
ऽ ऽ मिल ने	ऽ ऽ कीऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ ऽ प	क आ ऽ ऽ
×	२	०	३
		म	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पध -प म मप | -म ग साग मप | ग रेसा
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ | ऽ स ऽ
x | २ |

अन्तरा

म प | धधपम प--म ग म
रं गी | ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ले ऽ
| ३

सां सां सां सां
प नी -प नी | सां - नीनी सां | गं रें सां -
पिया ऽप र | ऽ ऽ दे ऽ स | वि ल म ऽ
x | २ | ०

सां सां
| पनी सां --नी ध प |
| ऽऽ ऽऽऽऽ र है |
| ३

म सां सां प
मपग म | -मप नी | -प नी सां - | सां नी ध प
याऽही ऽ | ऽजिया ऽ | ऽविच ऽ ऽ | फा ऽ ऽ ऽ
x | २ | ० | ३

पध -प म मप | -म ग साग मप | ग रेसा
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ सऽ
x | २ | ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी पर आलाप

(१) ऽ ऽ सा – | नी ध – प | मप नी – सा |

× २ ०

नीप नीसा नी साम |

अखि याऽ ऽ मोरी

३

(२) ऽ ऽ सा – | नी सा पनी सा | – ग रे सा |

× २ ०

अखि याऽ ऽ मोरि |

३

(३) ऽ ऽ नी सा | ग म – साग | म ग रे सा |

× २ ०

अखि याऽ ऽ मोरि |

३

(४) ऽ ऽ नीसा ग | म – प ग | म ग रे सा | अखिया ई–

× २ ० ३

(५) ऽ ऽ नीसा गम | प – पध –प | मप ग रे सा | अखियां ई–

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ऽ ऽ नीसा गम | पनी – ध प | मप गम ग रेसा |
× २ ०

अखियां ई-
३

(७) ऽ ऽ नीसागम पनी – – | सां – नीसां नीधप- |
× २
मप गम ग रेसा | अखिया ई
० ३

(८) ऽ ऽ नीसागम पनीसां- | गं रेंसां नीधप- धप |
× २
मपग- मग रेसा | अखियां ई
० ३

स्थायी पर बोलताने

(१) ऽ ऽ पनी सा | – नीसा ग रेसा | ग मग -रे -सा |
अखिया | ऽ ऽ ऽ ऽ मोरि | ला ऽग ऽर ऽहि |
× २ ०

नीप नीसा नी साम |
अखि या ऽ मोरि |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ऽ ऽ साग॒ मप | -म-पध ध प | धमधप ग॒म -ग॒ रेसा |
अखि याऽ | ऽ ऽऽऽऽ मोरी | लाऽ ऽऽ गऽ ऽऽ रहि |
× २ ०

अखियां ई
३

(३) ऽ ऽ नी॒साग॒म प | मप नी॒ धप ध-पम |
अखियाऽ ऽ | मोऽ ऽ रीऽ लाऽ ऽऽ |
× २

प-मग॒ साग॒मप ग॒म ग॒रेसा- | अखि याऽऽ मोरि |
गऽ ऽऽ र ऽ ऽ ऽ ऽऽ हीऽ ऽऽ |
० ३

(४) ऽ ऽ ग॒मपनी॒ सां | -नी॒सांरें- सां सांनी॒धप |
अखियांऽ ऽ | ऽ मोऽ ऽऽ री लाऽऽऽ |
× २

ग॒म पमसांनी॒ धप,ग॒म ग॒रेसा- | अखि याऽ ऽ मोरि |
गऽ र ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ हीऽ ऽ ऽ |
० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ऽ ऽ मधधप -धपप | मपधप गम गमपनी सां-नीसां |
×
अखियां ऽ ऽमो ऽ रि लाऽगर हीऽ पियाकीऽ ऽ ऽ मिल
२

मंगंरेंसां सांनीधप गमगम पमधप |
नेऽऽऽ कीऽऽऽ आऽऽऽ ऽऽऽऽ |
०

मगरेसा पनी सानी साम |
सऽऽऽ अखि यांऽ मोरि |
३

(६) ऽ ऽ गमपनी सांगं-- | -रें -सां रेंरेंसांनी सांनी-ध |
× अखियांऽ ऽऽऽऽ | ऽमो ऽरि लाऽऽऽ ऽगऽर |
२

प गमपनी सां---नीसांमंगं रेंसांनीधपमपनी |
ही पियाकीऽ ऽऽऽऽआऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽसऽ |
०

सांनीधपमगरेसा अखि याऽ मोरि |
ऽऽऽऽऽऽऽऽ
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) ऽ ऽ धधपमगमपनी सां | सां गं–रेंसां रेंरेंसांनीपनीसांनी

× अऽऽऽऽखिऽऽऽ ऽ यां मोऽऽरि लाऽऽऽऽऽऽऽ

१

–ध–प | पध–पमप–– म ध ध प म प ग म

ऽगऽर | हीऽऽऽऽऽऽऽ अखियां ऽ मो रि ला ऽ

०

–प–सांनीधप– ध प ध म प ग म म | प प मगरेसा––

ऽ ग ऽ र ही ऽ ऽ पिया कि मि ल ने ऽ ऽ किआ ऽ सऽऽऽऽ

३

सारे नीसा साम |

अखि यांऽ मोरि |

स्थायी पर तानें

(१) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागगरेसानीसा गमपपमगरेसा

× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीसागमपनीधप मगरेसा – – – – | नीसागमपनीसांनी
०

धपमगरेसानीसा गमपनीसांगंरें सांनीधपमगरेसा |

नीनीधपमगरेसा सारे नीसा साम |
२ अखि यां ऽ मे.रि

(२) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागगरेसागग रेसानीसागमपप
× २

मगरेसापपमग रेसा – – नीसागम | पनीधपमगरेसा

नीनीधपमगरेसा नीसागमपनीसांगं रेंसांनींगंरेंसांनी |

धपमगरेसा – – अखि याऽ मोरि |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागमपमगम पपमगरेसानीसा
× २

गमपनीधपमप नीनीधपमगरेसा | नीसागमपनीसांनी
०

धपनीसांनीधपम गरेसा-नीसागम पनीसांगंरेंसांनीगं |

गंरेंसांनीधपमग रेसा- -सा- रेनी सा - साम |
२ आऽखियां ऽ ऽ मोरि

(४) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागमगमगरे सा-नीसागमपम
× २

पमगमगमगरे सा-नीसागमपध | पधमपमपगम
०

गमगरेसा-नीसा गमपनीसांनीसांनी धप,पधपधमपमप |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमगमगरेसा– अखि याऽ मोरि |
३

(५) ऽऽऽऽ | नीसामगरेसा,साग पमगग,गमनीध
× २

पप,पनीसांनीधप नीसांमंगंरेंसां,नीसां |

गंरें,पनीसांनी,मप नीध,गमधप,साग पमगरेसासा––
०

नीसागमपम,गम | पनीसांनी,पनीसांरें सांनीधपमगरेसा
३

सारेनीसा सानीसाम |
अखियाऽ ऽऽमोरि

(६) ऽऽऽऽ | नीसागमगम,साग मपमपगमगम
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गरेसा-नीसागम गम,सागमपमप | गमपनीपनीधप

०

मपमपगमगम गरेसासा---- नीसागमपनीसांरें |

सांरेंनीसांनीसांनीध पमगमगरेसा- सारेनी- सा-साम|

३ अखियाऽ ऽऽमोरि

(७) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागरे,सागपम गमधप,सागपम

× २

गमधप,मपनीध गमधप,सागपम | नीसामगरेसा--

०

नीसामग,सागपम गमधप,मपनीध पनीसांनी,नीसांगरें|

पनीसांनी,गपनीध गमपमगरेसा- सारेनी- सानीसाम|

३ अखियाऽ मोरि ऽऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेसरी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'ग' और 'नी' ये दो स्वर कोमल लगते हैं। कोई 'प' स्वर बिलकुल वर्जित मानते हैं तो कोई अवरोह में लगाते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। वादी 'म' और संवादी 'सां' है। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर है।

आरोहावरोह।

ग म ध नी सां | सां नी ध म ग रे सा |

मुक्त आलाप :—सा, नी ध़ नी सा, नी ध़, म़ ध़ नी सा | नी सा, ध़ नी सा, ध़ नी सा ग रे सा | नी सा ग म, ग रे, ग म, सा ग म, ग – रे – सा – | नी सा ग म, ग – ग म, ग म ध, ध म, ग रे ग म, ग रे सा | सा ग म, ग म ध, ध नी – ध –, म ध नी ध, म ध, म प ध म ग रे सा | ग म ध, ध नी ध, नी सां, ध नी ध सां, सां नीं ध, म ध नी ध, ध म, ग, म, ग, रे, सा | सा ग म, ग म नी ध, म नी ध सां, सां रें, सां, नी धं नी सां, नी सां रें, सां सां नी ध, ध म, म ग,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे, सा | सा ग म ध नी सां, नी ध नी सां, सां रें, सां, गं रें नी ध, म ध नी ध, सां नी ध, म प ध, म ग रे सा | म ग रे सा, नी ध म ग रे सा, रें सां नी ध म ध नी ध म ग रे सा, मं गं रें सां, गं रें सां, रें सां नी ध, म प ध, म ग रे सा | सा म ग ध म नी ध सां, सां मं गं रें सां, गं रें सां, रें सां नी ध, म प ध म ग रे सा |

मुक्त ताने :— नी सा ग म ग रे सा, नी सा ग म ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां रें सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां गं रें सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां गं मं गं रें सां नी ध म ग रे सा |

ध़ नी सा म ग रे सा नी, ध़ नी सा ग म ध म ग, म ग रे सा नी, ध़ नी सा ग म ध नी ध म ग, म ध म ग रे सा नी, ध़ नी सा ग म ध नी सां नी ध, म ध नी ध म ग, म ध म ग रे सा नी, ध़ नी सा ग म ध नी सां रें सां नी ध, नी सां नी ध म ध म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, सां नी ध, नी ध म, ध म ग,

म ग रे सा | सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, ग म ध, म ध नी,

ध नी सां, नी सां रें, ध नी सां, म ध नी, ग म ध, रे ग म ग रे सा |

सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, नी सां रें, सां गं मं, नी सां रें,

ध नी सां, म ध नी, ग म ध, रे ग म ग रे सा |

सा ग म ध, म ध नी सां, नी ध म ग रे सा, सा ग म ध, म ध नी सां,

नी सां गं मं गं रें सां नी ध म ग रे सा |

म म ग रे सा, नी नी ध म ग रे सा, रें रें सां नी ध म ग रे सा,

मं मं गं रें सा नी ध म ग रे सा |

ग म ग म ग रे सा, ध नी ध नी ध म, म ध म ध ग म ग म ग रे सा,

नी सां नी सां नी ध, म ध म ध ग म ग म ग रे सा |

सा म ग ध म नी ध सां म नी ग ध रे ग म ग रे सा |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल **राग बागेश्री** ताल-एकताल (विलम्बित)

मोहे मनावन आये हो, सगरी रतिया किन
सौतन बिरमाये।
ते तो रंगीले छबि दिखलाये, लालन के मन ललचाये॥

ध			प
सां	नी	धनी	धध
मो	ऽ	ऽऽ	हेम
३		४	

ध		ध			प			ग			
सां	–	नी	नी	ध	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
ना	ऽ	ऽ	व	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	हो	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सा				ध				सा		सा	
रे	सा	नी	ध	सा	सा	सा	–	नी	सा	म	ग
स	ग	री	ऽ	र	ती	या	ऽ	कि	न	सो	ऽ
×		०		२		०		३		४	

		ध				ग	
म	ध	नी	ध	म	ग	मग	रेसा
त	न	बी	र	मा	ऽ	ऽऽ	येऽ
×		०		२		०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

	म	ध	सा
ग॒	म	नी॒ध	नी॒
ते	ऽ	तोऽ	रं
३	०	४	

						सां		सां		ध	
सां	-	सां	नी॒सां	रें	गं॒	रें	सां	नी॒	सां	नी॒	ध
गी	ऽ	ले	ऽऽ	छ	ब	दी	ख	ला	ऽ	ये	ऽ
x		०		२		०		३		४	

म		नी॒				सां		सां			
ग॒	म	ध	नी॒	सां	मंगं॒	रं	सां	रें	सां	नी॒	ध
ला	ऽ	ल	न	के	ऽऽ	म	न	ल	ल	चा	ऽ
x		०		२		०		३		४	

म	ध	नी॒	ध	म	ग॒	मग॒	रेसा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽये
x		०		२		०	

स्थायी पर आलाप

(१)	ना	ऽ	सा	-	नी॒	ध़	नी॒	-ध़	सा	-	मोऽ	ऽऽहेम
	x		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ना ऽ | ध़ नी़ | सा – | ग – | रे सा | मोऽ ऽऽहेम |
× ० २ ० ३ ४

(३) ना ऽ | सागु म | ग रें सानी़ | ध़नी़ सा | मोऽ ऽऽहेम |
× ० ० ३ ४

(४) ना ऽ | सा ग म | ध – | नीध –म | गरे सा | मोऽ ऽऽहेम |
× ० २ ० ३ ४

(५) ना | साग मध | –नी | ध मग | मग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |
× ० २ ० ३ ४

(६) ना ऽ | गमधनी सां | – रेंसां | नीसां–नी ध,–नीध |
× ० २ ०

मगरे– –सा | मोऽ ऽऽहेम |
३ ४

(७) ना ऽ | गमधनी सां | गंमंगं– रेंसां | रेंसांनी– ध–नीध |
× ० २ ०

मगमग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ना ऽ | मधनीसां धनीसां- | रेंसां मंगंरें- |
x ० २

-सां नी - - ध | मगमग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |
० ३ ४

स्थायी पर बोलताने

(१) ना ऽ | नीसा धनी | साम मम | मप धप,ग- |
| मो ऽ हेम | नाऽ वन | आऽ येऽहोऽ |
x ० २ ०

-रे -सा | मोऽ ऽऽहेम |
ऽऽ ऽ ऽ |
३ ४

(२) ना ऽ | धनी साम | गरे गम | धनी ध-मग |
| मो ऽ हेऽ | मना ऽऽ | वऽ नऽआऽ |
x ० २ ०

मगरे- -सा | मोऽ ऽऽहेम |
ऽऽयेऽ ऽहो |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) ना ऽ | गम ध | -नी ध | धनीसां- नीध |
मोऽ हे | ऽ म ना | व ऽ ऽ ऽ न ऽ |
× ० २ ०

धधमग मगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |
आऽ ऽऽ येऽहोऽ |
३ ४

(४) ना ऽ | गम -ग मध-ध | धनी -ध नीसां-- |
मोऽ ऽऽ हेऽ ऽ ऽ | म ऽ ऽ ऽ ना ऽ ऽ ऽ |
० २

सांसां सांनीरें- | सांनीसां- नीध | मोऽ ऽऽहेम |
व न आ ऽ ऽ ऽ | ये ऽ ऽ ऽ हो ऽ |
० ३ ४

(५) ना ऽ | गमधनी धनीसां- | सांसां नीधनीसां | :
मोऽ ऽऽ हे ऽ ऽ ऽ | म ना ऽ ऽ व ऽ | :
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां-सांनी रेंसां	सांनीसांध धमनीध	मोऽ ऽऽहेम
नऽआऽ ऽऽ	येऽऽऽ ऽऽऽहो	
०	३	४

(६) नाऽ	धनीधम गमधनी	सां-सांनी धनीरें-
	मोऽऽऽ ऽऽऽऽ	हेऽमऽ ऽऽनाऽ
×	०	२

सां-रेंसां नीध	गमधनीसांरेंसांनी धमगमगरेसा-	मोऽ ऽऽहेम
ऽऽवऽ नऽ	आऽऽ ऽऽऽऽऽऽ ऽऽयेऽ ऽऽहोऽ	
०	३	४

(७) नाऽ	गमनीध ध-म-धनीसां-	नीधनीसां मंगंरेंसांनी-सां-
	मोहेमना वऽ नऽ आऽऽ ऽ	येहोसग ऽऽरीऽ रऽतिऽ
×	०	२

नी-ध-धनीसां- नीसांरें-सांनीसां-
याऽ ऽऽ की ऽऽऽन ऽऽऽ सोऽऽऽ
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

नी-ध-मगमध नीसांनीधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम

त ऽ नऽबिरमाऽ ऽ ऽ ये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
३ ४

(८) ना ऽ | ममगरेसा - - - धधमधनीधमग |

मोऽऽ ऽ हे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ स ऽ
× ०

ममगरेसा- - - गमगमधमधनी |

नाऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वऽऽ न ऽ ऽ आऽ
२

धनीसांनीधनीसां- | मंमंगंरेंसांनीधम |

ऽ ये ऽ ऽ हो ऽ ऽ ऽ सऽ गऽ री ऽ ऽ ऽ
०

मधनीसांनीधगम गरेसागमधनीसां | मोऽ ऽऽहेम

रतियाऽकिनसौऽ तऽनबिरमा ऽ ये
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी पर ताने

(१) ना ऽ | नीसागमगरेसा- नीसागमधमग |
×   ०   २

रेसा,नीसागमधनी धमगरेसानीसाग |
२

मधनीसांनीधमग रेसा--गमधनी
०

सांरेंसांनीधनीसांगं रेंसांनीधमगरेसा | मोऽ ऽहेम |
३   ४

(२) ना ऽ | नीसागमगमगरे सानीसागमधमध |
×   ०

मगरेसा,नीसागम धनीधनीधमगरे |
२

सा---नीसागम धनीसांनीधम |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनीसांरेंसांरेंसांनी धमधधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(३) ना ऽ | सागममगधध मगरेसागमधध |

× ०

मधनीनीधमगम धधमगरेसा - - |

२

गमधधमधनीनी धनीसांसांनीसांरेंसां |

०

नीधमधनीनीधम गमधधमगरेसा | मोऽ ऽःहेम |

३ ४

(४) ना ऽ | सागमगगमधम गमगरेसागमग |

× ०

गमधममधनीध गमधमगमगरे |

२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सागमगगमधम मधनीधनीसांनी |

०

मधनीधगमधम मधमधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(५) ना ऽ | गमगमगरेसा- धनीधनीधमगम |

× ०

गरेसा - नीसांनीसां धनीधनीमधगम |

२

गरेसा-सांरेंसांरें नीसांधनीधनीमध | -

०

गमगमगरेसा - नीसांनीधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(६) ना ऽ | गमधनीसां- - - नीसांमंगंरेंसांनीसां |

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेंरेंसांनीधनीधम गमधधमगरेसा ।

२

नीसांमंगंधनीरेंसां मधनीधगमधम ।

०

गमगरेसागमध गमधनीमधनीसां । मोऽ ऽऽहेम ।

३ ४

(७) नाऽ । धनीसागमगनीसा गमधमगमधनी ।

× ०

सांनीमधनीसांरेंसांनी धसांगंमंगंनीसां ।

२

रेंसांधनीसांनीमध नीधगमधमगम ।

०

गरेसा–मममनी नीनीधमगरेसा– । मोऽ ऽऽहेम ।

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ना ऽ | सामगधमनीमध गमगरेसा - - - |

× ०

सामगधमनीधसां धनीसधगमगरे |

२

सासामगधमनीध सांनीरेंसांमंगंमंसां |

०

ंनीसांधनीमधग मगरेसासधनीसां | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग

यह राग विलावल थाट से निकलता है। इस राग में दोनों मध्यम लगते हैं। आरोह में 'रे' व 'ध' वर्जित है, बाकी सब शुद्ध स्वर हैं। जाति ओड़व संपूर्ण है। वादी स्वर 'गांधार' और संवादी 'निषाद' है। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर है।

आरोहावरोह

नी़ सा ग म प नी सां | सां नी ध प मं ग, म ग रे सा |

मुक्त आलाप– सा नी़ ध़ प़, नी़ सा, प़ नी़ सा, नी़ सा ग, रे सा | सा, नी़ सा ग, म ग, प़ नी़ सा ग म ग, नी़ सा म ग, रे सा | नी़ सा ग, म, प, मं प ग म ग, सा ग म ग, प मं प, ग म ग, रे सा | नी़ सा ग म प, ध प, प मं ग म ग, सा म ग प मं ध प मं प, ग म ग, म, प म ग, रे सा | नी़ सा ग म प नी, नी ध प, ग म प नी, ध प, ध प मं ग म ग, ग म नी ध प मं ग म ग, सा म ग प मं ध ग म ग, रे सा | ग म प नी सां, नी ध, प मं प, ग म प नी सां, रें सां, नी सां नी, ध प, ध प मं प मं ग म ग, रे सा | ग म प नी सां, प नी सां गं, रें सां, नी सां मं गं, रें सां, नी सां नी, ध प, सां नी ध प, ध प मं प मं ग म ग, रे सा | नी़ सा ग म प नी, सां, नी सां गं, रें सां, नी सां गं मं गं, रें सां, गं रें सां, नी सां नी ध प, ग म प नी सां रें सां, नी ध प, ध मं प, मं ग म ग रे सा |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुक्त तानें— नी सा ग ग रे सा, नी सा ग म ग रे सा, नी सा ग म प म ग रे सा, नी सा ग म प नी नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग रे सा, नी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, प नी सां गं रें सां, नी सां गं मं गं रें, प नी सां गं रें सां, म प नी सां नी ध, ग म प नी ध प, सा ग म प म ग रे सा।

नी सा ग रे सा ग म ग, ग म प म, म प नी ध, प नी सां नी, नी सां गं रें, सां गं मं गं, नी सां गं रें, प नी सां नीं, म प नी ध, ग म प म, सा ग म ग रे सा।

नी सा ग म प म, ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, प नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प म ग म प नी सां नी प नी सां गं मं रें सां नीं ध प म ग रे सा

नी सा ग म, ग म प नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म ग म प नी, प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म ग म प नी प नी सां रें, सां गं मं पं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग म प मं ग म ग ध प मं ग म ग रे सा, नी सा ग म प मं ग म प नी ध प मं प ग म ग म ग रे सा, नी सा ग म प मं ग म प नी प नी सां रें नी सां नी ध प मं ग म ग रे सा।

ग ग रे सा प प म ग रे सा नी नी ध प म ग रे सा रें रें सां नी गं गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल राग बिहाग एकताल (बिलंवित)

हरिये वा मानस सों जो गुनियन को बेगुनि जाने ।
साचि कहत ये दरस ग्यानी हीन बुधको योंही बखाने ॥

स्थायी

धध
गमनीनी | पमं गम |
हऽरी ऽ | येऽ ऽऽ |
 | ४

ग रे
ग – | म–मग ग | –म गमप– | गम ग– –रे |
वा ऽ | माऽऽऽ ऽ | ऽऽ नऽऽऽ | सऽ सोऽऽऽ |
× | ० | २ | ०

सा नीसारेसा | नीसा मग |
ऽ ऽ ऽ ऽऽ | जो गु निय |
३ | ४

पमं गम | ग गमपनी | सां गं–रेंसां | नी–धनी पधपप मं |
नऽ ऽऽ | को बेऽ ऽऽ | ऽ गूऽ ऽ ऽ | नीऽ ऽ ऽ जाऽ ऽऽ ऽऽ |
× | ० | २ | ०

गमग–
ऽ ऽ नेऽ
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

गम पनी | सांसां -सां | नीसां रेंनीसां- | नी-धनी प-गम |
सांऽ धीक | ह त ऽ ये | द् र स ऽ ऽ ऽ | ग्याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
२ ० ३ ४

ग गम | पनी सां | गं-रेंसां नी-धनी | (प)-गम गमपम | गसा
नीहीन | बू ऽ ध | कोऽऽऽ धूंऽऽऽ | हीऽ ऽऽ वऽऽऽ | खाने
× ० २ ० ३

स्थायी पर आलाप

(१) वा ऽ | सा - | नी -ध | प - | पनी सा |
× ० २ ० ३

ध ध
ममनीनी पमंगम |
ड़ऽ रीऽ येऽऽऽ
४

(२) वा ऽ | सा - | नी सा | पनी साग | -रे सा |
× ० २ ०

ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) वा ऽ | ऩी सा | ग – | म ग | –रे सा | ऽऽरीऽ येऽऽऽ
× ० २ ० ३ ४

(४) वा ऽ | ऩीसा ग | म ग | पमं गम | ग––रे सा |
× ० २ ० ३

ऽऽरीऽ येऽऽऽ |
४

(५) वा ऽ | ऩीसागम प | – नी | –ध प | गम ग |
× ० २ ० ३

ऽऽरीऽ येऽऽऽ |
४

(६) वा ऽ | गमपनी सां | -- नीसां | नी––ध प |
× ० २ ०

गमग– रेसा–– | ऽऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

(७) वा ऽ | गमपनी सां | गं––रें सां | नी–धप मंप-मं |
× ० २ ०

गमग– रेसा–– | ऽऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) वा ऽ । गमपनी सां । गंमं गं-रेंसां । नी धपमंप ।
x ० २ ०

गमग- रेसा-- । डऽरीऽ येऽऽऽ ।
३ ४

स्थायी पर बोलताने

(१) वा ऽ | नी़नी़ सा | नी़-ध़प़ - | नी़सा ग |
x | डरि ये | वाऽऽऽ ऽ | माऽ ऽ |
० २ ०

गमग- -रेसा- | डऽरीऽ येऽऽऽ |
नससोऽ ऽऽऽऽ | ४ |
३

(२) वा ऽ | नी़सा गम | गरे-सा सा-मग | प--मं गमग- |
x | डरि येऽ | वाऽऽऽ माऽऽऽ | ऽऽऽऽ नऽसऽ |
० २ ०

म-पम ग-रेसा | डऽरीऽ येऽऽऽ |
ऽऽऽऽ सोऽऽऽ | ४ |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३)	वा ऽ	सासा मग	प –	संप–मं गम
	×	ङरि येऽ	वा ऽ	माऽऽऽ ऽऽ
		०	२	०

पमग– –रेसा–	ङऽरिऽ येऽऽऽ
नसस्सोऽ ऽऽऽऽ	४
३	

(४)	वा ऽ	गम पनी	–धप– धमंपग	मगप– गम (मं)
	×	ङरि येऽ	ऽऽवाऽ माऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽऽ
		०	२	०

मपमपग––– रेसा––	ङऽरीऽ येऽऽऽ
नऽसऽसोऽऽऽ ऽऽऽऽ	४
३	

(५)	वा ऽ	गमपनी सां	नीनीरेंसां नी––धप–––
	×	ङरियेऽ वा	माऽनस सोऽऽऽऽऽऽऽ
		०	२

गमपनी––ध– प––मग–म–	ग गमपमगरेसा–
जोऽऽऽऽऽगुऽ नीऽऽऽयऽनऽ	को वेऽगुनिजाऽनेऽ
०	३

ङऽरिऽ येऽऽऽ
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) वा ऽ | गपमपग - -रे सा | नी- -धप- -मं ग-म-ग-रेसा |
| ड:रिऽये ऽ ऽऽ वा | माऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ नऽसऽसोऽऽऽ |
x ० २

गमपनीसां--- नीनीरेंसां | नी--धप--- पमंगमगरेसा- |
जो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ : गुनि यन | को ऽ ऽ ऽऽऽऽऽ बेऽगुनिजाऽनेऽ |
० ३

डऽरिऽ येऽऽऽ |
४

(७) वा ऽ | गमपनीसांगं रें सां | नीसांगंमं गं-रेंसां |
| डरिये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वा | माऽन स सोऽ ऽऽ |
x ० २

गंरेंसांनीसां-नी- रेंसांनी-धपनीध |
डरिये ऽ वाऽ माऽ नससोऽ ऽ ऽ जो ऽ |
०

पमंगमग-गम पमंगमगरेसा- | डऽरीऽ येऽऽऽऽ |
गुनियनको बेऽ ऽऽगुनि जा ऽ ने | ४ |
३

स्थायी पर तानें

(१) वा ऽ | ऩीसागगरेसाऩीसा गमगरेसा-ऩीसा |
x ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमपमंगमगरे सा-ऩीसागमपनी ।

२

नीधपमगरेसा- ऩीसागमपनीसांनी ।

०

धपमगरेसागंरें सांनीधपमगरेसा । ङऽरीऽ येऽऽऽ ।

३ ४

(२) वा ऽ । ऩीसागगरेसागग । रेसाऩीसागमपप ।

× ०

मगरेसापपमग रेसाऩीसागमपनीं ।

२

नीधपमगरेसानी नीधपमगरेसा- ।

०

गमपनीसांगंरें सांनीधपमगरेसा । ङऽरीऽ येऽऽऽ ।

३ ४

(३) वा ऽ । ऩीसागगरेसागम पपमगरेसाऩीसा ।

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमपनीनीधपम गरेसागमपनीसां |

२

नीधपमगरेसा- नीसागमपनीसां |

०

रेंसांनीधपगंगंरें सांनीधपमगरेसा | ड ऽ री ऽ ये ऽऽऽ |

३ ४

(४) वा ऽ | नीसागमपमगम पनीधपमगरेसा- |

× ०

गमपनीसांनीपनी सांरेंसांनीधममग |

२

रेसा--गमपनी सांनीपनीसांगंरेंसां |

०

नीसांगंमंगंरेंसांनी सांनीधपमगरेसा | ड ऽ री ऽ ये ऽऽऽ |

३ ४

(५) वा ऽ | सानीसागरेसामग मपमगरेसासानी |

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सागरेसामगमप सांनीसांरेंसांनीधप |

२

मगरेसासाऩीसाग रेसामगमपसांनी |

०

सांगंमंगंरेंसांनीसां नीधपमगरेसा- | ङऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(६) वा ऽ | ऩीसागमगमगरे साऩीसागमगमम |

× ०

पमपमगरेसा- | गमपनीनीधपमं |

२

पमंपगमगमग रेसा- -गमपनी |

०

सांरेंसांरेंनीसांनीसां नीधपमगरेसा- | ङऽरिऽ येऽऽऽ |

३ ४

(७) वा ऽ | ऩीसागमगमपनी धपमगरेसाऩीसा |

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमगमपनीपनी सांरेंसांनीधपधप |

२

मगरेसानीसागम गमपनीपनीसांरें |

०

नीसांगंगंरेंसांनी सांनीधपमगरेसा | ड्ऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(८) वा ऽ | गगरेसापपमग रेसानीनीधपमग |

× ०

रेसागंगंरेंसांनीध पमगरेसा--- |

२

गगगनीनीनीधप मगरेसागगगनी |

०

नीनीगंगंगंरेंसांनी धपधपमगरेसा | ड्ऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—मालकौंस

यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है, इसमें रिषभ और धैवत वर्जं है और 'ग' 'ध' 'नी' स्वर कोमल लगते हैं, जाती ओड़व है, इसकी प्रकृति गंभीर है और गाने का सयम रात्रि का तीसरा प्रहर है। वादी मध्यम और संवादी षड्ज है।

आरोहावरोह स्वरूप

सा ग म ध नी सां | सां नी ध, म, ग सा |

मुक्त जालापः— सा, नी ध नी सा, ग सा, ध नी ध सा | सा ग सा, ध नी सा ग नी सा, सा ग म, ग म, सा नी ध नी सा ग म, म ग, सा | सा ग म ध, ग म ध, सा म ग म ध, ध म ग सा | सा ग म, ग म ध नी, ध नी ध म, ग म ध नी म ध म नी ध म, ग म ग सा | सा ग म ध, नी, सां, नी सां, ध नी ध सां, सां नी ध म, ग म ध नी, म ध म नी ध म, ग म ग सा | सा ग म ध नी सां, नी सां नी गं सां, ध नी सां गं ध नी ध सां, सां नी ध म, ग म ध म, ग म ग सा | सा ग म ध, नी ध, सां, म ध नी सां, नी गं सां, सां गं मं गं सां, नी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गं नी सां, सां नी ध म, ग म नी ध म, ग म ध म, ग म ग सा। सा म ग ध म नी ध सां, नी गं नी सां, ध नी सां मं, गं, सां, नी सां सां नी ध म, नी ध म, ध म, ग म ग सा।

मुक्त तानें :— नी सा ग सा, नी सा ग म ग सा, नी सा ग म ध म ग सा, नी सा ग म ध नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नी सां नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नी सां गं सां नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नी सां गं मं गं सां नी ध म ग सा।

नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा, नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा ग म ध ध म ग म ध नी नी ध म ग सा, नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा, ग म ध ध म ग, म ध नी नी ध म, ध नी सां सां नी ध म ध नी नी ध म ग म ध ध म ग सा ग म म ग सा।

नी सा ग म ग, नी सा ग म ध म, नी सा ग म ध नी ध, नी सा ग म ध नी सां नी, ग म ध म, सा ग म ग सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी सा ग म, ग म ध नी, ध नी सां गं, गं सां नी ध, नी ध म ग, ध म ग सा ।

सा म म ग, म ध ध म, ध नी नी ध, नी सां सां नी, सां गं गं सां, नी सां सां नी, ध नी नी ध, म ध ध म, ग म म ग, सा ग ग सा ।

ख्याल — राग मालकौंस — एकताल–विलम्बित

कब हो कपी राघो आवेंगे।
मेरे नैना चकोर पीति बसे,
राका शशिमुख देखन आवेंगे ॥

स्थायी

						गसा	ध नीनी
						क ब	हो ऽ क
							४

सा म	ग मध (म)	–म मधनी–	धम ग–गनी	सासा
पी ऽ	रा घोऽ	ऽऽ ऽऽऽऽ	आऽ ऽऽवेंऽ	ऽ गे
×	०	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

	नी	ध	
ग	मध	सां	--नीसां
मे	रे ऽ	नै	ऽऽऽऽ
३		४	

								सां
सां -	सांसां	-सां	सां	-ध	नीध	म	ग	नीसां
ना	च को	ऽ र	पी	ऽती	ऽ व	से	ऽ	रा ऽ
×	०		२		०		३	

गंमं-गं	सां
ऽऽऽऽ	का
४	

नी								
धनी	धम	ग	नीसा	सासा	गमध-	-नी	सांनी	सां
शशि	मुख	ऽ	दे ऽ	ख न	आऽऽऽ	ऽ ऽ	बैं ऽ	गो
×		०		२		०		

स्थाई पर आलाप

(१)	पी ऽ	सा -	नीध	-म	धनी	-ध	नीसा
	×	०	२		०		३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

गसाध– –नी |

कबहोऽ ऽक

४

(२) पी ऽ | सा – | धनी –ध | नी सा | साग –सा |

× ० २ ० ३

कबहोऽ ऽक |

४

(३) पी ऽ | सा धनी | सा ग | –सा गम | –ग –सा |

× ० २ ० ३

कबहोऽ ऽक |

४

(४) पी ऽ | धनी साग | म – | गग म | धम गसा |

× ० २ ० ३

कबहोऽ ऽक |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) पी ऽ | सागु म | धु -म | धनी -धु | -म गसा |
× ० २ ० ३

कवहोऽ क |
४

(६) पी ऽ | सागमधु -नी | सां - | धनीसां- नीधु |
× ० २ ०

मग सानीसा- | कवहो ऽक |
३ ४

(७) प ऽ | गमधनीसां- - -गं | -सां धनीगंसां |
+ ० २

गंनीसांधु नीधसां- | नीधम- -ग-सा | कवहोऽ ऽक |
० ३ ४

(८) पी ऽ | सागमधमगमधु नीसां- - | गंसां सांगंमं- |
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

-गं सां | सांनीधम गमगसा | कबहोऽ ऽक |
० ३ ४

स्थायी पर बोलताने

(१) पी ऽ | सा धनी | सा सग,सा- | नी -ध |
× | क ब ऽ | हो ऽऽऽऽ | क ऽ ऽ |
० २ ०

ग-सानी सा | कबहोऽ ऽकपीऽ |
ऽऽपीऽ | ४ |
३

(२) पी ऽ | साग म | गसा सा | नीसागध नीध |
× | क ऽ ऽ | ब ऽ हो | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |
० २ ०

-नी नीसा | कबहोऽ ऽकपीऽ |
ऽऽ कपी | ४ |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) पी ऽ	सागमध -म	गम गसा	नीसाधनी ध	
×	कबहोऽ ऽऽ	कऽ पीऽ	राऽऽऽ घो	
	०	२	०	

सागम- गसा	कबहोऽ ऽकपीऽ
आऽऽऽ वैंगे	
३	४

(४) पी ऽ	सागमध नीध	मनीधम गसा	साग-म धनी
×	कबहोऽ ऽ ऽ	कऽपीऽ ऽऽ	राऽऽऽ घोऽ
	०	२	०

नीधमग मगसा-	कबहोऽ ऽकपीऽ
आऽऽऽ ऽवैंगेऽ	
३	४

(५) पी ऽ	सागमध नीसां	नीधसांनी गंसां	नीसांधनी धम
×	कऽऽऽ बहो	कऽऽऽऽ ऽपी	राऽऽऽ ऽघो
	०	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मधनीसांनी-ध- मगसा- | कवहोऽ ऽकपीऽ |
आऽऽऽऽऽऽऽऽ वैंऽगेऽ ४
३

(६) पी ऽ | नीधमगमधनीसां नीसांसां- | सांनीगंसां मंगंसां- |
× कऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽवहोऽ कऽऽऽ ऽऽपीऽ
० २

नीसां-नीधमधनी | -धमगमध-म |
राऽऽ ऽ ऽऽघोऽ ऽऽऽऽआऽऽऽ
०

गसामगधमनीध सांनीसां-सां--- | कवहोऽ ऽकपीऽ |
ऽऽवैंऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽगेऽऽ ४
३

(७) पी ऽ | गसानीधनीसागम गसासा- |
× कऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽवहोऽ
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सामगमधम धनीनीधनीसांसां- |
ऽऽऽ ऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ क ऽ पी ऽ |
२

नीसांगंमं-गंसां- नीधमगसा- -- |
रा ऽऽऽऽऽघोऽ आऽ वें ऽ गेऽ ऽऽ |
०

सांनीधमधनीसां- नीधमधमगसा- | कवहोऽ कपीऽ |
कवहो ऽ कऽपीऽ राऽघोआऽवगेऽ | ४ |
३

स्थायी पर ताने

(१) पी ऽ | नीसागसानीसागम गसानीसागमधम |
x ०

गसानीसागमधनी धमगसा----- |
२

नीसागमधनीसांनी धमगसानीसागम |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनीसांगंसांनीधम गसाधनीधमगसा | कवहोऽ कपीऽ |
३ ४

(२) पी ऽ | नीसागसानीसागम मगसानीसागमध |
× ०

धमगसानीसागग सागममगमधध |
२

मगसा-नीसागम धनीनीधमगसा- |
०

गमधधमधनीनी धनीधमगमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |
३ ४

(३) पी ऽ | नीसागमगमगसा सागमधमधमग |
× ०

गमगमगसा- - गमधनीधनीधम |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मधमधमगगम गमगसामधनीसां |

०

नीसांनीधमधमध मगगमगमगसा | कबहोऽ ऽकपीऽ |

३ ४

(४) पी ऽ | मधनीसांनीसांधनी धनीमधमधगम |

× ०

गसाधनीसांगंसांगं नीसांधनीधनीमध |

२

गमगमगसा-- सामगधमनीधसां |

०

नीगंनीसांधनीमध मधगमगमगसा | कबहोऽ ऽकपीऽ |

३ ४

(५) पी ऽ | सानीसागमगसा- मगमधनीधमग |

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा-धमधनीसांनी धमगसानीधनीसां |

२

गंमंगंसांनीधमग सा-सानीसागमग |

०

मधनीधनीसांगंमं गंसांनीधमगसा- | कबहोऽ ऽकंपीऽ |

३ ४

(६) पी ऽ | धनीसागमगसाग मधनीधगमधनी |

× ०

सांनीमधनीसांगंसां नीसांगंसांधनीसांनी |

२

मधनीधगमधम सागमगसा-- |

०

ममगसानीधमग सागंसांनीधमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) पी ऽ | धनीसागमगसाम | गसानीसागमधम |
× ०

गधमगसागमध | नीधमनीधमगम |
२

धनीसांनीधसांनीध | मधनीसांगंसांनीगं |
०

सांनीसांनीधनीधनी | धमगमगमगसा | कबहोऽ ऽकपीऽ |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भैरव

यह राग भैरव थाठ से उत्पन्न होता है। इसमें रिषभ तथा धैवत कोमल लगते है। जाति संपूर्ण है। वादी स्वर 'धैवत' और संवादी 'रिषभ' है। इस राग की प्रकृती गंभीर हैं। इस राग में रिषभ और धैवत आंदोलित होते हैं और वह आंदोलन अधिक रक्तिदायक होता है। आरोह में रिषभ का अल्पत्व रहता है। इस राग का गान समय प्रातः काल का पहला प्रहर हैं।

आरोहावरोह स्वरूप।

सा रे ग म, प ध, नी सां | सां नी ध, प, म ग, रे, सा |

मुक्त आलाप :--सा, रे, रे, सा, नी सा नी ध, सा | सा, नी ध, प, ग, म, ध नी, सा | सा, रे रे, सा, ग म, रे, सा, सा ग, म, ग म रे, सा | सा ग म प, म, ग म, सा ग रे म, प म, ग म प, ग प, म, ग म रे सा | ग म ध, प, म प ग म, सा म ग प म ध, प, ध ध प म प, म, ग म प म ग रे, सा | ग म ध ध, प, म प ग म, ध; नी, ध, प, ध ध

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प म प, ग, ग ग, म, रे, सा | ग म ध, नी, सां, ध नी सां, म प ग म ध, नी सां, सां नी ध, प, म प म, ग म, ध प, ध म प ग म, रे, सा | नी सा ग म प, ग म ध, प, नी ध, प, ग म ध, नी सां रें रें सां, सां, नी ध, सां गं मं रें, सां, रें रें सां नी सां, ध, नी सां, नी ध, प, ग म नी ध सां नी रें सां, नी ध, प, म प ग म, रे, सा | ग म रे, सा, ध प म प, ग म रे, सा, नी ध, प, म प ग म रे, सा, रें रें सां नी सां, नी ध प, ध ध प म प, ग म, ग म प म ग रे, सा | सा म ग प ग म रे सा, सा म ग प म ध, प ध म प, ग म रे सा, सा म ग प, म ध प नी ध सां, नी सां, ध नी, प ध, म प, ग म रे, सा |

मुक्त तानें :— सा रे ग ग रे सा; सा रे ग म प प म ग रे सा, सा रे ग म प ध ध प, म प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी नी ध प, ध प म ग, प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी सां नी ध प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी सां रें रें सां नी ध प म ग रे सा | सा रे ग म प ध नी सां रें गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा |

सा रे ग, रे ग म, ग म प, म प ध, प ध नी, ध नी सां, सां नी ध, नो

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध प, ध प म, प म ग, म ग रे, ग रे सा | सा रे ग, रे ग म, रे ग म,
ग म प; ग म प, म प ध, म प ध, प ध नी; प धनी, धनी सां; सांनी
ध, नी ध प, नी ध प, ध प म; ध प म, प म ग; प म ग, म ग रे; मग
रे, ग रे सा |

सा ग ग रे सा, ग प प म ग रे सा, म नी नी ध प म ग रे सा, ध सां
सां नी ध प म ग रे सा, नीं रें रें सां नी ध प म ग रे सा, सां मंमं गं रें
सां नी ध प म ग रे सा |

सा रे सा ग रे सा, रे ग रे म ग रे, ग म ग प म ग, म प म ध प म, प
ध प नी ध प, ध नी ध सां नी ध, प ध प नी ध प, म प म ध प म, ग
म ग प म ग, रे ग रे म ग रे, सा रे सा ग रे सा ।

सा रे सा रे, रे ग रे ग, ग म ग म, म प म प. प ध प ध, ध नी ध नी,
नी सां नी सां, ध नी ध नी, प ध प ध, म प म प, ग म ग म, रे ग
रे ग, रे सा |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल — **राग भैरव** — एकताल–विलम्बित

बालमुवा मोरे सैंया सदा रंगीले ।
हुं तो तुम बिन तरस गईली, दरसन बेग बतावो,
लै हो, बलैया ।।

म गम	-म प
बा ऽऽ	ऽल मु
३	४

प		म		प	
ध -	प पमप-	म ग	म मपगम	रे -	सा -म
वा ऽ	ऽ मो ऽऽऽ	रे ऽ	ऽ सैं ऽऽऽ	ऽ ऽ	या ऽस
×	०	२	०	३	४

		सां	
ध -ध	सां -	नीसां-- ध	प मप--
दा ऽरं	गी ऽ	ऽऽऽऽ ले	ऽ ऽऽऽऽ
×	०	२	०

अन्तरा

		नी
म म	पप धध	धध सांसां
हूं तो	तुम बिन	तर स ग
०	३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीनी नीनी

सां – | नीसां– – सां | धध धध | सां सांसां |

ई ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ली | दर सन | बे ग ब |

× ० २ ०

सां

रेंरेंसांनी सां | ध प |

ताऽ ऽऽ ऽ | वो ऽ |

३ ४

प मप– – | म गम | मपगम रे | – सा |

ले ऽऽ ऽऽ | हो ऽ ब | लैऽ ऽऽ ऽ | ऽ या |

× ० २ ०

स्थायी पर आलाप

(१) वा ऽ | सा – | नीध – | नी सा | रे –सा |

× ० २ ० ३

मगम– –मप– |

वाऽ ऽ ऽ ऽलमुऽ

४

(२) वा ऽ | सा – | रे सा | ग –म | गरे –सा |

× ० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) वा ऽ | सा गम | – मप | – गम | रेसा

× ० २ ० ३

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

(४) वा ऽ | सा गम | – प | ध –प | गमरे- -सा |

× ० २ ० ३

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

(५) वा ऽ | गम ध | –प मप | गम पपगम | रे –सा |

× ० २ ० ३

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

(६) वा ऽ | गमध-सां रें -सां | नीध प | गमरे-- –सा |

× ० २ ० ३

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(७) वा ऽ | गमध- सां | गंमंरें- -सां | नीसां-नी धप |
× ० २ ०

मपगम रेसा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

(८) वा ऽ | गमरे- -सा | धपमप गमरे- | -सा रेंसांनीसां |
× ० २ ०

धपगम रेसा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

स्थायी पर बोलताने

(१) वा ऽ | सा रेरे | ग मम | ग मरे | -रे -सा |
× | बा ऽल | मु ऽवा | मो ऽरे | ऽसै ऽ या |
० २ ० ३

मगम- -मप- |
बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(२) वा ऽ | सा -सा | रे सा | गम रे | गमरे- -सा |
× | बा ऽ ल | म वा | मोऽ रे | सैऽ ऽऽ ऽया |
० २ ० ३

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(३) वा ऽ | ग मम | प ध | प धपमप | गमरे- -सा |
× | बा ऽल | मु बा | ऽ मोऽऽऽ | रेऽसैंऽ ऽया |
० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(४) बा ऽ | गमध- -ध | सां सां | नीसांध- -प |
× | बाऽऽऽ ऽल | मु बा | मोऽरेऽ ऽऽ |
० २ ०

गम रेसा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
सैंऽ याऽ |
३ ४

(५) वा ऽ | पमरे- -सा | नीधपम प-गम | रेसा मध-ध |
× | बाऽऽऽ ऽल | मुऽबाऽ ऽऽमोरे | सैंया सदाऽऽं |
० २ ०

सां नीसांसां- | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
गी ऽऽलेऽ |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(६) वा ऽ | गमपधपमगम पधनीसां--सां- |
×
बाऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽळऽ
०

-रें-सां नीसांरेंसांध--- | -ध-प गमध---ध- |
ऽमुऽवा मोऽऽऽरेऽऽऽ ऽसैऽया सऽदाऽऽऽरंऽ
२ ०

सां नीनीधपमगरेसा | बाऽऽऽ ऽळमुऽ
४
गी लेऽऽऽऽऽऽऽऽ
३

(७) वा ऽ | पपमगमपगम पमरे---सा- |
×
बाऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽळऽऽऽमुऽ
०

रेसा नीनीधपमपगम | धसां-सां गंमंरें- |
वाऽ मोऽऽऽऽऽऽऽऽ रेसैऽया सऽदाऽ
२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां- - -रेंसांनीध पमधपमगरेसा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ गीऽलेऽ ऽ ऽ
३

स्थायी पर तान

(१) बा ऽ | सारेगमगरेसारे गमपपमगरेसा |
× ०

सारेगमपधधप मगरेसासारेगम |
२

पधनीनीधपमग रेसासारेगमपध |
०

नीसांरेंरेंसांनीधनी सांनीधपमगरेसा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

(२) बा ऽ | सारेगगरेसागग रेसासारेगमपप |
× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मगरेसापपमग रेसासारेगमपध |

२

धपमगरेसानीनी धपमगरेसा - - |

०

गमपधनीसांरेंरें सांनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

३

(३) वा ऽ | सारेसागरेसागम गपमगरेसा- - |

× ०

पधपनीधपमग रेसानीसांनीरेंसांनी |

२

धनीधपमगरेसा सांरेंसांगंसारेंगं |

०

रेंमंगंरेसांरेंसांनी धनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

४

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) बा ऽ | गगरे़सापपमग रे़सानीनीनीध़पम |

× ‿ ‿ ‿ ‿

०

गरे़सा-रेंरेंसांनी ध़पमगरे़सागंगं |

‿ ‿ ‿ ‿

२

रेंसांनीध़पमगरे़ सा-गमपध़पध़ |

‿ ‿ ‿ ‿

०

नीसांनीसांरेंगंरेंसां नीनीध़पमगरे़सा | बाऽऽऽ ऽलमुऽ |

‿ ‿ ‿ ‿ ४

३

(५) बा ऽ | सागरे़सारे़सगरे़ गपमगमध़पम |

× ‿ ‿ ‿ ‿

०

गपमगरे़सा-- मनीध़पध़सांनीध़ |

‿ ‿ ‿ ‿

२

नीरें़सांनीध़नीध़प मपमगरे़सा-- |

‿ ‿ ‿ ‿

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीनीनीगंगंरेंसां नीनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

३ ४

(६) वा ऽ | सासगपमधमप गमगपमगरेसा |

× ०

मनीधसांनीरेंसांरें नीसांधनीधपमप |

२

मगरेसासांगंरेंगं सांरेंनीसांधनीधसां |

०

नीसांधनीपधमप गमगपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

३ ४

(५) वा ऽ | सानीसागरेसामग मपमगरेसा--

× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पमपधपमनीध नीसांनीधपमगरे ।

२

सा-सांनीसारेंसांनी धपमगमपमग ।

०

ऐसासारेंसारेंनीसां नीधपमगरेसा- । बाऽऽऽ ऽलमुऽ ।

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर

यह राग यमन थाट से निर्माण होता है। इस राग में दोनों 'मध्यम' रहते हैं। तीव्र 'मध्यम' सिर्फ आरोह ही में आता है। शुद्ध 'मध्यम' आरोह अवरोह दोनों में आता है। बाकी सारे स्वर शुद्ध रहते हैं। वादी स्वर पंचम और संवादी 'षड्ज है। गानें का समय रात का पहला प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरुप।

सा, गमध, नीसां | सां, नीधप, म॑प, गमरेसा |

मुक्त आलाप :—सा, सारे सा, ऩी ध़ प़, ग़ म़ ध़ ऩी सा | सा, सा रे सा, ग म रे सा, ग म ध प, म॑ प, ग म रे सा | सा रे ग म प, ग म रे सा, ग म ध नी ध, प, ग म ध, प, म॑ प, ग म रे सा | सा रे ग म ध, नी, ध, प, म॑ प, ग म ध, नी सां सां, नी ध प, सां रें सां, नी ध प, ग म ध प, ग म रे सा | सा रे सा, प ग म रे सा, ध प म॑ प, ग म रे सा, नी ध प, म॑ प, ग म रे सा, रें सां, नी ध प, ग म ध, नी, ध प, म॑ प, ग म रे सा | ग म ध, नी, सां, सां रें, सां, गं मं रें सां, सां रें गं मं पं, गं मं रें, सां, रें सां नी, ध, ध, नी ध प, ग म नी, ध, प, ग म ध, प, म॑ प, ग म रे प, ग म रे सा | सा रे सा सा, प, ग म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे सा, प ध प प, नी ध प, मं प, ग म ध, नी, सां, नी, ध प, ग म ध प, मं प, ग म रे सा। म म रे सा, प प ग म रे सा, नी ध नी सां, नी ध प, मं प ग म रे सा।

मुक्त ताने :—सा रे सा सा, ग म रे सा, ग म प ग म रे सा, ग म ध ध प प ग म रे सा, मं प ध नी सां नी ध प मं प ग म रे सा, मं प ध नी सां रें सां नी ध प मं प ग म रे सा, मं प ध नी सां रें गं मं रें सां नी ध प मं प ग म रे सा। सा सा रे रे सा सा, म म रे सा प प ग म रे सा, ध ध प प ग म प ग म रे सा, नी नी ध प मं प ध नी सां नी ध प मं प ग म रे सा, मं प ध नी सां रें सां सां ध प, मं प ध नी सां रें गं मं रें सां सां ध प, मं प ग म रे सा।

सा रे ग म रे सा, सा रे ग म, ग म ध नी, ध प मं प ग म रे सा। सा रे ग म, ग म ध नी, ध नी सां रें सां नी ध प, ध प ग म रे सा। सा रे ग म, ग म ध नी सां रें सां रें गं मं रें सां, रें सां ध प, ध प मं प, म म रे सा।

सा रे ग म ग म रे सा, मं प मं प ग म ग म रे सा, ध नी ध नी ध प मं प मं प ग म रे सा, सां रें सां रे नी सां नी ध प, मं प मं प ग म रे सा।

म म रे सा, नी नी ध प, मं मं रें सां नी ध प मं प ग म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल   राग हमीर   ताल एकताल—विलम्बित

चमेली फूली चंपा ए गुलाब गुंद लावोरी मालनिया हरवा नौशा के गरवा डारो। हीरा मोतियन को सेरा बिराजत और सोहे सरताज ॥

स्थायी

प---धनीसां- नीसांध-	(प)- गम
चऽऽऽमेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ लीऽ	फूऽऽ ऽलि
३	४

प गम	ध नी	मंपधनीसां--- सांनी	ध मंप
चं ऽऽ	पा ऽ	एऽ ऽऽऽऽऽऽऽ गू ऽ	ला ऽव
×	०	२	०

प गम	ध प
गूं ऽद	ला ऽ
३	४

ग मरे	गम ध	प मंप	गम सारे	सा सारे	गम प
घो ऽरि	माऽ ल	नीयाऽ	हऽ रऽ	वा ऽ ऽ	नव शा
×	०	२	०	३	४

प गम	ध प	गम रेप	गमसारे सा
के गर	वा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	डाऽ ऽऽ रो
×	०	२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

पप सांसां	सांसां धनीरें-
हिरा मोति	यन ऽ ऽऽऽ
३	४

सां नीसां--	धनी सांरें	सां नी	ध प-मप
को ऽ ऽ ऽ	ले ऽ राचि	रा ऽ	ज तऽऽऽ
×	०	२	०

सांगं मंरें	सांरें सां
औऽ ऽर	लोऽ है
३	४

नीध प-मंप	गम ध	प गमरेप	गमसारे सा
ऽऽ ऽऽऽऽ	ऽऽ सी	र ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ ज
×	०	२	०

स्थायी पर आलाप

(१) चं ऽऽ | सा – | रे सा | गम रे | सा नीसा–– |
× ० २ ० ३

प-धनीसां-ध- प-गम |
चऽमेऽ ऽ ऽलीऽ फूऽ ऽलि
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) चं ऽऽ | सा धप | सारे – | सा गमप |

× ० २ ०

गम रेसा | चमेली इ–

३ ४

(३) चं ऽऽ | सा गम | ध प | मंप गम | रे सा | चमेली इ–

× ० २ ० ३ ४

(४) चं ऽऽ | गम ध | नी धप | गम धप | गमरे– सा |

× ० २ ० ३

चमेली इ–

४

(५) चं ऽऽ | गम नी | धप – | पधपप गम | पग–म रेसा |

× ० २ ० ३

चमेली इ–

४

(६) चं ऽऽ | मंपधनी सां | रें सां | नीध–प मंपगम |

× ० २ ०

रेपगम सारेसा– | चमेली इ–

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) चं ऽऽ | गमध- नीसां | सांरें-- सां | गंमंरेंसां रेंसांधप
×

मंपगम सारेसा- | चमेली इ-
३ ४

(८) चं ऽऽ | गमरेसा पग-म | सारे-सा मंपधनीसां--- |
× ० २

सांरेंगंमंरें-सां- | नीध-प गमधपग-म- सारेसासा |
० ३

चमेली इ-
४

स्थायी पर बोलताने

(१) चं ऽ | सारे -सा | साध-प सारे | सा गमप- |
× | चमे ऽलि | फुऽऽलि चंऽ | पा ऽऽऽऽ |
० २ ०

गमरे- -सा | चमेली इ-
गुऽलाऽ ऽब | ४
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२)	चं ऽ	गम प	गम ध	प पग	मरेसारे -सा	
	×	चऽ मे	ऽलि फू	लि चंपा	पऽगुला ऽब	
		०	२	०	३	

चमेलि इ–
४

(३)	चं ऽ	गमध-- गम	धनी –धप–	
	×	चऽमेऽ ऽलि	फुऽ ऽऽलीऽ	
		०	२	

पधपप---- पगमरे	गमप– मरे–सा	चमेलि इ–
चंऽऽऽऽऽऽऽ पाऽऽऽ	पऽऽऽ गुलाऽब	४
०	३	

(४)	चं ऽ	गमध– नी–धप	गमध– नीसां––	
	×	चमेऽ ऽऽलि	चंऽपाऽ ऽऽऽऽ	
		०	२	

सांरेंसांसां---- सांध-प	पगमसा रेसा	चमेलि इ–
पऽऽऽऽऽऽऽ गुलाऽब	गुंऽधला ऽवो	४

(५)	चं ऽ	मरे-सा प-गम	धप मंपधनीसां–सां–	
	×	चऽमेलि फूऽऽलि	चंपा ऽऽऽऽऽऽऽगुऽ	
		०	२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

रेंसां सांध-प | प ग म रे सारेसा- | चमेलि इ-
लाव गुंद ऽला | बोरिमा ऽ लनियाऽ |
० ३ ४

(६) चं ऽ | मंपधनीसां-सां- सांसां | सां रें-सां गंमं रेंसां |
चऽऽऽ ऽ ऽमे ऽ ऽ लि | फु ऽऽलि चंऽपाऽ |
× ० २

सांरेंसांसांध-प- गमधपनीसांरेंसां |
गुऽलाऽ ऽऽबऽ गुंऽऽदलाऽ ऽऽ |
०

सां-सां-सांसांधप धधपपममरेसा | चमेली इ-
बोऽरिऽमाऽ लऽ नीऽऽऽयाऽऽऽ |
३ ४

स्थायी पर ताने

(१) चं ऽ | सारेसासागमरेसा गमपपगमरेसा
× | ०

सानीधपपधपप सासारेरेसासा--
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

गमधधपपगम पपगमरेसागम |

०

धनीसांनीधपमंप गमपगमरेसा- | चमेली इ-

३ ४

(२) चं ऽ | गमरेसागमपप गमरेसागमधध

× ०

पपगमपपगम रेसागमधनीसांनी |

२

धपगमनीधपप गमपपगमरेसा |

०

मंपधनीसांरेंसांसां धपमंपगमरेसा | चमेली इ-

३ ४

(३) चं ऽ । सारेसासापधपप गमपपगमरेसा

× ०

सारेसासापधपप सांरेंसांसांधपमंप |

२

गमपपगमरेसा पधपपसांरेंसांसां |

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मंमंरेंसांसांरेंसांसां धपमंपगमरेसा | चमेली इ–

३ ४

(४) चं ऽ | सारेसारेसासागम गमरेसापधपध |

× ०

मंपमंपगमगम रेसाधनीधनीधप |

२

पधपपगमधनी सांरेंसांरेंनीसांनीसां |

०

नीधपगमरेसा- सांसांधपगमरेसा | चमेली इ–

३ ४

(५) चं ऽ | सारेगमगमधनी धनीसांनीधपमंप |

× ०

गमरेसासारेगम गमधनीधनीसांरें |

२

सांरेंगंमंरेंसांधनी सांरेंमंपधनीगम |

०

धधपपगमरेसा गमधनीधनीसां- | चमेली इ–

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

(६) चं ऽ | सामगपमंधमंप, गमरेसा,सामगप |

× ०

मंनीधनीमंधमंप गमरेसा,सामगप |

२

मंनीधनीसांरेंनीसां धनीमंपगमरेसा |

०

मंमंमंरेंसांसांनीसां नीधपममरेसा– | चमेली इ–

३

(७) चं ऽ | सारेसा,सारेसा,मप म,मपम,गमरेसा |

× ०

सारेसा,सारेसा,मप म,मपमगधनी |

२

ध,धनीध,पपगम धधपपगमरेसा |

०

ममगनीनीधरेंरें सांनीधपगमरेसा | चमेली इ–

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

देवधर्स स्कूल ऑफ इंडियन म्यूझिक

(स्थापना १९२५)

बंबईके सभी संगीत विद्यालयोंमें

पुराना और मशहूर

इस विद्यालयमें शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रुपसे प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढाया जाता है ।

शिक्षा, शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्नलिखित पते पर लिखियें ।

पता
देवधर्स स्कूल ऑफ इंडियन म्युझिक,
पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर चौक,
(ऑपेरा हाऊस)
मोदी चेंबर्स, गिरगांव
बम्बई–४.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ. भा. गां. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है।

संपादक: प्रोफेसर बी. आर. देवधर,

मासिक की विशेषतायें :—

संगीत के रसिकवर्ग के लिये

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैयों के चरित्र

प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र

सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय के विद्वानों तक के संगीत विषयक लेख

प्रसिद्ध सिनेमा संगीत–दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय गानों की (नोटेशन सहित) तर्जें

हास्यविनोद–कलाकारों के किस्से

व्यंग-चित्र इत्यादि

संगीत के विद्यार्थियों के लिये

संगीत-शास्त्र विषयक चर्चा

तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी

तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी

परीक्षा-प्रश्नों के उत्तर

प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानी चीजें और उसके नोटेशन

पत्र-व्यवहार वगैरह

वार्षिक शुल्क :—रु. १०; व्ही. पी. से रु. ११-२५ फुटकर अंक रु. १-२५

विदेश के लिये रु. २० (विदेश के लिये वी. पी. नहीं)।

पत्र—व्यवहार और शुल्क भेजने का पत्ता :—

मैनेजर, संगीत कला विहार, पो. बॉ. नं. १४ मिरज जिला—सांगली

(महाराष्ट्र राज्य)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

K. C. Gangrade
12.5.72

राग-बोध

(चतुर्थ भाग)

★

लेखक

प्रा० बा० र० देवधर

देवधर्स स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक
मोदी चेंबर्स, ऑपेरा हाउस
बम्बई-४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

(स्थापना १९२५)

बम्बई के सर्व संगीत विद्यालयों में

पुराना और मशहूर

इस विद्यालय में शास्त्रिय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रूप से प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है

शिक्षा शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्न लिखित पते पर लिखिये :—

पता :—
रायल ऑपेरा हाउस के सामने
मोदी चेम्बर्स
गिरगांव, बम्बई नं०—४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-बोध

चतुर्थ भाग

लेखक

प्रा० बा० र० देवधर

देवधर्स स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

मोदी चेंबर्स, ऑपेरा हाऊस के पास

बम्बई-४

प्रथमावृती

सन् १९६५

मूल्य रु Rs 5-0

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रकाशक
श्रीमती चंपावती देवधर
मोदी चेंबर्स, ऑपेरा हाउस के पास
बम्बई–४

मुद्रक :
एजूकेशनल प्रिंटर्स,
जयपुर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रस्तावना

राग बोध पुस्तक मालिका के चतुर्थ भाग का प्रथम मुद्रण व प्रकाशन आज हो रहा है। इसका उद्देश्य व्यवहार के चालीस पचास रागों की बाकायदा शिक्षा देने का ही रहा है। एक राग की कमसे कम तीन प्रसिद्ध चीजों के साथ ही एक चीज पर बीस–पचीस आलाप तानें नमूने के तौर पर ही दी गई हैं। इस पुस्तक के लिये करीब करीब सभी पुरानी खानदानी चीजों को चुना गया है। इसमें गान्धर्व महाविद्यालय मंडल के बनाये हुये चतुर्थ वर्ष के सभी पाठ्य विषयों का समावेश किया गया है

तीसरे वर्ष से ख्याल गायकी का आरंभ हो जाता है। आरंभ में विद्यार्थियों में निश्चित समय में विद्यार्थियों को ख्याल गायकी का पूर्ण अभ्यास कष्टसाध्य है। इसी कारण इस पुस्तक में बड़े ख्यालों के कुछ आलाप और तानें उदाहरण स्वरूप दी गई हैं जिनके अभ्यास से विद्यार्थी अपनी बुद्धि का विकास कर सकता है। इसी के आधार पर आगे ख्याल गायकी को बढ़ाने का अभ्यास किया जाये तो विद्यार्थियों को अवश्य लाभ होगा।

इस पुस्तक में आई हुई अधिकतर चीजें मुझे मेरे गुरु पू. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर से प्राप्त हुई हैं। मेरे मित्र खाँ साहब बड़े गुलामअली खाँ की बनाई हुई कामोद राग की चीज पुस्तक में सुन्दर रचना उदाहरण स्वरूप दी गई है वनस्थली विद्यापीठ के मेरे सहकारी एवं शिष्य श्री राजभाऊ देव और श्री प्रा० सौ. नाडकर्णी इन्होंने इस पुस्तक के लेखन में मुझे जो सहायता प्रदान की उसके लिये मैं उनका आभारी हूं।

बा. र. देवधर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पाठ्यक्रम

मध्यमा चतुर्थ वर्ष

गायन शास्त्र

१. ध्वनि, ध्वनीकी उत्पत्ती, कंपन, आंदोलन, आंदोलन-संख्या, नाद की ऊंचाई-नीचाई का आंदोलन से सम्बन्ध, २२ श्रुतियों में स्वरों का प्राचीन पद्धति में विभाजन, दक्षिण भारतीय तथा भारतीय संगीत पद्धतियों की तुलना, गायकों के गुण दोष आदि विषयों का यथोचित ज्ञान।

२. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा तथा स्पष्टीकरण :—
अल्पत्व, बहुत्व, आविर्भाव, तिरोभाव, प्रबंध, चतरंग और तिरवट।

३. अब तक के सभी रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

४. भिन्न भिन्न लयों को, पंडित विष्णु दिगंबर तथा भातखंडेजी की स्वर लिपि में लिखने की क्षमता।

५. व्यंकटमखी के ७२ मेलों की गणितानुसार रचना के नियम।

६. ठाठ-पद्धति के गुण दोषों की संक्षिप्त जानकारी।

७. निम्नलिखित गायक-वादकों की संक्षिप्त जीवनियां तथा कार्य :—
अमीर खुशरो, स्वामि हरिदास, इनायत खां, पं० रामकृष्ण बुवा वझे।

८. निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने की क्षमता :—
(१) हमारा संगीत (२) संगीत और आनंद (३) संगीत और जीवन (४) संगीत और साधना (५) संगीत और जनरुचि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अनुक्रम

विषय	पृष्ठ
शस्त्रीय विवरण	३–११
जीवनीयाँ	१२–१६
१. राग छायानट	१७–२६
(१) बारबर कहि हारी–तीनताल	१८
(२) झनन झनन झन–तीनताल	१६
(३) तों तननन देरे तारे–तीनताल	२१
२. राग कमोद	२७–४०
(१) गोरे बदन पर–झपताल	२८
(२) छांड दे मोरा–तीनताल	३०
(३) सज सिंगार चली–चौताल	३१
(४) मोरी नई लगन लागिरे–एकताल	३३
३. राग गौड सारंग	४१–५१
(१) लाल गोपाल पिया–तीनताल	४२
(२) दर दी तना तनों–एकताल	४३
(३) पियु पलन लागो–तीनताल	४५
४. राग जयजयवंती	५२–६३
(१) आलि पिया–झपताल	५३
(२) बिनको का करिये–तीनताल	५५
(३) मोरे पिया को–तीनताल	५६
(४) शामा शामा सो होरी–धमार	५८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५. राग पूर्वी ६४-७४

(१) एरि ए मैको—तीनताल ६६

(२) कगवा बाले—तीनताल ६७

(३) भवर भवर बोले—तीनताल ६९

६. राग सोहनी ७५-८५

(१) एरि जसोदा तुमे—तीनताल ७६

(२) प्यारा मेंडा—तीनताल ७७

(३) आये मोसे होरी—धमार ७९

७. राग मारवा ८६-९६

(१) माक कवन काज—तीनताल ८७

(२) मोरारे तुमिसन—तीनताल ८८

(३) तानों तन देरैना—सुरफाक्ता ९०

८. राग कालिंगड़ा ९७-१०८

(१) दीन को दयाल—एकताल ९८

(२) अब मोरा पिया—तीनताल १००

(३) आनंद मंगल गावो—तीनताल १०१

ख्याल गायकी १०८

१. राग अल्हैया बिलावल १११-१२१

(१) ते हर नाम—एकताल ११२

२. राग केदार १२२-१३२

(१) झनकारी परी मोरे—एकताल १२४

३. राग पूर्वी १३३-१४४

(१) पियरवा के—एकताल १३४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४. राग मारवा १४५–१५२
(१) पिया मोरे अनत–तिलवाड़ा १४६

५. राग गौड़सारंग १५३–१६४
(१) जिन करो लरकैया–एकताल १५४

६. राग जयजयवंती १६५–१७३
(१) वाय (वो) कहां–झुमरा १६६

७. राग छायानट १७४–१८५
(१) करत हो मोसो–तिलवाडा १७६

८. राग कामोद १८६–१९८
(१) सघन घन वारू–एकताल १८७

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मध्यमा चतुर्थ वर्ष

गायन—क्रियात्मक

१. शुद्ध विकृत स्वरों का गायन तथा पहचान में निपुणता।
२. अपना वाद्य मिलाने का उचित अभ्यास।
३. तानों में तैयारी, सुन्दर खटके मुरकी का प्रयोग।
४. स्थाई, आरोही, अवरोही तथा संचारी के अलंकार विभिन्न रागों में बनाने की क्षमता।
५. आलाप करने की विधी का सामान्य ज्ञान तथा कुछ रागों में स्वरचित आलाप करने की क्षमता।
६. पहचानने तथा मिलते जुलते रागों में समानता बताने की क्षमता।
७. स्वरलिपि पढ़ने और लिखने का सामान्य अभ्यास।
८. ख्याल गायकी का समुचित विकास होना चाहिये।
९. इस वर्ष के लिये आठ नये राग रखे गये हैं :—

(१) छायानट (२) कामोद (३) गौड सारंग (४) जयजयवंती
(५) पूर्वी (६) सोहनी (७) मारवा (८) कालिंगडा

इन रागों की पढाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा :—

(अ) उपरोक्त तथा पिछले सभी रागों का स्पष्ट ज्ञान।
(ब) उपरोक्त आठ रागों में से हरएक में ढंगदार तानों के साथ छोटा ख्याल।
(क) रागरुप स्पष्ट दिखाने वाले प्रचलित रागालाप।
(ड) उपरोक्त रागों में से किन्हो दो रागों में दो ध्रुपद और दो धमार, दुगुन चौगुन के साथ।
(ई) कालिंगडा में धुन तथा भजन।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(फ) अबतक के सभी रागों में से किन्हीं तीन अलग अलग रागों में एक एक तराना।

विलंबित गायकी :—

निम्नलिखित रागों में बड़े ख्याल रहेंगे —

(१) बिहाग (२) भीमपलास (३) बागेश्री (४) अल्हैया बिलावल (५) केदार (६) पूर्वी (७) मारवा (८) गौड़ सारंग (९) कामोद (१०) छायानट (११) जयजयवंती; इनमें से पहले पांच बड़े ख्याल संपूर्ण गायकी के साथ। शेष में थोड़े बंधे आलाप, तान तथा बोलतान रहेंगे। इन छः रागों में से एक में बडा ख्याल झुमरा ताल में रहेगा।

इस तरह इस वर्ष, ८ छोटे ख्याल, ५ संपूर्ण गायकी के बड़े ख्याल, ६ थोडी गायकी के बड़े ख्याल, २ ध्रुपद, २ धमार, २ भजन–धुन तथा ३ तराने, कुल मिलाकर २८ गीत होंगे।

१०. सीखे हुए सभी तालों के ठेके तबला पर बजाने का अभ्यास:

११. निम्नलिखित लयकारियों का अभ्यास।

२ में ३, ३ में २, १ में ३ और ३ में १।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शास्त्रीय विभाग

ध्वनी

ध्वनी की उत्पत्ति, कंपन्न, आन्दोलन, नाद की ऊंचाईनिचाई के आन्दोलन से संबंध आदि की परिभाषायें एवं उनकी जानकारी राग-बोध के प्रथम द्वितीय तथा तृतीय भाग में आचुकी है ।

२२ श्रुतियों में स्वरों का प्राचिनपद्धति के अनुसार विभाजन :—

श्रुति विभाजन के संबंध में प्राचीन ग्रंथों में निम्नलिखित उदहारण हैं ।

भावार्थ :—षडज, मध्यन, पंचम इनमें से प्रत्येक स्वर की चार चार श्रुतियाँ, निषाद एवं गांधार की दो दो श्रुतियाँ एवं ऋषभ तथा धैवत की तीन तीन श्रुतियाँ इस प्रकार से बाईस श्रुतियां का इन सात स्वरों में विभाजन किया गया है ।

प्राचीन काल १३वीं शताब्दी तक माना जाता है । इस काल के ग्रंथकार स्वरों को उनके अन्तिम श्रुति पर रखते थे । अर्थात् उनके शुद्ध स्वर प्रत्येक स्वर को मिली हुई श्रुतियों में से अन्तिन श्रुति पर मानते थे । जैसे :—

सा रे ग
१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११,

म प ध नि
१२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२,

उपरोक्त व्यवस्था में ऋषभ एवं गांधार पास-पास आते हैं । इस प्रकार धैवत एवं निषाद भी पास-पास ही आते हैं । परन्तु आधुनिक पद्धति में ऐसा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नहीं है, उसका कारण केवल यही है कि मध्य एवं आधुनिक काल के ग्रंथकार स्वरों को उनके प्रथम श्रुति पर रखकर प्रारंभ करते है इसलिए स्वरान्तरों में निम्नलिखित अन्तर दिखाई देता है।

सा			रे			ग		म		
१,	२,	३,	४,	५,	६,	७,	८,	९,	१०,	११,

	प				ध			नी		
१२,	१३,	१४,	१५,	१६,	१७,	१८,	१९,	२०,	२१,	२२,

प्राचिन काल में सा चौथी पर, रे सातवी पर, ग नवीं पर, म तेरहवीं पर, ध बीसवीं पर और नी बाईसवीं श्रुति पर था; लेकिन मध्यकाल एवं आधुनिक काल के स्वर इस प्रकार आते हैं।

सा			रे			ग		म		
१,	२,	३,	४,	५,	६,	७,	८,	९,	१०,	११,

	प				ध			नी		
१२,	१३,	१४,	१५,	१६,	१७,	१८,	१९,	२०,	२१,	२२,

मूल संस्कृत श्लोक के अनुसार इन दोनों पद्धतियों में सा, म, प इनमें से प्रत्येक स्वर चार चार श्रुत्रियों के रे, ध, तीन तीन श्रुतियों के और ग, नी दो दो श्रुतियों के स्वर हैं। फिर भी एक पद्धति में सा को उसके अन्तिम श्रुति पर एवं दूसरी पद्धति में सा को उसके प्रथम श्रुति पर रखने से स्वरान्तरों में उपरोक्त प्रकार से फर्क होता है।

दक्षिण भारतीय तथा भारतीय संगीत पद्धति की तुलनाः—

भारतवर्ष में शास्त्रीय संगीत की दो पद्धतियां प्रचलित हैं। एक हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति अथवा उत्तरी पद्धति तथा दूसरी कर्नाटकी संगीत पद्धति अथवा दक्षिणी पद्धति। दक्षिणी भारत के मद्रास, मैसूर, आन्ध्र, केरेला इत्यादि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राज्यों में कर्नाटक संगीत प्रचार में है तथा भारत के अन्य सभी स्थानों पर उत्तरी पद्धति प्रचलित है। वैसे तो प्रादेशिक संगीत की भारत में बड़ी भिन्नता पाई जाती है किन्तु शास्त्रीय संगीत केवल दो ही पद्धति प्रचार और प्रसार में है।

वैदिक काल से लेकर १२वीं शताब्दी तक भारत में केवल एक ही पद्धति का प्रचलन शास्त्रीय संगीत में था जिसके अन्तर्गत सामवेद की ऋचायें जातिगान एवं अन्य संगीत के प्रबंधों का विकास क्रम रहा है और जिनकी भाषा देवभाषा संस्कृत रही है। कविवर जयदेव की अष्टपदी भी संपूर्ण भारतवर्ष में शास्त्रीय संगीत के प्रबंध रूप में विशेष स्थान पर रही परन्तु ११वीं शताब्दी में धीरे धीरे दो पद्धतियों ने जन्म लिया और दो धाराओं के रूप में परिणत हो गई। हिन्दुस्तानी संगीत पर मुसलमानी संगीत का प्रभाव पड़ने लगा तथा कर्नाटक संगीत पर स्थानिय भाषा जैसे तेलगु, या तामिल का प्रभाव पड़ने लगा। इन कारणों से दोनों पद्धतियों में मूल सिद्धान्त समान होते हुये भी व्यवहार में काफी अन्तर पड़ गया।

यहां इन दो पद्धतियों के इस अन्तर को हम स्पष्ट करेंगे।

१. दोनों पद्धतियों में सप्तक के १२ स्वर हो माने गये हैं किन्तु स्वरों के नामों में भिन्नता पाई जाती है। हि. सं. पद्धति में स्वरों के शुद्ध और कोमल दो भेद माने जाते हैं किन्तु कर्नाटक में शुद्ध स्वर, साधारण गांधार, अन्तर गंधार, कौषिक निषाद, काकली नी इत्यादि नाम भेद प्रचार में पाये जाते हैं। कर्नाटक पद्धति में कुछ ऐसे भी स्वर हैं जिनके दो नाम हैं। जैसे पंचश्रुति रे, शुद्ध ग, षटश्रुति रे, साधारण ग, पंचश्रुति ध, शुद्ध नी, षट्श्रुति ध, कौशोक नी इत्यादि।

२. एक ही स्वर के इन प्रकार दो दो नाम संशोधन विधान के कारण ही दाक्षिणात्य पद्धति में एक सप्तक में अधिक से अधिक ७२ थाटों की उत्पत्ति हो सकती है जबकि हिन्दुस्तानी संगित पद्धति में एक सप्तक में अधिक से अधिक ३२ थाट ही संभव है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३. उत्तरी पद्धति में बिलावल थाट के स्वरों को शुद्ध स्वर सप्तक माना जाता है और दक्षिणी में मुखारी मेल के स्वरों को जिसका दूसरा नाम कनकांगी है। दक्षिण के शुद्ध सप्तक की विशेषता यह है कि उसके शुद्ध स्वरों को विकृत करने की क्रिया में उन स्वरों को केवल ऊँचा किया जाता है न कि नीचा। अर्थात् दक्षिणी पद्धति में उत्तरी पद्धति के सदृश स्वर कोमल नहीं होते हैं।

४. दोनों पद्धतियों में कुछ राग ऐसे हैं जिनके नाम तो एक ही हैं किन्तु व्यवहार में उनके स्वरों में काफी भिन्नता पाई जाती है जैसे तोड़ी, मालकंस इत्यादि। इसी प्रकार कई राग ऐसे हैं जिनके स्वरों में समानता है किन्तु नाम में भिन्नता पाई जाती है। जैसे उत्तरी पद्धति के भूपाली राग के स्वर कर्नाटक के राग मोहन के स्वर हैं।

५. राग विस्तार में उत्तरी पद्धति के अनुसार वादी-संवादी स्वरों का बड़ा ही महत्व है किन्तु दक्षिणी पद्धति में यह बात नहीं पाई जाती है।

६. शास्त्रीय संगीत में श्लोक गायन पद्धति (संस्कृत प्रबंधादि) के समाप्त होने के बाद प्रबंध रचनाओं में स्थानीय भाषाओं का प्रयोग होने लगा। जो स्वाभाविक ही है। इसी कारण उत्तरी पद्धति में हिन्दी, ब्रजभाषा, पंजाबी, उर्दू, मारवाड़ी इन भाषाओं में प्रबंध (बंदिश या चीज) का प्रचलन हुआ। और दक्षिणात्य पद्धति में तेलगु, तामिल आदि भाषाओं में प्रबंध रचना होने लगी।

७. दोनों पद्धतियों में गायन शैली में स्वरोच्चारण की विशिष्टता के कारण काफी अन्तर हो जाता है। उत्तरी पद्धति में स्थिरता को स्वरोच्चारण में महत्व दिया जाता है जब कि कर्नाटक संगीत में स्वरों के साथ गमक का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता है।

८. दक्षिणात्य संगीत में मुथूस्वामी, त्यागराज, सामाशास्त्री आदि संत गायकों का विशेष योग रहा है। जिसके कारण कर्नाटक संगीत में प्रचुर मात्रा में भक्ति पूर्ण रचनाओं का ही बाहुल्य है। जहाँ उत्तरी संगीत पद्धति में मुगल

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कालीन प्रभाव के कारण श्रृंगार की प्रबलता पाई जाती है। उत्तरी पद्धति में ध्रुपद, ख्याल, तराना, टप्पा, ठुमरी आदि प्रबंध के प्रचलित प्रकार शास्त्रीय संगीत के अन्तर्गत गाये जाते हैं। तथा कर्नाटकी संगीत में कृति, कीर्तन, तिल्लाना, पद इत्यादि प्रबंध प्रकार प्रचलित

६. दोनों ही संगीत पद्धति की ताल पद्धति भिन्न है। और रचनात्मक दृष्टि से अपने अपने स्थान पर परिपूर्ण हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि समान संगीत सिद्धान्तों पर आधारित होते हुये भी यह दोनों पद्धतियां अपने अपने क्षेत्र में महत्व रखती हैं। आशा की जाती है कि निकट भविष्य में अधिक आदान प्रदान के कारण यह एक दूसरे के काफी निकट आजायेंगी।

गायकों के गुण और दोष

संगीत रत्नाकर ग्रंथ में गायकों २२ गुणों एवं २५ अवगुणों का वर्णन मिलता है। उसमें से महत्व के गुण अवगुण इस प्रकार हैं।

गुण

१. सुन्दर एवं मधुर आवाज का होना।
२. शुद्ध वाणी एवं मधुरता से शब्द का उच्चारण होना।
३. वादी, संवादी आदि राग नियमों को सम्हालकर गाना।
४. राग के नियम सम्हालकर उसमें विचित्रता निर्माण करना।
५. आवाज साफ एवं तीनों सप्तकों में समान रूप से निकलना।
६. आवाज स्वयं के वश में होना एवं स्वर स्थानों को सही रूप में लगाना।
७. लय का पूर्ण ज्ञान एवं ताल पर प्रभुत्व होना।
८. गायन में मग्न होना एवं भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का होना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९. गाते समय चेहरे को प्रसन्नचित्त रखना ।
१०. हाव भाव केवल भावनाओं को व्यक्त करने तक ही सीमित होने चाहिये ।

आवाज में सरलता होनी चाहिये । श्रोताओं की रुचि को देखकर गाना चाहिये । चरित्र उज्ज्वल होना चाहिये । अपनी कला एवं अभ्यास में मग्न होना चाहिये । व्यवहार में नियम बद्धता एवं नियमितता होनी चाहिये ।

अवगुण

दांत मीचकर गाना ।
निरर्थक हाथ पैर पटक कर गाना ।
गाते समय गर्दन फुला कर गाना ।
कर्कश आवाज होना ।
आवाज नीरस एवं शुष्क होना ।
स्वर स्थान बेसुरे लगाना ।
तान अस्पष्ट एवं बेसुरी होना ।
बेताला गाना ।
पूर्ण आवाज बहार न निकालकर मन्द आवाज में गाना ।
गाते समय चेहरा बिगाड़ना ।
राग नियमों को सम्हालकर न गाना ।
शब्द उच्चारण अस्पष्ट होना ।
स्वयं में मग्न न होकर श्रोताओं के मुंह की ओर देखकर गाना ।
अनियमित व्यवहार होना ।
नशीली वस्तुओं में रुचि होना ।
अभ्यास न करना ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अल्पत्व और बहुत्व

अल्प अर्थात् थोड़ा उपयोग और बहुत्व याने बहुत उपयोग। कुछ रागों में कुछ स्वर ऐसे होते हैं कि उन स्वरों को बार बार गाकर भी उन्हें महत्व नहीं दिया जाता था या उनपर अधिक न्यास नही किया जाता। ये स्वर 'अल्पत्व' कहलाते हैं। कुछ स्वर ऐसे होते हैं कि जो बार बार गाये जाते हैं और उनपर बार बार न्यास करके उनका राग में लगने वाले अन्य स्वरों की अपेक्षा महत्व दिखाया जाता है। यह स्वर बहुत्व लेते हैं। अल्पत्व दो प्रकार से किया जाता है।

(१) लंघन और (२) अनभ्यास।

जो स्वर आरोह या अवरोह में वर्ज्य होता है उसे लंघन से अल्पत्व आता है। अर्थात् वह स्वर वर्ज्य स्वर कहलाता है। जैसे राग विहाग में आरोह में ऋषभ एवं धैवत वर्ज्य है अर्थात् उनका लंघन करके उन्हें अल्पत्व प्राप्त होता, है लेकिन इन स्वरों को अवरोह में लेने पर भी उनको महत्व कम दिया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि विहाग राग में रे एवं ध स्वरों पर न्यास नहीं किया जाता। यह दो स्वर अवरोह की सीढ़ियाँ हैं मगर उन्हें बहुत महत्व नहीं दिया जाता इसलिये इन दो स्वरों को अनभ्यास द्वारा अल्पत्व प्राप्त है।

बहुत्व भी दो प्रकार से दिखाया जाता है। (१) अलंघन और (२) अभ्यास राग। में कुछ स्वर ऐसे होते हैं जो राग के आरोहावरोह में वर्ज्य नहीं होते। जो वादी, संवादी भी नहीं होते फिर भी उनको थोड़ा बहुत महत्व यदि न दिया जाय तो राग का वातावरण पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं होता। जैसे विहाग राग के मध्यम स्वर को योग्य महत्व दिये बिना या बहुत्व दिये बिना पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होती। अभ्यास द्वारा बहुत्व अर्थात् कुछ स्वरों को बार बार गाकर उनपर न्यास करके उनका महत्व बढ़ाया जाता है जैसे विहाग में पंचम या हमीर में धैवत।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अविर्भाव, तिरोभाव

क़िसी राग को गाते समय किसी सम प्रकृतिक राग के मूल राग से समानता रखने वाले छोटे छोटे टुकड़ों का प्रयोग करके दूसरे राग का आभास निर्माण करना ही तिरोभाव है। इसके बाद फिर मूल राग के स्वरों में प्रवेश कर लेने की क्रिया को ही अविर्भाव कहते हैं। बसन्त राग गाते समय थोड़ी देर निषाद स्वर को ऐसा महत्व दिया जाता है जिससे परज का आभास होने लगता है और फिर बसन्त राग के स्वर लेकर इसको समाप्त कर दिया जाता है। इन्हीं दो क्रियाओं को क्रमशः तिरोभाव और आविर्भाव कहते हैं।

चतुरंग

चतुरंग अर्थात् चार अंग अथवा वह गीत जिसके चार प्रकार के अंग होते हैं अर्थात् इस गीत में ख्याल की तरह थोड़ी कविता, थोड़े तराने के बोल या शब्द, थोड़ी सरगम एवं तबले अथवा मृदंग के बोल। वह सब बातें जिस गीत में होती हैं उसे चतुरंग कहते हैं। कभी मृदंग के बोलो के बजाय संस्कृत श्लोक का टुकड़ा भी होता है। यह छोटे ख्याल की तरह मध्यलय में गाया जाता है और इसकी गायकी भी छोटे ख्याल की तरह ही होती है।

त्रिवट, त्रवट अथवा तिरवट

ये तराने जैसा ही है। इसमें ना दिर, दिर ऐसे शब्दों के बजाय मृदंग के बोल होते हैं जैसे—धिर धिर तक धी धीना आदि इसकी गायकी तराने जैसी होती है। यह मध्य एवं द्रुत लय में गाया जाता है। पं. व्यंकट मखी के ७२ थाटों के गणितानुसार रचना के नियम राग बोध के भाग २ में दिये गये हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

थाट पद्धति के गुण दोषों की संक्षिप्त व्याख्या

थाट और मेल यह शब्द समानार्थी हैं। पं. व्यंकट मखी ने दक्षिणी संगीत में गणितानुसार ७२ मेल अथवा थाट सिद्ध करके राग वर्गीकरण सरल कर दिया। परन्तु हिन्दुस्तानी संगीत में केवल राग रागिणी पद्धति प्रचलित थी। शास्त्रीय दृष्टि में राग रागणी वर्गीकरण पद्धति में अपना स्थान न ले सकी इसलिये स्व० पं० विष्णुनारायण भातखडे ने हिन्दुस्तानी संगीत के लिये दस थाटों को मानकर राग वर्गीकरण की आसान और तर्कसगत पद्धति आरंभ की। आज भी अधिकतर यही पद्धति प्रचार में है लेकिन इस पद्धति में भी कुछ दोष हैं। जैसे—कुछ राग, राग में लगने वाले स्वरों के अनुसार थाट में माने गये तो कुछ राग, जिन रागों के अंग से गाये जाते हैं उन रागों के थाट में माने जाते हैं। राग देशकार बिलावल थाट में तथा राग भूप कल्यान थाट में माना गया है, परन्तु दोनों ही राग अर्थात् सा, रे, ग, प, ध सां ये स्वर लेते हैं। यद्यपि इन बातों का पं० भातखंडे ने दिया हुआ स्पष्टीकरण सयुक्तिक है फिर भी विद्यार्थी तो भ्रम में पड़ते हैं इसलिये कुछ विद्वानों का मत है कि थाटों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिये। कुछ कहते हैं कि यदि यह संख्या ३२ को गई तो हिन्दुस्तानी पद्धति के सभी राग इनके अन्तर्गत आ सकेंगे। पं० भातखंड के द्वारा केवल दस ही थाट मानलेने के कारण कई राग जबरदस्ती से यानी थाट में आने वाले स्वर न होते हुये भी उस थाट के प्रमुख रागों के अंग लेते हैं इसलिये उस थाट में माने गये। जैसे रामकली राग में तीव्र म और कोमल निषाद होते हुये भी इसको भैरव थाट में ही माना है। तथापि यह बात स्पष्ट है कि दोष होते हुये भी पं० भातखंडे ने इस पद्धति को प्रारंभ किया और विद्यार्थियों को संगीत सीखने में बहुत मदद की है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जीवनियाँ

अमीर खुसरो

अमीर खुसरो को ही ख्याल गायकी का जन्म दाता माना जाता है। इनके पिता अमीर मुहम्मद सैफुद्दीन बलवन सबसे पहले हिन्दुस्तान में आये। उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और वही अमीर खुसरो थे। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के एटा जिले में ई० सन् १२३४ व १२५३ के बीच माना जाता है। बुद्धिमान होने के कारण उस काल की सभी विद्याओं में प्रवीण हो गये तथा गुलाम घराने या वंश के दिल्ली पति गयासुद्दीन बलबन बादशाह के दरबार में वे नौकर हुवे। खिल्जी वंश द्वारा यह राज्य जीतने के बाद वे खिल्जी राजा के दरबार में नौकरी करने लग गये।

देवगिरी पर अल्लाउद्दीन खिल्जी ने १२९४ में चढ़ाई की। उस समय अमीर खुसरो उनके साथ थे। देवगिरी दरबार में गोपाल नायक नामक एक गायक थे। अमीर खुसरो उनके गाने पर बड़े प्रसन्न हुये इसलिये वे उन्हें अपने साथ दिल्ली लेगये। अपना मान बढ़ाने के लिये अमीर खुसरो ने गोपाल नायक के साथ ही प्रतिस्पर्धा करके उन्हें दरबार में पराजित किया मगर विद्या गोपाल नायक से ही प्राप्त की थी। कई फारसी रागों का इन्होंने प्रचार किया जैसे काफी, सरपरदा, नौरोज इत्यादि।

इन्होंने नये प्रकार से रचना की और यही ख्याल की पहली रचना है। अमीर खुसरो की कुछ रचनायें अभी भी गायक गाते हैं। सितार का भी आविष्कार खुसरो ने किया और उसके लिये गतों की रचना की ऐसा माना जाता हैं। उन्होंने संगीत पर कुछ किताबों की भी रचना की। वे अनेक विद्याओं में प्रवीण थे इसलिये उनका नाम अभी भी लिया जाता है। उनके द्वारा आरंभ की गई परंपरा को 'कव्वाल' कहते हैं। इनके द्वारा कुछ नये ताल भी प्रचार में आये। इनकी ७२ साल की उम्र में मृत्यु हुई।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वामी हरिदास

स्वामी हरिदास का जन्म एक सारस्वत ब्राह्मण के परिवार में अलीगढ़ जिले के खेटेश्वर महादेव के पास के एक गांव में हुआ था। जन्म काल १६वीं शताब्दी तथा संवत् १५६६ माना जाता है। इस गांव का नाम बाद में हरिदास पुर पड़गया। इनके पिता का नाम आशुधीर था। वे मुलतान जिले के मूल निवासी थे। इन्हें बचपन से ही संगीत के प्रति रुचि थी। परन्तु उनकी संगीत शिक्षा किसके पास हुई इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। बचपन से ही वे कृष्ण भक्ति में लीन हो गये थे। २५ वर्ष की आयु में ही वे सन्यास ग्रहण कर वृन्दावन में रहने लगे। इनकी गणना महान भक्त लोगों में की जाती है। इनके द्वारा रचित अनेक भक्ति पूर्ण ध्रुपद अभी भी गाये जाते हैं। 'संगीत कल्प द्रुम' में उनमें से कुछ छापे भी गये हैं। 'भक्त चरित्र' में इनके द्वारा किये गये अनेक चमत्कारों का वर्णन प्राप्त होता है। 'नाद विनाद' ग्रंथ में उनके शिष्यों के नाम उध्दत हैं। मुख्य शिष्य बैजू, गोपाल नायक, मदनराय, दिवाकर पंडित, सोमनाथ पडित, तन्ना मिश्र (तानसेन), राजा सौकसन।

तानसेन इन्हीं के शिष्य थे यह बात इतिहास प्रसिद्ध है। स्वयं अकबर बादशाह इनका गायन सुनने वृन्दावन में गये थे। स्वामीजी लोक रंजन के लिये गाते नहीं थे। केवल ईश्वर को प्रसन्न केरने के लिये मन्दिर में गाते थे। ६५ वर्ष की आयु में इनका स्वर्गवास होगया।

इनायत खाँ

इनका घराना गायकों तथा वादकों का घराना था। इनका परिवार उत्तर प्रदेश में रहता था। इनायत खाँ के दादा ध्रुपद धमार गाते एवं जलतरंग व सारंगी बजाते थे। इनके पिता इमदाद खाँ सितार एवं सुरबहार के प्रसिद्ध वादक थे। इनके कुछ ग्रामाफोन रेकॉर्ड His Master's Voice Company ने लिये हैं। खाँ सहाब को लखनऊ के नवाब वाजिद अली खाँ ने

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दरबारी कलाकार के रूप में ३०० रु० मासिक वेतन पर रखा। लखनऊ की नवाबी समाप्त होने के बाद वे बड़ौदा व इन्दौर दरबार में रहे। यह सन् १९२० में स्वर्गवासी हुये।

इमदाद खाँ के दो पुत्र थे : वहीद खाँ और इनायत खाँ। 'वहीद खाँ' अन्तिम समय में दिल्ली के 'भारतीय कला केन्द्र' में नौकर थे। इनायत खाँ एवं वहीद खाँ की शिक्षा उनके पिता इमदाद खाँ के पास हुई। दोनों ही सितार और सुरबहार में प्रवीण थे। इनायत खाँ सहाब बंगाल में ज्यादा रहे और गौरीपुर के 'ब्रजेन्द्रराय किशोर चौधरी' के पास इन्होंने कई वर्षों तक नौकरी की। बंगाल में इनका शिष्य संप्रदाय बहुत विशाल है।

सन् १९३२–३३ में हर जगह संगीत सम्मेलन और परिषदें होने लगीं और कई स्थानों से इनायत खाँ को आग्रह पूर्वक निमंत्रण मिलने लगे। उन्हें इन परिषदों में अनेक स्वर्ण पदक मिले।

सन् १९३८ में वे इलाहाबाद में संगीत परिषद में भाग लेने आये तो अचानक बीमार पड़ गये। उन्हें तुरन्त कलकत्ता पहुंचा दिया गया और इसी बीमारी में वह स्वर्गवासी हुये।

उनके दो लड़के हैं। ज्येष्ठ पुत्र विलायत खाँ ने बचपन में ही प्रसिद्धि प्राप्त की और कनिष्ठ पुत्र इमरत खाँ भी कुशल सितार वादक हैं।

पं० रामकृष्णबुवा वझे

महाराष्ट्र के एक विद्वान कलाकार पं० रामकृष्णबुवा वझे का जन्म सन् १८७१ में सावन्तवाड़ी संस्थान के ओंकार नामक गांव में हुआ। इनका शिष्य परिवार बहुत बड़ा है। पंडितजी जब केवल १० महीने के थे तब उनके पिताजी का देहावसान हो गया। आर्थिक स्थिति बहुत खराब होने के कारण उनकी माता उन्हें चार साल की अवस्था में ही अपने साथ लेकर कागल नामक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थान पर आसण्णाहिब देशपांडे के घर गृहकार्य हेतु रहने लगी। वझेबुवा को बचपन से ही संगीत में रुचि थी। उनका पाठशाला में बिल्कुल मन नहीं लगता था। इस कारण उन्हें गायन सीखने के लिये उसी गांव के बलवन्तराव पोहिरे के पास रखा। दो साल तक बुवा पोहिरे के पास शिक्षा ग्रहण कर मालवण नामक गांव के श्री विठोबा अण्णा हडप के पास गायन की शिक्षा प्राप्त करने लगे।

उस समय की पद्धति के अनुसार उनकी १२ वर्ष की उम्र में ही शादी होगई, लेकिन इच्छानुसार गायन सीखने को न मिलने के कारण वे घर छोड़कर पूना गये। वहां से बंबई गये और स्वयं के कार्यक्रम देकर उन्होंने धन प्राप्त किया। इसी समय में श्री नानासाहिब पानशे के पास गये। वहां पर उन्हें खाँ साहब बन्देअली खाँ की वीणा एवं चुन्नाबाई का गायन सुनने को मिला। नानासाहिब पानशे मृदंग बजाते थे। उनके ही सुझाव से पंडितजी गायन सीखने के लिये ग्वालियर गये।

ग्वालियर में मधुकरी मांगना एवं खाँ साहिब निसार हुसैन खाँ के पास गायन सीखना प्रारंभ किया। खाँ साहब की उन्होंने खूब सेवा की परन्तु खाँ साहब निःस्वार्थ भाव सिखाते नहीं थे। बाद में खाँ साहब के साथ वे बुरहानपुर में सरदार भुस्कुटे के यहां गये एवं सरदार साहब की प्रार्थना स्वीकर कर खाँ साहबने वझेबुवा को अच्छी तालीम दी।

खाँ साहब के यहां शिक्षा प्राप्त कर वझेबुवा ने पुरे देश की यात्रा की एवं जहाँ से जितनी विद्या मिली उन्होंने प्राप्त की। इस कारण उन्हें अनेक प्रसिद्ध कलाकारों का गायन, वादन सुनने को मिला तथा अनेक घरानों की बंदिशें व राग सीखने को मिले। इसके बाद कुछ वर्षों तक वे गोआ में रहे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस काल में उन्होंने वहां के अनेक लोगों को तालीम दी । बाद में वे वेलगांव में रहने लगे और बीच बीच में बंबई पूना में रहकर ट्यूशन करने लगे ।

उनकी आवाज गंभीर एवं रियाजी थी । गाने में वैचित्र्य था एवं अनेक कठिन राग वे तैयारी से गाते थे । उनके पुत्र पं० शिवरामबुवा वझे भी बहुत अच्छे तैयार गायक होगये थे परन्तु तीन साल पहले ही उनकी वेलगांव में मृत्यु होगई ।

पं० रामकृष्ण बुवावझे अपने जीवन के ७४ वर्ष पूर्ण करके सन् १९४९ में पूना में इस संसार से सदा सदा के लिये विदा हो गये ।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग छायानट

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसका वादी स्वर पंचम और संवादी ऋषभ होता है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, किन्तु तीव्र मध्यम का प्रयोग अल्प है, यह केवल पंचम के साथ आरोह में होता है जैसे, रेग, गमप, मंप कोई तीव्र मध्यम का उपयोग केवल कण स्वरुप में करते हैं। शुद्ध मध्यम, आरोह और अवरोह, दोनों में लगता है। इसकी पंचम ऋषभ संगती, बड़ी शक्तिदायक व रागवाचक है। गांधार आरोह में वक्र है और निषाद का उपयोग अल्प है। इसके गायन का समय रात्री का दूसरा प्रहर है। इसकी जाति वक्र संपूर्ण कहि जाएगी।

आरोहावरोह स्वरुप

सारे, गमप, पधपप, सां, सां, नीधप, मग, मरेसा।

पकड़

रेग, गमप, म, ग, मरेसा

स्वर विस्तार

(१) सा, सारे, सा, साध़, प़, प़सासारे, सा, रेग, गमरेसा।
(२) सा, रेमा, रेग, गम, रेसा, रेगमप, मग, मरेसा।
(३) रेग, गमप, परे, रेगमप, धध, प, म, ग, मरेसा।
(४) रेगमप, धधप, परे, रेगमनी, धप, पम, ग, मरेसा
(५) रेग मप, धपसां, सांधप, पर, रेगमनी, धप, मग, मरेसा।
(६) रेसा, ध़नीप़, रे, रेगमप, पसांसांरें, सां, धनीप, मग मरेसा।
(७) रेसा, गमरेसा, प, रेगमप, गमरेसा, सांधप, मग, मरेसा।
(८) पधपप, सां, सांरें, रेंगंगंमंरेंसां, सां, धनीप, मग, मरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) पधपप सारे सासा रेगमग मरेसासा, रेगमनी धप मग मरे सा सा।

(१०) रेगमनीधप, सांरेंसांनीध, रेगमप मग मरे सासा, सांसांध गम रेसा।

राग छायानट

तीनताल (मध्य लय)

गीत १

बार बार कहि हारीं तुमसों, काहेना मानो हमारी बतियां।
जावो जावो तुम सन हम नहि बोलें, यूं ही गमाई हमारी रतियां॥

स्थाई

सा	प		
ध – प रे	– ग गम प	म ग म रे	सा रे सा –
बा ऽ र बा	ऽ र क ऽ हि	हा ऽ ऽ रि	तु म सों ऽ
०	३	×	२

सा		ग	म
सा – ग मग	म रे – सा	रे ग गम प	सा रे सा –
का ऽ हे ना ऽ	मा ऽ ऽ नो	ह म री ऽ ऽ	ब ति यां ऽ
०	३	×	२

अंतरा

		सा नी	
प प सां सां	सां सां रें सां	ध ध सां रें	सां – ध
जा वो जा वो	तु मि स न	ह म न हि	बो ऽ ले ऽ ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प		ग	प
प - रें सां	सां – धनीप	रे ग गम प	सा रे सा –
हूं ऽ हि ग	मा ऽ ई ऽ ऽ	ह म री ऽ ऽ	र ति यां ऽ
०	३	×	२

राग छायानट

तीन ताल (मध्य लय)

गीत २

झनन झनन झन नननननन बाजे बिछुवा बाजे,
पिया को मिलने को चली जात अपने मंदर सो माई।
पूजा करने को निकसी घरसों हों अकेली नार,
चोम के इनायत बार बार याई ॥

स्थाई

सा प		ग	
प़ प़ प़ सा	सा सा सा सा	रे रे ग रे	गम पध पप
झ न न झ	न न झ न	न न न न	न न न ऽ न
×	२	०	३
प ग म रे	सा रे सा –	रे ग म –	रे – सा –
बा ऽ ऽ जे	बि छु वा ऽ	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जे ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा			नीं
सा सा म ग	प प प –	प धनी सां ध	नी प पध पप
पि या के मि	ल न को ऽ	च ली ऽ ऽ जा	ऽ त अ ऽ प ऽ
×	२	०	३
म ग म रे	ग म पध मेप	म ग म रे	सा रे सा –
ने ऽ ऽ म	द र सों ऽ ऽ	मा ऽ ऽ ऽ	अ ऽ ऽ ई ऽ
×	२	०	३

अंतरा

		सां	नी नी
प – सां सां	सां सां सां –	ध नी सां रें	सां सां ध प
पू ऽ जा क	र ने को ऽ	नि क सी ऽ	घ र सो ऽ
×	२	०	३
	प		
ध ध प –	रे ग म प	– प – प	गं – मं रें
हों अ के ऽ	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ना ऽ र	चो ऽ ऽ म
×	२	०	३
	नी	प	
सां – रें –	सां – ध प	ग म रे सा	– रे सा हा
के ऽ ई ऽ	ना ऽ य त	बा ऽ र वा	ऽ र मा ई
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग छायानट–तराना

तीनताल (मध्यलय)

तों तननन देरे तारे दानी तों, तनन तनत दानि-(नि) रेदानि दानी तदानि ।
उद तनन दे रेना तनन तन देरेना दिर दिर तननन तन तदरे तदरे यानी ।।

स्थाई

मे

सा सां ध सां	ध ध पध पप	रे ग म पग	म रे सा –
तों ऽ ऽ त	न न दे ऽ रे ऽ	ता ऽ रे दा ऽ	ऽ नि तों ऽ
०	३	×	२

नी सा

सा सा सा म	म रे सा सा	रे ग म (प)	ग म रे सा
त न न त	न त दा नि	रे दा नि दा	नि त दा नि
०	३	×	२

अंतरा

प प सां सां	सां सां सां सां	सां सां सां सां	सां रें सां सां
उ द त न	न दे रे ना	त न न त	न दे रे ना
०	३	×	२

प पं सां सां	ध ध पप पप	रे ग म प	ग म रे सा
दिर दिर त न	न न तऽ नऽ	त द रे त	द रे दा नी
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग छायानट

'वार बार कहि हारी तुमसों' इस गीत के आलाप और तानें।

स्थाई के आलाप

(१)	बा ऽ र बा	ऽ र क ऽ हि	सा – – –	ध़ प़ सा –
	०	३	×	२
( )	" "	" "	सा – – –	सारे – मा –
	०	३	×	२
(३)	" "	" "	रेग म – प	ग म रे सा
	०	३	×	२
(४)	बा ऽ र ऽ	प – ध प	गम प म ग	मं रे – सा
	०	३	×	२
(५)	" "	रेग म प –	ध ध प –	मग म रे मा
	०	३	×	२

आगे अलाप खाली से शुरू होते हैं।

(६)	हां ऽ ऽ रि	तु म सों –	रे ग म नी	ध – प –
	×	२	०	३
	म ग – मंम	रे – सां –		
	×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) हा ऽ ऽ रि | तु म सों ऽ | पध पप सां – | रें सा – सां – |

× २ ० ३

सां ध – प | मग म रे सा |

× २

(८) हा ऽ ऽ रि | तु म सों – | पध पप सांधां रें | – सां रें गं |

× २ ० ३

मं रें – सां | धप गम रे सा |

× २

अंतरे के आलाप

(१) जा वो जा वो | तु मि स न | सां – – – | सां रें – सां |

० ३ × २

(२) ,, ,, | ,, ,, | सां रें – सां | पध पप सां – |

० ३ × २

(३) जा वो जा वो | सां रें गं मं | रें – सां – | पसां सांरें – सां |

० ३ × २

स्थाई की बोलतानें ।

(१) बा ऽ र बा | ऽ र क हि | प़ सा सा सा | – रे सा सा |

बा ऽ र बा | ऽ र क हि

० २ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२)

बा ऽ र बा	ऽ र क हि	रेग म रे मग	म रे सा सा
		बा ऽ ऽ र बा ऽ	ऽ र क हि
०	२	×	२

(३)

,, ,,	,, ,,	पध पप रे ग	म प ग म
		ना ऽ ऽ ऽ र बा	ऽ र क हि
०	२	×	२

(४)

बा ऽ र ऽ	रेग म नीं ध	प – गम प	– रे सारे सासा
	बा ऽ ऽ ऽ र	ऽ ऽ बा ऽ ऽ	ऽ र क ऽ हि ऽ
०	२	×	२

(५)

पध पप प सां	– सां रें सां	सांरें सांसां ध प	गम रे सा –
बा ऽ ऽ र बा	ऽ र क हि	हा ऽ ऽ ऽ ऽ रि	तु ऽ म सों ऽ
०	२	×	२

(६)

रेग मप गम रे	गम प प सां	रें सां – सांसां	धप गम रे सा
बा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ र	बा ऽ ऽ र क	ऽ हि ऽ हा ऽ	ऽ रि तु ऽ म सों
०	२	×	२

(७)

प- पसां -सां रेंसां	गंमं रेंसां -रें सां	प रेंसां ध प	गम रेसा -रे सा
बा ऽ र बा ऽ र हि	हा ऽ रि तू ऽ म सों	का हे ना मा नो	हम रि ब ऽ ति यां
०	२	×	२

(८)

मरे साप रेग मप	गम नीध पप गम	पसां -सां रें सां	सांध पग मरे सा
बा ऽ र बा ऽ र क हि	हा ऽ ऽ रि तुम सों ऽ	काहे ऽना मानो	हम रि बऽ तियां
०	२	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की तानें

(१)	बा ऽ र् बा	ऽ र कऽ हि	पुपु सासा रेरे सासा
	०	२	×
			धुनी पुपु सासा रेसा
			२
(२)	" "	" "	पुपु सासा रेरे सासा
	०		×
			रेग मग मरे सासा
			२
(३)	" "	" "	सारे सासा रेग मप
	०	२	×
			मग मरे सारे सासा
			२
(४)	" "	" "	रेग मनी धपु रेग
	०	२	×
			मप मग मरे सासा
			२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) बा ऽ र बा | ,, ,, | रेग मप पप सांसां |
०   २   ×
| धप मग मरे सासा |
२

(६) ,, ,, | सारे सासा मरे सासा | पप गम रेसा रेग |
०   २   ×
| मनी धप गम रेसा |
२

(७) ,, ,, | रेग मप पध पर | सांसां धप रेंसा धप |
०   २   ×
| नीध पप गम रेसा |
२

(८) ,, ,, | रेग मरे सासा पसां | रेंसां धप रेंगं मरें |
०   २   ×
| सांसां धर गम रेसा |
२

(९) सारे सासा रेसा पध | पप धप गम रेसा | पध पप सांरें सांसां |
०   २   ×
| पध पप गम रेसा |
२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१०) रेग मरे सासा पसां | रेंसां धप रेंगं मंरें | सांसां रेंसां सारें सांसां |
० २ ×
| धप धप गम रेसा |
२

(११) रेग गम मप गम | रेसा पध धप पसां | रेंसां मंमं रेंसां धप |
० २ ×
सांध पग मरे सा |
२

राग कामोद

राग २

यह राग कल्याण भाट से उत्पन्न होता है। इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है परन्तु तीव्र मध्यम आरोह में रेप, मंप, इस प्रकार लिया जाता है। परंतु आजकल, तीव्र मध्यम, केवल कण स्वरुप से लेने का प्रघात पाया जाता है। निषाद का प्रयोग अल्प है। इसका वादी स्वर पंचम और संवादी ऋषभ है। इसके गायन का समय रात्री का प्रथम प्रहर है। अवरोह में गांधार वक्र है। इसकी रे प संगती शक्तिदायक है। जाती वक्र संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वरुप

सारेप, पधप, सां, सांनीध, प, मंप, गम, रेसा।

पकड़

रेप, मे, धप, गमप, गम रेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वर विस्तार

(१) सा, नी, ध़, प़, ध़प़सा, सारे, सा, गमप, गम, रेसा ।
(२) सारे, सा, ऩीध़, प़ सा, सारेप, गमप, गम रेसा ।
(३) सामरेसा, रेसा, पगमरेसा, गमधप, गमरेसा ।
(४) सा, मरेप, धधप, सांधप, धप, गमप, गमधप, गमरेसा ।
(५) सारेप, पधप सां, सांरेंसां, सांधप, गमधप, गमप, गमरेसा ।
(६) मरेसा, पगमरेसा, गमधप, गमरेसा, सांधप, गमप, गमरेसा ।
(७) रेप, धपसां, सांरेंसां, गंमंरेंसां, सांरेंसांसां, धप, गमरेसा ।
(८) सारेप, गमरेसारेप, गमधप, गमरेप, सांरेंसांसांधप, गमरेसा ।
(९) सारेसासा, ममरेसा, पपगमरेसा, सारेपपधमप, गमरेसा ।
(१०) सारेपपधप सांसांधप गमप गमरेसा, मंमंरेंसांसांधपगमरेसा ।

राग कामोद

झपताल

गीत १

गोरे बदन पर शामा चिटोना, तिलक भाल और बूंदन माई ।
गोरे गोरे कर जामे, हरि हरि चुरियां, पाछे गजर और बूंदन माई ॥

स्थायी

(म)रे	—	(रे)प	—	प	प	प	(प)म	प
गो	ऽ	रे	ऽ	ब	द	न	प	ऽ
×		२			०		३	
(मे)प	—	धनी		सांध	प	धप	ग	म
शा	ऽ	मा ऽ		ऽ धि	टो	ऽ ऽ	ना	ऽ
×		२			०		३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म		मँ					नी		
रे	प	प	—	ग	म	रे	सा	—	सा
ति	ल	क	ऽ	भा	ऽ	ल	औ	ऽ	र
X		२			०		३		

म							म		
रे	प	ध	प	सां	ग	म	सा	रे	मा
हूँ	ऽ	ऽ	द	ऽ	न	ऽ	मा	ऽ	ई
X		२			०		३		

अंतरा

प	प	सां	—	सां	सां	सां	सां	—	सां
गो	रे	गो	ऽ	रे	क	र	जा	ऽ	मे
X		२			०		३		

सां	सां	ध			नी	नी	सा	नी	
प	ध	सां	—	रें	सां	सां	ध	प	—
ह	रि	ह	ऽ	रि	चु	रि	यां	या	ऽ
X		२			०		३		

मं		रें							
रें	—	पं	—	गं	मं	रें	सां	—	सां
पा	ऽ	छे	ऽ	ग	ज	र	औ	ऽ	र
X		०			२		३		

प							म		
रे	प	ध	प	सां	ग	म	सा	रे	सा
हूँ	ऽ	ऽ	द	ऽ	न	ऽ	मा	ऽ	ई
X		२			०		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग कामोद

तीनताल मध्यलय

गीत २

छांड दे मोरा अंछरा घर जाने दे मैंको, देखत सब लुगवा।
अबकी बेर मोहे जाने दे सब रंग बल जाऊं तोरे मितवा॥

स्थाई

					०		रे								
				सा	—		रे	प	—	—	—	ग	म	ध	प
				छां	ऽ		ड	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रा
								×				२			
					रे			नी नी							
गम	पम	रे	सा	म	रे	प	प	सांसां	रेंसां	ध	प	ग	म	ध	प
अं	ऽ	ऽऽ	छरा	घ	र	जा	ने	देऽ	ऽऽ	मैं	को	दे	ऽ	ख	त
०				३				×				२			
	म मं														
ग	म	पप	धप	मरे											
स	ब	कुऽ	गऽ	वाऽ											
०				३											

अंतरा

प	प	प	सां	—	सां	सां	सां
अ	ब	कि	बे	ऽ	र	मो	हे
×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	सां							सां	गां			सां			
ध	ध	सां	रें	सां	सां	ध	प	रें	रें	सां	—	ध	—	प	—
जा	ने	दे	ऽ	स	ब	रं	ग	ब	ल	जीं	~~री~~	ऊं	ऽ	तो	ऽ
०				३				×				२			

		मे	मे	
ग	म	पप	धप	मरे
रे ऽ	मि ऽ	त	ऽ	वा ऽ
०				

राग कामोद

ध्रुपद (चौताल)

गीत ३

सज सिंगार चलि पिया पास, सुन जरद सौतें भई जात।
मंद मंद मुसकात, गेंद जैसी चलत चाल, मधुर मधुर करत बात ॥

स्थाई

			म								
सा	सा	सा	रे	प	प	प	ध	प	प	सां	—
स	ज	सिं	गा	ऽ	र	च	लि	ऽ	पि	यां	ऽ
×		०		२		०		३		४	

	सां								
सां	ध	प	प	प	ध	ध	प	मं	रे
पा	ऽ	स	सु	न	ज	र	द	सौ	ऽ
×		०		२		०		३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(रे)प	ध
तें	ऽ
४	

प	म	रे	सा	सा	(म)रे	प	–	(प)ग	म
भ	ई	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३	

रे	सा
त	ऽ
४	

अंतरा

प	–	प	सां	–	सां	सां	सां	रें	सां
मं	ऽ	द	मं	ऽ	द	मु	स	ऽ	का
×		०		२		०		३	

–	सां
ऽ	त
४	

सां	–	सां	(गं)रें	मं	रें	सां	सां	रें	सां
गें	ऽ	द	जे	ऽ	सि	च	ल	त	गा
×		०		२		०		३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध	प
ऽ	ल
४	

						प			प
सां	म	रें	सां	ध	प	ग	म	प	ग
प	धु	र	म	धु	र	क	र	त	बा
X		०		२		०		३	

म	रे
ऽ	त
४	

राग कामोद

एक ताल मध्यलय

गीत ४

मोरि नइ लगन लागिरे, तुमसे मोंमद सा पियारे,
सुमिरन करत रहत, निसदिन घडिपल छिन ।
हूं तो तेहारि बाट तकत हूं सौने ना देत,
याद तोरी निसदिन मोरि नइ लगन लागोरे ॥

स्थाई

म	रे	प	–	ध	प	ग	म	रे	सा
ला	गि	रे	ऽ	मो	हि	न	इ	ल	ग
X		०		२		०		३	

–	सा
ऽ	न
४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म	रे	प	–	ध	ध	प	–	–	ध
ला	गि	रे	ऽ	तु	म	से	ऽ	ऽ	म
×		०		२		०		३	४

ग	–	म	ध	प	–	गम	प	ग	रे
सा	ऽ	ऽ	पिं	या	ऽ	रेऽ	ऽ	सु	र
×		०		२		०		३	४

ध	सा	ध	सा	सा	सा	सा	सा	म	ग
क	र	त	र	ह	त	नि	स	दि	व
×		०		२		०		३	४

ध	प	ग	म	ध	प	ग	म	रे	–
प	ल	छि	न	मो	रि	न	ह	ल	ऽ
×		०		२		०		३	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

प	–	–	सां	–	सां	सां	रें	–	सां
हूं.	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ते	हा	ऽ	ऽ	रि
×		०		२		०		३	

–	–
ऽ	ऽ
४	

ध	ऽ	–	सां	–	रें	सां	सां	–	ध
बा	ऽ	ऽ	ट	ऽ	त	क	त	ऽ	हूं
×		०		२		०		३	

प	–
ऽ	ऽ
४	

म	म	रे	सा	–	सा	^म रे	–	प	–
सो	ने	ना	दे	ऽ	त	या	ऽ	द	ऽ
×		०		२		०		३	

म'	प
तो	रे
४	

ध	प	ग	म	ध	प	ग	म	रे	सा
नि	स	दि	न	मो	रि	न	इ	ल	ग
×		६		२		०		३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| – सा |
| ऽ न |
| ४ |

"छांड दे मोरा अंछरा"

इस गीत के आलाप तानें

स्थायी के आलाप

(१) ऽ छां ऽ ड | दे ऽ ऽ ऽ | सा – ध़ प़ | सा रे – सा | –
३ × २ ० ३

(२) „ „ | „ „ | म रे – सा | – ध प सा | –
३ × २ ० ३

(३) „ „ | „ „ | म रे प – | ग म रे – | सा
३ × २ ० ३

(४) ऽ छां ऽ ड | ग म रे सा | – म रे प | – – गम रे | सा
३ × २ ० ३

(५) „ „ | सा रे प – | ग म ध प | ग म रे – | सा
३ × १ ० ३

(६) ऽ ऽ मो रा | अं ऽ छ रा | पध पप सां – | रें – सां – |
२ ० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध प ग म | ध प गम रे | सा
२ ० ३

(७) ऽ ऽ मो रा | अं ऽ छ रा | म रे सा – | प ग म रे |
२ ० ३ ×

सा रेंसां ध प | ध प गम रे | सा
२ ० ३

(८) ऽ ऽ मो रा | अं ऽ छ रा | पध पप सां – | मं रें सां धप |
२ ० ३ ×

सां ध प – | गम धप ग म | रेसा
२ ० ३

अंतरे आलाप

(१) अ ब कि बा | ऽ र मो हे | सां – – – | ध प सां – |
× २ ० ३

(२) ,, ,, | ,, ,, | सां रें – सां | पध पप सां – |
× २ ० ३

(३) ,, ,, | मं रें सां – | गं मं रें सां | पध पप सां – |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोल तानें

(१) ऽ छां ऽ ड | दे ऽ ऽ ऽ | म रे सा सा | प सा सा रे | सा
| | | छां ऽ | ड दे | मो रा अं छ | रा
३ × २ ० ३

(२) ,, ,, | ,, ,, | पध पप सा रे | सा धप गम रे | सा
| | छां ऽऽऽ ड दे | ऽ मोरा अं ऽ छ | रा
३ × २ ० ३

(३) ,, ,, | ,, ,, | पध पप सां रें | सां धप गम रे | सा
| | छां ऽ ऽ ऽ ड दे | ऽ मोरा अं ऽ छ | रा
३ × २ ० ३

(४) ,, ,, | ,, ,, | ग म ध प | धप सांध –प गम | रेसा
| | छां ऽ ड दे | मो ऽ ऽ रा ऽ ऽ अंछ | रा

(५) सा मरे प – | ध प पसां – | रें सां सांमां मंसां | –रें रां धप गम | रेसा
छां ऽ ड दे ऽ | मो रा अं ऽ ऽ | छ रा घ र जा ऽ | ऽने दे घर जाऽ | नेदे
३ × २ ० ३

(६) पसां सां रें सां | गंमं रें सां रेंसां –ध | प गम रेसा –रे |
घ र जा ने दे | दे ऽ ख त स ऽ ऽ ब | ऽ लुग वाछां ऽड |
× २ ०

पसा –रे पसा –रे | प
दे छां ऽड दे छां ऽड | दे
×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) पध पसां –रें सां | गंमं रें सां रें सां धध | प गम रेप –रे |
घऽ रजा ऽने दे | दे ऽ खत सब लुग | वा छांऽ डदे ऽछां |
× २ ३
| मरे प –सा –रे | प
ऽड दे ऽछा ऽड |
×

स्थायी की ताने

(१) ऽ छां ऽ ऽ | दे ऽ ऽ ऽ | पृधृ पृपृ सासा रेरे |
३ × २
| सासा गम रेसा रेरे | सासा

(२) ,, ,, | ,, ,, | सासा रेरे सासा गम |
३ × २
| रेसा पप गम पग | मरे
० २

(३) ,, ,, | ,, ,, | सारे पप धप सांसां |
३ × २
| धप गम धप गम | रेसा
० ३

(४) ,, ,, | ,, ,, | पध पप सांसां धप |
३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ऽ छां ऽ ड | साम रेप मध पप | गम पग मरे सा |
३ × २
| पसां सांरें सांसां धप | गम
० ३

(६) ऽ छां ऽ ड | साम मरे रेप धप | पध पप सांसां रेंसां |
३ × २
| मंमं रेंसां धप गम | रेसा
० ३

(७) सारे साम रेसां, रेम | रेप मरे, रेप मध | पप, पसां सांरें सांसां |
३ × २
| मंमं रेंसां धर मम | रेसा
० ३

(८) मप मप मम रेसा | पध पध गम गप | गम रेसा, सांरें सांसां |
३ × २
| सांध पध पध गम | रेसा
० ३

(९) सारे सा,सा रेसा गम | रेसा पध प,प धप | गम धर गम रेसा |
३ × २
| सांरें सां,सा रेंसां धप | म
० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१०) मम रेंसा पप गम | रेंसा सांसां धप गम | रेंसा पप पसां सांसां |
३ × २

| मंमं मंरें सांसां धंप | गम
० ३

राग गौडसारंग

यह राग कल्याण थाट से उप्पन्न होता है । इसका चलन वक्र है । इसमें सभी स्वर लगते हैं इसलिये इसकी जाति वक्र सम्पूर्ण है । इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है । तीव्र मध्यम गरे मंग, पमंप, इस प्रकार आरोह में दो पंचम के बीच में होता है । गांधार और निषाद अवरोह में वक्र हैं । गरेमग इस स्वर वाक्य से यह राग स्पष्ट होता है । वादी गांधार और संवादी धैवत है । इसका गाने का समय दिन का द्वितीय प्रहर है ।

आरोहावरोह स्वरुप

सा, गरेंमग, पमंप, धप नीध सां ।

सां धनी प, मग, मरें गरे मग, परे, सा ।

पकड़

सा, गरेंमग, परे, सा ।

(१) सारेसा, गरेमग, पमंप, गमगरे, मग, परे, सा ।
(२) सारेसा, गरेमग, पधमप, गमंगरे मंग, परे,सा ।
(३) सामग, रेगरेमग, नीधनीप, मंरमग, प, रे, सा ।
(४) प, रेसा, गरेमग, परे, सा, नीधनीप, गरेमग, परे,सा ।
(५) पपंसां, सांरें, सां, नीधनीप, रेंसां, नीधनीप, मग, परे, सा ।
(६) पधरप सां, सांरेंसां, गरेंमगं, मंरेंसां, नीधनीप, गरेंमग, परे, सां ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) पपसां, सांरेंसां, गंरेंमंगंपंरेंसां, सांरेंसांसां, नीधनीप, मग,परेसा।
(८) परे, सा, धप, नीधनीप, सांनीरेंसां गंरेंमंगं, गरेमग पपरे, सा।
(९) सारेसासा, गरमगपरे, सा, नीधनीपधपप, गरेमगपरे, सा।
(१०) पपसांसांरेंरेंसांसां, गंरेंमंगंमंरेंसांसां, नीधनीपधपप, गरेमगपरे, सा।

राग गौडसारंग

तीन ताल (मध्य लय)

गीत १

लाल गोपाल पिया में डेरे घर आइयावे, सखी सहेलि मिल देंदी बधाइयां वे।
साथ सखी सिल मंगल गावो सदारंगनु मिल देंदि दुआइयां वे॥

स्थाई

								ग	ग	ग					
−	ग	रे	म	ग	रे	नी	सा	रे	रे	रे	ग	मग	पमं	धप	म
ऽ	ला	ल	गो	पा	ल	पि	या	में	डे	रे	घ	र	ऽ	आइ	यां वे
०				३				×				२			
ग	सा	म	ग	प	प	प	प	मंप	धनी	सां	ध	प	पमं	धप	मग
ऽ	स	खी	स	हे	लि	मि	ल	दें ऽ	ऽऽ	ऽ	हि	ब	धाइ	यांऽ	वेऽ
०				३				×				२			

अंतरा

प	−	प	प	सां	−	सां	सां	सां	−	सां	सां	सां	रें	सां	−
सा	ऽ	थ	स	खी	ऽ	मि	ल	मं	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	वो	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा म ग प	– प प –	मंप धनी सां धप	प पमं धप मग
व हा ऽ रं	ऽ ग नू ऽ	दें ऽ ऽ ऽ दी ऽ	दु आइ यां ऽ वेऽ
०	३	×	२

राग गौडसारंग

एकताल (मध्य लय)

गीत २

दर दी तना तनों तन देरेना तदारे दानी तदानी।
ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे दिर दिर तों, तननितदारे दानी
दिर दिर तों तननननन नितारे तारे दानो॥

स्थाई

		नी सा	ग रे
		द र	दीं ऽ
		३	४
ग	– ध	प ध	मं प
ना	ऽ त	नों ऽ	त न
	०	०	०
		ग म	रे म
		दे रे	ना त
			४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग	म	रे	सा	रे	नी	रे	सा
दा	रे	दा	नी	त	दा	ऽ	नी
×		०		२		०	

अंतरा

म	म	प	–	प	प	सां	ध
ना	द्रे	द्रे	ऽ	तु	द्रे	द्रे	ऽ
×		०		२		०	
				सां	सां	सां	–
				दिर	दिर	तों	ऽ
				३		४	

ध	नी	सां	रें	सां	नी	ध	प
त	न	नि	त	दा	रे	दा	नी
×		०		२		०	
				मम	मम	पप	पप
				दिर	दिर	दिर	दिर
				३		४	

सां	–	सां	नी	ध	प	मं	प
तों	ऽ	त	न	न	न	न	न
×		०		२		०	
				म	ग	म	रे
				ति	ता	ऽ	रे
				३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग –	म रे	नी रे	सा –
ता ऽ	ऽ रे	दा ऽ	नी ऽ
X	०	२	०

राग गौडसारंग

तीनताल (मध्यलय)

गीत ३

पियु पलन लागी मोरी अखियां आलि बिन पियु मोरा
जिवा घबरावे चैन नाहि आवे घड़ि पल छिन दिन रैन ।
बीर पथकवा लेजा संदेसवा पियासन कहिये
हमरि बिथा तुमरे दरसको बिरहा ॥

स्थाई

		प	
	पध ऽंप	ग म रे सा	– रे नी सा
	पि ऽ यू ऽ	प ल न ला	ऽ गि मों रि
		०	३
रे		प	
ग रे म –	ग – पध मंर	ग म रे सा	– रे नी सा
अ खि यां ऽ	ऽ ऽ ऽ यु ऽ	प ल न ला	ऽ गि मो रि
X	२	०	३
सा	सा	प	
ग रे म म	सा सा म ग	प प सां रें	नी सां ध प
अ खि यां ऽ	आ लि बि न	पि यु मो रा	जी या घ ब
X	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पध पमं म ग	गम प – रे	सा रे ऩी सा	प ध मे प
राऽ ऽऽ वे ऽ	चैऽ ऽ ऽ न	न हि आ ये	घ डि प ल
×	२	०	३

ऩी

ग म रे म	ग सा रे सा	ग म रे सा	– रे ऩी सा
छि न दि न	ऽ रै ऽ न	प ल न ला	ऽ गि मो रि
×	२	०	३

अंतरा

		प – प प	प प नी ध
		बी ऽ र प	थ क वा ऽ
		०	३

सां सां – सां	सां रें सां –	सां रें गं रें	सां रें सां –
ले जां ऽ सं	दे स वा ऽ	पि या स न	क हि ये ऽ
×	२	०	३

रे

ग ग म धप	म ग रे ग	रे म ग रें	सा – प प
ह म रि विऽ	था ऽ तु म	रे द र स	को ऽ बि र
×	२	०	३

मंप धनी सांरें सांसां	धप मग रेसा ऩी सा	ग म रे सा	– रें ऩीं सा
हाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ	प ल न ला	ऽ गी मो रि
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'लाल गोपाल पिया' इस गीत के आलाप और तानें

स्थाई के आलाप

(१)	ऽ ला ल गो	पा ल पि या	सा – – नी	धनी प – सा	–
	०	२	×	२	०
(२)	" "	" "	सा – – –	ग रे म ग	–
	०	२	×	२	०
(३)	" "	" "	सा रे – सा	म ग प रे	सां
	०	२	×	२	२
(४)	" "	" "	सा ग रे म	ग प रे –	सा
	०	२	×	२	०
(५)	ऽ ला ल ऽ	रेसा सासा ग –	रे म ग –	धनी प मग परे	सा
	०	२	×	२	०
(६)	" "	सा गरे म ग	पनी पनी मध पप	गम प रे –	सा
	०	२	×	२	
(७)	" "	सा मग प –	धनी प सांनी धनी	प – मग परे	सा
	०	२	×	२	०
(८)	मैं हे रे ध	र आऽ याऽ वे	पध पप सां –	सां रें सां –	
	×		०	३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी धनी प – | मंग प रे – | सां
× २ ०

(९) में डे रे ध | र आऽ याऽ वे | पसां सांरें – सां | गं रें मं गं |
× २ ०

मं रें सां धप | म गं प रे | सां
× २ ०

(१०) में डे रे ध | र आऽ याऽ वे | गरे मग प रे | सा नीध पध पगं |
× २ ० ३

सां गंरें मंगं मंरें | सां धपं मगं परे | – सा
× २ ०

अंतरे के आलाप

(१) सा ऽ थ स | खी ऽ मि ल | सां – – – | पध पप सां – |
० ३ × २

(२) ,, ,, | ,, ,, | सां रें – सां | नीध पध पप सां |
० ३ × २

(३) ,, ,, | ,, ,, | सां गंरें मं गं | मं रें – सां |
० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४)	मं ऽ ग़ ल	गा ऽ वो ऽ	पध पप सांरें सांसां	गं रें मं गं
	०	३	×	२
	पं रें – सां	पध पप सां –		
	०	३		

स्थाई की बोलतानें ।

(१)	ऽ ला ल गो	पा ल पि या	प़ ध़ प़ सा	सा रे(ग) रे(ग) सा
			में डे रे ध	र आ या वे
	०	३	×	२
(२)	,, ,,	,, ,,	सा रे सा मप	धप म ग रे
			में ऽ ड रेऽ	रऽ आ या वे
	०	३	×	२
(३)	,, ,,	,, ,,	पध प प प	से सारे सा सा
			में ऽ डे रे ध	र आऽ या वे
	०	३	×	२
(४)	,, ,,	,, ,,	पध प प सां	सां पध पप मग
			में ऽ डे रे ध	र आऽ याऽ वेऽ
	०	३	×	२
(५)	में डे रे ध	र आऽ याऽ वे	सा म ग प	प ध प पनी
			ला ल गो पा	ल पिया में ऽ
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनी	पध	पप	म	ग	प	रे	सा	
डेऽ	रेऽ	ऽऽ	ध	र	आ	यां	वे	
×				२				

(६)	में	डे	रे	ध	र	आऽ	यांऽ	वे	पध	पर	सां	सां	रें	रें	सां	सां
									लाऽ	ऽऽ	ल	गो	पा	ल	पि	या
	×				२				०				३			

सां	गंरें	मं	गं	सांसां	धप	गरे	मग
में	डेरे	ध	र	आऽ	यांऽ	वेऽ	ऽऽ
×				२			

(७)	में	डे	रे	ध	र	आऽ	यांऽ	वे	मम	रेसा	मग	प	प	पनी	सांरें	सां
									लाऽ	लऽ	गोऽ	पा	ल	पीऽ	ऽऽ	या
	×				२				०				३			

सांगं	रेंमं	गंमं	रेंसां	सांनी	धप	मम	रेसा
मेंडे	ऽरे	धऽ	रऽ	आऽ	याऽ	वेऽ	ऽऽ
×				२			

(८)	में	डे	रे	ध	र	आऽ	यांऽ	वे	धप	मम	रेसा	पनी	धनी	पध	पप	सां
									लाऽ	लऽ	ऽऽ	गोऽ	ऽऽ	पाऽ	लपि	ऽ
	×				२				०				३			

सां	सांमं	गंमं	रें	सां	धप	मम	रेसा
या	मेंडे	रेध	ऽ	र	आऽ	यांऽ	वेऽ
×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की तानें

(१)	ऽ ला ल गो	पा ल पि या	प़ध़ प़प़ सासा रेसा	गरे मग परे –सा
	०	३	×	२
(२)	,, ,,	,, ,,	सासा गरे मग पमं	धप मग परे –सा
	०	३	×	२
(३)	,, ,,	,, ,,	साम गप धनी पप	गरे मग परे –सा
	०	३	×	२
(४)	,, ,,	,, ,,	पनी धनी पध पप	सांनी धप मम रेसा
	०	३	×	२
(५)	,, ,,	सासा गरे मग पनी	धनी पध पप मग	धप मग परे –सा
	०	३	×	२
(६)	,, ,,	मग मम रेसा पमं	धप मग परे –सा	सानी धप मम रेसा
	०	३	×	२
(७)	,, ,,	साम गप मंध पप	रेमां सांरें सांसां मंमं	रेसां धप मम रेसा
	०	३	×	२
(८)	में डे रे ध	र आऽ याऽ वे	गम परे –सा पनी	सांरें सांसां गंमं पंरें
	×	२	०	३
	–सां सांरें सांरें सांनी	धप गम परे –सा		
	×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) में डे रे ध	र आऽ याऽ वे	साम गप मेनी धनो	पध मप मग पसां
×	२	०	३

नीरें नीसां धप मग	धप गम परे –सा
×	२

(१०) में डे रे ध	र आऽ याऽ वे	रेग मग मप धप	पसां रेंसां रेंगं मंगं
×	२	०	३

मंरें सांसां रेंसां नीध	पध पम मरे सा
×	२

राग जयजयवन्ती

यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसका वादी स्वर ऋषभ और संवादी पंचम है। इस राग में दोनो गांधार और दोनों निषाद का प्रयोग किया जाता है। कोमल गांधार का प्रयोग एक विशेष क्रिया से, रेग॒रे इस प्रकार दो ऋषभ के बीच में किया जाता है। कोमल निषाद आरोह में ध़ नी॒ रे, इस प्रकार किया जाता है। यह राग रात्री के द्वितीय प्रहर के अन्तिम भाग में गाया जाता है। इसकी जाति वक्र संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रेग॒रेसा, नी॒ध़नी़रे, गमप, नींसां।

सानी॒धप, धगम, रेग॒रे, सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पकड़

रे ग रे सा, नी सा ध नी रे ।

स्वर विस्तार

(१) सा, रेसा, नीधप, परे, रेगरेसा, धनीरे ।

(२) सा, रेगरेसा, धनीरे, गमग, रेगरेसा ।

(३) नीसाधनीरे, गमप, धगमरेगरेसा, नीधप, रें ।

(४) रेगरेसा, रेगमग, रेगरेसा, मपधगम, रेगरेसा ।

(५) रेगमप, मपनीधप, रेगमपध, गम, रेगरेसा ।

(६) मपनीसां, नीसांधनीरें, रेंगंरेंसां, नीधपमग, रेगरेसा ।

(७) मपनीसांरें, सां, रेंगंरेंमां, नीधप, रें, सानीधप, मग, रेगरेसा ।

(८) मपनीसां, रेंगंरेंसां, रेंगंमंगं, रेंगंरेंसां, नीधपमग, रेगरेसा ।

(९) रेगरेसा, रेगमगरेगरेसा, रेगम, मगरेगरेसा, रेगमपधगम, रेगरेसा ।

(१०) मपनीसांरेंगंरेंसांनीधपमगमरेगरेसा, सांनीधपमग, रेगरेसा ।

राग जयजयवन्ती

झपताल

गीत १

आलि पीया आये मेरे बहुरिया, सूखभयो, कृपा कीनी मोपे कृष्ण माधो मुकुंद ।

बल बल जाऊ तुमरे बलैया दरस परस दृगन अतही आनंद ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

							—	सा	रे
							ऽ	आ	लि
							३		
(ग)रे	—	रे	—	गरे	रे	ग	ग	म	गम
पी	ऽ	या	ऽ	आऽ	ये	ऽ	मे	रे	ऽऽ
×		२			०		३		
म	(म)	ग	रे	ग॒	रे	—	सा	नीसा	रे
ब	हु	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	या	ऽऽ	ऽ
×		२			०		३		
रे	—	रे	ध़	नी॒	ध़	—	प़	—	—
सू	ऽ	ख	ऽ	ऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
नि़	प़	रे	रे	रेग—रे	ग	म	म	मप	प
कु	पा	ऽ	की	नीऽऽ	मो	पे	कु	ऽऽ	छु
×		२			०		३		
प	पध	गम	गरे	रेग	मपमम	—ग	रेग	रेसा	सारे
मा	ऽऽ	ऽऽ	ओऽ	ऽऽ	मूऽकूऽ	ऽऽ	ऽऽ	दऽ	आलि
×		२			०		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

म	म	प	नी	नी	सां	–	सां	–	–
ब	ल	ब	ऽ	ल	जा	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ
×		२			२		३		

म	प	नी	सां	सां	रें	धनीं	गम	रेग	रेसा
तु	म	रे	ऽ	ब	लैं	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	याऽ
×		२			०		३		

ग	ग	[रे] गं	–	म	मप	प	म	पसां	नी
ह	र	स	ऽ	प	रऽ	स	ह	गऽ	म
×		२			०		३		

[प] ध	प	म	[म म] ग ग	रे	मपमम	–ग	रेग	रेसा	सारे
म	त	ही	ऽऽ	ऽ	आऽनंऽ	ऽऽ	ऽऽ	दऽ	आलि
×		२			०		३		

राग जयजयवन्ती

तीनताल मध्यलय

गीत २

बिनकी का करिये बात जो पिया के हस-रस गरवा लागे ।
अपनी मैं का करुं बातरी सजनी पूछत वाही सब रंग पिया बित बाते ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

	ग	ग								म					
ध़	नी	रे	–	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	ग	रे	सा	–
वि	न	कि	ऽ	का	ऽ	क	रि	ये	ऽ	ऽ	बा	ऽ	त	जो	ऽ
०				३				×				२			
प़	प़	रे	रे	रे	ग	म	प	ध	मग	–	मग	रे	ग	रे	सा
पि	या	ऽ	के	ह	स	र	स	म	रऽ	ऽ	बाऽ	ला	ऽ	गे	ऽ
०				३				×				२			

अंतरा

		प													
म	प	नीप	नी	सां	–	सां	सां	नी	–	सां	रें	ध	नी	(नी)	प
अ	प	नीऽ	मै	का	ऽ	क	रु	बा	ऽ	त	रि	स	ज	नी	ऽ
०				३				×				२			
प															
प	रें	रें	नी	सां	रें	नीध	नी	ध	ग	म	रेग	रे	नीसां	रेसा	नीध
पू	छ	त	ना	हि	स	बऽ	रं	ग	पि	या	बिऽ	न	बाऽ	ऽऽ	तेऽ
०				३				×				२			

राग जयजयवन्ती

तीनताल मध्यलय

गीत ३

मोरे पिया की संदेसवा, कैसे आऊ सजनी रजनी भोरभई।
बाट विकट भई है निकटी साव। की झर लाग रही॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

नी सा | म ग – रे | सा ध – नी |
मो रे | पि या ऽ को | सं ऽ स |
० २

ग ग ग ग
रे – रे ग | रेग मप म ग | रे रे रे ग | रे नी सा – |
वा ऽ कै से | आऽ ऽऽ ऊ ऽ | स ज नी ऽ | र ज नी ऽ |
X २ ० ३

नीसा रेग म रे | नी ध
भोऽ ऽऽ र् भ | ई ऽ
X २

अंतरा

| म प नी नी | सां नी सां सां |
| बा ऽ ट बि | क ट भ ई |
० ३

नी सां रें गं | रें नी सां – | सां – नी ध | प म ग मग |
है ऽ ऽ ऽ | नि क टी ऽ | सा ऽ व न | कि ऽ झ रऽ |
X २ ० ३

म रेम ग रे | सां –
ऽ लाऽ ग र | ही ऽ
X ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग जयजयवन्ती

ताल—धमार

गीत ४

शामा शामासो हौरी खेलत आज नई,
नंद नंदन की राधे कीनो, माधव आप भई।
सखा सखि भये, सखि सखा भई, यशु मति भवन गई,
बाजत ताल मृदंग झांज डफ, नाचत थई थई ॥

स्थाई

ग ग ग			
रे रे रे रे प	म गरे	रे ग रेसा	नी़ सा ध़ नी
शा ऽ म शा ऽ	म सोऽ	हो ऽ रीऽ	खे ऽ ल त
×	२	०	३
नी़ सा रे ग रे	रे सा	नी़ सा नी	ध़ नी ध़ प़
आ ऽ ऽ ऽ ज	न ई	न ऽ न्द	न ऽ न्द न
×	२	०	३
म़ प़ – नी़ सा	सा –	रेनी़ सा सा	ध़ नी रे रे
को ऽ ऽ रा ऽ	धे ऽ	कीऽ ऽ नो	मा ऽ ध व
×	२	०	३
	ग	ग ग	
रे म प ध म	ग रे	रे रे गरे	नी़ सा ध़ नी
आ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ प	भ ई ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

म प नी सां सां	सां सां	नी सां रें	रें गं रें सां
स खा ऽ स खि	भ ये	स खि स	खा ऽ भ ई
X	२	०	३
सां नी ध ध नी	ध प	म ग रे	ग रे नी सा
य शु म ति ऽ	भ व	न ग ई	ऽ ऽ ऽ ऽ
X	२	०	३
नी सा रे सा सा	ध धनी	(ग) रे – रे	रे गरे नी सा
ना ऽ च त ला	ऽ लमृ	दं ऽ ग	झां ऽज ड फ
X	२	०	३
सां रें सां नी ध	नी ध	ग म ग	नीं सा ध नी
ना ऽ च त थै	ऽ ऽ	थै ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
X	२	०	३

'बिनकी का करिये' इस गीप के आलाप और तानें

स्थायी के आलाप

(१)	बि न की ऽ	सा – नी ध	प – ध नी	रे – – सा
	०	३	X	२
(२)	,, ,,	नी सा ध नी	रे – – –	ग रे – सा
	०	३	X	३
(३)	,, ,,	रे ग म –	ग – रे ग	रें – – सा
	०	३	X	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ,, ,, | रे ग म प | - ध ग म | रे ग रे सा |
० ३ × २

(५) ,, ,, | रेग म नी ध | प - ध ग | म रेग रे सा |
० ३ × २

(६) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप की सां - | नी ध प - |
० ३ × २

ध ग - म | रेग रे सा - |
× २

(७) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप नीसां रें - | सां - रें गं |
× २ ० ३

रें सां नीध पम | गम रेग रे सा |
× २

(८) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | ग म रे गरे | सा ध ग म |
× २ ० ३

नीध प ध ग | म रे गरे सा |
× २

(९) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप नीसां रें - | गं मंगं रें गं |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रें सां नीध पम | गम रे गरे सा |
× २

अंतरे के आलाप

(१) अ प तोऽ मै | का ऽ क रु | सां – – – | ध नी रें सां |
० ३ × २

(२) „ „ | „ „ | ध नी रें – | रें गं रें सां |
० ३ × २

(३) „ „ | मप नीसा रें – | रें ग ध नी | प नीसां रें सां |
० ३ × २

(४) „ „ | नी सां ध नी | रें रेंगं मं गं | रें गं रें सां |
० ३ × २

स्थाई की बोल तानें

(१) बि न की ऽ | का ऽ क रि | रे रे सा नीसा | रेध – नी प |
क रि ये बाऽ | ऽऽ ऽ त जो |
० ३ × २

(२) „ „ | „ „ | रे रे सा धनी | प परे रे – |
क रि ये बाऽ | ऽ तऽ जो ऽ |
० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३)	,, ,,	,, ,,	म ग रे रेग	रें सारे नी सा
			क रि ये बाऽ	ऽ तऽ जो ऽ
	०	३	×	२

(४)	,, ,,	प ग रे नीसा	रेध नी प रे	ग म रेग रेसा
		बि न कि काऽ	ऽक री ये बा	ऽ ऽ तऽ जोऽ
	०	३	×	२

(५)	,, ,,	ग म प गम	रेग रे सा नीसा	रेध नी प रे
		वि न कि काऽ	कऽ रि ये बाऽ	ऽऽ ऽ त जो
	०	३	×	२

(६)	,, ,,	मप नीसां रें –	नीं सां नीध पम	गम परे गरे सा
		विन किऽ ऽ ऽ	का ऽ करि येऽ	बाऽ ऽऽ ऽत जो
	०	३	×	२

(७)	ये ऽ ऽ बा	ऽ त जो ऽ	गम रग –म रेग	रेसा परें रें गंमं
			विन किका ऽऽ करि	येऽ विन कि काऽ
	×	२	०	३

रेंगं रेंसां धनी धप	धग मरे गरे सा
करि येऽ बाऽ तजो	बाऽ ऽऽ ऽत जो
×	२	

(८)	ये ऽ ऽ बा	ऽ त जो ऽ	मप नीसां नीसां धनी	रें –रें गरें सां
			विन किऽ काऽ करि	ये ऽजा ऽत जो
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सांनी	धप	मप	धरे	गम	धनी	पप	रेरे	
हस	रस	गऽ	ऽर	ऽऽ	वाऽ	ऽला	ऽगे	
×				२				

स्थायी की तानें

(१)	वि	न	की	ऽ	का	ऽ	क	रि	सानी	धध	धनी	रेरे	नीसा	रेग	रेसा	नीसा
	०				३				×				२			
(२)	,,		,,		,,		,,		नीमा	रेग	रेसा	रेग	मग	रेग	रेसा	नीसा
	०				३				×				२			
(३)	,,		,,		,,		,,		रेग	मग	रेग	रेमा	पग	मग	रेग	रेसा
	०				३				×				२			
(४)	,,		,,		,,		,,		रेग	मप	नीध	पम	गम	रेग	रेसा	नीसा
	०				३				×				२			

(५)	,,	,,	नीध	पध	गम	रेग	रेसा	मप	नीसां	नीध	पम	गम	रेग	रेसा
	०		३				×				२			
(६)	,,	,,	मप	गम	रेग	रेसा	मप	नीसां	रेंरें	सांनी	धप	मग	रेग	रेसा
	०		३				×				२			
(७)	,,	,,	नीसा	रेसा	मप	धप	मग	नीसां	रेंसां	नीध	गम	गम	रेग	रेसा
	०		३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | रेंग म,ग मप मप | ध,ग मप गम रेग

× २ ० ३

रेसा नीसां रेंसां नीध | पम गम रेग रेसा |

× २

(९) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप मप गम रेग | रेसा सांरें सांरें नीसां |

× २ ० ३

नीसां नीध पम पम | गम गम रेग रेसा |

× २

(१०) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मग रेग रेसा मप | नीसां नीसां रेंग रेंग |

× ३ ० ३

रेंसां नीसां नीसां नीध | पम गम रेग रेसा |

× २

राग पूर्वी

यह राग पूर्वी थाट से उत्पन्न होता है। इसके ऋषभ व धैवत कोमल होकर इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है। बाकी के सब स्वर शुद्ध हैं। शुद्ध मध्यम का उपयोग जैसे 'साग' 'मग' अथवा 'रमे गमग', इन दो स्वर वाक्यों में सीमित है। तीव्र मध्यम आरोह अवरोह दोनों में आता है। वादी स्वर गांधार और संवादी निषाद है। इसके गायन का समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, नीरेगमे, धनीसां । सांनीधप, मंगमग, मंगरेसा ।

पकड़

नीरे, गमग, पमे गमे गरेसा

स्वर विस्तार

(१) नीरेसा, गरेसा, नीरेनीधप, मेधनीसा ।

(२) नीरेग, मंगरेसा, नीरे, गमग, मंप, मंग, रेसा ।

(३) नीरेगमेप, धप, धमेपमंगमग, मंधमंमरेसा ।

(४) नीरेगमंप, मेधप, मंधनीधप, धमंपमंगमेग, रेसा ।

(५) नीरेगमेप, मंधनीधप, मेधमे, सां, नीधप, मंगरेसा ।

(६) मेधसां, नीरेंसां, नीरेंगंरेंसां, नीरेंनीधप, मंगरेसा ।

(७) नीरेगमेधनीसां, मंधमेसां, गं, रेंसां, रेंनीधप, मेगरेगरेसा ।

(८) मेधनीसां, गमंधनीसां, नीरेंगंमंगंरेंसां, रेंनीधपमगरेसा ।

(९) नीरेगगरेसा, नीरेगमंमेगरेसा, नीरेगमंपमेगरेसा,

नीरेगमेधनीनीधपमंगरेंसा, नीरेगमंधनीसांनीधपमंगरेसा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पूर्वी

तीनताल (मध्यलय)

गीत १

ए रि ए मैको सब सुख दीनो,
दूध पूत और अनघन लछिमी,
किरपा यो गोविंद रंग दीनो।
अगम अपारन जगनीस्तारन,
कृपा करन दुख हरन सुख सदन,
सब बातन मों लायक कीनो॥

स्थाई

ग	ग	मे	मे	ग	रे	ग	मे	प	ध	प	मे	ग	मे	ग	–
ए	रि	ए	ऽ	मै	ऽ	को	ऽ	स	ब	सु	ख	दि	ऽ	नो	ऽ
०				३				×				२			
मे	–	ग	रे	–	सा	सा	सा	नी	रे	ग	–	रे	सा	सा	सा
दू	ऽ	ध	पू	ऽ	त	औ	र	अ	न	घ	ऽ	न	ल	छि	मि
०				३				×				२			
नी	नी	रे	–	ग	–	मे	ध	नी	सां	नी	ध	प	मे	गम	ग
कि	र	पा	ऽ	यो	ऽ	गो	ऽ	विं	द	रं	ग	दी	ऽ	ऽऽ	नो
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

म॑ म॑ ग ग	म॑ – ध ध	सां सां सां –	सां – रें सां
अ ग म अ	पा – र न	ज ग नी ऽ	स्ता ऽ र न
०	३	×	२
रें गं – मं	गं रें सा नी	रें नी ध नी	ध मं मं ग
कृ पा ऽ क	र न दु ख	ह र न सु	ख स द न
०	३	×	२
ग म ग –	मं ध नी सां	नी रें नी ध	प मं गम ग
स व वा ऽ	त न मो ऽ	ला ऽ य क	की ऽ ऽऽ को
०	३	×	२

राग पूर्वी

तीन ताल (मध्य लय)

गीत २

कगवा बोले मोरि अटरिया,
अटरिया सकुन्भइ लवा,
सखेरी मोरि भुज फरकन लागे।
आवन करो तुम मोरे पियरवा,
डारु गले फूलन के हरवा,
सखेरि उन पर तनमन वारु ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

ध ध			
ग ग मे मे	ग रे ग मे	प ध प मे	ग म ग –
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ री अ	ट रि या ऽ
०	३	×	२
ग – – मे	ध मे ग ग	रे ग – रे	सा रे सा –
अ ऽ ऽ ऽ	ट रि या ऽ	सु कु ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
सा नी – रे	ग मे प प	मे ध रें नी	ध मे गम ग
स खे ऽ रि	मो रि भु ज	फ र क न	ला ऽ ऽऽ गे
०	३	×	२

अंतरा

मे मे ग ग	मे – ध मेध	सां – सां सां	नी रें सां –
आ व न क	रो ऽ तु मऽ	मो ऽ रे पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
सां – सां सां	सां – सां –	नी ध नी –	रें नी ध प
डा ऽ रु ग	ले ऽ फू	ल न के ऽ	ह र वा ऽ
०	३	×	२
मे ग – ग	मे ध सां सां	रें नी ध प	मे ग म ग
स खे ऽ रि	उ न प र	त न म न	ऽ वा ऽ ह
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पूर्वी

तीनताल (मध्यलय)

गीत ३

भवर भवर बोले अत भवरा,
सगुन भयो आवे मोरा पीया ।
बेगी मिले रसखान जो मैको गुनमानू मै तोरा,
सुगज भयो आवे मोरा पिया ॥

स्थाई

मे मे ध नी	ध प प –	धमे प मे पमे	ग म रे ग –
भ व र भ	व र बो ऽ	लेऽ ऽ अ तऽ	भ व रा ऽ
०	३	×	२
ध मे ग रे	सा – सा –	ऩी रे ग ग	मेमे गरे गमे पध
स गु न भ	यो ऽ आ ऽ	वे ऽ मो रा	पिऽ ऽऽ याऽ ऽऽ
०	३	×	२

अंतरा

मे – ग ग	मे – ध ध	सां – सां सां	नी रें सां –
रे ऽ मि मि	ले ऽ र स	खा ऽ न जो	मै ऽ को ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी ध नी रें	नी ध प –	प धमें प –में	ग म रें ग –
गु न मा ऽ	नू ऽ मै ऽ	तो ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा ऽ
०	३	×	२

मे ध मे ग रे	सा – सा –	नी रे ग ग	मेमे गरे गमे पध
स गु न भ	यो ऽ श्रा ऽ	श्रे ऽ मो रा	पिऽ ऽऽ याऽ ऽऽ
०	३	×	२

"कगवा बोले मोरि अटरिया" इस गीत के आलाप और तानें।

(१)	क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	सा – – –	नी रे सा –
	०	३	×	२
(२)	,, ,,	,, ,,	नी रे ग –	– नी रे सा
	०	३	×	२
(३)	,, ,,	,, ,,	ग मे ग –	रे ग रे सा
	०	३	×	२
(४)	,, ,,	ग मे प –	मे ग म ग	– नी रे सा
	०	३	×	२
(५)	,, ,,	ग मे ध नी	– ध प –	मे ग म ग
	०	२	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | गमं धनी सां – | रें नी ध प |

× २ ० ३

धमं प – मं | गम ग रे सा |

× २

(७) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | मं ध मं सां | – नी रें सां |

× २ ० ३

रें नी ध प | धमं पमं गम ग |

× २

(८) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | मंध नीसां रें सां | गं रें सां – |

× २ ० ३

रें नी ध प | धमं गमं गरे सा |

× २ ० ३

(९) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | गमं नीध सां – | गं मंगं रें सां |

× २ ० ३

रें नी धप मंग | म ग मंग रेसा |

× २ ० ३

(१०) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | गग रेसा ध प | मंग मंध नीसां – |

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मंग रेंसां –नीं धप	मं ग मंग रेसा		
×	२	०	३

स्थाई की बोलतानें।

(१)	क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	ला सा – ध	नी रे सा –
			मो रि ऽ अ	ट रि या ऽ
	०	३	×	२
(२)	,, ,,	,, ,,	नी रे ग मंमं	ग म ग –
			मो ऽ रि अऽ	ट रि आ ऽ
	०	३	×	२
(३)	,, ,,	,, ,,	गमं ध मं ग	मं ग रे सा
			मोऽ ऽ. रि अ	ट रि या ऽ
	०	३	×	२
(४)	,, ,,	,, ,,	ध – पमं पमं	ग म ग –
			मो ऽरिऽ अऽ	ट रि या ऽ
	०	३	×	२
(५)	मो ऽ रि अऽ	ट रि या ऽ	नी रें गमं प	ध प प मंध
			क ग. वाऽ ऽ	बो ऽ ले मोऽ
	०	३	×	२
	नी ध प धप	मंग म ग –		
	ऽ री ऽ अऽ	टऽ रि या ऽ		
	०	३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) मो ऽ रि अऽ | ट रि या ऽ | गमं धनी सां – | रें सां सां –
| | कग वाऽ ऽ ऽ | बो ऽ ले ऽ |
० ३ × २

नीरें नी ध प | नीध पमं पग मग |
मोऽ ऽ री ऽ | अऽ टऽ ऽरी ऽया |
× ३

(७) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | ग रे सा ध | मं प नी ध |
| | क ग वा बो | ऽ ले मो रि |
० ३ × २

रें नी ध प | नीनी धप मंग रेसा |
अ ट रि या | अऽ टऽ रिऽ याऽ |
० ३

(८) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | गमं धनी मंध नीसां | सां गं रें मं |
| | कग वाऽ बोऽ ऽऽ | ले मो रि अ |
× २ ० ३

गं रें सां रेंनी | सांनी धप मंग मग |
ट रि यां सकु | ऽन्भ इल वाऽ ऽऽ |
× २

स्थाई की तानें

(१) क ग वा ऽ | बो ऽ ले ऽ | नीरे गग रेसा नीरे | गमं पमं गम ग |
० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ,, ,, | ,, ,, | नीरे गम धनी नीध | पमं गमं मंग रेसा |

० ३ × २

(३) ,, ,, | ,, ,, | नीरे गमं धनी सांनी | धप मंग मंग रेसा |

० ३ × २

(४) ,, ,, | ,, ,, | नीरे गमं धनी सांरें | सांनी धप मंग रेसा |

० ३ × २

(५) ,, ,, | नीरे गमं धनी सांरें | गंगं रेंसां नीध रेंरें | सांनी धप मंग रेसा |

० ३ × २

(६) ,, ,, | नीरे गमं धनी सांरें | गंमं गंरें सांनी रेंरें | सांनी धप मंग रेसा |

० ३ × २

(७) ,, ,, | नीरे गमं पमं गमं | धनी सांनी रेंग गंरें | सांनी धप मंग रेसा |

० ३ × २

(८) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | मंमं गनी नीध सांसां | नीध पमं नीनी धमां |

× २ ० ३

सांनी रेंरें सांगं गंरें | सांनी धप मंग रेसा |

× २

(९) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | नीरे गमं गरे गमं | धनी धमं धनी रेंगं |

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेंगं मंगं रेंसां नीरें | सांनी धप मंग रेसा |

× ३

(१०) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | मर्मं गरे सानी नीध | पर्मं गरे सा गंगं |

× २ ० ३

रेंमं मंगं रेंसां नीध | नीनी धप मंग रेसा |

× २

राग सोहनी

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें ऋषभ कोमल और मध्यम तीव्र लगता है। पंचम वर्ज है इसलिये जाति षाड़व षाड़व है। यह उत्तरांग प्रधान राग है। और तार षड़ज को अधिक प्राधान्य है। इसके आरोहमें ऋषभ दुर्बल रहता है। वादी धैवत और संवादी गांधार है। गायन समय रात्री का अन्तिम प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरुप

साग, मंधनीसारेंसां, नोधनीध, ग, मंधमंग, मंगरेसा।

पकड़

सां, नीधनीध, ग, मंधनीसां।

स्वर विस्तार

(१) साग, मंधमंग, मंधनीसांरेंसां।

(२) साग, मंधनीसां, सांरेंसां, नीधनीध, ग, मंगरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) गमंध, मंधमंग, मंधनीसां, नीधनीध, ग, मंगरेसा ।

(४) साग मंग, धनीसां, नीरेंसां, गरेंसां, नीधग, मंधमंग, रेसा ।

(५) ग, मंधनीसां, रेंसां, सांगंमंगंरेंसां, रेंनीसां, नीधमगरेसा ।

(६) साग, मंग, नीधमंग, रेंनीसांनीधमंग, मंगरेसा ।

(७) सागमंगरेसा, सागमंधमंगरेसा, सागमंधनीधमंगरेसां ।

(८) सागमंधनीसांनीधमगरेसा, सागमंधनीसांरेंसांनीधमंगरेसा ।

(९) मंमंगरेसा, धनीनीधमंगरेसा, नीरेंरेंसांनीधमंगरेसा ।

राग सोहनी

तीनताल मध्यलय

गीत १

एरि जसोदा तुसे लरूंगी लराई तेरे कुवरने घूम मचाई ।
काऊके सिरसे मटकियां दधकि छिनी,
काऊके सिरसे घगरिया ढूरकाई,
बीच डगर मोसे निपटत नटवर चांद हसे और ब्रिजाक लुगाई ॥

स्थाई

–	ग	ग़	ग	मं	ध	नी	सां	नी	रें	सां	रें	नी	–	सां	–
ऽ	ए	रि	ज	सो	दा	तु	से	ल	रूं	गी	ल	रा	ऽ	ई	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

– रें सां रें	नी सां नी ध	मं – ध नी	धनी सां नी –
ऽ ते रे कु	व र ने ऽ	धू ऽ म म	चाऽ ऽ ई ऽ
०	३	×	२

अंतरा

– ग ग ग	मं ध नी नी	सां रें सां रें	सां नी सां सां
ऽ का ऊ के	सि र से म	ट कि या द	व कि छि नि
०	३	×	२
– रें सां रें	सां नी ध ध	मं ध नी नी	ध धनी सां नीं
ऽ का ऊ के	सि र से ध	ग रि या ढु	र काऽ ऽ ई
०	३	×	२
– गं रें मं	गं रें सां सां	ध रें सां रें	सां नी सां सां
– बी चु ड	ग र मो से	नि प ट त	न ट व र
०	३	×	२
– रें सां रें	नी सां नी ध	मं ध नी नी	धनी सां न –
ऽ चां द ह	से ऽ औ र	ब्रि ज कि लु	गाऽ ऽ ई ऽ
०	३	×	२

राग सोहनी

तीनताल मध्यलय

गीत २

प्यारा मेंडा नज़र नहि आवंदा खडि पुकारू पी पी पी ।
तनवती मन मंडवा छलाक कैसे कर राखू मैं जी जी जी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

		मे	ध	नो	सां	–	रें	सां	नीं	ध	मे				
		प्या	रा	में	डा	ऽ	न	ज़	र	ना	हि				
				०				३							

धनी	सां	ध	नी	ध	ग	मे	ध	नी	सां	–	रें	सां	नी	ध	मे
आऽ	ऽ	ऽ	वं	दा	ऽ	प्या	रा	में	डा	ऽ	न	ज़	र	न	हि
×				२				०				३			

धनी	सां	ध	नी	ध	–	मे	–	ग	–	मे	ग	रे	सा	–	सा
आऽ	ऽ	ऽ	वं	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ख	डि	पु	का	ऽ	रू
×				२				०				३			

नीसां	–नी	धनी	–ध	गमं	–ग
पीऽ	ऽऽ	पीऽ	ऽऽ	पीऽ	ऽऽ
×				२	

अंतरा

–	मे	मं	ध	सां	–	सां	सां
ऽ	त	न	व	ती	ऽ	म	न
०				३			

सां	नी	सां	रे	नी	–	सां	–	ध	नी	सां	मं	गं	रें	सां	सां
मं	ड	वा	छ	वा	ऽ	ऊ		कै	से	क	र	रा	ऽ	खु	मी
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	–नी	धनी	–ध	गमं	–ग
जीऽ	ऽऽ	जीऽ	ऽऽ	जीऽ	ऽऽ
×				२	

राग सोहनी (धमार)

ताल–धमार

गीत ३

आये मोसे होरी खेलनको सखि कुंवर ब्रजराज ।
ले गुलाल मुख मीडे सबनको, नेक ना करत हैं लाज ॥

स्थायी

मं	ध	नी	सां	रें	– –	सां	–	रें	नी	सां	सां	–	
आ	ये	मो	से	हो	ऽ ऽ	री	ऽ	खे	ऽ	ल	न	ऽ	
३				×				२		०			
नी	ध	नी	ध	मं	ध –	नी	सां	नी	ध	मं	–	ग	
को	ऽ	स	खि	कुं	व ऽ	र	ऽ	ब्रि	ज	रा	ऽ	ज	
३				×				२		०			

अंतरा

मं	–	ध नी	–	सां	–	सां	–	–
ले	ऽ	गु ला	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ
×				२		०		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	रें	सां	–	सां	रें	नी	सां	–	रेंनो	सां	नी	ध	–			
मु	ऽ	ख	ऽ	मीं	ऽ	ऽ	डे	ऽ	सऽ	ऽ	ब	न	ऽ			
३				×					२		०					

नी	–	ध	–	ध	नी	–	रें	–	गं	–	"	गं	–	
को	ऽ	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	ऽ	ना	ऽ	क	र	ऽ	
३				×					२		०			

रें	–	सां	–	नी	–	–	सां	–	रें	–	नी	–	ध	
त	ऽ	है	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	
३				×					२		०			

"एरी जसोदा तोसे लरूंगी" इस गीत के आलाप और ताने।

स्थाई के आलाप

(१)	ऽ ए रि ज	सो दा तो से	सां रें नी सां	– नीध नी –	ध
	०	३	×	२	०
(२)	,, ,,	,, ,,	नी – ध सां	– नी रें सां	–
	०	३	×	२	०
(३)	,, ,,	,, ,,	सा ग – –	मं ध मंध नीसां	–
	०	३	×	२	
(४)	,, ,,	,, ,,	सां रें सां रें	नी सां नीध सां	–
	०	३	×	२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ,, ,, | सा ग – मं | ग – ध मं | ग मंध नी – | सां

० ३ × २ ०

(६) ,, ,, | रें नी सां – | नीध नी ध – | ग मंध नी – | सां

० ३ × २ ०

(७) ,, ,, | मंध नीसां – – | गं रें सां – | रेंनी सां नीध नी | ध

० ३ × २ ०

(८) ल रू गी ल | रा ऽ ई ऽ | ग मंध नी सां | गं रें मं गं |

× २ ० ३

रें सां रेंनी सां | नीध नी ध मंध | नीसां

× २ ०

(९) ल रू गी ल | रा ऽ ई ऽ | सा ग मं ग | ध मं ग नीध |

× २ ० ३

सांनी रें सां गंरें | मंग रें सां –नी | ध

× २ ०

अंतरे के आलाप

(१) ऽ का ऊ के | सि र से भ | सां – – – | नीध मंध नी सां |

० ३ × २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ,, ,, | ,, ,, | धनी सांरें नी सां | ग मंध नी सां |
० ३ × २

(३) ,, ,, | ,, ,, | धनी रेंगं – रें | सां रेंनी सां नीध |
० ३ × २

(४) ,, ,, | ,, ,, | रें सां गंरें मंगं | रें सां नीध सां |
० ३ × २

स्थाई की बोल तानें

(१) ऽ ए रि ज | मो दा तो से | मं ग रे सा | – – मंध मं,ध नीध | नीधं
ल रू गी ऽ | ऽ ऽ लऽ ऽरा ऽऽ | इऽ
० ३ × २ ०

(२) ,, ,, | ,, ,, | ध नी ध ग | मं ध नी सांरें | सां
ल रू गी ऽ | ऽ ल रा ऽऽ | ई
० ३ × २ ०

(३) ,, ,, | ,, ,, | सा सा ग -- | धग मं ध धनी | सां
ल रू गी ऽ | लऽ रा ऽ ईऽ | ऽ
० ३ × २ ०

(४) ,, ,, | ,, ,, | सांरें नीसां नी ध | नीनी ध नी सांरें | सां
लऽ रूऽ गी ऽ | लऽ रा ऽ ऽऽ | ई
० ३ × २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) ,, ,, | सा ग ध मं | ग नी ध सां | नी रें सां –ध | नीसां
| ए रि ज सो | दा तो से ल | रू गी ऽ ऽल | राई
० ३ × २ ०

(६) ,, ,, | मंग रे सा गमं | ध – मं धनी | सां सांरें नीसां नीध | नीसां
| ऽ री ऽ जसो | दा ऽ ऽ तोऽ | से लरू गीऽ लरा | ऽई
० ३ × २ ०

(७) लरू गील | रा ऽ ई ऽ | मंध नीध धनी सां | रें सां सांग रेंमं |
| | ऽ रीऽ जसो दा | तो से एरि ऽज |
× २ ० ३

गरें सां नीसां धनी | सां गमं धमं धनी | –सां
सोऽ दा तोसे लरू | गी लरू गीऽ लरा | ऽई
× २

(८) लरू गील | रा ऽ ई ऽ | नीसां नीध नीध धनी | सांरें –सां सांनी धमं |
| | एरी ऽज सोदा जसो | दातो ऽसे लरू गीऽ |
× २ ० ३

ग मंग रेसा गमं | धनी सांनी सांरें सांरें | नीसां
ऽ लरा ऽई तेरे | कुव रने घूऽ मम | चाई
× २

(९) लरू गील | रा ऽ ई ऽ | गरें मंगं रेंसां रेंनी | सांध नीध मंग रेसा |
| | एरि जसो दाऽ तोऽ | सेऽ जसो द तो ऽसे |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गमं धमं धनी सांनी | रेंनी नीसां मंध मंध | नीसां
लरू गील राई तेरे | कुय रने घूम मम | चाई
× २

स्थायी की तानें

(१) ऽ ए रि ज | सो दा तो से | नीसा .मं गरे सा | साग मंध मंग मंग | रेसा
० ३ × २ ०

(२) ,, ,, | ,, ,, | साग मंध नीध मंग | रेसा मंध नीध मंग | रेसा
० ३ × २ ०

(३) ,, ,, | ,, ,, | साग मंध नीसां नीध | मंग धनी धमं गरे | सा
० ३ × २ ०

(४) ,, ,, | ,, ,, | साग मंध नी,ग मंध | नीसां रेंसां नीध मंग | रेसां
० ३ × २ ०

(५) ,, ,, | नीध मंग रेसा गमं | धनी सांरें नीसां नीध |
० ३ ×

गंरें सांनी धमं गरे | सा
२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ,, ,, | साग मेंग मंध नीसां | नीसां रेंग मंगं रेंसां |
० ३ ×

रेंसां नीध नीध मंग | रेसा
२ ०

(७) ल रू गी ल | रा ऽ ई ऽ | गमं धमं मंध नीध | धनी सांनी सांरें नीसां |
× २ ० ३

रेंसां नीध नीध मंग | मंग रेसा गमं धनी | सां
× २

(८) ल रू गी ल | रा ऽ ई ऽ | साग मंध मंग, मंध | नींसां नीध, धनी सांरें |
× २ ० ३

सांनी, सांगं मंगं रेंसां | नीसां रेंसां नीध मंग | रेसा
× २

(९) ल रू गी ल | रा ऽ ई ऽ | मंमं मं,नी नीनी धमं | गरे सा मंमं मं,नी |
× २ ० ३

नीनी मंमं मंगं रेंसां | नीध मं,नी धमं गरे | सा
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग मारवा

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें ऋषभ कोमल और मध्यम तीव्र लगता है, शेष सभी स्वर शुद्ध हैं। पंचम वर्ज होनेसे जाति षाड़व-षाड़व है। वादी स्वर ऋषभ और संवादी धैवत है, किन्तु कई विद्वानों के मत से ऋषभ वादी और संवादी तीव्र मध्यम होना चाहिये। गान समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरुप

ऩीरे, गमंध, नीध, सां; नींरें नीधमगरे, ऩीधसा।

पकड़

धमंगरे, ऩीधसा,

स्वर विस्तार

(१) ऩीरे, ऩीध, मंधसा, ऩीरे, गरे, ऩीध, सा।

(२) नीरे, गरे, गमंगरे, मंगरे, ऩीध, सा।

(३) नीरे, गमंध, धमंगरे, मंगरे, ऩीधसा।

(४) ऩीरे, गमंध, नीध, धमंगरे, गमंगरे, ऩीधसा।

(५) ऩीरेगमंध, धनीरें, नीधसां, नींरेंनीधमंगरे, ऩीधसा।

(६) गरे, मंगरे, धमंगरे, नीधमंगरे, धमगरेमंगरे, ऩीधसा।

(७) ऩीरेगमंध, मंधनीध, धनीरें, गंरें, मंगंरेंनीधमगरे, ऩीधसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) नी़रेगगरेसा, नी़रेगमंमंगरेसा, नी़रे मंधधमंगरेसा।

(९) नी़रेगमंधनीनीधमंगरेसा, नी़रेगमंधनीरेंरेंनीधमंगरेसा।

राग मारवा

तीनताल (मध्यलय)

गीत १

मारू कवन काज कवन देस चलियो, मोसे बल्बला हाँ देस गइलो।
मनरस तनरस सदा रंगीले, मोंम दसा पिया मोरे डेरे आवो मनरंग लीने गरवा॥

स्थाई

												नी़	रे	म	रे	ग
												मा	रू	क	व	न
													३			
मे	–	मं	नी	ध	मं	ग	मे	ग	रे	सा	नी़	सा	नी़	नी़	ध़	
का	ऽ	ज	क	व	न	दे	स	च	लि	यो	मो	से	ब	ल्	ब	
+				२				०				३				
नी़	–	–	–	मं	–	ग	मे	ग	रे	सां						
लों	ऽ	ऽ	ऽ	हाँ	ऽ	दे	स	ग	ई	यो						
x				२				०								

अंतरा

सां	सां	ध	नी	मे	ध	ग	ग	मं	ध	मं	ध	सां	–	सां	–
म	न	र	स	त	न	र	स	स	दा	ऽ	रं	गी	ऽ	ले	ऽ
x				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	नी	रें	गं	रें	नीरें	नीरें	–	धनी
मों	ऽ	म	द	सा	ऽ	पि	या	मो	रे	डे	रे	ग्राऽ	वोऽ	ऽ	मऽ
×				२				०				३			

धनी	–	मंध	मंध	–	गमं	गमं	–	ग	रे	सा
नऽ	ऽ	रंऽ	गऽ	–	लीऽ	नेऽ	ऽ	ग	र	वा
×				२				०		

राग मारवा

तीनताल मध्यलय

गीत २

मोरारे तुमिसन लागीलो, पितमवा तुम प्यारे सुजनवा को ग्रावो,
बलमा ग्रदारंग सों मोसो बतिया कर।
घडि घडि पल पल छिन छिन तुम बिन करत मोसो गुमानी त्रिये बलमा,
ग्रदारंग सों मोसो बतिया कर।

स्थाई

ध	मं	ध	ध	मं	ग	मं	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	रा	ऽ	रे	ऽ	तु	मि	स	न
		०				३			

सा	सा	ध	मं	ध	–	नी	नी	रें	रें	नी	ध	मं	मं	ध	ध
ला	ऽ	गी	ऽ	लो	ऽ	पी	ऽ	त	म	वा	ऽ	तु	म	प्या	ऽ
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मे	ग	मे	ग	रे	सा	नी़	रे	ग	मं	ध	मं	ग	–	रे	सा
रे	ऽ	सु	ऽ	ज	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को	आ	ऽ	यो	ऽ
X				२				०				३			

सा	सा	सा	–	ध़	ध़	–	सा	–	सा	सा	–	नी़	रे	ग	मं
ब	ल	म	ऽ	अ	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	सो	ऽ	मो	सो	ब	ति
X				२				०				३			

ध	ध	मं	ग	रे	सा
या	ऽ	ऽ	ऽ	क	र
X				२	

अंतरा

मं	मं	ग़	ग	मे	मे	ध	ध
घ	डि	घ	डि	प	ल	प	ल
०				३			

सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	नी	नी	रें	गं	–	रें	सां	सां
छि	न	छि	न	तु	म	बि	न	क	र	त	मो	ऽ	सो	ऽ	गु
X				२				०				३			

सां	–	नी	–	रें	नी	मे	–	–	ग	–	–	मं	मे	ग	मं
मा	ऽ	नो	ऽ	ऽ	कि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ल	मा	ऽ
X				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग	रे॒	सा	—	नी़	ध़	—	सा	—	सा	सा	—	नी़	रें	ग	मं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	सो	ऽ	मो	सो	ब	ति
×				२				०				३			

ध	ध	मं	ग	रे॒	सा
या	ऽ	ऽ	ऽ	क	र
×				२	

राग मारवा

तराना–ताल–सुरफाक्ता या सूल

गीत ३

तानों तन देरेना नित्तन दर दीं दीं तन दीं तन देरेना।
तों तन दीं तानों तन नित देरेना तन दीं तननन दीं तननन तन देरेना॥

स्थाई

मं	—	ध	—	ग	मं	ग	रे॒	सा	—
ता	ऽ	नों	ऽ	त	न	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		३		०	

नी़	रे	नी़	ध़	म़	ध़	सा	—	सा	—
नि	त	त	न	द	र	दीं	ऽ	दीं	ऽ
×		०		२		३		६	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी॒	रे॒	ग	रे॒	ग	मं	ग	रे॒	सा	—
त	न	दीं	ऽ	त	न	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		३		०	

अंतरा

मं	—	ध	मं	सां	—	सां	—	सां	—
तों	ऽ	त	न	दीं	ऽ	ता	ऽ	नों	ऽ
×		०		२		३		०	

नी	रें॒	गं	मं	गं	रें॒	नी	—	रें	—
त	न	नि	त	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		३		०	

नी	ध	मं	—	ध	मं	ग	रे॒	सा	—
त	न	दीं	ऽ	त	न	न	न	दीं	ऽ
×		०		२		३		०	

नी॒	रे॒	ग	रे॒	ग	मं	ग	रे॒	सां	—
त	न	न	न	त	न	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		३		०	

"मारु कवन काज" इस गीत के आलाप और तानें

(१)	मा	रू	क	व	न	का	ऽ	ज	ऽ	नी॒	रे॒	नी॒	ध॒	मं	ऽ	सा
	३					×				२				०		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ,, | ,, ,, | ,, ,, | नी़ रे – ग | ग रे सा

३ × २ ०

(३) ,, | ,, ,, | ,, ,, | नी़ रे ग मे | मेग रे सा

३ × २ ०

(४) ,, | ,, ,, | ,, ,, | नी़रे गमे ध – | धमं गरे सा

३ × २ ०

(५) मा | रू क ब न | नी़रे गमे ध – | नी ध में ध | मंग रे सा

३ × २ ०

(६) ,, | ,, ,, | नी़रे गमे ध धनी | रें नी ध मंग | मंग रे सा

३ × २ ०

(७) का व न दे स | च लि यो ऽ | गमं ध सां – | नी रें – सां |

२ ० ३ ×

| रें नी ध मंध | मंग रे सा

२ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो ऽ | गमे धनी रें – | गं रें नीध रें |

२ ० ३ ×

| नि ध – मं | ग रे सा

२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(९) क | व न दे श | च लि यो ऽ | गमं धनी रें नीध | सा – नीरें गंमं |
२ ० ३ ×

| गं रें सां रेंनी | धमं गरे सा
२ ०

(१०) क | व न दे श | च लि यो ऽ | नीरे गमं धनी रें | – नी ध सां |
२ ० ३ ×

| गं रें नी ध | मंध मंग रेसा
२ ०

अंतरे के आलाप

(१) म न र स | त न र स | सां – – – | नीरें नी ध सां |
× २ ० ३

(२) ,, ,, | ,, ,, | नी रें – – | नीध मंध सां – |
× २ ० ३

(३) ,, ,, | ,, ,, | नी रें गं – | रें नीध सां – |
× २ ० ३

(४) ,, ,, | ,, ,, | नीरें गंमं गं रें | नीध मंध सां – |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोलतानें ।

(१)	मा	रू क व न	का ऽ ज ऽ	रेरे नीध मं ध	मं सा सा
				माऽ रूऽ क व	न का ज
		३	×	२	०
(२)	मा	रू क व न	का ऽ ज ऽ	नी रे ध नी	ध रेरे सा
				मा रु क व	न का ऽ ज
(३)	मा	रू क व न	का ऽ ज ऽ	नीरे मं ग रे	नीध सा पा
				मारू क व न	काऽ ऽ ज
		३	×	२	०
(४)	मा	रू क व न	का ऽ ज ऽ	नी रे ग मं	ध मंग रेसा
				मा रू क व	न काऽ ऽज
		३	×	२	०
(५)	मा	रू क व न	नीरे ग मं ध	मंमं गरे मं ग	रे ध सासा
			मारू क व न	काऽ ऽज क व	न दे ऽस
		३	×	२	०
(६)	मा	रू क व न	गमं ध – नीध	मंग रे रे मंग	रेनी धसा सासा
			माऽ रू ऽ कव	नका ऽ ज कव	नदे सच लियो
		३	×	२	०
(७)	क	व न दे स	च लि यो ऽ	धमं धसां – नी	रें सां नीरें –रें
				माऽ रुऽ ऽ क	व न काऽ ऽज
		२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रें नी ध धध | मंग रेध सा |
क व न देऽ | सऽ चलि यो |
२ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो ऽ | गमं ध,ग मंध नी,मं | धनी रेंरें गं रें |
माऽ रुक वन ऽका | ऽऽ ऽज क व |
२ ० ३ ×

मं गंरें सांसां रेंरें | नीध मंग रे
न देऽ ऽस चलि | योऽ ऽऽ ऽ
२ ०

स्थाई की ताने

(१) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नीरे गमं धमं गरे | मंध मग रेसा |
३ × २ ०

(२) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नीरे गमं धनी धमं | नीध मंग रेसा |
३ × २ ०

(३) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नीरे गमं धनी रेंरें | नीध मंग रेसा |
३ × २ ०

(४) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | गमं धनी रेंगं गंरें | नीध मंग रेसा |
३ ० २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) मा | रू क व नं | का ऽ ज ऽ | गमं धनी रेंगं मंग | रेंनी धमं गरे |

३ ० २ ०

(६) मा | रू क़ व न | नीरे गमं ध,ग मंध | नी,ध नीरें नी,गं रेंनी | धमं गरे सा |

३ ० २ ०

(७) मा | रू क वं न | मंमं गरे धध मंग | नीनी धमं रेंरें नीध | नीध मंग रेसा |

३ ० २ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो ऽ | धनी धनी धमं गमं | गमं गरे सा नीरें |

२ ० ३ ×

रेंनीनी,ध नीध मंध | नीध मंग रेसा

२ ०

(९) क | व न दे स | च लि यो ऽ | नीरे गमं गमं धनी | धनी रेंगं रेंगं मंगं |

२ ० ३ ×

रेंनी ध,रें नीध मंग | रे,ध मंग रेसा

२ ०

(१०) का | व न दे स | च लि यो ऽ | नीरे गमं गरे गमं | धमं गरे धनी रेंनी |

२ ० ३ ×

नीरें गंरें गंमं गंरें | नीध मंग रेसा

२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग कालिंगड़ा

यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। यह एक शुद्ध प्रकृतीका सरल राग है और इसमें बड़े ख्याल प्रायः नहीं गाये जाते। इसका ऋषभ और धैवत कोमल होता है, शेष सभी स्वर शुद्ध हैं। वादी धैवत और संवादी गांधार है, जाति संपूर्ण–संपूर्ण है। गायन का समय रात्रीका अन्तिम प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरुप

सारेगम, पधनीसा। सांनीधप, मगरेसा.

पकड़

नीसारेग, धपध, गमग

स्वर विस्तार

(१) नी, सारेग, रेगमप, गमग, मगरेसा।

(२) नीसारेग, मग, गमप, पधपधमप, मग, मगरेसा।

(३) नीसारेग, म, प, पधपध, मपमग, नीधप, मग, रेसा।

(४) सारेग, मपमग, पधनीनीधप, धपध, मप, मग, रेसा।

(५) सारेग, रेग, मप, धनीसां, सांरेंनीसां, नीधप, गमग।

(६) पधनीसां, रेंगरेंसां, सांरेंनीसां, नीधप, गमग, मगरेसा।

(७) गरेसा, मपमगमग, मगरेसा, नीनीधपमग, मगरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) सागमगरेसा, सागमपमगरेसा, सागमपधनीधप, मगरेसा।

(९) सागमपधनीसांनीधप, धनीसांरेंसांनीधप-.गरेसा।

राग कालिंगड़ा

एकताल (मध्य लय)

गीत १

दीन को दयाल छांड कौन शरन जाऊ,
एक राम निराकार सोइ धाम पाऊ।
एक वचन एक बानि एक पत्नी सोही,
ऐसे प्रभु छांड मोहि भावे नहि कोई।।

स्थायी

ध	–	ध	प	म	रे	गम	प	म	रे	–	सा
दी	ऽ	न	को	ऽ	द	याऽ	ऽ	ल	छां	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	
सा	–	सा	ग	म	म	गम	पध	मग	ध	प	–
कौ	ऽ	न	श	र	न	जाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऊ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	–	ध	ध	–	ध	प	ध	प	म	–	म
ए	ऽ	क	रा	ऽ	म	नि	रा	ऽ	का	ऽ	–
×		०		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प	ध॒	प	म	ग	म	गम	पध॒	पम	गरे	सा	–
सो	ऽ	इ	धा	ऽ	म	पाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऊ	ऽ
X		०		२		०		३		४	

अंतरा

ध	–	प	ध	प	ध॒	नी	सां	नी	सां	–	सां
ए	ऽ	क	व	च	न	ए	ऽ	क	वा	ऽ	नि
X		०		२		०		३		४	
ध॒	–	ध॒	नी	सां	रें॒	नी	सां	ध॒	–	प	–
ए	ऽ	क	प	ऽ	त्नी	सो	ऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ
X		०		२		०		३		४	
ध॒	–	ध॒	–	प	ध॒	प	ध॒	प	म	–	म
ऐ	इ	से	ऽ	प्र	भु	छां	ऽ	ड	मो	ऽ	हि
X		०		२		०		३		३	
प	ध॒	प	म	ग	रे॒	गम	पध॒	पम	गरे॒	सां	–
भा	ऽ	वे	ऽ	न	हि	कोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ई	ऽ
X		●		२		०		३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग कालिंगड़ा

तीनताल मध्यलय

गीत २

अब मोरा पिया तुम तो जावो ना,
जान जात रहि दिन दिनवा मोरा ।
जिया नहि चैन रात नहि निंदिया,
सोतन के घर ना जावो मारो ॥

स्थाई

सा	ध	प	ध	म	प	धनी	ध	प	म	ग	म
अ	ब	मो	रा	पि	या	ऽऽ	तु	म	तो	जा	वो
२				०				३			

रे ग	–	–	–	सा	ध	प	ध	म	प	धनी	ध	प	म	ग	म
ना	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब	मो	रा	पि	या	ऽऽ	तु	म	तो	जा	वो
×				२				०				३			

रे ग	–	–	–	–	–	–	–	सा	–	सा	ग	–	म	प	ध
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	न	जा	ऽ	त	र	हि
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सांरें	सां	नी	सां	ध॒	–	प	ध॒	म	प	धनी	ध॒	प	ग	ग	म
दीऽ	न	दी	न	वा	ऽ	मो	रा	पि	या	ऽऽ	अ	व	तो	जा	वो
X				२				०				३			

अंतरा

म	म	प	ध॒	सां	–	सां	सां
जि	या	न	हि	चै	ऽ	न	रा
०				३			

–	रें॒	सां	रें॒	नी	नी	सां	–	ध॒	–	प	ध॒	म	–	प	ध॒
ऽ	त	न	हि	निं	दि	या	ऽ	सो	ऽ	त	न	के	ऽ	घ	र
X				२				०				३			
सांरें	सां	नी	सां	ध॒	–	प	ध॒	म	प	धनी	ध॒	प	म	ग	म
नाऽ	ऽ	जा	ऽ	वो	ऽ	मो	रा	पि	या	ऽऽ	अ	व	तो	जा	वो
X				२				०				३			

राग कालिंगड़ा

तीनताल (मध्यलय)

गीत ३

आनंद मंगल गावो मोरि सजनी,
भयो प्रभात बीत गई रजनी।
प्रात काल प्रभु ध्यान धरत जन,
शांति मनकि पावत मोरि सजनी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

म

गम	पध	प	म	ग	रे	प	म	रे	–	सा	सा	सा	रे	सा	सा
आऽ	ऽऽ	नं	द	मं	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	वो	मी	रि	स	ज	नी
०				३				×				२			

सा	ग	–	म	प	–	ध	पध	नीसां	सां	नी	ध	नी	ध	प	–
भ	यो	ऽ	प्र	भा	ऽ	त	बी	ऽऽ	त	ग	ई	र	ज	नी	ऽ
०				३				×				२			

अंतरा

म	–	म	प	–	प	ध	पध	सां	–	सां	सां	सां	रें	सां	सां
आ	ऽ	त	का	ऽ	ल	प्र	भुऽ	ध्या	ऽ	न	ध	र	त	ज	न
०				३				×				२			

सां	रें	गं	मं	गं	रें	सां	सां	नी	सां	नी	ध	नी	ध	प	–
शां	ऽ	ती	ऽ	म	न	कि	पा	व	त	मो	रि	स	ज	नी	ऽ
०				३				×				२			

"अब मोवा पिया अब तो" इस गीत के आलाप और तानें

स्थाई के आलाप

(१) अ	ब तो जा वो	ना ऽ सा –	रे ग रे ग	– रे सा, अ	ब तो इ ०	
	३	×	२	०	३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) ,, | ,, ,, | ना ऽ रे ग | म म ग रे | ग रे सा, अ | ब तो इ ० |
३ × २ ० ३

(३) ,, | ,, ,, | ना ऽ म म | प ग म ग | – रे सा, अ | ब तो इ ० |
३ × २ ० २

(४) ,, | ,, ,, | ना ऽ प ध | भ प म ग | – रे सा, अ | ब तो इ ० |
३ × २ ० ३

(५) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | नी – सा रे | ग – म प |
२ ० ३ ×

ध प म ग | – रे सा, अ | ब तो ई ०
२ ०

(६) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | ध प ध म | प – नी नी |
२ ० ३ ×

ध प ग म | ग रे सा, अ | ब तो इ ०
२ ०

(७) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | म – प ध | नी सां – – |
२ ० ३ ×

नी ध प – | ग म ग, अ | ब तो इ ०
२ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | मप धनी सां – | सां रें सां रें |
२ ० ३ ×

नी सां नी ध | प म ग, अ | ब तो इ ० |
२ ०

अंतरे के आलाप

(१) जि या न हि | चै ऽ न ऽ | सां रें गं – | रें गं रें सां |
० ३ × २

(२) ,, ,, | ,, ,, | सां रें गं – | मंगं रें – सां |
० ३ × २

(३) ,, ,, | ,, ,, | धनी सांरें नीसां नीध | सां –नी रें सां |
० ३ × २

(४) ,, ,, | ,, ,, | गंमं गंरें सां – | धनी सांरें – सां |
० ३ × २

स्थाई की बोल तानें

(१) जा वो | ना ऽ ऽ ऽ | सा सा रेसा नीध | सा रे सा, अ | ब तो ब ०
अ ब मोऽ राऽ | पि ऽ या
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) जा वो	ना ऽ ऽ ऽ	सा रे ग रे	ग रे सा, अ	ब तो इ ०
		अ ब मो रा	ऽ पि या	
	×	२	०	३

(३) जा वो	ना ऽ ऽ ऽ	नी सा गरे ग	पम गरे सा, अ	ब तो ब ०
		अ ब मोऽ रा	पिऽ ऽऽ या	
	×	२	०	३

(४ जा वी	ना ऽ ऽ ऽ	गम पध प म	धप म ग, अ	ब तो इ ०
		अऽ ऽऽ ब मो	राऽ पि या	
	×	२	०	३

(५) अ	ब लो जा वो	म ग म म	प प धप ध
		अ ऽ ऽ ब	मो रा पिऽ ऽ
	३	×	२
	मप गम ग अ	ब तो इ ०	
	याऽ ऽऽ ऽ		
	०	३	

(६) अ	ब लो जा वो	नीनी ध प —	गम पध ध प
		अऽ ब ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ रा ऽ
	३	×	२
	मप मग रेसा अ	ब तो ई ०	
	पिऽ याऽ ऽऽ		
	०	३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) अ ब मो रा	पि ऽ या ऽ	नीसा गम पध प	पध म पन सां
		अब मोरा पिऽ या	तुम तो जावो ना
२	०	३	×

नीसां नीध नीध पप	धप मग रेसा अ	ब तो इ ०
जाऽ नजा ऽत रहि	दिन दिन वाऽ	
२	०	३

(८) अ ब मो रा	पि ऽ या ऽ	पध मम पध नीध	सां सांरें सांरें नीसां
		अब मोरा पिऽ ऽऽ	या तुम तोजा बोना
२	०	३	×

धमा नीध पम गम	गम पध पम अ	ब तो इ ०
ज़ाऽ नजा ऽत रहि	दिन दिन वाऽ	
२	०	३

स्थाई की ताने

(१) जा वो	ना ऽ ऽ ऽ	नीसा गम गरे गम	पम गरे सा, अ	ब तो इ ०
	×	२	०	३
(२) ,,	,, ,,	गम पध पम पम	गम गरे सा अ	ब तो इ ०
	×	२	०	३
(३) ,,	,, ,,	गम पध नीनी धप	धप मग रेसा अ	ब तो इ ०
	×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ,, | ,, ,, | पध नीसां नीध पध | मप मग रेसा अ | ब ती इ ० |
× २ ० ३

(५) ,, | नीसा गम पध नीसां | रेंसां नीध पध मप |
× २

| धप मग रेसा अ | ब तीं इ ०
० ३

(६) ,, | गम पध मप धनी | सांनी धप रेंसां नीध |
० २

| पम धप मग अ | ब ती इ ०
० ३

(७) ,, | गम पध मप धनी | पध नीसां रेंसां नीध |
× २

| पम गरे सां, अ | ब ती इ ०
० ३

(८) अ व मो रा | पि या ऽ ऽ | नीसा गम पध गम | पध नीसां धनी सांरें |
२ ० ३ ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीसां नीध सांनी धप | धप मग रेसा अ | ब तो इ ०

२ ०

६) अ व मो रा | पि या ऽ ऽ | पध पध मप मग | रेसा सांरें सांरें नीसां |

२ ० ३ ×

नीध पध पध मप | मग मग रेसा अ | ब तो इ ०

२ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ख्याल गायकी

अ० भा० गांधर्व महा विद्यालय के पाठ्य क्रमानुसार ख्याल गायकी तीसरे वर्ष से शुरू होती है। वैसे देखा जाय तो मुक्त या स्वतंत्र गायकी की शुरुवात प्रथम वर्ष से ही होनी चाहिये। किन्तु जब विद्यार्थियों को थोड़े ही समय में निश्चित किये गये रागों पर अभ्यास करके परीक्षा देनी पड़ती है तब उपरोक्त उद्देश्य को सामने रख कर ही शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये प्रथम दो वर्षों में ८-८ रागों में छोटे ख्याल और उनमें बँधे हुये आलाप, बोल-ताने और ताने आदि सिखाना पड़ता है। दूसरे वर्ष तक राग ज्ञान, ताल ज्ञान व गले का चलन इत्यादि का विकास हो जाने पर बड़े ख्याल को सिखाने में आसानी होती है। बड़े ख्याल की गायकी मुक्त या स्वतंत्र होनी चाहिये। तथा कल्पनायुक्त होनी चाहिये। किन्तु यह प्रारम्भ में कठिन सा प्रतीत होता है। इस लिए इस पुस्तक में दिये हुये बड़े ख्याल पर उदारण स्वरूप कुछ बँधे हुये आलाप बोलताने, ताने दिये जा रहे हैं। किन्तु विद्यार्थी यह न समझ बैठें कि ख्याल गायकी केवल इतनी ही है। पुस्तक में दिये हुये आलाप, बोलताने, ताने केवल मार्ग दर्शन की दृष्टि से ही दिये गये हैं।

बड़ा ख्याल

ख्याल गायकी के अन्तर्गत दो प्रकार के ख्याल होते हैं जिन्हें छोटा ख्याल और बड़ा ख्याल कहते हैं। छोटा ख्याल मध्य तथा द्रुत लय में गाया जाता है। इसकी गति सहज समझ में आ सकती है और इसकी ताल, गीत के साथ विद्यार्थी आसानी से दे सकते हैं। सामान्य रूप से त्रिताल, झपताल, एकताल इन तालों में छोटे ख्याल गाये जाते हैं। बड़ा ख्याल बहुत धीमे यानी बिलंबित लय में गाया जाता है और यह प्रायः तिलबाड़ा, झूमरा, एकताल और आड़ा चौताल तालों में गाया जाता है। बड़े ख्याल की गायकी स्वतंत्र एवं स्वकल्पना युक्त होती है। इसमें राग का स्वरूप उसके नियमानुसार, क्रमशः एक एक स्वर लेकर बिलंबित आलाप द्वारा विकसित किया जाता है। आलाप करते समय इस बात का

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रतिबंध नहीं रहता कि अमुक स्वर इतनी ही मात्रा में आना चाहिये, किन्तु निश्चत काल तक आलाप करके चीज का मुखड़ा कुशलता से पकड़ कर सम पर आना चाहिये। आलाप क्रमशः मध्य सप्तक के षड्ज से तार सप्तक तक गाकर अंतरा शुरू करना चाहिये। अंतरे पर आलाप चारी करने के बाद पूरा अंतरा गाकर तत्पश्चात स्थाई का 'बोल अंग' से विकास करना चाहिये। बोल आलाप, उसके बाद लयकारी युक्त बोलतान और अंत में तान और उसके विविध प्रकार द्वारा बड़ा ख्याल गाये जाने की परंपरा है।

सर्व प्रथम पुस्तक में लिखे हुये ख्याल गीत के पूर्ण शब्दों को बिना ताल व सुर के, विद्यार्थियों से याद करवा देना चाहिये। तत्पश्चात शब्द स्वर रचना के साथ सिखाना चाहिये। और सबसे अंत में बन्दिश ताल में बिठा लेना चाहिये। मेरा अनुभव है कि इस तरह सिखलाए हुये ख्याल विद्यार्थी जल्दी सीखता है और जल्दी भूलता नहीं।

प्रत्येक राग के शुरुवात में कुछ मुक्त आलाप दिये गये हैं। उसमें राग का पूरा स्वरूप और राग का खास वातावरण प्रतीत हो ऐसी दृष्टि से मुक्त आलाप की रचना की गयी है। विद्यार्थियों से वे आलाप अच्छी तरह रटवा लेना चाहिये और रटे हुये आलाप के अनुरूप स्वबुद्धि से आलाप विद्यार्थियों से करवाने का प्रोत्साहन उनको देना चाहिये। पुस्तक में दिये हुये बोलतान सिखाने के पश्चात उसी उदाहरण पर विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि से अलग बोलतान बनाने का प्रयत्न करवाना चाहिए। वैसे ही पुस्तक में दी हुई तानें बनाकर विद्यार्थियों को गवाना चाहिये। इस तरह से बड़ा ख्याल सिखाया जाय तो ख्याल गायकी जल्दी समझ में आजायेगी।

सूचना

चतुर्थ वर्ष (मध्यमा पूर्ण) के लिये जो बड़े ख्याल अभ्यास के लिये जो रक्खे गये हैं, उनमें से (१) भीम पलास (२) बागेश्री, (३) बिहाग, इन रागों के बड़े ख्याल, गायकी सहित, राग बोध त्रितीय भाग में दिये गये हैं। इसलिये ये तीन राग इस भाग में नहीं दिये जा रहे हैं। इन तीन रागों का अभ्यास राग-बोध त्रितीय भाग से कर लेना चाहिये। शेष आठ राग इस भाग में दिये जा रहे हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग अल्हैया बिलावल

यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न होता है। इस राग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, किन्तु कोमल निषाद का प्रयोग अल्प प्रमाण में धैवत के साथ अवरोह में किया जाता है जैसे 'धनीधप'। आरोह में मध्यम वर्ज है तथा अवरोह में गंधार वक्र है। वादी स्वर धैवत और संवादी गंधार है। गान समय प्रातः काल का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सारेगरे, गप, धनी, सां, सांनीधप, धनीधपमग, मरेसा।

पकड़

रेगपमग, मरेसा, नीनीसा।

मुक्त आलाप :—सा, नी, नीसा, सारेसा, सारेग, मरेसा। सारे, सा; सागरे, गमग, मरे, सा। सारेगरे, गप, पमग, मग, मरेसा। सारेगरेगप, पधप, पमग, गरेगपमग, धधपमग, मरे, सा। सारेग, रेगप, गपधनीधप, धपम, ग, पमग, गरेगपमग, मरेसा। सारेग, रेगप, गपधनीधप, गपधनी, नीसां, सांनीधप, धपमग, पधप, मग, गरेसा, नी, नी, सा। सारेग, नी, नी, सा; सारेगप, गरेगप, धप, प नी, नीसां, सांरें, सां, सांरेंगं, मरेंसां, नी नीसां, सांनीधप, रेंसां, नीधप, धनीधप, मग, मरेसा, नी, नी, सा। गपधनी, नी, सां, सांरेंगं, गंपंमंगं, मंरेंसां, नी, नी, सां, सांनींधप, धनीधप, मग, मरेसा, नी, नी, सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुक्त तानें :—सारेगगरेसा, सारेगमग, मरेसा, सारेगपमगरेसा।
सारेगपधपमगरेसा, सारेगपधनीधपमगरेसा, सारेगपधनीसांनीधपमगरेसा, सारेगपधनीसांरेंसांनीधपमगरेसा । सारेगपधनीसांरेंगंरेंसांनीधपमगरेसा । सारेगपधनीसांरेंगंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा, सारेगपधनीसांरेंगंपंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा।

मगरेसा, पमगरेसा, धपमगरेसा, धनीधपमगरेसा, धनीसांनीधपमगरेसा, सांरेंसांनीधपमगरेसा, गंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।

सारेग, रेगप, गपधनीधपमगरेसा, सारेग, रेगप, गपधनीसांनीधपमगरेसा, धनीसां, नीसांरेंसांनीधपमगरेसा, धनीसां, नीसांरें, सांरेंगंमंगंरेंसांनीधप, धनीसांनीधप, धनीधपमग, पमगरेसा ।

सारेगप, गपधनीधपमगरेसा, सारेगप, गपधनी, धनीसांरेंसांनीधपमगरेसा, सारेगप, गपधनी, धनीसांरें, सांरेंगंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।

राग अल्हैया बिलावल

बड़ा ख्याल—एक ताल (विलंबित)

ते हर नाम नाहि सुमिरन कीनो, नाहा कहि दिन खोयो ।
अमृप बेल ठाडि विख बिरवा कर धनुराई बोयो ॥

स्थाई

गप नीधनी
तेऽ हरऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां			रे	ग			नी नी नी
सां —ध	नीप म	ग गग	पम ग	——मरे —सा	साध ध ध
ना ऽऽ	ऽम ना	हि सुमि	रन की	ऽऽऽऽ ऽनो	नाद्दा ऽक
X	१	२	०	३	४

				प रे
नी प	पनी धनीसां—	सां —ध	नीप पध——	गम ग
ऽ हि	दिन ऽऽऽऽ	खो ऽऽ	ऽऽ ऽऽऽऽ	ऽऽ यो
X	०	२	०	३

अंतरा

—प निधनी—
ऽग्र मृऽतऽ
४

		सां			
सां नीसांसां—	सांसां —	रेंरें रें—रेंगं	गंरें सां	नीप
वे ःऽलऽ	ठाडि ऽ	बिख ऽऽऽऽ	बिर वा	ऽ ऽऽ
X	०	२	०	३

नी नी नी
साध धध
कर चतु
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध	नीप	|	पनी–ध	नीसां	|	सां	–ध	|	नीप	पध––	| घ गम रे ग |
रा	ऽऽ	|	ऽऽऽऽ	ई:	|	धो	ऽऽ	|	ऽऽ	ऽऽऽऽ	| ऽऽ यो |
×			०			२			०		३

स्थायी के आलाप

(१) नाऽ ऽम | सा – | नी––ध नीमा | – ग |
× ० २ ०
| मरे सा | ते हर |
३ ४

(२) ,, ,, | सा गरे | ग प | पम ग |
× ० २ ०
मरे सा | ते हर |
३ ४

(३) ,, ,, | गरे ग१ | – धप | –प मग |
× ० २ ०
ग–मरे सा | ते हर |
३ ४

(४) ,, ,, | सा–गरे गप | – धनी | धप म |
× ० २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| ग मरेसा– | ते हर |
३ ४

(५) „ „ | गपधनी –ध | नी सां | सां--नी धप |
× ० २ ०

| मगमरे सा | ते हर |
३ ४

(६) „ „ | गपधनी –सां | सांरें-- –सां | धनी धप |
× ० २ ०

| ग मरेसा– | ते हर |
३ ४

(७) „ „ | गपधनी सां | सांरेंगं– –रें | सां सांनीधप |
× ० २ ०

| मगम– रेसा | ते हर |
३ ४

(८) „ „ | गरेसा– पपमग | मरेसा– धनीधप | धनीसां– धनीधप |
× ० २ ०

| धग–म ग–रेसा | ते हर |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरे के आलाप

(१) बे ऽऽनऽ | सां – | नीध–– –र | पनी –ध |
× ० २ ०

| नी सां | –म मृऽऽऽ |
३ ४

(२) बे ऽऽलऽ | सां – | नीध–– –प | पनी–– –ध |
× ० २ ०

| नी सां | –म मृऽतऽ |
३ ४

(३) बे ऽऽनऽ | सांरें गं | मंरें –सां | नी––ध नीसां |
× ० २ ०

| पपधनी सां | –म मृऽतऽ |
३ ४

(४) बे ऽऽनऽ | सांरें गं | मंरें मांनी | –धनी– सां |
× ० २ ०

| गमधनी धनीसा– | –म मृऽतऽ |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोल तानें

(१)

ना	ऽम	रेग	पम	ग	रेसासा–	ग	मरे
		तेऽ	हर	ना	ऽऽमऽ	ना	ऽहि
×		०		२		०	

गरपर	धगमग	तेऽ	हऽरऽ
सुमिरन	किऽऽनो		
३		४	

(२)

ना	ऽम	गरे	गप	धप	प–धनी	–धनी--	सांसां
		तेऽ	हर	नाऽ	मऽनाऽ	ऽऽहि	सुमि
×		०		२		०	

धप	गमग–	तेऽ	हऽरऽ
रन	किऽनोऽ		
३		४	

(३)

ना	ऽम	गरधनी	सां	धप	धगमग	गरे–नी	धनीसां–
		तेऽऽऽ	ऽ	हर	नाऽऽम	नाऽऽहि	ऽऽऽऽ
×		०		२		०	

धनीधप	धगमग	तेऽ	हऽरऽ
सुमिरन	कीऽऽनो		
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) ना ऽम | गरेगप धनी–ध | नेसां सां | सांरेंगं– रेंसांसांध |
| तेऽऽऽ हऽरऽ | नाऽ म | नाऽऽऽ हिऽसुमि |
× ० २ ०

| –धनीप मगमरे | तेऽ हऽरऽ |
| ऽरऽन कीऽऽनो |
३ ४

(५) ना ऽम | गपधनी धपपम | गगरेसा गप–नी |
| तेऽहर नाऽमना | ऽहिऽऽ सुमिऽर |
× ० २

| धनीसां– धपमगरेसा– – | गपधग धगमग | तेऽ हऽरऽ |
| ऽनकीऽ नोऽऽऽऽऽऽऽऽ | सुमिरन कीऽऽनो |
० ३ ४

(६) ना ऽम | पमगरेग–प– नीधनी–सां–सां– | सांरेंगं–मं–मं– रेंसांरेंसां |
| तेऽऽऽहऽरऽ नाऽऽऽऽऽमऽ | सुऽमीऽऽऽरऽ नकीऽनो |
× ० २

| सांनीधपमगरेसा गपप– | पधनी मपधरेग पमगरेसा– – – |
| नाऽऽऽहाऽऽऽ कऽहोऽ | दिऽऽनऽऽखोऽ ऽऽयोऽऽऽऽऽ |
० ३

| सांनीधपमगरेसा तेऽ,हऽर |
| दिनखोऽयोऽऽऽ |
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) ना ऽम	नीधपमगरेग–	प–पऽनी –ध–	प–पप	नीधनी–मां–मांरें
	तेऽऽऽऽऽहऽ	रऽनाऽऽऽमऽ	नाऽहिसु	मिऽरऽनऽकीऽ
×	०		२	

गंरेंगंपंमंगंरेंसां	सांनीधपमगमरे	गम :–	पपधनीसांरेंगरें
ऽऽऽऽनोऽऽऽ	नाऽहाऽकऽहीऽ	दीऽनऽ	खोऽऽऽऽऽऽ
०		३	

सांनीधपमगरेसा	तेऽहऽर
योऽऽऽऽऽऽऽ	
४	

सूचना

ख्याल गायकी के, सभी रागों के, तानों में, बीच बीच में स्वल्प विराम (,) (COMMA) दिया गया है, उसमे मात्राओं का संबंध नहीं है । तानों के अलग अलग स्वर समुदाय या स्वर खण्ड, कहांसे शुरू होते हैं और वहां समाप्त होते हैं, ये दिखाने के लिये उनका उपयोग किया है विद्यार्थी, इन स्वल्प विरामों पर ध्यान देकर अभ्यास करेंगे तो वे तानों के वजन और तानों कि जाति अच्छी प्रकार समझ पायेंगे। उन स्वल्प विरामों का संबंध मात्राओं से नही है इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है ।

स्थायी की ताने

(१) ना ऽम	सारेगगरेसा,मारे	गपपमगरेसा–	सारेगपधनी	धप मगरेसा:सारेगप
×	०		२	०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| धनीसांनीधपमग रेसा, सारेगपधनी | सांरेंसांनधीपधनी सांनीधपमगरेसा |
० ३

| तेऽ हऽरऽ |
४

(२) ना ऽम | सारेगपमगरेसा पपमगरेसा, सारे | गपधनी धपमग रेसा, धनी धपमग |
× ० ३

| रेसा, सारेगपधनी सांनीधपमगरेसा | गंगंरेंसांनीधपध नीधपमगरेसा– |
० ३

| तेऽ हऽरऽ |
४

(३) ना ऽम | सारेगरेगरमग रेसा, सारेगरे, गरे | गप, धनी धपमग रेसा, सारेगरे, गरे |
× ० २

| गप, गपधनी, धनी सांनीधपमगरेसा | धनीसांनी, सांनीसांरें सांनीधपमगरेसा |
० ३

| तेऽ हऽरऽ |
४

(४) ना ऽम | सारेगग, रेगपप गपधधरमगरे | सारेगगरेगपप गपधध, पधनी ध |
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| पमगरेसा— — — धधपनीनीधसांसां | नीरेंरेंसांनीधप, ध नीधपमगरेसा— |
| ० | ३ |

| तेऽ हुऽरऽ |
| ४ |

(५) ना ऽम | रेगरेगरेसा, पध ऽधपम, गमगम | ग, रेगरेगरेसा— ध नीध नीधपम, ग |
X ० २

| मगमग, रे॰रेसा सांरेंसांरेंसांनी'धनी | ध नीधपगमगरे गरेसा, धपमगरे |
० ३

| तेऽ हुऽरऽ |
४

(६) ना ऽम | सारेगप, गपधनी धपमगरेसा, सारेगप, गपधनी, धनी सांनीधपमगरेसा |
X ० २

| गपधनी, धनीसांरें सांरेंगंपंमंगंरेंसां | गंरेंसांनी, सांनीधप धपमग, म॰रेसा |
० ३

| तेऽ हुऽरऽ |
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) ना ऽम | सारेगरे,गपधप धनी धप,मगरेसा | सारेगरे,गपधप धनीसांनी,धनी धप |

× ० २

| मगरेसा,धनीसांनी सांरेंगंरें,गंमंगंरें | सांनीधप,धनीसांनी धनी धप,मगरेसा |

० ३

| तेऽ हुऽरऽ |

४

(८) ना ऽम | गगरेसा,पपमग रेसा,धनी धमग | रेसा,सांरेंसांनीधप मगरेसा,गंगंरेंसां |

× ० २

| नीधपमरेसा-- गगरे,धधप,सांसां | नी,रेंरेंसांनीधप,रें सांनीधपमगरेसा |

० ३

| तेऽ हुऽरऽ |

४

राग केदार

केदार राग कल्याण भाट से उत्पन्न होता है। इसमें दोनो मध्यम का प्रयोग होता है। तीव्र मध्यम आरोह में एक विशेष क्रिया से लेते हैं जैसे 'मंप-धपम''। कभी कभी दोनो मध्यम, तीव्र के बाद शुद्ध, अवरोहमें मींड से लेते हैं। इसमें कोमल निषाद का प्रयोग, अल्प प्रमाण में धैवत के साथ, अवरोह में होता है जैसे, 'धनी धप, धपम'। इस राग के आरोह में ऋषभ और गंधार, वर्ज करके

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'साम' प्रयोग किया जाता है। निषाद का प्रयोग अल्प है। गांधार स्वर कई लोग वर्ज मानते हैं, पर कई, अल्प प्रमाण में प्रयोग में लाते हैं। इसका वादी शुद्ध मध्यम है और संवादी षड्ज है। गान समय रात्री का पहला प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरुप

साम, मप, धपप, सां, सां, नीध, प, मंपधपम, मरेसा।

अथवा साम, गप, धपप, सां,

पकड़

साम, मप, धपम, रेसा।

मुक्त आलाप :—सा, रे, सा, साम, रे, सा, ध, प़. सा। सारे, सां; सा, म, प, ध, प, धपम, रे, सा। सांम, प, धप, धनी धप, धपम, रे, सा। सारे, सा, म, रेसा, पमरे, सा, धप, धपम, रे, सा। साम, प, मंपधनीधप, धपम, प, धपम, रे, सा। साम, मप, पप, सां, सां, ध, प, धपम, पधनी, नी, ध, प, पम, रे, सा। सामरेसा, पमरेसा, धप, धपम, रे, सा, पधनी, नीधप, पपसां, नीधप, धपम, पमंधपम, रे, सा। सारेसासाम, पमंप, पधनीधप, धप, म, सानीधप, धप म, पमधपम, रे, सा। मपपसां, सांरें, सां, सांमं, रेंसां, रेंसांधप, सांरेंसांसांध, प, धपम, पमंधपम, रे, सा।

मुक्त तानें :—सारेसासा, ममरेसा, ममपपरेसा, ममपपधपममरेसा, सांनीधपमंपधनीधपममरेसा, रेंरेंसांनीधप, धपममरेसा। मंमंरेंसां, रेंसांनीधप, धनीधप, धपममरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सारेसा, रेमरे, मपम, पधप, मरममरेसा । सारेसा, रेमरे, मरम, पधप, धनीध, पधप, मपम, पममरेसा । सारेसा, रेमरे, मरम, पधप, धनीध, सारेंसांनीधप, धनीध, पधप, ममपपममरेसा ।

मपमरममरेसा, पधपधमपमपममरेसा, धनीधनीधप, पधपधमपमपममरेसा, सांरेंसांरेंसांनीधप, धनीधनीपधपधमंपमंपममरेसा ।

ममरेसा, पपमरेसा, धधरममरेसा, सांसांनीधपममरेसा, रेंरेंसांनीधपममरेसा, मंमंरेंसांनीधपममरेसा ।

राग केदार

बड़ा ख्याल

एकताल (विलंबित)

झनकारी परी मोरे कानन शुभ भई मोहे रैन ।
सोवत थी मै अपने भवन में अदारंग अखियां उधरी ॥

स्थाई

		म
धप	म	पप
झन	का	रप
	४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प									
सां	—	नीसा	—ध	पम	—	साम	—ग	प	धपम—
री	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	मोरे	ऽऽ	ऽ	ऽऽकाऽ
X		०		२		०		४	

—रे	सा
ऽन	न
४	

				प	सां			
सासा	साम	-गप—	—	पसां	रेसां	—ध	मं—धप	म
शुभ	भई	ऽऽऽऽ	ऽ	मोहे	ऽरे	ऽऽ	ऽऽऽऽ	न
X		०		२		०		३

अंतरा

प
सो

				सांसां					
सां	—सां	सांरें	सां	धध	सां	सांसां	रेंसां	—ध	प
व	ऽत	थीमै	मै	अप	ने	भव	नमे	ऽऽ	ऽ
X		०		२		०		३	

पमं	—गं
अदा	ऽऽ
४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मरें	सां	|	धनी	सारें	|	सां	–ध	|	प	मंप	|	धनीसां–
सरं	ग	|	SS	अखि	|	या	SS	|	S	उध	|	रीSSS
×			०			२			०			३

स्थाई के आलाप

(१)	री	S	|	सा	–	|	धप्	धम्	|	प्सा	सारे	|		
	×			०			२			०				
						|	–सा	झन	|	का	रप	|		
							३			४				
(२)	री	S	|	सारे	–सा	|	साम	–	|	रेसा	–	|		
	×			०			२			०				
						|	रेमा,	झन	|	का	रप	|		
							३			४				
(३)	री	S	|	सारे	–सा	|	म	प	|	धप	म	|		
	×			०			२			०				
						|	रेसा,	झन	|	का	रप	|		
							३			४				
(४)	री	S	|	साम	–प	|	ध	प	|	धप	म	|		
	×			०			२			०				

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| रेसा, झन | का रप |
३ ४

(५) री ऽ | साम –म | प धनी | धप धपम– |
× ० २ ०

| रेसा, झन | का रप |
३ ४

(६) री ऽ | म--पप सां | सांरें –सां | धप मं–धर |
× ० २ ०

| म–रेसा, झन | का रप |
३ ४

(७) री ऽ | मपपसां सांरें-- | सां मं–रेंसां | धप धपध– |
× ० २ ०

| रेसा, झन | का रप |
३ ४

(८) री ऽ | मपपसां –रें | सां सांमं | रेंसांध– प–धप |
× ० २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म–रेसा,	झन	का	रप
३		४	

स्थाई की बोलतानें।

(१)

री	ऽ	सासा	रे	सासा	मगप–	पधपप	म
		झन	का	र	रीऽऽऽ	मोऽरेऽ	का
×		०		२		०	

रेसा	झन	का	रप
नन			
३		४	

(२)

			ग				
री	ऽ	साम	–प	–प	मंप	धप	म
		झन	का	ऽर	परि	मोरे	का
×		०		२		०	

रेसा,	झन	का	रप
नन			
३		४	

(३)

री	ऽ	प–धनीं	धनी	धप	मंप	–…धप	म
		झऽनऽ	ऽका	ऽर	परि	ऽऽमोरे	का
×		०		२		०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेसा,	झन	का	रप
नन			
३		४	

(४) री ऽ | मेंपधनी सासा | रेंसां – | नीध धनी-- |
झन।।ऽ ऽर | परि ऽ | मोरे का।ऽऽऽ |
× ० २ ०

धप,	झन	का	रप
नन			
३		४	

(५ री ऽ | मरे–सा –सामग | प मं ध– | नी धर– धपम– |
झऽनका ऽरपरि | ऽ मोरेकाऽ | ऽननऽ मोरेकाऽ |
× ० २ ०

–रेसा–	झन	का	रप
ऽननऽ,			
३		४	

(६। री ऽ सासामग ममप– | मंपध– नी ध।– |
झनकाऽ रपरीऽ | मोरेकाऽ ऽ।नऽ |
× ० २

|सांसांरेसां--- ध–प–ञपमंप| धपम–––––– मसारेसा| धरम– ––र |
शुऽऽऽमऽऽऽ भऽईऽमोऽऽऽ | ऽऽरेऽऽऽऽऽ काऽनन | झनकाऽ ऽऽरप |
० ३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीनोनी
(७) रो ऽ | धधधप ५—धपम— — — | प—धपम— — — —रेसा— |
झनकाऽ रऽपऽरीऽऽऽ | मोऽरेऽकाऽऽऽ ऽनन ऽ |
× ० २

| प—धनी——ध— नीधप— | पसांमांरेंरेंसांसां नीधनीधपप५प |
शुऽभऽऽऽऽऽ भऽईऽ | मोऽऽऽऽऽहेऽ रेंऽऽऽरऽनोऽ |
० ३

| ममरे—सा—ध, म—रप |
हेऽरेऽनऽझन काऽरप |

स्थाई की ताने

(१) रो ऽ | सासाममरेसा,सासा ममपपधपमम | रेसा,ममपधनी धपमं धपमम |
× ० २

| रेसा,ममपपसांमां रेंसेंनांनीधपधप | ममरेसा,ममरप झन | का रप |
० ३ ४

(२) री ऽ | ममरेसा,पपमम रेसा,धाममरेसा | धनी धप,धपमम रेसा,मांसांनीधपध |
× ० २

| पममरेसा,रेंरेंसां नीधप,मंमरेंसांरें | सांनीधपममरेसा,झन | का रप |
० ३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) री ऽ | सांसारेंरेंसा, पपध धपममरेसा, पग | धधप, सांसांरेंरेंसां सांमंमंरेंसांमां पसां |

X ० २

| सांधगप, धपमम सांनीधपममरेसा | झनका— —रप |

० ४

(४) री ऽ | सामगपमंधमंग मगरेसा, सामगप | मंधसांनीरेंसांनी धगममरेसा, साम |

X ० २

| गपमंधरसांनीरें सांमंमंरेंसांनीधग | ममरेसा, रेंसांनीध प, धपममरेसा— |

० ३

| झनका— ——रप |

४

(५) री ऽ | प, रेसा, सारेसा, मग म, मगममरेसा— | मगम, मगम, पग प, पधप, धनी धग |

X ० २

| धपममरेसा—— पधग, सांरेंसां, सांरें | सांनीधग, मपम, प धग, धपममरेसा |

० ३

| झनका— ——रप |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) री ऽ | मपमपममरेसा पमपधमंपमंप | मगमरेसा,धनी धनी धप,धमधपमम |

× ० २

| रेसा,सांरेंसांरेंसांनी धनी धनी धप,धप | ममरेसा,मप,पसां सांरेंसांनीधपमम |

० ३

| झनका– ––रप |

४

(७) री ऽ | मामपरे,मपपमं पधधप,ममरेसा | मपपमं,पधधप धनी नी ध,पधधप |

× ० २

| ममरेसा,पसांसांनी सांरेंरेंसां,मांमंमंरें | सांरेंरेंसां,सांनीधप धनी धपममरेसा |

० २

| झनका– ––रप |

४

(८) री ऽ | सामपरे,मपपमं पधधपममरेसा | सामगपमंधपप ममरेसा,मपपमं |

× ० २

| पसांसांनी,सांरेंरेंसां नीधप,धनी नी धप | मं,पधधपममरे सां,धधपममरेसा |

० ३

| झनका– – –रप |

४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पूर्वी

यह राग पूर्वी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें ऋषभ, धैवत कोमल तथा दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है। शेष स्वर शुद्ध हैं। शुद्ध मध्यम का उपयोग अल्प प्रमाण से गांधार के साथ 'पमंगमग' इस प्रकार होता है। इसका वादी स्वर गांधार और संवादी निषाद है। इसके गाने का समय दिन का अंतिम प्रहर है। जाती संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वरूप

नीरेगमंधनीसां। सांनीधप, मंगमग, मंगरेसा।

पकड़

नीरेगमंग, मं, गमग, मंगरेसा।

मुक्त आलाप:—सा, नीरेसा, रेनीधप, मंधनीसा। नीरेसा, गरेसा, नीरेग, रेग, रेसा, नीरेगमग, मंगरेसा। नीरेसा, नीरेग, रेग, रेगमंग, मंगरेसा। नीरेग गमंग, मंप, धपमंग, पमंगमग, मंधमंगरे। नीरेगमंग, मंधप, गमंधप, गमं, गधप, धमंग, मंगमग, मंधमंगरेसा। नीरेगमंग, मंधप, मंधनीधप, मंधनी, धनीधप, गमंधनी, मंध, मंनीधप, धमंप, गमंधमंप, मगमग, मंगरेसा। मंधमंसां, नीरेंसां, नीरेंनीधप, मंधनीरें, नीधप, मंधनीसां, नीधप, धमंप, गमंधप, मंधमंगमग, गरेसा। नीरेगमंधनीसां, मंधनीसां, नीरेंसां, नीरेंगं, रेंगं, मंगंरेंसां। नीरेंनीधप, मंधनीरेंगंरेंसां, रेंनीधप, धमंग, मंगमग, मंधमंगरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुक्तः—नीरेगगरेसा । नीरेगमंमंगरेसा, नीरेगमंधपमंगरेसा । नीरेगमंधनीनीधपमंगरेसा । नीरेगमंधनीसांनीधपमंगरेसा । नीरेगमंधनीरेंसांनीधपमंगरेसा । नीरेगमंधनीरेंगंगंरेंसांनीधपमंगरेसा । नीरेगमंधनीरेंगंमंगंरेंसांनीधपमंगरेसा ।

गगरेसा, मंमंगरेसा, धपमंगरेसा, नीनीधपमंगरेसा, सांसांनीधपमंगरेसा, रेंरेंसांनीधपमंगरेसा, गंगंरेंसांनीधपमंगरेसा, मंमंगंरेंसांनीधपमंगरेसा ।

नीरेगमंपमं, गमंधनीसांनीधपमगरेसा, नीरेगमंपमंगमंधनीसांनी, धनीरेंगंमंगंरेंसांनीधपमंगरेसा । नीरेगमं, गमंधनी, धनीसांनीधपमंगरेसा, नीरेगम, गमंधनीधनीरेंगरेंसांनीधपमंगरेसा, नीरेगमं, ममं नी, धनीरेंगं, रेंगंमं गंरेंसांनीधपमंगरेसा ।

राग पूर्वा

बड़ा ख्याल, एकताल (बिलंबित)

पियरवा के बासो तू मोहे भावे लागे गरवा रे पिया प्यारे ।
तू जिन लजावई तूसि तू बडो भाग सोला लछनी नार ॥

स्थाई

मंग	रेसा	नीरे	
पिय	रवा	ऽके	
	४		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग	म़–रेग	मं म	ग	साप	–	मं	पध
वा	ऽऽऽऽ	ऽऽ	सो	तूऽ	ऽ	ऽ	मंहे
X		०		२		०	

ध मंप–––मं–	गम	ग	गमंध–
भाऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	वे	लाऽऽऽ
३		४	

मंग	गरेग–	–रे	सा	रे रेसानीसा–––	नीध	नी	रेग––
ऽगे	गऽऽऽ	ऽर	वा	रेऽऽऽऽऽऽऽ	पिया	प्या	रेऽऽऽ
X		०		२		०	

गमंध–
ऽऽऽऽ
३

अंतरा

मंध	सांगं
तूऽ	जिन
४	

सांसां	–रें	सां	–	नीध	नी	–	रेंनी
लजा	ऽव	ई	ऽ	तूसि	तू	ऽ	बडो
X		०		२		०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| ध	पप–मं	| गम	रे ग	|
| भा	ऽऽऽऽ	| ऽऽ	ग	|
३		४		

गमं	–ध	| सां	नीरें	| नींध	पप–मं	| गम	रे ग	|
सोला	ऽल	| छ	नीऽ	| नाऽ	ऽऽऽऽ	| ऽऽ	र	|
×		०		२		०		

| गमं –	मंग	| रेसा	नीरे	|
| ऽऽऽऽ	रिय	| रवा	ऽके	|
३		४		

स्थायी के आलाप

(१) बा	ऽ |	सा	– |	नीरे	नीध	| प	मंव |
×		०		२		३	
				| सा	पिय	| रवा	ऽके |
				३		४	

(२) बा	ऽ |	सा	– |	नीरे	ग	| –	मंग |
×		०		२		०	
				| रेसा	पिय	| रवा	ऽके |
				३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) बा – | नीरे गमं | प धमंर– | –मं गम |
X ० २ ०

रे
| ग पिय | रवा ऽके |
३ ४

(४) बा – | नीरेगम प | मंध प | धमंपमं गम |
X ० २ ०

रे
| ग–रेसा पिय | रवा ऽके |
३ ४

(५) बा ऽ | नीरेगमं प | मंध नी | ध।–मं गम |
X ० २ ०

| ग–रेसा पिय | रवा ऽके |
३ ४

(६) बा ऽ | मं–धमं सां | नीरें नीधप– | मंधनींध प– –मं |
X ० २ ०

रे
| गमग– पिय | रवा केऽ |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) बा ऽ	मंधनी-	सां	नीरें	सां	नीधपमं	गमग-		
×	०		२		०			
			रेसा	पिय	रवा	केऽ		
			३		४			
(८) बा ऽ	ग-रेसा	पमंधप	-मंनीध	सांनीरेंनी	धप-मं	ग-मंध		
×	०		२		०			
			मगरेसा	पिय	रवा	केऽ		
			३		४			
(९) वा ऽ	गमंधनी	सा	नीरें	गं-रेंसां	रेंनीधप	मंधमंग		
×	०		२		०			
			रेसा	पिय	रवा	ऽके		

अंतरे के आलाप

(१) सां	-	नीरें	सां	नीधपमं	गमं	धसां	-
×		०		२		०	
				मंध	सां	तूऽ	जिन
				३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) सां –नी	ध	प	मंधनीसां	रेंगां	नीधसां–	–		
×	०		२		०			
			गमंध–	सां	तूऽ	जिन		
			३		४			
(३) मंधमं– सां	नीरें	सां	गं	रेंसां	सांनी	धप		
×	०		२		०			
			मंधनीसां	धनीसां–	तूऽ	जीन		
			३		४			
(४) मंधमं– सां	नीरें	गं	रेंसां	मंगं	रेंसा	नीधपमं		
×	०		२		०			
			·मं	धनीसां–	तूऽ	जीन		
			३		४			

स्थाई की बोलतानें ।

(१) बा ऽ	नीरे	सा	नीध	नीध	प	मंधसा–	
	पिय	र	बाऽ	ऽके	बा	ऽऽऽऽ	
×	०		२				

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा	मंग	रेसां	नीरे
सो	पिय	रवा	ऽके
३		४	

(२) ाऽ	नीरे	नी–रेग	– –गरे	गमग–	गमंप–	पध
	पिय	रऽवाऽ	ऽऽकऽ	बाऽसोऽ	तूऽऽऽ	मोहे
×	०		२		०	

धमंरमं	गमग–	धमंग–	रेनी–रे
आऽऽऽ	ऽऽवेऽ	पियरऽ	वाऽऽके
३		४	

(३) बा ऽ	गमंप–	पप	धप	प	मंधनी–	नीधप–
	पिऽऽऽ	यर	वाऽ	के	बाऽऽऽ	सोऽऽऽ
×	०		२		०	

धमं–प	मंगमग	पियरऽ	बाऽऽके.
तूऽऽमो	हेभाऽवे		
३		४	

(४) बा ऽ	गमधनी	–नी	धप	मंधनीसां	नीधप–	पधमंप
	पियरऽ	ऽआ	ऽके	बाऽऽऽ	सोऽऽऽ	तूऽमोहे
×	०		२		०	

–मंग–	मग	पियरऽ	बाऽऽके
ऽऽभाऽ	ऽवे		
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) बा ऽ | मेंगमध सां | –सां रेंसांसां– | नीरेंनीध नीधर– |
| पिऽयर वा | ऽके बाऽसोऽ | तूऽऽऽ मोऽहेऽ |
× ० २ ०

| धमेंपग म–ग–मेंगरे सा | पियरऽ वाऽऽके |
| भाऽऽऽ ऽऽऽऽवेऽऽऽ | |
३ ४

(६) बा ऽ | मंगरेपा धमेंनीध | रेंनीधर नी–रेंगं | नीरेंसां– रेंनीधर |
| पियरऽ वाऽकेऽ | बाऽसोऽ तूऽमोहे | भाऽवेऽ लाऽगेऽ |
× ० २ ०

| मेंपध –मेंप–मे गमग– | पीयरऽ वाऽऽके |
| गऽऽऽरऽऽऽ वाऽऽऽ | |
३ ४

(७) बा ऽ | गमेंधमें सांसां | रेंसांसां– नीरेंगंमें | गंरेंसां– नीसांरे सांनी–ध – |
| पिऽयर वाके | बाऽसोऽ तुऽमोहे | भाऽवेऽ लाऽऽऽगेऽऽऽ |
× ० २ ०

| पप–मंगमग– नीनीध पमेंगरे सा | मंगरेसा –नी–रे |
| ऽऽऽऽगरवाऽ पिऽयाऽप्यारेऽ | पियरवा ऽऽऽके |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की तानें

(१) बा ऽ | नीरे गगरे सा,नीरे गमंध पमंगरेमा | नीरे गमंध नींनंध
× ० २

पमंगरे सा,नीरे ग | मंध नींसांनीध पमं गरे सा,नीरे गमंध |
०

| नीरे गंगंरें सांनीध पमंगरे सा– – – | पियरऽ बाऽऽके |
३ ४

(२) बा ऽ | गगरे सा,नीरे गमं मंगरे सां,ध पमंग | रे सा,नीरे गमंध नी
× ० २

नीध पमंगरे सा– | नीनीध पमंगरे सा नीरे गमंध नीसांरें |
०

| सांनीध पमंग,ध नी सांनीध पमंगरे सा | पीयरऽ बाऽऽके |
३ ४

(३) बा ऽ | नीरे गरे ,गमंपमं ध नीसांनी,ध पमंग | रेमा,नं रे ग रे गमं
× ० २

पमं,ध नीसांनी,रें गं | मंगंरें सांनीध पमं गरे सां,नीरे गमंध |
०

| नीरें गंमंगंरें सांनी ध पमंगरे सा– – | पियरऽ बाऽऽके |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) बा ऽ | नी रे गमंग रे,गमं ध नीध मं,ध नीसांरें | सांनी,मंध नीध पमं
X ०   २

ध पमंगरे सा— — | गमंध नीध मं,ध नी सांरें सांनी,रेंगमंग |
                ०

| रें सां,नीसांरें सांनीध मंध नीध पमंगरे | पियरऽ बाऽऽके |
३   ४

(५) बा ऽ | नी रे गमं,गमंध नी ध पमंगरे सा— — | गमंध नी,ध नी,रें गं
X ०   २

रें सांनीध पमंगरे | गमंध नी,ध नीरें गं रें गंमंगरें सांनीध |
                ०

| पमं,रें सांनीध पमं नीध पमंगरे सा— | पियरऽ बाऽऽके |
३   ४

(६) बा ऽ | गगरे सा,ध पमंग रे सा,नीनीध पमंग रे सारें रें सांनीध प
X ०   २

मंगरे सा,मंमगंरें | सांनीध पमंगरे सा गग रे,मंमंग,नीनी |
                ०

| ध रें रें नी,गंगंगं रें सांनी ध पमंगरेसा | पियरऽ बाऽऽके |
३   ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(७) बा ऽ | पध पध मंपमं। मंगरे सा,ध नीध नी | ध प,मंपमंपमंग

× ० २

रे सा,सांरें सांरें नीसां | नीसांनीध पमं,गमं गमंगरे सा— — — |

०

| नीनीनी,गंगंगरें सां नीध पमंगरे सा— | पियरऽ बाऽऽके |

३ ४

(८) बा ऽ | रे मंगपमंध मंप गमंगरे सा,रे मंग | पमंध पनीध सांनी

× ० २

रें सांनीध प,मंध प | नीध सांनीरें सांगंरें सांनीध प,मंनीध सां |

०

| नीरें सांगंरें मंगंरें सांनीध पमंगरे सा | पियरऽ बाऽऽके |

३ ४

(९) बा ऽ | गरे मं.रे. सा,पमं ध पमंगरे सा,नीध | सांनीध पमंगरे सा |

× ० २

गंरं मंगंरं सां,नीध | पमंगरे सा.गरे मं ग,नीध सांनी;गंरमं

०

| गंरें सांनी ध,रें सांनी ध प,ध पमंगरे सा | पियरऽ बाऽऽके |

३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग मारवा

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें पंचम वर्ज है और ऋषभ कोमल तथा मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध है। इसके आरोह में निषाद का प्रयोग वक्र है। इसका वादी स्वर ऋषभ और संवादी धैवत है, किन्तु कई गुणिजन, वादी ऋषभ और संवादी तीव्र मध्यम मानते हैं, क्योंकि इन दो स्वरों का संवंद षड्ज मध्यम भाव का होता है। जाति षाड़व-षाड़व है। गाने का समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरुप

नीरेगमंधनीधसां, नीरें, नीधमंगरे, नीधसां।

पकड़

नीरे, गमंधमंगरे, नीध. सा।

मुक्त आलाप :—सा, नीरे, नीधसा, नीरे, गरे, गमंगरे, रेनीधसा। नीरे, गमं, मंगरे, रेगमंगरे, गमंगरे, नीधसा। नीरेगमंध, मंध, गमंध, धमंगरे गमंगरे, रेनीधसा। नीरेगमंध, नीध, मंधनीध, मंधनीधमंधमंनीध, धमंगरे, रेगमंधमंगरे, रे, मंगरे, नीधसा। नीरेगमंध, रेगमंध, नीध, मंधसां, नीरें, नीधसां, नीरेंनीध, मंधनीरेंनीध, रेंनीध, धमंगरे, गमंगरे, रेगमंधमगरे, रेनीधसा। नीरेगमंधसां, गमंधसां, नीरें, गरें, गमंगरें, मंगरें, रेंनीधसां, नीरें, नीध, मंगरे, गमंधमंगरे, नीधसा।

मुक्त तानें :—नीरेगगरेसा, नीरेगमंमंगरेसा, नीरेगमंधधमंगरेसा, नीरेगमंधनीनीधमंगरेसा, नीरेगमंधनीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगमंधनीरेंगंगंरेंनीधमंगरेसा,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीरेगमं धनीरें गंमं मं गं रेंनीधमंगरेसा ।

गगरेसा, मंमंगरेसा, धधमंगरेसा, नीनीधमंगरेसा, रेंरेंनीधमंगरेसा, गंगंरेंनीधमंगरेसा, मं मं गं रेंनीधमंगरेसा ।

नीरेगरे, गमंधमं, धनीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगरे, गमंधमं, धनीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगरे, गमंधमं, धनीरेंनी, नीरेंगंरेंनीधमगरेसा, नीरेगरे, गमंधमं, धनीरेंनी, नीरेंगरें, रेंगंमं गंरेंनीधमंगरेसा ।

नीरेगमं, गमंधनीधमगरेसा, नीरेगमं, गमंधनी, धनीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगरे, गमंधमं, धनीरेंनी, रेंगंमं गरेंनीधमंगरेसा ।

नीरेनी, रेगरे, गमंग, मंधमं, धनीध, नीरेंनी, धनीध, मंधमं, गमंग, रेगरे, सा ।

राग मारवा

बड़ा ख्याल, ताल (तिलवाडा)

पिया मोरे अनत देस गइलवा ना जानू कब लो आव ।
उनके दरस देखने को अखियां तरस रही, उन बिन मोहे न भाव ॥

स्थाई

सा	नी	रे	ग	मं	ध	मं	ग	रे	सा	सा	सा	नी
पि	या	ऽ	मो	रे	अ	न	त	दे	ऽ	स	ग	ई
	३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे – नीध –	नी रे मे ग	रे न रेगगरे सानीसा–	सा ध – ध
ल ऽ बाऽ ऽ	ना जा नू क	ब लो ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	श्रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

नी रे सा

ऽ व ई

०

अंतरा

मंध सां सां सां	सां सां – सां	नी रें सां –	सांमं सां सां सां
उन के द र	स दे ऽ ख	वे ऽ को ऽ	अखि यां त र
०	३	×	२
नी रें – नीध	मंग रे – गमं	धध सां सां सां	सांनी रें रें ध
स ऽ ऽ रऽ	हीऽ ऽ ऽ उन	विन मो हे क	छुऽ ऽ न भां
०	३	×	२

नी रे सा

ऽ व ई

०

नोट :—मारवा राग का यह बड़ा ख्याल तिलवाड़ा या धीमा त्रिताल में गाया जाता है इसकी थोडि जल्द याने एक मात्रा में चार स्वर तैयार तान में आये, इतनी रहती है। इसलिये इस ख्याल की तानें, एक मात्रा में चार स्वर के हिसाब से लिखी गई हैं। शिक्षकों को और विद्यार्थियों को इस लय पर ध्यान देना आवश्यक है।

स्थायी के आलाप

(१) म न त ऽ	सा – रेनी ध	– नीरे – नीध	सा –पि याऽ मोरे
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) अ न त ऽ | नृरे – ग रेसा | मं ग रेनी धृ | सा –पि याऽ मोरे |
× २ ० ३

(३) अ न त ऽ | नीरे – ग मे | मंग रे नीरे नीध | सा –पि याऽ मोरे |
× ० २ ३

(४) अ न त ऽ | नीरे ग मे ध | धमं गरे मंग रेनी | धंसां –पि याऽ मोरे |
× २ ० ३

(५) अ न त ऽ | नीरे गमे ध – | नी ध मेंध मेंग | रेसा –पि याऽ मोरे |
× २ ० ३

(६) अ न त ऽ | नीरे गमे ध सां | – नीरें नीध मेंग | रेसा –पि याऽ मोरे |
× २ ० ३

(७) अ न त ऽ | गमं धनी रें – | नीध सां नीध मंग | रेसा –पि याऽ मोरे |
× २ ० ३

(८) अ न त ऽ | मंधनीरें गं रें – | नीध सा नीध मंग | रेसा –पि याऽ मोरे |
× २ २ ३

(९) अ न त ऽ | मंधसां– –नी रें – | मंगंरें– –सा नीधमंग रे |
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नीध़सा– –पि या ऽ मोरे
३

स्थाई को बोल तानें

(१) अ न त ऽ | नी़रे – नी़ध़ – | म़ंध़ सानी़ रेसां सानी़रे– |

| पिया ऽ मोरे ऽ | अन तदे ऽस बइलऽ |

× २ ०

| ––नी़ध़ –पि याऽ मोरे |

| ऽऽवाऽ |

३

(२) अ न त ऽ | गरे –मं गरे सासा | ध़नी़रे– रे – म़ंध़ |

| पिया ऽमो रेअ नत | देऽऽऽ स ऽ गई |

× २ ०

| रेसा –पि याऽ मोरे |

| लवा |

३

(३) अ न त ऽ | नी़रेध़– नी़रे – गमंध– | धध – मे– –ग –सानी़रे |

| पिऽयाऽ मोरे ऽ अऽऽऽ | नत ऽ देऽऽस ऽगइल |

× २ ०

| ध़ सा,पि याऽ मोरे |

| वा ऽ |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) अ न त ऽ | धनीरे– गमेध– नीध ध | मंमं धध नीधमंग रेग–रे |
| पिऽयाऽ मोऽरे, अन त | देऽ ऽम गऽऽऽ इऽऽन |
× २ ०

| नीध– – सा,पि याऽ मोरे |
| बाऽऽऽ ऽ |
३

(५) अ न त ऽ | गमंधनी रें नीध सां | नीरें नीध नीधमंग मंगरेसा |
| पियाऽऽ ऽ मोरे ऽ | अन तऽ देऽऽऽ ऽऽऽऽ |
× २ ०

| नीरेंनीध सा,पि याऽ मोरे |
| गइलवा ऽ |
३

(६) अ न त ऽ | गमंधमं मंधनीध धनीरें– रें | गंरें मंगं रेंसां रेंरेंनीध |
| पिऽऽऽ याऽऽऽ मोऽऽऽ रे | अन तदे ऽम गऽइल |
× २ ०

| मंगरे– सा,पि याऽ मोरे |
३

(७) अ न त ऽ | गमंग,मं धमं,धनी धनीरें– मंगं | रेंसां नीरेंरें,ध नींनी,मंध धमंगरे |
| पिऽऽया ऽऽमोऽ ऽरेऽऽ अन | तऽ देऽऽब ऽऽगऽ ऽइलवा |
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| सा–नी़रे नी़ध़,पिऽ याऽ मोरे |
ऽऽऽऽ ऽऽ
३

(८) अ न त ऽ | गगरेसा मंमंगरे धधमंग मंगरेसा | मंधनीरें नीरेंरें–
पिऽया मोऽऽऽ रेऽऽऽ ऽऽऽऽ | अऽऽऽ नऽतऽ
× २ २

| गरेंनीध नीरें– – | नीधमंग रेसा,पिऽ योऽ मोरे |
देऽऽऽ सऽऽऽ | गइलऽ वा
३

स्थायी की ताने

(१) अ न त ऽ | नी़रेगग रेसानी़रे गमंधध मंगरेसा |
× २

| नी़रेगमं धनीनीध मंगरेसा रेंनीधमं | गरेसा– –पि याऽ मोरे |
० ३

(२) अ न त ऽ | नी़रेगमं धनीरेंगं गंरेंनीध मंगरेसा |
× २

(३) अ न त ऽ | नी़रेगमं गमंधनी धनीरेंगं रेंनीधमं |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| गरेसा– धनीरेंगं रेंगंमंग रेंसां,रेंनी | धमंगरे सा,पि याऽ मोरे |
० ३

(४) अ न त ऽ | रेगरे,ग मंग,मंध मं,धनीध मंधमं,ग |
× २

| मंग,मंध मंधनी,ध नीरेंनी,ध नीध,मंध | मं,गमग रेसा,पिऽ याऽ मोरे |
० ३

(५) अ न त ऽ | नीरेगमं धमं,गमं धनीरेंनी धमं,रे |
× २

| गमंधनी रेंनी,धनी रेंगंमंगं रेंनीधम | धमंगरे सापि याऽ मोरे |
० ३

(६) अ न त ऽ | गमरेनी धनीरेग मंधनीध मंगरेसा |
× २

| धधमग रेगमंध नीरेगरें नीधमंग | मंगरेसा –पि याऽ मोरे |
० ३

(७) अ न त ऽ | मंधमंध मंगरे,ध नीधनी,मं धमंध,मं |
× २

| गरेसा– नीरेंनीरें नीध,मंध मंध,गमं | गमंगरे सा,पि याऽ मोरे |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) म न त ऽ | नीरेंगरे गमंमें धनीरेंनी मंधनीध |
× २
| धनीरेंनी नीरेंगरें धनीरेंनी मंधनीध | धमंगरे सा,पि पाऽ मोरे |
० ३

राग गौड़ सारंग

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है तथा इसकी जाती वक्र संपूर्ण है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, तीव्र मध्यम का उपयोग पंचम के साथ इस प्रकार है 'पमंप'। इस राग का स्वरूप 'गरेंमग' इस पर ही विशेष रूप से आधारित है वादी स्वर गांधार और संवादी धैवत है। गाने का समय दोपहर का है।

आरोहावरोह स्वरूप

सागरेमग, पमंधप, नोधसां,

सां, धनीप, मंप, गरेमगपरेसा,

पकड़

सा, गरेमग, परेसा।

मुक्त आलाप :—सा, धनीप, पधपपसा, सारेसा, सागरेमग, मरेसा। धनीपसा, सारेसा, सागरेमग, परेसा, सागरेमग, पमंप, गमगरेमग, पधप, धमंप, गमगरेमग, परेसा। सारेसा, ममरेसा, सागरेमग, पमंप, धनीप, मंप, गमगरेमग, परेसा। सागरेमग, पधप, नोधनी, पधपप, सां, सांरेंसां, नीधनीप,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पपसांसांरेंमं, नीधनीप, पमं ग, गरेमग, परेसा। पधपपसां, मंपधनी, पधपपसां, सांरेंसां, गंरेंमंगंमंरेंसां, सांरेंसां, पसांरेंसां, नीधनी, पधपप, मग, रेमगपरेसा। परेसा, धपमंपमगपरेसा। सांनींधनीपधपप, सांगंरेंमंगंपंरेंसांनीधनीपधपप, गरेमगपरेसा।

मुक्त तानें :—सारेसासा, ऩीधऩीपधपपसा, सागरेमगमरेसा, सागरेमगपरेसा, सागरेमगपमंधपपरेसा, सागरेमगपमंधपनीधनीपधपपरेसा। सागरेमगपमंनीधसांधनीपधपपरेसा। सागरेमगपमंधपनीधसां, सांगंरेंमंगंमंरेंसां, नीधनीपधपपरेसा। सासारेरेसासा, गगरेममगपपरेसा, गगरेममगपपमंधधमंपप गममगपपरेसा। गमरेसा, धपपरेसा, मंपधनीपधपममरेसा, मंपधनी,पधपप, सांगंरेंमंगंमंरेंसां, नीधनीपधप, गमपपरेसा।

राग गौड़ सारंग

बड़ा ख्याल—एक ताल (बिलंबित)

जिन करो लरकैया सैंया छांड दे मोरी बैंया सैंया।
सास ननंद के जाने देहो मेहरबान ना कर बात कन्हैया,
सैंया, छांड दे मोरी बैंया सैंया ॥

स्थाई

–सा	सारे	सा	सासा
ऽजी	नक	रो	लर
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा ध	प	पधमंप– – – –	–	म–गम	गरे	म	ग
के	या	SSSSSSSS	S	सैंSSS	याS	S	S
×		०		२		०	

मग	प	–प	धनीसां–
छांड	दे	Sमो	रीSSS
३		४	

तांव	नी –प	पधमंप– – – –	–	म–गम	गरे	म	ग
बैंS	Sया	SSSSSSSS	S	सैंSSS	याS	S	S
×		०		२		०	

अंतरा

प	पसां	सांसां	––नीसां
सा	सन	नंद	SSSS
३		४	

सां	–ध	नीसां	रें	सांसां	सां,रेंनीसां–	–ध	नीप
को	Sज	नेदे	हो	मेहे	रबाSSS	SS	Sन
×		०		२		०	

(प)	मम	प	–प
ना	कर	बा	Sत
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प़ धनीसां–	–ध	नीप	–	म–गम	गरे	म	ग
कन्हैऽऽऽ	ऽऽ	ऽया	ऽ	सैंऽऽऽ	याऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०	

मग	प	–ग	धनीसां–
छांड	दे	ऽमो	रीऽऽऽ
३		४	

	नी						
सांध	–प	पधमंप––––––	–	म–गम	गरे	म	ग
बैऽ	ऽया	ऽऽऽऽऽऽऽऽ	ऽ	सैंऽऽऽ	याऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०	

मरे	सारे	सा	सासा
ऽजि	नक़	रो	लर
३		४	

स्थायी के आलाप

(१) कै या	सा	–	धऩी	प़	प़प़	सा
×	०		२		०	

–रे	सा	सासारेसा –	–सासा
		जिनकरो	ऽऽलर
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) कै या | सारे —सा | गरे मग | परे —सा |
× ० २ ०

| प़ध़प़प़ सा | जिनकरो ——लर |
३ ४

(३) कै या | सारे —सा | साग रेम | ग मग |
× ० २ ०

| प- रेसा | जिनकरो ——लर |
३ ४

(४) कै या | साग रेम | ग पमध— | प गरेमग |
× ० २ ०

| परे सा | जिनकरो ——लर |
३ ४

(५) कै या | सा मग | प धनी | प मगप— |
× ० २ ०

| रे— सा | जिनकरो ——लर |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) कै या	पधपप	सां	नीधनी–	प	मंप	गमगरे	
	×	०	२		०		
			मग	परें–सा	जिनकरो	––लर	
			३		४		

(७) कै या	पपसां–	–	सांरें	–सां	पपधनी	प–गम	
	×	०	२		०		
			परे	–सा	जिनकरो	––लर	
			३		४		

(८) कै या	पपसांसां	रें	सां	गंमंरें–	सां	गरेमग	
	×	०	२		०		
			परे	सा	जिनकरो	––लर	
			३		४		

(९) कै या	पधपप	सांरेंसांसां	गंमंपं–	रेंसां	धनीपध	पपगरे	
	×	०	२		०		
			मगप–	रेसा	जिनकरो	––लर	
			३		४		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरे के आलाप

(१) को ऽ	सां	—	सांरें	—सां	पधपप	सां		
×	०		२		०			
			सा	सन	नंद	ऽऽ		
			३		४			
(२) को ऽ	सांरें	—सां	नी—धनी पधपप		पसां	रेंसां		
×	०		२		०			
			सा	सन	नंद	ऽऽ		
			३		४			
(३) को ऽ	सां	गंरें	मं	गं	मंरें	—सां		
×	०		२		०			
			सा	सन	नंद	ऽऽ		
			३		४			
(४) को ऽ	सांरेंसांसां	गं	गंरें	मंगं	पंरें	—सां		
×	०		२		०			
			सा	सन	नंद	ऽऽ		
			३		४			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई की बोलतानें ।

(१) के या	सासा	—रे	सा	प़ध़प़—	म़रे	सा
	जिन	ऽक	रो	लऽरऽ	वैऽ	या
×	०		२		०	

गरे	मग	जिनकरो	ऽऽलर
सैऽ	याऽ		
३		४	

(२) के या	प़ध़प़प़	सासा	साग	—रे	म	ग
	जिऽनऽ	करो	लर	ऽऽ	कै	या
×	०		२		०	

परे	—सा	जिनकरो	ऽऽलर
सैंऽ	याऽ		
३		४	

(३) के या	सा—मग	पप	धप	पमं	पम	ग
	जिऽनऽ	करो	लर	कैऽ	ऽया	ऽ
×	०		२		०	

परे	—सा	जिनकरो	ऽऽलर
सैंऽ	ऽया		
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) कै या

नीसा	गरे	मग	पधपप	सां	सांरेंसां–
जिन	करो	ऽऽ	लऽरऽ	कै	ऽऽयांऽ
× २		०		०	

धपमग	मरेसा–	जिनकरो	ऽऽलर
सैंऽऽऽ	ऽऽयांऽ		
३		४	

(५) कै या

गरेसा–	मगप–	नीधप,ध	पमग–	पसांरेंसां	गंरेंसां,नी
जिऽनऽ	कऽरोऽ	लऽरकै	ऽयांऽऽ	छांऽडदे	मोऽरिबैं
× ०		२		०	

धप,मग	परे–सा	जिनकरो	ऽऽलर
ऽयासैंऽ	ऽऽऽया		
३		४	

(६) कै या

प– –प	–धमं	गमगरे	मग	गममग	मंप,नीध
जिऽऽन	ऽकरोऽ	लरकेऽ	ऽया	छांऽडदे	ऽऽमोऽ
× ०		२		०	

प,गमग	परेसा–	जिनकरो	ऽऽलर
रिबैऽया	सैंऽयांऽ		
३		४	

(७) कै या

पधपपसां– – –	रेंसां	गंरेंमंगं	मंरेंसां–
जिऽऽऽनऽऽऽ	करो	कऽकैंऽ	ऽऽयांऽ
× ०		२	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| धरम- - -ग- मंपधनी,मंपध,ग | मग,गरेमगपप सारेसा- |
| सेऽयाऽऽऽयाऽ छांऽऽऽडऽऽदे | ऽऽमोऽऽऽऽरि बेऽयाऽ |

● ३

| जिनकरो ऽऽनर |

४

स्थाई की ताने

(१) के या | सासागरेमगरप रेसा,गरेमगपमं | धपरेरेसा,सांनीध पममरेमा,रेंसांनी |

× ० २

| धपमग,पपरेसा सारेसासागरेमग | मंपधनीपधपप सांनीधपममरेसा |

● ३

| जिनकरो ऽऽनर |

४

(२) के या | गरेमगपनरेसा मंपधनीपधरप | गमगरेमगपप धपसांनीरेंसांधप |

× ० २

| गरे गपमंधप सांनीधपममरेसा | पधपधमंपगम गरेमगपपरेसा |

० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| जिनकरो ऽऽलर |
४

(३) के या | सारेसा,सारेसा,गम ग,गमग,गरेमग | पधप,पधप,नोध नी,पधप,गमग,प |
× ० २

| धप,पधपपरेसा सांरेंसां,सांरेंमां,नीध | धनी,पधप,गमग गमग,पपरेसा– |
० ३

| जिनकरो ऽऽलर |
४

(४) के या | मगममरेसा,मग पपधपपरेसा– | नीधनीपधपपरे सा,नीधपममरेसा |
× ० २

| रेंसांनीधप,गंरेंमं गंमंरेंसांनीधप,सां | रेंसांरें,नीसांनीसांध पधपममरेसा– |
० २

| जिनकरो ऽऽलर |
४

(५) के या | रेमग,गमप,रेसा मेधप,गमप,रेग | म,गमप,रेसा,मेप धनी,मेपध,गमप |
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| रेगम,रेमग,पप रेसा,नीसांरें,मंपध | मंपधनी,पधपप सांनीधपममरेसा |
| ० | ३ |

| जिनकरो ऽऽनर |
| ४ |

(६) सै या | मंपधनीपधपर सांरेंमांनीधनीरध | पप,गंरेंमंगंमंरें सांरेंसानीधनींपध |
× ० २

| परगरेमगपप रेसा,गरेमगपमं | धपनीधसांरेंसानी धप,धपममरेसा |
० ३

| जिनकरो ऽऽलर |
४

(७) सै या | सामगरमंधमंप सामगरमंधमंनी | धनीपधपपरेसा सामगपमंधमंनी |
× ० २

| धसांनीरेंसांनीधर ममरेसा,मंमंगंमं | सांरेंसांरेंनीसांनीसां धनीपधपपरेसा |
० ३

| जिनकरो ऽऽलर |
४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग जयजयवन्ती

यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाती वक्र संपूर्ण है। इसमें दो गांधार और दो निषाद का प्रयोग होता है। आरोह में 'ग', 'नी', शुद्ध और अवरोह में 'ग' 'नी' कोमल, कोमल गांधार, ऋषभ के साथ, अवरोह में 'रेगरेसा' इस प्रकार से हमेशा आता है यहि षड़ज पर आनेका तरिका है। वादी स्वर ऋसभ व संवादी पंचम है। गाने का समय रात्री का अंतिम प्रहर है। यह राग सोरठ अंग से गाया जाता है।

आरोह अवरोह स्वरुप

सा, नीसाधनीरे, रेगरेसा, गमप, नीसां। सांनी धप, धगम, रेगरेसा।

पकड़

रेगरेसा, नीसाधनीरे।

मुक्त आलाप :—सा, नीधप, रे, रेगरेसा। नीसाधनीरे, रेग, गमग, रेगरेसा। नीसाधनीरे, रेग, गमपमग, मग, पमग, रेगरेसा। रेगमप, नीधप, धगम, रेगरेसा। रेगमप, पनीधनी धप, पधगम, नीधप, मग, मगरेगरेसा। गमपनीसां, रेंसां, सांनीधप, रेंसांनीधप, नीधप, धपमग, पमग, मगरेगरेसा। रेगमप, मनीधनीधप, धगम, मपनीसां, नीसांधनीरें, रेंगंरेंसां, रेंसांनीधप, नीधप, धगम, रेंगमपधगम, रेगरेसा। मपनीसां, नीसांधनीरें रेंगंमंगंमंगं मंगंरेंगंरेंसां, रेंसांनीध; धगम, रेंगमपधगम, रेगरेसा, नीसाधनीरे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुक्त तानें :—नीसारेगरेसा, नीसारेगमगरेगरेसा, नीसारेगमपमगरेगरेसा, नीसारेगमपधनीधपमगरेगरेसा, गमपनीसांनीधपमगरेगरेसा, गमपनीसांरेंसांनीधपम गरेगरेसा, गमपनीसांरेंगंमंगंरेंगंरेंसांनीधपमगरेगरेसा ।

नीसारेग, रेगमपमगरेगरेसा, नीसारेगरेगमप, मपधनीधपमगरेगरेसा, नीसारेग, रेगमप, मपनीसां, नीसांरेंगरेंसांनीधपमगरेगरेसा ।

रेगरे, गमग, रेगरेसा, रेगरे, गमग, मपम, पधप, गमग, मपम, रेगरे, गमग, रेगरेसा, रेगरे, मपम, गमग, पधप, मपम, धनीध, गमग, पधप, रेगरे, मपम, गमग, रेगरेसा ।

रेगरे, रेमम, गपपमगरेगरेसा, मपप, मधध, पनीनीधप, मधधपम, गपपमग, रेगरेसा ।

राग जयजयवंती

बड़ा ख्याल ताल—झुमरा

वाय (वो) कहां करहो, जिनके पिया परदेस ।
मुख को तंबोल नैनन को री कजरा, पिया के बियोग ॥

स्थाई

सारेग-	रेसा	नीध	नीसा
वाऽऽऽ	यक	हांऽ	कर

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे प म
सा -सा साग | मग ग मप मग | रेग रेसा नीसा- - |
हो ऽजी नके | पिया ऽ पर देऽ | ऽऽ सऽ ऽऽऽऽ |
× २ ०

अंतरा

मम पप | सां - -नीसां -सां | - नीसां सांरें -गं रेंसां - नी-सांनी |
मुख कोतं | बो ऽऽऽऽ ऽल | ऽ नैन नक ऽऽ | रीऽ ऽ कऽजऽ |
× २ ०

रे प म
सांनी धप पधनी- धप | मग ग - | मग म ग रे | गरे सा नीसा- - |
ऽरा ऽऽ ऽऽऽऽ पिया | काऽ - ऽ | कवि यो ऽ ऽ | ऽग ऽ ऽऽऽऽ |
३ × २ ०

स्थाई के आलाप

(१) हो ऽ ऽ | सा - नीध प | रे - रेग | रेसा नीसा-- रेगरेसा नीधनीसा |
वाऽयक हाऽकर |
× २ ० ३

(२) हो ऽ ऽ | नीध प रे - | रेग रेसा -नी | धनी रेसा वाऽयक हाऽकर |
× २ ० ३

(३ हो ऽ ऽ | नीसा धनी रे - | रेग -ग मग | रेग रेसा वाऽयक हाऽकर |
× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) हो ऽ ऽ | रे ग – मप | –ध गम रेग | रेसा नीसा– – बाऽयक हाऽकर |

× २ ० ३

(५) हो ऽ ऽ | रेगमप – –नीध प | रग–म रे–गरे सा | धनीरे– सा बाऽयक हाऽकर |

× २ ० ३

(६) हो ऽ ऽ | मपध– गम रेग रसा नीध | पसां नीध प–गम |

× २ ०

| रेग रेसा बाऽयक हाऽकर |

३

(७) हो ऽ ऽ | मपनी– सां – धनीरें– | –सां नीध प–धग |

× २ ०

| –मरे– गरेसा– बाऽयक हाऽकर |

३

(८) हो ऽ ऽ | रेमपनी सां धनी रें | गंरें सां–नीध प–धग |

× २ ०

| –मरेग रेसा बाऽयक हाऽकर |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) हो ऽ ऽ | रेमपनी सां–धनी रें गंमं | गं–रेंगं रेंसा नीधपम |
× २ ०

| गमरे– गरेसा– बाऽयक हाऽकर |
३

अंतरे के आलाप

(१) बो ऽऽ ल | सां – धनी रें | सां नीध प–मप | नी सां मुख कोतं |
× २ ०

(२) बो ऽऽ ल | नीसां धनी रें – | गंरें सां नीध |
× २ ०

| प–मप नीसां मुख कोतं |
३

(३) बो ऽऽ ल | धनी रें रेंगं ––मंगं | रेंगं रेंसां नीधपम |
× २ ०

| पनी सां मुख कोतं |
३

(४) बो ऽऽ ल | रें गं मंगंरें– गं–रेंसां | नीधपम गमप– मपनी– |
× २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| सां पनीसां— मुख कोतं |
३

स्थाई की बोल तानें

(१) हो ऽ ऽ | रेनीसा— धनी रे नीध | प पप रेरे |
वाऽऽऽ यक हा कर | हो कऽ ऽर |
× २ ३

| —ग रेसा वाऽय क हाऽकर |
ऽऽ होऽ
३

(२) हो ऽ ऽ | नीसा धनी रे गम | गम रेग रेसा |
वाऽ यक हा कर | ऽऽ ऽऽ होऽ |
× ० २

| मगरे— गरेसा— वाऽयक हाऽकर |
कऽरऽ ऽहोऽऽ
२

(३) हो ऽ ऽ | रेग ग मप — | धग—म रेगरेसा नीसारे— |
वाऽ य कहा ऽ | कऽऽर ऽऽहोऽ कऽऽऽ |
× २ ० ×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| धनी प- रेरे वाऽयक हाऽकर |
| ऽऽरऽ ऽहो |
| ३ |

(४) हो ऽ ऽ | रेगमप प नी-धप धमगरे | गरेसा- रेगमप सांनीधप |
| वाऽऽऽ य कऽहाऽ कऽऽर | ऽहोऽऽ जिनकेऽ पिऽया।ऽ |
× २ ०

| रेगमऽग-म-- रेगरेसा वाऽयक हाऽकर |
| पऽऽऽरऽऽऽ देऽसऽ |
४

(५) हो ऽ ऽ | रेगमप नीसां सां रेंरें | सां सांनीधप नीधप,ध |
| वाऽऽऽ यक हा कर | हो जिनकेऽ पिऽऽया |
× २ ०

| पमगम रेगरेसा वाऽयक हाऽकर |
| ऽऽपर देऽसऽ |
३

(६) हो ऽ ऽ | मपनीसां सां रेंनीसांध नीरे-- |
| वाऽऽऽ य कसाऽक रहोऽऽ |
× ०

| गंरेंसां- मपनीसांनी धपम रेगमपग-म- | रेगरेसा नी धपमरेग रेसा |
| जिनकेऽ पिऽऽऽयाऽऽऽ पऽऽऽरऽऽऽ | देऽसऽ हऽरऽदेऽसऽ |
● ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वाऽयक हाऽकर |

३

(७) हो ऽ ऽ | पगमरेग रेसा– मपम,पमग,नीसां रेंग रेंसां रें नी ग |
वाऽऽयऽकहाऽ कऽररऽऽहोऽ जिनकेऽ निऽऽया

× २

| मरेगरे सासा–– मपध,गमप,रेग |
ऽगरदे ऽसऽऽ वाऽऽनऽऽकऽ

०

| रेसा–– धनी रे– – – – – – वाऽयक हाऽकर |
ह.ऽऽऽ करहोऽऽऽऽऽ

३

स्थायी की ताने

(१) हो ऽ ऽ | नीसारेग रेसा,नीसा रेग मगरेग रेसा नीसारेगमपमग |

× २

रेग रेसा,नीसारेग | मपनी धपमगरे ग रेसा रेगमपनी सांनी धपमग,मप |

०

| नीसारेगं रेंसांनी ध पमगरेग रेसा– वाऽयक हाऽकर |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) हो ऽ ऽ | मगरेग रेसा,नी ध पमगमरेग रेसा सांनी धपमगरेग
× २

रेसा,रेंसांनी धपम | गरेग रेसा,गं रेंसां नी धपमगरेग रे रेगमप,मपनीसां |
०

| नीसांरेंगं रेंसांनी ध पमगमरेग रेसा वाऽयक हाऽकर |
३

(३) हो ऽ ऽ | नीसारेसा,रेगमग रेग रेसा,रेगमग मपधप,पधनी ध मपधप,रेगमग |
× २

| रेग रेसा,मपधर नीसांरेंसां,रेंगंमंग रेंग रेंसां,रेंसांनीसां |
०

| मपनी ध,गमपम गमरेग रेसा– – वाऽयक हाऽकर |
३

(४) हो ऽ ऽ | रेग रे,रेग रे,मा– गमग,मपम,गम ग,रेग रे,रेग रेसा |
× २

| मपम,पधर,मर | म,रेगरे,गमग,रे ग रेसा–,धनी ध,धनी धर,मपम,मप |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| मग,रेग़ रेसा-- धप-ःगरेग़ रेसा वाऽयक हाऽकर |

३

(५) हो ऽ ऽ | सानीसारें,नीसां,रेग मगरेग़ रेसा--मगमपमगरेग़ |

× २

रेसा,पमप-पम | गमरेग़ रेसा,सांरी सांरेंनीसांनीध,पम पधमपमग,मप |

०

| नीसांरेंगं रेंसांनी ध पमगमरेग़ रेसा वाऽयक हाऽकर |

३

राग छायानट

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, तीव्र मध्यम केवल आरोह में अल्प प्रमाण से लिया जाता है जैसे "पमंप" शुद्ध मध्यम आरोह अवरोह दोनों में लिया जाता है, शेष स्वर शुद्ध हैं। इनमें 'रेगमनीधप'। या 'मनीधप' इन स्वर प्रयोग के साथ अवरोह में कोमल 'नी' का उपयोग होता है। वादी स्वर 'पंचम' और संवादी ऋषभ है। जाति वक्र संपूर्ण है। गान का समय रात्री का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रे,ग, मप, पधपसां, सांधप, म, ग, मरेसा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पकड़

प, रे, गमप, गम, रेसा ।

मुक्त आलाप :——सा, धप, पपसा, रेसा । सारेसा, रेगमरेसा, गमरेसा, पधपपसा । रेगमपम, ग,मरेसा, रेग, गम, गमप, धप, मंप, गमरेसा । सारेसा, गमरेसा, सा, मगमरेसा, प, धप, म, ग, मरेसा, रेगमनी॒धप, धपम, ग, मरेसा । रेगमप, गमप, धधप, रेगमनी॒धप, पपसा, धप, रेंसां, धप, मंप, गम, सारेसा । रेगमप, रे, गमनी॒धप, पपसां, रेंसां, पसांरें, सां, रेंगं, गंमं, रेंसां, रेंसांधप, सांधप, रेगमनी॒धप, धपम, रे, सा । सारेसा, गमरेसा, पमगरेसा, धपम, ग, मरेसा, सांधप, सांरेंसां, धप, गंमंपंमं, गं, मंरेंसां, धप, मनी॒धप, म, ग, मरेसा ।

मुक्त तानें :——पपसासारेरेसासा, धनी॒पपसासारेरेसासारेगमग, मरेसासा; रेगमपमगमरेसासा, रेगमनी॒धपमगमरेसासा, धपसांसांधपममरेसा, सांरेंसांसां, गंमंरेंसांधपममरेसा ।

सारेसा, रेगरे, गमग, मपम, गमग, मरेसा, सारेसा, रेगरे, गमग, मंपमं, पधप, गमग, मरेसा, पधप, सांरेंसां रेंगंरें, गंमंगं, मंरेंसां, पधप, गमग, मरेसा ।

सारेगम, रेगमप, गमरेसा, सारेगम, रेगमप, गमनी॒धपप, रेगमप ममरेसा । सारेगम, रेगमप, मपसांरें, सांरेंगंमं, रेंसांधप, सांधप, ममरेसा । सामगपममरेसा, सामगपमंधमंपगमरेसा, सामगपमंधपसांनीरेंसांसांधपममरेसा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग छायानट

बड़ा ख्याल, (तिलवाडा)

करत हो मोसो नहो की झुरी झुरी बतीया बनाय ।
वेतो हमे हूं जानत तुम हुं जानत सरस जग,
जानत हिय सो हियरा देत जनाय ॥

स्थाई

सा—साग	—	(सा)	—सा
कSSS	S	र	Sत

ग	म				प	म			सा		
रे	ग	रे	गमप—	म	ग	रे	सा	(सा)	ध़	ध़सा	प़
हो	S	S	SSSS	मो	S	S	सो	ने	हां	किS	S
×				२				०			

ध़ध़	सां	रे—गरे	ग— —रे
झूटि	S	झूSSS	SSSS
३			

									प	म	
सारेनीसा— — — — — —	रेग	गम	(प)	म	ग	मरे	रेगमप	म	म	रे	सा
टीSSSSSSS	S	बति याS	ब	ना	य	SS	बSSS	ना	S	S	य
×			२								३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

| मप पसां ––नीसां |
| वेतो हमे ऽऽऽऽ |

सां सां धप मेप––	पधमेप–––– म ग मरे	रेरे ग म पमम–
हूं जा ऽऽ ऽऽऽऽ	नऽऽऽऽऽऽऽ त ऽ ऽऽ	तुम हूं ऽ जाऽऽऽ
×	२	०

| रे सा पप सारे |
| न त सर सज |
| ३ |

सा सारेसासा–––– धप म	पप सां धप म	ग ग–मरे सा रेसा
ग जाऽऽऽऽऽऽऽ नत हि	यसो ऽ हिय रा	ऽ देऽऽऽ त जना
×	२	०

| ––नीसा |
| ऽऽयऽ |
| ३ |

स्थायी के आलाप

(१) हो ऽ सा – | ध प पप सा | रेसा रेग गम –रे | सा कऽऽऽ ऽर ऽत |

× २ ० ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) हो ऽ सा – | धधपप सा –रे सा | रे ग गम सारे | सा कऽऽऽ ऽर ऽत |

× २ ० ३

(३) हो ऽ सा – | रेग –ग –म प | म ग मरे सारे | सा कऽऽऽ ऽर ऽत |

× २ ० ३

(४) हो ऽ रेग मप | – गम नी धप | धमप– म ग मरे | –सा कऽऽऽ ऽर ऽत |

× २ ० ३

(५) हो ऽ रेगमप – | पपसां– – सां धप | गमनी– धप म गम |

× २ ०

| रेसा कऽऽ ऽर ऽत |

३

(६) हो ऽ पधपप सां | सांरें –सां सांध प | पपसांसां रेंसां धप मग–ग |

× २

| रेसा कऽऽ ऽर ऽत |

३

(७) हो ऽ गमरेसा पधप– | म–रेसा गमनी ध प पपसांसां |

× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| रेंसां गं–मंरें सां धपमग | मरे–सा कऽऽ ऽर ऽत |

० ३

(८) हो ऽ रेगगम मप– – | नी धप– पधपपसां– – – रेंगंगंमं –रेंसां– |

× २

| सारेंसांसांपधपप सां–धप मग पधपपग–म– | सारेसा– कऽऽ ऽर ऽत |

० ३

अंतरे के आलाप

(१) हूं ऽ सां – | पधपप सां सांरें –सां | सांध प–गम नी धप– पधपप |

× २ ०

| सां वेतो हमे ऽऽऽऽ |

३

(२) हूं ऽ सां – | रेंगं गंमं –रें सां | मंरें सां धप पसांरें– |

× २ ०

| सां वेतो हमे ऽऽऽऽ |

३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) हूं ऽ सां धप | रेंसां धप गंमंरें– सां | धप गमपध पप सां |
× २ ०

| सारें–सां वेतो हमे ऽऽऽऽ |
३

(४) हूं ऽ रेंगं गंमं | पंमं –गं मंरें सां | रेंगंगंमं रेंसां रेंसांधप गंमंरेंसां |
× २ ०

| धपसां– वेतो हमे ऽऽऽऽ |
३

स्थाई की बोल तानें

(१) हो ऽ सा रेरे | ग गम मरे –सा | सारेनीसा– – – – धध साप धध
क रत | हो ऽऽ मोऽ ऽसो | नेऽऽऽऽऽऽऽ हाकि ऽऽ झूटि
× २ ०

सा कऽऽ ऽर ऽत |
३

(२) हो ऽ सारे रेग | गम प पधमप– – – – रे | रेग –म मगम– रेसापसा |
कर ऽत | होऽ ऽ मोऽऽऽऽऽऽऽ सो | नेहा ऽकि झूऽऽऽ टिऽबति |
× ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेसा कऽऽ ऽर ऽत |
ऽया
३

(३) हो ऽ पसा रेसा | पधमंप मग परे गमनी– | धपं पधमंप मग मरे |
कर तहो | मोऽऽऽ सोऽ नेहा ऽऽऽऽ | कीऽ झूऽऽऽ टीऽ बति |
× २ ०

| सारेसा– कऽऽऽ ऽर ऽत |
ऽऽयाऽ
३

(४) हो ऽ पधपप सां | रेंसां सांध | –प पसारें– |
कऽऽऽ र | ताहो मोऽ | ऽसो नेऽऽऽ |
× २

| सांध–प गमनीध प–मग मरे | सारेसा– कऽऽ ऽर ऽत |
हाऽऽकि झूऽऽऽ टीऽझूऽ ऽटि | बतियांऽ
० ३

(५) हो ऽ सासारे– ग–गम | प–––पधमंप मग पपसांसारें––– सांध–र |
कऽरऽ तऽहोऽ | ऽऽऽऽमोऽऽऽ सोऽ नेऽऽऽऽऽऽऽ हाऽऽकि |
× २

| पधमंपम–ग– मरेसारे सा पपसांसारें–सांसां |
झूऽटिऽझूऽऽऽ ऽटिबति या बऽऽऽऽऽनाऽ |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| धपममरेसा-- कऽऽ ऽर ऽत |
| ऽऽयऽऽऽऽऽ |
| ३ |

(६) हो ऽ प--प --प- | रे-रे- गमरे- सा गमपनी |
कऽऽर ऽऽतऽ | ऽऽहोऽ मोऽऽऽ सो नेऽऽहा |
× २

| सांरेंसां- रेंगंमंरें सांरेंसां- प-सां-रें-सांसां |
| ऽऽकोऽ झूऽऽटि झूऽटोऽ बऽतिऽयाऽबऽ |
| ० |

| धपममरेसा-- कऽऽ ऽर ऽत |
| नाऽयऽऽऽऽऽ |
| ३ |

(७) हो ऽ सारेनीसा, पधमंप ममरेसारे-ग- | गमप- रेगमनी ध-प- |
कऽऽऽरऽऽऽ तऽहोऽमोऽऽऽ | सोऽऽऽ नेऽऽऽहाऽकिऽ
× २

पधपपसां--- रेंगंमं-रें-सां- | मंरें-सांसांध-प पपरेरेगमप-
झूऽऽऽटीऽऽऽ झूऽऽऽटीऽऽऽ | बतिऽयाबनाऽय करतहीमाऽऽसोऽ
०

रेगमनी धधप- रेगमरपसांरेंसां | सांसांधपममरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
झुठिझुटिबतियाऽ बऽऽऽनाऽऽऽ | येऽऽऽऽऽऽऽ
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी की ताने

(१) हो ऽ ऽ ऽ | पपसासारेरेसासा सासाधनी पपसासा रेरेसासारेगमग
× २

मरेसासा,रेगमप | मगमरे,सारेसासा मगमरेसारेसासा पपमगमरेसारे
०

सासा,रेगमप,गम | नी धपपममरेसा कऽऽ ऽर क्त |
३

(२) हो ऽ ऽ ऽ | पपसासारेरेसासा रेगमगमरेसासा रेगमपमगमरे
× २

सारेसासा,रेगमध | पप,गमनी धपप सांसांधपमंपधप मगमरेसारेसासा
०

रेगमधपप,गम | सांसांधपगमरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
३

(३) हो ऽ ऽ | पपसासारेरेसासा सारेगमधधपप पपसांसांरेरेसासा |
× २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेंगंमंगंमरेंसांसां | पधपप,सांरेंसांसां धपममरेसा,रेग रे,गमग,मपसांसां |
०

धपममरेसा,सांसां | धप,धपममरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
३

(४) हो ऽ ऽ ऽ | गंऽमंऽरेंसां,सांऽ रेंऽसांमां,पऽधऽ पपगऽमऽरेसा
× २

सासासा,रेरेरे,गग | ममधधपप,पप प,सांसांसां,रेंरेंसांसां पपधधपपरेंरें |
०

सांसांधप,गमनी ध | पप,धपममरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
३

(५) हो ऽ ऽ ऽ | रेगमरेसासा,रेग मपममरेसा,रेग मनी धपममरेसा
× २

पपसांसांधपमम | रेसा,सांरेंसांसांधप रेंगंमंरेंसांसांधप गंमंरेंसांधप,रेंसां
०

धप,धपगमरेसा | रेगग,गमम,मप कऽऽ ऽर ऽत |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) हो ऽ ऽ ऽ | सासारेरेसासा,रेरे गगममधधपप रेरेरे,गगग,मम
× ०

धधपप,पधपप | मगमरेसासा,पप प,सांमांसां,रेंरेंसांसां रेंरेंगंगंमंमंरेंरें
०

सांसां,रेंरेंसांसांधप | सांसांधपममरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
३

(७) हो ऽ ऽ ऽ | सारेग,रेगम,गम प,रेगम,गमप,ग मनी धपप,रेगम |
× २

| गमप,मगम,रेसा | मंरध,गमप,सांसां रें,सांनीसां,पधपग मग,मगम,सारेसा |
०

रेगमपम,पसांसां | रेंसांधपममरेसा वऽऽ ऽर ऽत |
३

(८) हो ऽ ऽ ऽ | गमगमरेसा,पध पधमंपगमगम रेसा,गमगपपसां |
× २

सांरेंसांसांधपमम | रेसा,सांरेंसांरेंनीसां नीसांधप,मंपमंप गमगमरेसा,गंमं |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गंमं,सांरेंसांरेंसांसां | धप,धनमगरेसा कऽऽ ऽर ऽत |
३

राग कामोद

यह राग कल्याण थाट में उत्पन्न होता है, इस में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, शेष सब स्वर शुद्ध हैं। तीव्र मध्यम का प्रयोग, छायानट की तरह, अल्प प्रमाण में केवल आरोह में पंचम के साथ किया जाता है, गंधार अवरोह में वक्र है, निषाद का प्रयोग अल्प प्रमाण में होता है। आरोह में रे प संगती राग को स्पष्ट करती है। इसका वादी पंचम और संवादी ऋषभ है, जाति वक्र संपूर्ण है। गान समय रात्री का दूसरा प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरुप

सारे, प, मं, प, धपसां, सां, नीध, प, गमप, गमरेसा।

पकड़

रे, प, गमप, गमरेसा।

मुक्त आलाप :—सा, रे, सा, ध़प़, प़ध़प़, सा, सारे, सा। सा, रेप, गमप, गमरेसा, मरेसा, पगम, रेसा, रेप, धधप, मंप, गमधप, गमप, मरेसा। सारेप, सारेसा, रेप, प़ध़प़सा, रेसा, रेप, धधप, सां, धप, गमप, गमधप, धमंप, गमरेसा। मरेप, सारेसामरेप, प़ध़प़सा, रेसा, मरेप, गमप, सांध, प, रेंसांधप, गमधप, धमंप, गमरेसा, सासारेरेसासा, रेप, गमप, पपधप, मां, सांरेंमां,गंमंरेंसां,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मंरेंसां, रेंसां, धप, पधपप, सांधप, धप, गमप, गमरेसा, मरेसा, पपगमरेसा, धपमपरेसा । सांध।, गमप, गम, रेसा, रेंसां, धप, मरेंसां, रेंपं, गंमरेंसां, धप, गमधप, गमप, गम, रे, सा ।

मुक्त तानें :—सारेपगमरेसा, पधपपसासारेसा, रेपगमरेसा, सारेप, धपमंपगमपगमरेसा । सारेपपधपसांधपगमधप, गमपगमरेसा । पपसांसांरेंसांनीधप, मंपधप, गमपगमरेसा । रेंसांधप, मरेंसांधप, गमपगमरेसा । मंपसांसांरेंरेंसांसांगंमं रेंसांधपगमपगमरेसा।

सारेमासाममरेसारेपगमरेसा, सारेसासा, पधपप, गमधप, गमपगमरेसा । सारेसासा, पधपप, सांरेंसांनीधप, मंपधप, गमपगमरेसा, सारेसासा, पधपप, सांरेंसांसां, गंमंपंगमंरेंसां, मंरेंसांसांधप, गमधप, गमपगमरेसा ।

सामरेपमंधपपगमरेसा, सामरेपमंधपसांनीधप, गमरेसा, सामरेपमंधपसांनी रेंसांनीधप, ममरेसा, सामरेपमंधपसांनीरेंसांमरेंसांनीधपममरेसा ।

राग कामोद

बड़ा ख्याल—एक ताल (विलंबित)

सबन घन वारू जो पिया आवे मोरे मंदर ।
तन मन धन सब वारू आलम पर
पलकन डगर बीहारू ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

—सा	मरे— —	प	प	धप
ऽस	बऽऽऽ	ऽ	न	धन
	३		४	

म प	ग	गमप—	मरे— —	सा	—	सा मरे	सा
वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	रू	ऽ	जोऽ	ऽ
×		०		२		०	

सा ध़	प़	प पध	—प
पी	या	आऽ	ऽवे
३		४	

म प	ग	गमप—	—	पग	मरे	—सा	—सा
मो	ऽ	रेऽऽऽ	ऽ	मंऽ	ऽद	ऽर	ऽस
×		०		२		०	

मरे— —	प	प	धप
बऽऽऽ	ऽ	न	धन
२		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

पप	|	सांसां	—रे	|
तन	|	मन	ऽध	|
		४		

सां	सांध	|	सां	रेंसां	|	ध	प	|	गमप—	—म	|
न	वाऽ	|	रू	बाल	|	ऽ	म	|	ऽऽऽऽ	ऽप	|
×			०			२			०		

|	रे	सा	|	मरे	पप	|
|	ऽ	र	|	पल	छन	|
	३			४		

धप	सां	|	ध—पप	—ग	|	गमप—	गम	|	रे	सा,सा	|
हग	र	|	बोऽह्राऽ	ऽऽ	|	ऽऽऽऽ	ऽऽ	|	ऽ	रू.न	|
×			०			२			०		

|	मरे——	प	|	प	धप	|
|	बऽऽऽ	ऽ	|	न	घर	|
	३			४		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई के आलाप

(१)	वा	ऽ	सा	–	ध़	प़	सारे	–सा
	×		०		२		०	
					मरे,	सारे	पप	धप
						सब	ऽन	धन
					३		४	

(२)	वा	ऽ	सारे	–मा	मरे	प	गमप–	गम
	×		०		२		०	
					रेसा,	सब	ऽन	धन
					३		४	

(३)	वा	ऽ	सारे	प	ग– –म	धप	गमरे–	गम
	×		०		२		०	
					रेसा	सब	ऽन	धन
					३		४	

(४)	वा	ऽ	सारेसासा	मरे	प	सां	धप	गमप–
	×		०		२		०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| मरे–सा सब | ऽन धन |

३ ४

(५) वा ऽ | पधपप सां | सांरें –सां | सांध–प गमग– |

× ० २ ०

| रेसा सब | ऽन धन |

३ ४

(६) वा ऽ | मरेप– गमध– | –प पसांरें–सां | धर पगमसा |

× ० २ ०

| रेसा सब | ऽन धन |

३ ४

(७) वा ऽ | मरे–सा पगमरे | –सा,धप गमरेसा | सांधप,रें सांधप– |

× ० २ ०

| गमरेसा सब | ऽन धन |

३ ४

(८) वा ऽ | मपप–सां सांरें–सां | गंमंरेंसां मरें–सां | धप–ग मध–प |

× ० २ ०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

					गमरेसा	सब	ऽन	धन
					३		४	

अंतरे के आलाप

(१)	न	ऽ	सां	–	धप	सां	पपसां–	रें
	×		०		२		०	
					–सां,	तन	मन	–ध
					३		४	
(२)	न	ऽ	सां	धप	गमध–	प	पधपर	सां
	×		०		२		०	
					रेंसां,	तन	मन	–ध
					३		४	
(३)	न	ऽ	पधपप	सां	रेंना	गंमंरें–	सां	गमधप
	×		०		२		०	
					सां,	तन	मन	–ध
					३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) न ऽ | सां–धप गमरेसा | मरेपमं धपसां– | गं–मंरें सां–पध |
× ० २ ०

| पपमां– तन | मन ऽध |
३ ४

स्थाई की बोलताने

(१) बा ऽ | साध़–प़ प़सां | रे सा | गमध– प–म |
| सढ ऽन धन | ऽ न | बाऽऽऽ ऽऽऽऽ |
× ० २ ०

| सारेसा– सब | ऽन धन |
| रुऽऽऽ | |
३ ४

(२) बा ऽ | मरे साम | रेप –प | गमध– प–गम |
| सब नध | नबा ऽरु | बाऽऽऽ ऽऽऽऽ |
× ० २ ०

| सारेसा– सब | ऽन धन |
| रुऽऽऽ | |
३ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) वा	S	मरेप-	—प	धप	गमपग	मरेसा—	मरेगप
		सSबS	Sन	धन	बाSSS	SरूSSS	ब्राSSS
×		०		२		०	

धप	सध	Sन	धन
Sरू			
३		४	

(४) वा	S	पधपप	सां	धप	पमारें–	सांनां	सांश्ररग
		सSबS	S	नS	धनबाS	Sरू	सबनभ
×		०		२		०	

मरे–सा	सब	–न	धन
नबाSरू			
३		४	

(५) वा	S	ममसारे	सा–रे	पप	गमधप	सारेंसां–	सांधपग
		सSबS	नSबन	बारू	जोSSS	पीSय S	ग्रावेमोरे
×		०		२		०	

मरे–मा	मध	–न	धन
मंदSर			
३		४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) वा ऽ | पमारे–रे–सा– गमध–प–पसां | रेंसां– – गंमंसांरेंसांसांध– |
| सऽऽःबऽनऽ धऽऽऽनऽवाऽ | ऽरूऽऽऽ जोऽपिऽऽऽयाऽ |
× ० २

| पधपपग–गम प–ग–गमसारे | सा–धपममरेसा सब | –न धने |
| म्राऽऽऽवेऽमोऽ ऽऽरेऽमंऽदऽ | रऽऽऽऽऽऽऽ | |
० ३ ४

(७) वा ऽ | सारेसा,ममरे,पप धपप– | मधप,सांरेंसां,रेंसां मंरेंसांरेंसांसांधप |
| सऽऽबऽऽनऽ ध नऽ | वाऽऽऽऽऽरूऽ जोऽःऽऽऽऽऽ |
× ० २

| पपसांसांरेंरेंसांसां गमग,गमध,पप | गमप,गमरेसा– सब |
| पिऽऽऽऽऽयाऽ मोऽऽरेऽःमऽ | दःऽरऽऽवाऽ |
० ३

| –न धन |
४

स्थाई की तानें

(१) वा ऽ | पधपपसासारेरे सासा,ममरेसा,मरे | पपगमरेसा,मरे पपधगगमरेसा |
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| मरेपपधप,सांरें सांसांधपममरेसा | सांसांधपममरेसा सब |
० ३

| ऽन धन |
४

(२) वा ऽ | सारेसासा,ममरेसा पपगमरेसा,धप | गमरेसा,सांधपप
× ० २

गमरेसा,रेंसांधप | गमरेसा,गमरेंसां रेंसांधप,धपगम |
०

| धधरप,गमरेसा सब | ऽन ऽन |
३ ४

(३) वा ऽ | सारेमरे,ममधप पसांरेंसां,मांरेंमंरें | सांरेंसांमंरेंसां,पसां
× ० २

परेंसांध,गमगध | पपधपममरेसा पपप,सांसांसां,रेंरें |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| सांसांधपममरेसा मब ऽन धन |
३ ४

(४) वा ऽ | सामरेपगमरेसा सामगपमधपप | गमरेसा,सामरेप
× ० २

मधपसांधपगम | रेसा,सामरेपमध पसांनीरेंसांमरेंसां |
०

| धपधपममरेसा सब | —न धन |
३ ४

(५) वा ऽ | साममरे,रेपरम गधधप,रेपपम | गमरेसा,सा .मरे
× ० २

रेपपम,गधधप | पसांसांध,सांरेंरेंसां रनांमां,पधध,गम |
०

| गमधपगमरेसा सब | -न धन |
३ ४

(६) ब ऽ | सामरेसा,रेपमग मधपमं,रेपमग | मरेसासा,रेपमग
× ० २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मंधपमं, पसांधप | धरेंसांध, पसांधप गधपम, रेपमग
०

| सांसांधपममरेसा सध | ऽन धन |
३ ४

(७) वा ऽ | ममरेसां, पमम रेसा, सांसांधपमम | रेसा, रेंसांसांधप
× ० २

मंमंरेंसांधप, सांसां | धप ममरेसा, रेम रेपमंधपसापरें
०

सांसांध ममरेसा सध | ऽन धन |
३ ४

॥ इति ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शुद्धि पत्र

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
3	4		प्राचिन	प्राचीन
17	8		कहि	कही
17	स्वर विस्तार 5		पर	परे
18	1	1	ध–परे	ध – परे
18	1	2	–रक ऽ हि	ऽ रं कऽ हि
18	2	1	सा – ग मग का ऽ हे नाऽ	सा – ग मग का ऽ हे नाऽ
18	2	3	रे ग गम प ह म री ऽ ऽ	रे ग गम प ह म रीऽ ऽ
19	6		याई	माई
20	7	4	गम पध पप	ग म पध पप
23	9	2	2	5
24	1	3	रेग म रे मग	रेग म रे मग
24	अन्तिम	2	गम नीध पप गम	गम नीध पप गम
25	1	2	2	3
25	2	2		3
25	5	2	2	3
25	6	2	2	3
26	1	2	2	3
26	2	2	2	3
26	3	2	2	3
26	4	2	2	3
26	5	2	2	3
27	1	2	2	3
27	2	2	2	3

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
26	5	3	संसं	संसं
28	1	4	म पप	मे पप
28	2	2	धनी संध	धनि सं ध
28	2	3	धप	धप
29	10	2	0	2
29	10	3	2	0
30	8	1	कुऽ	लुऽ
33	2	1	म	मं
33	1	3	हि	रि
34	1	1	ध	ध
34	1	2	ध	ध
35	अन्तिम	2	9	0
36	4	4	ध प	ध प
36	5	3	1	2
38	3	4	धप	धप
39	2	2	2	3
40	4	4	मंमं रें सं धप गम	मंमं रेंसं धप गम
40	5	2	रेप मरे रेप मध	रेप मरे रेप मेध
40	7	3	गंमं रेंसं संरें संसं	गम रेस संरें ससं
40	अन्तिम	4	संरें स, स	संरें संसं
40	अन्तिम	5	म	गम
43	2	1	डा	दा
43	2	4	प पमे धप मत्र	प पमे धप मग
43	7	3	0	2
45	4, 5	1	पध मेप	पध मेप
			पिऽ युऽ	पिऽ युऽ
45	4	4	नी	नी
45	3	4	नी	नी
45	4	2	ऽ युऽ	पीऽ युऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
46	अन्तिम	2	धप मग रेस नि़स	धप मग रेस नि़स
47	1	2	2	3
47	2	2	2	3
47	3	2	2	3
47	4	2	2	3
47	5	2	2	3
47	6	2	2	3
47	7	2	2	3
47	8	2	1	2
47	6	5	चिन्ह नहीं	0
47	3	5	सां	सा
48	2	4	चिन्ह नहीं	3
48	5	3	– सा	– सां
49	8	4	र आऽ यावे	रे आऽयावे
50	9	1	सगं रेंम गंमं रेंसं	संगं रेंमं गंमं रेंसं
51	7	2	मे ध	मेध
52	1	4	मप	मेप
54	3	4	य	म
55	3	3	2	0
55	9	3	म	न
58	1	3	ग	ग
60	5	1	0, 3,×,2	×, 2, 0, 3
62	1	4	रें सरे नि़ स	रे सरे नि़ स
62	12	1	धप़	धप
63	4	3	निस	नि़स
65	1		धनिसं	ध निसं
65	5		मेध मेम रेस	मेध मेगरेस
67	3	1	रें गं – मे	रेंगं – में
68	5	1	नी़ – रे	नि़–रे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
69	5	4	नि रें सं	नि रें सं –
75	15	स्वर विस्तार	मेध निसं रेंसं	मे ध नि सं रें सं
75	16	,,	सं रें सं	सं रें सं
76	अन्तिम	1	ग ग ग	ग ग ग
77	7	1	गं रें में	गं रें में
77	9	1	रें सं रें	रें सं रें
77	9	4	न	नि–
91	5	5	रें –	रें –
91	9	5	सां –	सा–
92	1	4	नीरे – ग	नीरे – म
92	7	1	रें नी ध	रें नःध
92	7	2	मेग रेस	मेग रे सा
104	4	3	संनि	संनि
112	15	–	अमृप	अमृत
112	15	–	घतुराई	चतुराई
116	8	1	गपधनी	गपधना
117				
120	1	2	सरें सां न धीप धनी	संरेंसंनीधपधनी
130	8	1	रें सं स नीध पधम	रेंसंसंनीधमधप
134	11	–	पूवा	पूर्वी
135	1	1	म – रेग	म – रेग
136	6	1	गमे–	ग मे–
147	1	3	रे न	रे नि
147	1	4	सा ध – ध	सा ध – ध
147	7	4	रें रें ध	रें रें ध
148	1	2	न रे	निरे
148	3	4	धं सं	ध्स

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
149	3	3	रे सं	रेस
149	13	1	सा, षि	सा, धि
151	5	1	गरेंनिध ध	गरेंनिध
156	8	1	ऽ जि नक	8 जि नक
171	3	3	ग रे सा–	गरेसा–
171	13	3	नीधप मरे गरेसा	नीधपमगरेगरेस
176	8	1	क ऽ ऽ ऽ	क 8 ऽ ऽ
176	10	1	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ 8
178	4	3	गा भ नी–	गमनी–
183	8	2	पप सं सा र र स स	पपसंसंरेंरेंसंसं
188	6	2	पध –प	पुधु – पु
189	2	2	–रे	–रें

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ. भां. ग. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है।

समपादक :—प्रोफेसर बी. आर. देवधर

मासिक की विशेषतायें :—

संगीत के रसिकवर्ग के लिये

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैय्यों के चरित्र

प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र

सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय विद्वानों तक के संगीत विषयक लेख

प्रसिद्ध सिनेमा संगीत—दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय गानों को (नोटेशन सहित) तर्जें

हास्यविनोद—कलाकारों के किस्से

व्यंग—चित्र आदि

संगीत के विद्यार्थियों के लिये

संगीत—शास्त्र विषयक चर्चा

तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी

तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी

परीक्षा—प्रश्नों के उत्तर

प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानी चीजें और उसके नोटेशन

पत्र—व्यवहार वगैरह

वार्षिक शुल्क :—रु. ६ ; वी. पी. से रु. ६॥ ; फुटकर अङ्क ७५ पैसे

विदेश के लिये रु. ८॥ (विदेश के लिये वी. पी. नहीं)।

पत्र—व्यवहार और शुल्क भेजने का पता :—

मैनेजर, संगीत कला विहार, डाकघर—मिरज (द. सतारा)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi